रजिस्ट्री सं. डीएल—(एन) 04/0007/2003--23 REGISTERED No. DL—(N) 04/0007/2003—23

सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-सा.-01072023-246916
CG-DL-W-01072023-246916

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 26] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 1—जुलाई 7, 2023 (आषाढ़ 10, 1945)
No. 26] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 1—JULY 7, 2023 (ASADHA 10, 1945)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

	पृष्ठ सं.
भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं.	405
भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.	639
भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.	11
भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.	1653
भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम.	*
भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ.	*
भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट.	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं).	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं.	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं).	*
भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश.	*
भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.	1155
भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेन्टों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस	*
भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.	*
भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं.	3
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस.	2209
भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूरक.	*

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

CONTENTS

	Page No.
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	405
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	639
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	11
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	1653
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	1155
PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	*
PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	3
PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	2209
PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

*Folios not received.

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 जनवरी 2023

सं. 34-प्रेज/2023— भारत की माननीय राष्ट्रपति छत्तीसगढ़ के निम्नलिखित पुलिस कार्मिक को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री वैभव मिश्रा	रिजर्व निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 15 अप्रैल, 2020 को, डॉ. अभिषेक पल्लव, पुलिस अधीक्षक, दंतेवाड़ा को अपने मुखबिरों के माध्यम से सीपीआई (माओवादी) के पश्चिम बस्तर डिवीजन के 60-70 सशस्त्र माओवादियों (वरिष्ठ माओवादी कमलू पूनेम, डीवीसीएम, चंद्रन्ना, डीवीसीएम, संजय कादती, डीवीसीएम और अन्य सहित) की मौजूदगी के संबंध में एक विशेष खुफिया जानकारी प्राप्त हुई।

एक विस्तृत ऑपरेशनल योजना बनाई गई और डीआरजी (264 नफरी), एसटीएफ (50 नफरी), नफरी) बटालियन सीआरपीएफ 230 (50और बस्तरिया बटालियन (24 नफरी)की संयुक्त पार्टियों को बजे रवाना किया गया। अगली सुबह 14:30, जब पुलिस पार्टियां पोरोवाड़ा के जंगलों के बीच पहुंची, तो वहां पर घात लगाकर बैठे हुए माओवादियों ने पुलिस बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। डीआरजी ग्रुप नेतृत्व का 2 कर रहे रिजर्व निरीक्षक नक्सल ऑपरेशन श्री वैभव मिश्रा गोलीबारी की चपेट में आ गए और उन्होंने दृढ़तापूर्वक जवाबी कार्रवाई की तथा अन्य डीआरजी समूहों ने भी आत्मरक्षा में घेराबंदी तथा गोलीबारी करनी शुरू कर दी। डीआरजी-02 के रिजर्व निरीक्षक नक्सल ऑपरेशन श्री वैभव मिश्रा ने जमकर युद्ध किया और अपने समूह का नेतृत्व किया। उन्होंने उत्कृष्ट नेतृत्व कौशल का प्रदर्शन किया और अपनी टीम का मार्गदर्शन किया। उन्होंने डीआरजी टीम के समग्र पार्टी कमांडर पुलिस उपाधीक्षक श्री देवांश राठौर को वायरलेस सेट के माध्यम से सूचित किया।

गोलीबारी करीब मिनट तक चलती रही। गोलीबारी के बाद 30, पूरे क्षेत्र को सील कर दिया गया तथा घेराबंदी करके गहन तलाशी की गई। तलाशी के दौरान, एक शव बरामद हुआ, जिसकी पहचान बाद में आशु सोढ़ी, पुत्र मासो सोढ़ी, निवासी कटुलनार के रूप में की गई, जिसके पास पश्चिम बस्तर डिवीजन के एक्शन टीम कमांडर का प्रभार था।

सुरक्षा बलों को मिली सफलता में रिजर्व निरीक्षक नक्सल ऑपरेशन श्री वैभव मिश्रा की भूमिका महत्वपूर्ण थी। वे गोलीबारी करते हुए आगे बढ़े और गोलीबारी के क्षेत्र में प्रवेश कर गए। रिजर्व निरीक्षक नक्सल ऑपरेशन श्री वैभव मिश्रा ने इस पूरे ऑपरेशन के दौरान डीआरजी-02 का कुशलतापूर्वक नेतृत्व किया और अन्य डीआरजी टीमों के साथ समन्वय भी स्थापित किया। इस बंदूकी लड़ाई में पुलिस का पलड़ा भारी होने में डीआरजी-02 की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस ऑपरेशन में श्री वैभव मिश्रा, रिजर्व निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 16/04/2020 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/1161/05/2022-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 35-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति छत्तीसगढ़ के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्वश्री/	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	डॉ. अभिषेक पल्लव, भापुसे	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2.	अश्वनी सिन्हा	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 14 जुलाई, 2019 को पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा को सीपीआई (माओवादी) के कटेकल्याण क्षेत्रीय समिति दरहा डिवीजन के 10-15 सशस्त्र माओवादियों के गुमियापाल कर्रेपारा के जंगलों में मौजूद होने के बारे में मुखबिरों से एक सटीक खुफिया जानकारी प्राप्त हुई, जिनमें कट्टर माओवादी जगदीश (डीवीसीएम), विनोद (डीवीसीएम), देवा (डीवीसीएम), प्रदीप (एसीएम) और मंगली (एसीएम) शामिल थे। पुलिस स्टेशन किरंदुल, गुमियापाल कर्रेपारा अत्यधिक संवेदनशील नक्सली गांवों में से एक है और सीपीआई (माओवादी) के मुख्य क्षेत्र में स्थित है।

एक विस्तृत ऑपरेशनल योजना बनाई गई और डीआरजी पार्टियों (नफरी 86) को उप निरीक्षक मोहन भारद्वाज और उप निरीक्षक अश्वनी सिन्हा के नेतृत्व में रात 01.05 बजे रवाना किया गया। जब पुलिस दल गुमियापाल के जंगलों में पहुंचा, तब वहां पर घात लगाकर बैठे हुए नक्सलियों ने पुलिस बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। उप निरीक्षक मोहन भारद्वाज और उप निरीक्षक अश्वनी सिन्हा के नेतृत्व वाले डीआरजी के सैन्य दस्ते ने दृढ़तापूर्वक जवाबी कार्रवाई की। गोलीबारी बंद होने के बाद, मुठभेड़ क्षेत्र की तलाशी की गई, जिसमें एक पुरुष और एक महिला के शव बरामद किए गए, जिनकी पहचान बाद में माओवादी मंगली हेमला, मलंगीर क्षेत्र समिति सदस्य और दरभा डिवीजन चिकित्सक टीम प्रभारी, ग्राम पुवारली, पुलिस स्टेशन जगरगुंडा, जिला सुकमा और (2) माओवादी हर्निया शंकर उर्फ देवा, मलंगीर क्षेत्र समिति सदस्य और सीएनएम कमांडर, ग्राम जंगमपाल, पुलिस स्टेशन कुकनार, जिला सुकमा के रूप में की गई। मुठभेड़ स्थल से एक 303 राइफल और एक देशी हथियार बरामद किया गया। सुरक्षा बलों को मिली सफलता में उप निरीक्षक अश्वनी सिन्हा की भूमिका महत्वपूर्ण थी। माओवादियों के गढ़ में मिली इस ऑपरेशनल सफलता से नक्सलियों को झटका लगा और पुलिस को इस क्षेत्र में मजबूती से पांव जमाने में मदद मिली।

सुरक्षा बलों को मिली सफलता में पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव (भापुसे) की भूमिका महत्वपूर्ण थी। उन्होंने नक्सलियों की मौजूदगी के बारे में सटीक खुफिया जानकारी एकत्र की और तत्पश्चात अतिरिक्त पुलिस बल का नेतृत्व किया, जो समय पर मुठभेड़ स्थल पर पहुंच गया। माओवादियों के मुख्य क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने में सटीक खुफिया जानकारी महत्वपूर्ण थी। समय पर अतिरिक्त सुरक्षा बल के आने और मुठभेड़ स्थल पर पुलिस अधीक्षक की मौजूदगी ने सैन्य दस्ते को प्रेरित किया और उन्हें सक्षम नेतृत्व प्रदान किया। पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा बलों की पुलिस लाइन, दंतेवाड़ा में सफल एवं सुरक्षित वापसी की योजना बनाई।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री डॉ. अभिषेक पल्लव, भापुसे, पुलिस अधीक्षक और अश्वनी सिन्हा, उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 14/07/2019 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/1178/05/2022-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 36-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति छत्तीसगढ़ के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं :—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्वश्री/	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	यशवंत श्याम	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	उसारू राम कोर्राम	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

कोंडागांव जिले का कुवेमारी क्षेत्र नक्सलियों का गढ़ है। इसकी भौगोलिक विशेषताओं के कारण, यह नक्सलियों के लिए एक सुरक्षित क्षेत्र बना हुआ है, क्योंकि यहां पर घने जंगल, घाटियां और कई छोटी नदियां मौजूद हैं। इस क्षेत्र में नक्सलियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया सूचनाएं नियमित रूप से मिलती रहती हैं। यह क्षेत्र एक ऊँचे पठार पर स्थित है, जिसके कारण यहां पहुंचना कठिन है और यहां आने वाले सुरक्षा बलों की लोकेशन को गुप्त रखना मुश्किल है। इस क्षेत्र में नक्सल-रोधी अभियान शुरू करना एक कठिन कार्य है।

इस पृष्ठभूमि में, कुवेमारी क्षेत्र में नक्सल कैडरों की मौजूदगी के बारे में श्री सिद्धार्थ तिवारी, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक (कोंडागांव) को विशेष आसूचना शाखा (एसआईबी) द्वारा एक विशिष्ट सूचना प्रदान की गई। इस सूचना के आधार पर, श्री सिद्धार्थ तिवारी, पुलिस अधीक्षक द्वारा एक ऑपरेशन की योजना बनाई गई। योजना का उपयुक्त क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए, श्री सिद्धार्थ तिवारी ने स्वयं कोंडागांव में डीआरजी हब में ऑपरेशनल दल को सभी पहलुओं जैसे कि खुफिया जानकारी, रणनीतिक गतिविधि, हथियार और गोला-बारूद, संचार और संभावित आकस्मिकताओं के बारे में जानकारी प्रदान की। जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और जिला पुलिस बल के 44 सदस्यों वाले संयुक्त सैन्य बल को मलजकुडुम से एडेंगा और दुवाल गांवों के लक्ष्य क्षेत्र की ओर भेजा गया। यह ऑपरेशन दिनांक 01.06.2021 को 03:30 बजे शुरू किया गया।

श्री सिद्धार्थ तिवारी, पुलिस अधीक्षक स्वयं पुलिस पार्टी के साथ मलजकुडुम गए और उसके बाद उन्होंने व्यक्तिगत रूप से ऑपरेशन की निगरानी करने एवं निर्देश देने के लिए अतिरिक्त सैन्य दल के साथ पुलिस स्टेशन धनोरा में डेरा डाल दिया। उप निरीक्षक यशवंत श्याम के नेतृत्व में संयुक्त पुलिस दल ने रणनीतिपूर्वक लक्ष्य क्षेत्र की ओर प्रस्थान किया और आस-पास की पहाड़ियों और जंगलों में तलाशी की। लगभग 09:00 बजे, श्री सिद्धार्थ तिवारी ने मोबाइल फोन के माध्यम से, टीम को नक्सलियों की संभावित लोकेशन एडेंगा के पास भंडारपाल गांव के पश्चिम में प्वाइंट 830 और प्वाइंट 825 के ऊंचाई वाले स्थानों के बीच में होने के बारे में जानकारी दी। श्री सिद्धार्थ तिवारी ने कमांडर को टीम को विभिन्न दलों में विभाजित करने का भी निर्देश दिया, जिनका नेतृत्व उप निरीक्षक यशवंत श्याम और उप निरीक्षक रामजी तर्मे द्वारा किया जाना था।

पुलिस पार्टी चतुराई से निर्धारित लक्ष्य की ओर बढ़ने लगी। जैसे ही पार्टी ने क्षेत्र की घेराबंदी शुरू की, तभी वहां पर घात लगातार बैठे हुए लगभग 20-25 नक्सलियों ने पुलिस कर्मियों को जान से मारने और उनके हथियार तथा गोला-बारूद लूटने के इरादे से पुलिस पार्टी पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस दल ने तुरंत कवर ले लिया और नक्सलियों को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन नक्सलियों की ओर से गोलीबारी जारी रही। जब पुलिस पार्टी के पास कोई अन्य विकल्प नहीं बचा, तो उसने आत्म-रक्षा में जवाबी गोलीबारी की। टीम कमांडर ने अचानक हुए इस हमले के बारे में श्री सिद्धार्थ तिवारी, पुलिस अधीक्षक को सूचित किया, जिसके बाद वे तुरंत 11 सदस्यों वाले अतिरिक्त सैन्य बल के साथ क्षेत्र के लिए रवाना हो गए। मौके पर पहुंचकर और वहां की मौजूदा स्थिति का जायजा लेने के बाद, श्री सिद्धार्थ तिवारी ने नक्सलियों की भारी गोलाबारी का बहादुरी से सामना करने के लिए टीम को प्रोत्साहित किया।

जब पार्टी नक्सलियों के ठिकाने का घेराव कर रही थी, तभी हेड कांस्टेबल उसारू राम कोर्राम ने एक वर्दीधारी नक्सली को देखा, जो पुलिस पार्टी पर गोलीबारी कर रहा था। हेड कांस्टेबल उसारू राम कोर्राम अपनी जान की परवाह किए बिना उस नक्सली कैडर की ओर कूद पड़े और उसके हथियार को छीनने का प्रयास किया। दोनों के बीच हाथापाई शुरू हो गई, जिसे देखकर पास में ही खड़ा एक अन्य नक्सली कैडर हेड कांस्टेबल उसारू राम कोर्राम की ओर आया और उसने अपनी .303 राइफल की बट से उनका सिर फोड़ने की कोशिश की। इस हाथापाई में हेड कांस्टेबल उसारू राम कोर्राम घायल हो गए, लेकिन जब तक उनकी टीम के सदस्य मौके पर नहीं पहुंचे, तब तक वे अनुकरणीय बहादुरी का प्रदर्शन करते हुए नक्सलियों से लड़ते रहे। अन्य पुलिसकर्मियों को देखकर, नक्सली कैडर हेड कांस्टेबल उसारू राम कोर्राम को छोड़कर थोड़ा दूर भाग गए और पुलिस पार्टी पर गोलीबारी फिर से शुरू कर दी।

उप निरीक्षक यशवंत श्याम ने भारी गोलाबारी के बीच बहादुरी से अपने दल का नेतृत्व किया और जवाबी गोलीबारी के साथ नक्सलियों को घेरना शुरू कर दिया। उप निरीक्षक यशवंत श्याम ने अनुकरणीय साहस दिखाया और आगे बढ़कर नेतृत्व करते हुए, नक्सलियों को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए बल को प्रोत्साहित करते रहे।

पुलिस पार्टी की बेहतर रणनीति और घेराबंदी को महसूस करते हुए, नक्सली घने जंगल और गहरी घाटियों का फायदा उठाते हुए पीछे हट गए। लगभग 2-3 घंटे तक चली बंदूकी लड़ाई के बाद, पूरे क्षेत्र की सघन तलाशी की गई और घटना स्थल से 02 वर्दीधारी नक्सलियों के शव (01 पुरूष एवं 01 महिला) तथा 02 मैगजीन सहित एक 7.62 एमएम एसएलआर राइफल, मैगजीन के साथ एक .303 राइफल, .315 बोर की 01 देशी राइफल, एक देशी .303 राइफल और 12 बोर की एक देशी राइफल के साथ भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री, नक्सली साहित्य, दवाइयां और दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद की गईं।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री यशवंत श्याम, उप निरीक्षक और उसारू राम कोर्राम, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 01/06/2021 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/1208/05/2022-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 37-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति छत्तीसगढ़ के निम्नलिखित पुलिस कार्मिक को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
.1	श्री उत्तम कुमार	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

पत्र के माध्यम से प्राप्त निर्देश के अनुसार, डीआरजी केरलापाल के 42 पुलिस कर्मियों तथा सहायक कमांडेन्ट योगेंद्र सिंह के नेतृत्व में सीआरपीएफ की दूसरी बटालियन के 52 पुलिस कर्मियों के साथ पार्टी कमांडर उप निरीक्षक बृजलाल भारद्वाज, पार्टी के द्वितीय कमान अधिकारी उप निरीक्षक उत्तम कुमार तथा उप निरीक्षक भीमार्जुन तांडी के नेतृत्व में पुलिस स्टेशन चिंतागुफा की पुलिस पार्टी दिनांक 21.11.2019 को कुल 98 पुलिस कर्मियों के साथ नक्सल-रोधी अभियान के लिए बडेमागुड़ा, चिगनगुड़ा, सिरसेटी, मुलेर, गंधारपारा, माडोपारा एवं पोंगाभेज्जी गांव की ओर रवाना हुई।

पुलिस पार्टी ने दिनांक 22.11.2019 को दिन भर मुलेर क्षेत्र के जंगल तथा पहाड़ियों की तलाशी की। सीआरपीएफ की पार्टी वापस केरलापाल कैंप चली गई और डीआरजी की पार्टी माडोपारा गांव के जंगल में रुक गई एवं रात में वहीं पर एलयूपी ले ली।

दिनांक 23.11.2019 को प्रात:काल, योजना के अनुसार, जब पुलिस पार्टी लगभग 06:45 बजे एलयूपी से निकलकर गंधारपारा एवं मुलेर क्षेत्र में तलाशी कर रही थी, तभी लगभग 40-50 प्रतिबंधित वर्दीधारी एवं सादी वर्दी वाले पुरुष एवं महिला नक्सलियों, जिन्होंने पुलिस बलों को जान से मारने और उनसे हथियार एवं गोला-बारूद छीनने के इरादे से पहले ही पोजीशन ले रखी थी, ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस पार्टी ने तुरंत पोजीशन ले ली और क्षेत्र को ब्लॉक कर दिया। पुलिस दल ने, यथा संभव, पेड़ों और भारी चट्टानों के पीछे छिपकर तेज आवाज में नक्सलियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन नक्सलियों ने इस चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया और उन्होंने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दिए जाने के बाद, नक्सलियों ने गोलीबारी और तेज कर दी। इसके बाद, जब पुलिस कर्मियों के सामने कोई विकल्प नहीं बचा, तो उन्होंने भी गोलीबारी करके उनका जवाब दिया। खुद को चारों तरफ से घिरता हुआ देखकर तथा अपनी हार का अनुभव करते हुए, नक्सली जंगल के पहाड़ी क्षेत्र का फायदा उठाकर वहां से भाग खड़े हुए। गोलीबारी लगभग 40 से 45 मिनट तक चली। गोलीबारी समाप्त होने के बाद, घटना-स्थल की सघन तलाशी की गई, जिसमें एक अज्ञात वर्दीधारी पुरूष नक्सली, उम्र लगभग 23 वर्ष, का शव बरामद हुआ और शव के पास 01 लोडेड राउंड के साथ 01 पिस्टल, पिस्टल के 02 खाली राउंड, 01 मोटोरोला सेट, आईईडी ब्लास्ट करने का 01 मैकेनिकल रिमोट, 01 बैटरी, 01 पिट्ठू, 01 बैग, 01 आर्चरी, 04 कंबल, नक्सली साहित्य और दवाइयां बरामद की गईं।

नक्सलियों ने पुलिस कर्मियों पर लगभग 110-120 राउंड गोलीबारी की। पुलिस पार्टी ने 134 राउंड गोलीबारी की। घना जंगल होने के कारण वहां फायर किया गया गोला-बारूद एवं कारतूस बरामद नहीं हुआ। घने जंगल और झाड़ियों के कारण पुलिस पार्टी को खाली कारतूस नहीं मिले।

जब पुलिस पार्टी पर माओवादियों ने हमला किया, तब श्री उत्तम कुमार, उप निरीक्षक, डीआरजी भेज्जी, जिला-सुकमा के द्वितीय कमान अधिकारी ने अत्यधिक सूझ-बूझ, कुशल नेतृत्व, शानदार ऑपरेशनल क्षमता और विशिष्ट रणनीतिक बुद्धिमत्ता का प्रदर्शन किया तथा बल का नेतृत्व करते हुए, टीम को नुकसान पहुंचाने की माओवादियों की महत्वाकांक्षा को सफलतापूर्वक विफल कर दिया। उनकी इस कार्रवाई से न केवल उनके जवानों की जान बची, बल्कि माओवादियों का हमला भी विफल हो गया और उन्होंने माओवादियों को मारने और एक खूंखार नक्सली का शव बरामद करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी कार्रवाई से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। श्री उत्तम कुमार ने जिस तरह से ऑपरेशन का नेतृत्व किया, समर्पण दिखाया, अपने साथी पुलिस दल के अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ उत्कृष्ट समन्वय और टीमवर्क के रूप में धैर्यपूर्वक कार्य किया, वह अन्य अधिकारियों और अधीनस्थ कार्मिकों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है। माओवादियों के हमले को विफल करने में योगदान देने के लिए उनके दृढ़ संकल्प और उनके द्वारा प्रदान किए मार्गदर्शन की वजह से वे इस सम्मान के हकदार हैं।

इस ऑपरेशन में श्री उत्तम कुमार, उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 23/11/2019 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/1209/05/2022-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 38-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति छत्तीसगढ़ के निम्नलिखित पुलिस कार्मिक को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी), मरणोपरांत प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	स्व. श्री कृष्णपाल सिंह कुशवाह	सहायक प्लाटून कमांडर	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

सहायक प्लाटून कमांडर कृष्णपाल सिंह कुशवाह दिनांक 20.07.1995 को छत्तीसगढ़ पुलिस में कांस्टेबल के रूप में शामिल हुए थे। उन्हें दिनांक 24.05.2004 को हेड कांस्टेबल के रूप में तैनात किया गया था और बाद में उन्हें दिनांक 25.12.2012 को हेड कांस्टेबल से सहायक प्लाटून कमांडर के रूप में पदोन्नत किया गया था। सहायक प्लाटून कमांडर कृष्णपाल सिंह कुशवाह ने वर्ष 2009 से नक्सल प्रभावित क्षेत्र में अपनी तैनाती के दौरान निष्ठापूर्ण कठिन परिश्रम का परिचय दिया।

पुलिस स्टेशन कटेकल्याण, जिला दंतेवाड़ा के तहत आने वाले क्षेत्र में माओवादी कैडरों की मौजूदगी के संबंध में सूचना प्राप्त होने पर, दिनांक 21.08.2015 को पुलिस अधीक्षक, दंतेवाड़ा ने एक नक्सल-रोधी अभियान की योजना बनाई। इस योजना में चार पार्टियों को शामिल किया गया और उन्होंने विभिन्न स्थानों से प्रस्थान किया। सहायक प्लाटून कमांडर कृष्णपाल सिंह के नेतृत्व में टीएफ-09 के 46 सुरक्षाकर्मियों वाली एक टीम जगदलपुर से गांव तहकवाड़ा, तोंगपाल के लिए रवाना हुई। रास्ते में उन्हें ग्राम दरभा के समीप एनएच-30 पर पेड़ काटकर रास्ता अवरूद्ध किये जाने के सम्बन्ध में सूचना प्राप्त हुई। टीएफ-09 पार्टी लक्ष्य क्षेत्र की ओर रवाना हो गई। जब ऑपरेशनल बल लक्ष्य की ओर बढ़ रहा था और गांव दरभा के पास पहुंचा, तो नक्सलियों ने पुलिस पार्टी को देखते ही उसके ऊपर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस पार्टी ने भी आत्म-रक्षा में जवाबी कार्रवाई करते हुए नक्सलियों पर गोलीबारी की। मुठभेड़ के दौरान, सहायक प्लाटून कमांडर कृष्णपाल सिंह गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही शहीद हो गए। जब नक्सलियों को यह महसूस हुआ कि पुलिस पार्टी उनसे ज्यादा ताकतवर है, तो वे घने जंगल की ओर भाग गए। इसके बाद, पुलिस पार्टी ने आस-पास के क्षेत्र की घेराबंदी करके उसकी तलाशी की। पुलिस पार्टी ने दो टिफिन बम, एक बंडल तार, पैम्फलेट और नक्सलियों से संबंधित अन्य सामान बरामद किए।

इस गोलीबारी में, पुलिस पार्टी नक्सली गोलीबारी से अपना बचाव करने में सफल रही। इस ऑपरेशन में, उन्होंने साहस, शौर्य, नेतृत्व गुण तथा भारत माता के प्रति कर्तव्यपरायणता का दुर्लभ और असाधारण उदाहरण प्रदर्शित किया।

इस ऑपरेशन में स्व. श्री कृष्णपाल सिंह कुशवाह, सहायक प्लाटून कमांडर ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 22/08/2015 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/1218/05/2022-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 39-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्वश्री/	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	ललित मोहन नेगी	सहायक पुलिस आयुक्त	वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार
2.	सुंदर गौतम	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्वश्री/	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
3.	शमशेर सिंह	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4.	रघुवीर सिंह	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 17/02/2020 को प्रातः लगभग 05:05 बजे, गुप्त सूचना के आधार पर, विशेष प्रकोष्ठ की एक टीम, जिसमें सहायक पुलिस आयुक्त ललित मोहन नेगी एवं हृदय भूषण, निरीक्षक विनोद कुमार, उप निरीक्षक सुंदर गौतम , उप निरीक्षक रघुवीर सिंह, उप निरीक्षक शमशेर सिंह और अन्य लोग शामिल थे, ने आनंदमई मार्ग पर एक पल्सर मोटरसाइकिल को रोका। सहायक पुलिस आयुक्त ललित मोहन नेगी की जिप्सी से उक्त पल्सर मोटरसाइकिल को रोका गया और उसके दाहिनी ओर टक्कर मारी गई। चेतावनी दिए जाने के बावजूद, दोनों वांछित अपराधी अपनी पल्सर बाइक के फिसलने से पहले बाइक से उतरने में कामयाब रहे और अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए उन्होंने अपने हथियार बाहर निकाल लिए तथा पुलिस पार्टी की ओर निशाना लगाते हुए गोलीबारी शुरू कर दी।

टीम के सदस्यों ने इन अपराधियों द्वारा चलाई गई गोलियों की बौछार का बहुत नजदीक से सामना किया। विचलित और भयभीत हुए बिना, सहायक पुलिस आयुक्त ललित मोहन नेगी, उप निरीक्षक सुंदर गौतम, उप निरीक्षक रघुवीर और उप निरीक्षक शमशेर सिंह ने भी आत्म-रक्षा में जवाबी कार्रवाई की। लेकिन उन बदमाशों ने अपने अत्याधुनिक हथियारों से गोलीबारी जारी रखी। इन बदमाशों द्वारा चलाई गई गोलियां सहायक पुलिस आयुक्त ललित मोहन नेगी, उप निरीक्षक सुंदर गौतम, उप निरीक्षक रघुवीर एवं उप निरीक्षक शमशेर सिंह द्वारा पहनी गई बुलेट प्रूफ जैकेट पर लगीं। एक गोली सरकारी जिप्सी के बाएं दरवाजे पर भी लगी और उसे भेदते हुए बाहर निकल गई।

यह एक खुला क्षेत्र था और वहां की स्थिति युद्ध जैसी थी। बदमाशों ने सुरक्षित पोजीशन ले रखी थी और वे पुलिस टीम के सदस्यों को हताहत करने के लिए उन्हें निशाना बनाकर अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे थे तथा पुलिस अधिकारी अपराधियों की गोलीबारी के ठीक सामने थे। उनकी जान जोखिम में थी, लेकिन पुलिस टीम के पास अपनी सुरक्षा के लिए कोई कवर नहीं था। पुलिस टीम ने इस नाजुक स्थिति में कम से कम बल का प्रयोग किया। ये दोनों बदमाश, जिनकी पहचान राजू उर्फ रमेश उर्फ बहादुर (मोटरसाइकिल सवार) और राजा कुरैशी उर्फ रफीक (पीछे की सीट पर सवार) के रूप में की गई, दोनों ओर से हुई गोलीबारी में घायल हो गए थे और अस्पताल में उन्हें मृत लाया हुआ घोषित कर दिया गया।

आरोपी राजा उर्फ रफीक के पास से एक जिंदा कारतूस के साथ .32 बोर की एक पिस्टल बरामद की गई, जबकि आरोपी राजू उर्फ रमेश उर्फ बहादुर के पास से एक जिंदा कारतूस के साथ एक 9 एमएम की पिस्टल बरामद की गई। आरोपी राजा कुरैशी के पास से बरामद किए गए बैग में 8 राउंड के साथ 9 एमएम की एक और पिस्टल, 7.62 के 44 जिंदा कारतूस, 7.65 के 10 जिंदा कारतूस और 9 एमएम कैलिबर के 09 जिंदा कारतूस मौजूद थे।

अस्पताल में मृतक आरोपी रमेश उर्फ बहादुर के कब्जे से 9 एमएम के 4 जिंदा कारतूसों से भरी एक मैगजीन भी बरामद की गई।

इस गोलीबारी में, सहायक पुलिस आयुक्त ललित मोहन नेगी, उप निरीक्षक सुंदर गौतम, उप निरीक्षक शमशेर सिंह तथा उप निरीक्षक रघुवीर सिंह ने आत्म-रक्षा में और साथ ही दोनों आरोपियों को पकड़ने के लिए अपने-अपने सरकारी हथियारों से क्रमश: 5, 2, 7 और 5 राउंड गोलियां चलाईं।

सहायक पुलिस आयुक्त ललित मोहन नेगी, उप निरीक्षक सुंदर गौतम, उप निरीक्षक शमशेर सिंह और उप निरीक्षक रघुवीर सिंह ने ड्यूटी के दौरान असाधारण वीरता और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया और इन दुस्साहसिक अपराधियों को पकड़ने की कोशिश करते हुए अपनी जान को जोखिम में डाल दिया, क्योंकि वे गोलीबारी के ठीक सामने थे और इस प्रकार उन्होंने न केवल टीम के साथी सदस्यों की जान बचाई, बल्कि आम जनता की भी जान बचाई।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री ललित मोहन नेगी, सहायक पुलिस आयुक्त, सुंदर गौतम, उप निरीक्षक, शमशेर सिंह, उप निरीक्षक और रघुवीर सिंह, उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 17/02/2020 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/3243/06/2022-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 40-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्वश्री/	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
.1	मनोज भाटी	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
.2	शहजाद खान	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

इस आशय की सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए कि पाकिस्तानी आईएसआई, खालिस्तानी आतंकवादियों के साथ मिलकर दिल्ली और पड़ोसी राज्यों में स्थानीय गैंगस्टरों का इस्तेमाल करके हिंदू/दक्षिणपंथी नेताओं की लक्षित हत्याओं को अंजाम देने की योजना बना रही है, यह पाया गया कि पंजाब के मोस्ट वांटेड गैंगस्टरों में से एक नामत: सुखमीत पाल सिंह उर्फ सुख भिखारीवाल (दुबई में स्थित), जिसे आईएसआई द्वारा लखबीर सिंह उर्फ रोडे (केजेडएफ- खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स के प्रमुख) के माध्यम से शामिल किया गया था, ने अपने गुर्गे गुरजीत सिंह उर्फ भा, निवासी गांव लखनपाल गुरदासपुर पंजाब और सुखदीप सिंह उर्फ भूरा, निवासी गांव खरल, गुरदासपुर पंजाब, उम्र 28 वर्ष के जरिए शौर्य चक्र विजेता श्री बलविंदर सिंह संधू की सनसनीखेज हत्या को अंजाम दिया था। दिनांक 07.12.2020 को, सूत्रों से प्राप्त सूचना के आधार पर शार्पशूटर गुरजीत सिंह उर्फ भा और सुखदीप सिंह उर्फ भूरा को पकड़ने के लिए रमेश पार्क बस स्टैंड, शकरपुर, दिल्ली के पास सर्विस रोड पर एक जाल बिछाया गया, जो प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन "हिज़बुल मुजाहिदीन" के प्रति निष्ठावान कुछ कश्मीरी लोगों से मिलने वाले थे। सहायक उप निरीक्षक मनोज भाटी और सहायक उप निरीक्षक शहजाद खान ने रमेश पार्क बस स्टैंड के सामने मेन रोड पर पोजीशन ले ली। लगभग 06:45 बजे, संदिग्ध गुरजीत सिंह उर्फ भा और सुखदीप सिंह उर्फ भूरा के दो लोगों से मिलते ही सहायक पुलिस आयुक्त श्री ललित मोहन नेगी ने टीम को सतर्क कर दिया। जब टीम के सदस्य उन संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ने के लिए आगे बढ़े, तो आरोपी व्यक्ति गुरजीत सिंह उर्फ भा और सुखदीप सिंह उर्फ भूरा, वहां से भाग निकलने के उद्देश्य से, अलग-अलग दिशाओं में भागने लगे और उन्होंने छापा मारने वाले दल पर गोलियां चला दीं। सहायक उप निरीक्षक मनोज भाटी और सहायक उप निरीक्षक शहजाद खान ने अपनी जान की परवाह किए बिना उनका पीछा किया और साथ ही साथ आत्म-रक्षा में गोलीबारी भी की तथा जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी सावधानी बरती। सहायक उप निरीक्षक मनोज भाटी और सहायक उप निरीक्षक शहजाद खान ने असाधारण साहस का परिचय देते हुए और अपनी जान को जोखिम में डालकर उन संदिग्ध व्यक्तियों पर झपट्टा मारा। सहायक उप निरीक्षक मनोज भाटी और सहायक उप निरीक्षक शहजाद खान ने तेज और समन्वित तरीके से कार्रवाई करते हुए उन पर काबू पा लिया और साथ ही साथ गुरजीत सिंह उर्फ भा और सुखदीप सिंह उर्फ भूरा से लोडेड पिस्टल भी छीन ली और उनके हाथों को भी मजबूती से पकड़ लिया, जिससे अपराधी पुलिस पार्टी की ओर गोलीबारी नहीं कर सके। बाद में हुई मुठभेड़ में, सहायक उप निरीक्षक शहजाद खान चमत्कारिक रूप से बच गए, क्योंकि आरोपियों द्वारा चलाई गई गोलियां उनके बुलेट प्रूफ जैकेट पर लगीं। सहायक उप निरीक्षक मनोज भाटी और सहायक उप निरीक्षक शहजाद खान सबसे आगे थे और गोलीबारी के ठीक सामने थे। इस ऑपरेशन के दौरान, प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन (हिज़बुल मुजाहिदीन) के तीन सदस्यों नामत: 1. शब्बीर अहमद गोजरी, 2. मो. अयूब पठान और 3. रेयाज अहमद राथेर, जो जम्मू एवं कश्मीर के निवासी थे, को भी सुख भिखारीवाल के इन गुर्गों को ड्रग्स और पैसे की तस्करी करते समय गिरफ्तार किया गया।

सहायक उप निरीक्षक मनोज भाटी और सहायक उप निरीक्षक शहजाद खान की इस वीरतापूर्ण कार्रवाई की न केवल पुलिस और प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के उच्च रैंक द्वारा, बल्कि बड़े पैमाने पर जनता द्वारा भी सराहना की गई। विचलित और भयभीत हुए बिना, उन्होंने अपनी जान को जोखिम में डालकर इन दुस्साहसी अपराधियों का बहादुरी से सामना किया और असाधारण साहस, समर्पण, सूझ-बूझ और अद्वितीय वीरतापूर्ण कार्य का परिचय दिया। उपर्युक्त अधिकारियों की बहादुरी और समय पर की गई कार्रवाई से दिल्ली में एक दक्षिणपंथी नेता की बड़ी लक्षित हत्या टल गई और निर्दोष लोगों की जान भी बच गई।

इस ऑपरेशन में सर्वश्री मनोज भाटी/, सहायक उप निरीक्षक और शहजाद खान, सहायक उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 07/12/2020 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/3244/06/2022-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 41-प्रेज/ 2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के निम्नलिखित पुलिस कार्मिक को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
.1	श्री प्रदीप कुमार	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक को 26.11.2020, हरियाणा पुलिस ने पंजाब के कुछ प्रदर्शनकारी किसानों को सितंबर, में भारत सरकार द्वारा बनाए 2020 कृषि कानूनों के विरूद्ध प्रदर्शन करने के लिए दिल्ली की ओर कूच करने 03 गए से रोक दिया था। वहां पर हिंसा भड़क उठी और उपर्युक्त प्रदर्शनकारी किसानों और उनके नेताओं ने बैरिकेड्स तोड़ दिए और उन्होंने दिल्ली की ओर कूच करना जारी रखा। दिनांक को 27.11.2020, प्रदर्शनकारियों ने अपने ट्रैक्टर और ट्रॉलियों के साथ दिल्ली और हरियाणा की सीमाओं की ओर कूच करना शुरू कर दिया। उन्हें दिल्ली की ओर कूच करने से रोकने के लिए सिंघु बॉर्डर पर पुलिस की व्यवस्था की गई थी। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस द्वारा लगाए गए अवरोधकों को जबरन तोड़ने की कोशिश की, लेकिन उन्हें खदेड़ दिया गया। वहां पर गतिरोध शुरू हो गया और प्रदर्शनकारी मध्य दिल्ली के रामलीला मैदान में जाने के लिए अड़े हुए थे। उन्हें अपने प्रदर्शन के लिए बुराड़ी मैदान की पेशकश की गई। बुराड़ी मैदान में उनके प्रदर्शन के लिए सरकार की ओर से भी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं, लेकिन प्रदर्शनकारी किसानों के नेताओं ने बुराड़ी मैदान में जाने से इनकार कर दिया और वे सिंघु बॉर्डर पर ही रुक गए तथा पूरे रास्ते को जनता के लिए पूरी तरह से अवरुद्ध कर दिया। तत्पश्चात,उत्तर प्रदेश और कुछ अन्य राज्यों के किसान संगठनों ने भी दिल्ली की ओर कूच करना शुरू कर दिया और किसानों ने सिंघु बॉर्डर के अलावा चिल्ला बॉर्डर, टीकरी बॉर्डर, गाजीपुर बॉर्डर और हरियाणा-राजस्थान बॉर्डर सहित 04 अन्य सीमाओं को भी अवरुद्ध कर दिया।

सिंघु बॉर्डर पर कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। दिनांक 29.01.2021 को लगभग 1:30 बजे, आस-पास के गाँवों के कुछ स्थानीय लोग सीमा को खाली कराने के लिए प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत करने आए, क्योंकि राजमार्ग अवरुद्ध होने के कारण स्थानीय लोगों को अपने दैनिक जीवन में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। स्थानीय लोग उनसे सीमा खाली करने का अनुरोध कर रहे थे, लेकिन प्रदर्शनकारी अचानक आक्रामक हो गए और उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों के साथ तीखी बहस शुरू कर दी। प्रदर्शनकारियों ने स्थानीय ग्रामीणों पर पथराव शुरू कर दिया। कानून और व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए, निरीक्षक प्रदीप कुमार, एसएचओ/पुलिस स्टेशन अलीपुर ने अपनी टीम के साथ हस्तक्षेप किया और वहां पर एकत्रित हुए प्रदर्शनकारियों को शांत कराने की कोशिश की। इसी बीच, प्रदर्शनकारियों में से एक सिख हाथ में तलवार लेकर आया और स्थानीय ग्रामीणों पर तलवार लहराते हुए उनके पीछे भागा। यह देखते ही, निरीक्षक प्रदीप कुमार उसके हमले से स्थानीय लोगों को बचाने के लिए तुरंत हरकत में आ गए। लेकिन सिख प्रदर्शनकारी (बाद में जिसकी पहचान रणजीत सिंह, पुत्र रावल सिंह, निवासी गांव- काजमपुर, नया शहर, पुलिस स्टेशन- राहु, पंजाब के रूप में की गई) बहुत आक्रामक और हिंसक था और उसने निरीक्षक प्रदीप कुमार को जान से मारने के इरादे से अपनी तलवार से उनके सिर पर हमला कर दिया, लेकिन निरीक्षक प्रदीप कुमार ने तलवार को अपने हाथ से रोककर खुद को बचा लिया। इसके बाद, वह हमलावर निरीक्षक प्रदीप कुमार पर तलवार लहराता रहा, जिससे उनके हाथ तथा कोहनी में दो और गंभीर चोटें आईं। निरीक्षक प्रदीप कुमार ने हिम्मत नहीं हारी और अपनी जान की परवाह किए बिना वीरता और साहस दिखाते हुए उसकी तलवार पकड़ ली। निरीक्षक प्रदीप कुमार ने उस पर काबू पा लिया और उसकी तलवार ले ली। इसके बाद, स्थानीय लोगों ने उक्त प्रदर्शनकारी की पिटाई शुरू कर दी। निरीक्षक प्रदीप कुमार ने हमलावर को स्थानीय लोगों के गुस्से से भी बचाया और उसे तथा उसकी तलवार को अपने सहयोगियों को सौंप दिया। यह भी पता चला कि सतनाम सिंह पन्नू, सवर्ण सिंह पंढेर, सुखविंदर सिंह और जसबीर सिंह पिढ़ी, किसान मजदूर संघ समिति, पंजाब के पदाधिकारी थे और उन्होंने स्थानीय लोगों तथा पुलिस कर्मियों को नुकसान पहुंचाने के लिए प्रदर्शनकारियों को भड़काया था। निरीक्षक प्रदीप कुमार को गंभीर चोटों के कारण मैक्स अस्पताल, शालीमार बाग में भर्ती कराया गया था, जहां उनके जख्मों पर 54 टांके लगाने पड़े।

तदनंतर, इस संबंध में, पुलिस स्टेशन अलीपुर में आईपीसी की धारा 147/148/149/152/186/307/323/332/353 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 49/2021 दर्ज की गई थी। पथराव कर रहे कुछ प्रदर्शनकारियों, जो गैरकानूनी जमावड़े का हिस्सा थे, की बाद में पहचान की गई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

निरीक्षक प्रदीप कुमार, एसएचओ/अलीपुर ने असाधारण साहस, शौर्य, कर्तव्य के प्रति समर्पण और वीरतापूर्ण कार्य का प्रदर्शन करते हुए गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, अपनी जान की परवाह किए बिना, उस हमलावर से आम लोगों के साथ-साथ अपने साथी पुलिस अधिकारियों की भी जान बचाई। उन्होंने हमलावर की जान भी लोगों से बचाई। उन्होंने वीरता और अपने कर्तव्य के प्रति प्रतिबद्धता की मिसाल पेश की है।

इस ऑपरेशन में श्री प्रदीप कुमार, निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 29/01/2021 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/3256/06/2022-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 42-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्वश्री/	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	शाजाद अहमद सलारिया	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2.	फुरकान कादिर	अनुमंडल पुलिस अधिकारी	वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार
3.	अब्दुल रशीद	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4.	हरपाल सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
5.	तारिक अहमद गनई	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 25.07.2020 को, श्रीनगर पुलिस को इस आशय की सूचना प्राप्त हुई कि श्रीनगर जिले के रामबीरगढ़ पंजिनारा क्षेत्र में, जो परिमपोरा पुलिस स्टेशन के कार्य क्षेत्र में आता है, हथियार/गोला-बारूद लिए हुए कुछ आतंकवादी छिपे हुए हैं। इस सूचना के आधार पर तेजी से कार्रवाई करते हुए, सेना की 29 आरआर, सीआरपीएफ की 44वीं बटालियन और वैली क्यूएटी सीआरपीएफ के साथ जिला श्रीनगर की एक पुलिस टीम का गठन किया गया, ताकि आगे की कार्रवाई हेतु उनके छिपने के ठिकाने का पता लगाया जा सके और अपनी तरफ किसी क्षति के बिना, आवश्यक होने पर, आतंकवादियों का खात्मा किया जा सके। गठित की गई टीम ने उक्त क्षेत्र में तलाशी की और उस स्थान का पता लगाने में सफल रही, जहां आतंकवादी छिपे हुए थे। ऑपरेशन शुरू किए जाने से पहले, सेना की 29 आरआर, वैली क्यूएटी सीआरपीएफ और 44वीं बटालियन के बीच पारस्परिक रूप से यह तय किया गया था कि अपनी तरफ किसी भी प्रकार की क्षति से बचा जाए और परिणाम-उन्मुख ऑपरेशन चलाया जाए।

तैयार की गई ऑपरेशनल योजना के अनुसार, कुल नफरी को 02 पार्टियों में विभाजित कर दिया गया, जिसमें से पहली पार्टी को उत्तर-पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम की ओर से लक्षित क्षेत्र की घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया, जबकि दूसरी पार्टी को उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पूर्व की ओर से लक्षित क्षेत्र की घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया, जिसमें आतंकवादी छिपे हुए थे। यह भी निर्णय लिया गया कि आवश्यकतानुसार, डॉ. मोहम्मद हसीब मुगल-आईपीएस, तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीनगर की देखरेख में और अन्य सुरक्षा बलों के साथ पूर्ण समन्वय से क्षेत्र में प्रवेश किया जाएगा। इस बीच, सभी दलों ने ऊपर बताई गई योजना के अनुसार पोजीशन ले ली। डॉ. मोहम्मद हसीब मुगल -आईपीएस, तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीनगर, जो कॉर्डन पार्टियों के प्रभारी थे, ने श्री शाजाद अहमद सलारिया- जेकेपीएस, तत्कालीन पुलिस अधीक्षक वेस्ट जोन श्रीनगर, श्री फुरकान कादिर-जेकेपीएस, तत्कालीन एसडीपीओ पश्चिम श्रीनगर और तत्कालीन निरीक्षक माजिद हसन, पुलिस स्टेशन परिमपोरा की देखरेख में आस-पास के रिहाइशी घरों के निवासियों को बाहर निकालने के लिए श्रीनगर पुलिस की छोटी-छोटी टीमों का गठन किया, क्योंकि यह क्षेत्र बहुत भीड़-भाड़ वाला था। इन सभी टीमों ने बहुत चतुराई और बहादुरी से आस-पास के घर के निवासियों को बाहर निकाला और यह सुनिश्चित करने के लिए कि अपनी तरफ कोई क्षति न हो, उन्हें पास के सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया।

शुरू में, 02 आतंकवादियों को उस क्षेत्र में देखा गया, जहां पहले से ही घेराबंदी की गई थी और उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिससे उन्होंने इनकार कर दिया/कोई जवाब नहीं दिया और इसके बजाय उन्होंने ऑपरेशन दलों पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं तथा फिर से छिप गए, जिसके बाद घर-घर तलाशी की योजना बनाई गई। ऑपरेशन पार्टियों ने सभी प्रकार की सावधानियां बरतते हुए कार्रवाई शुरू कर दी, तथापि, जैसे ही सर्च पार्टियां उस लक्षित संदिग्ध स्थान के करीब पहुंचीं, जहां संभावित रूप से आतंकवादी छिपे हुए थे, तो उक्त पार्टियां उस स्थान अर्थात रामबीरगढ़ पंजिनारा में पोजीशन लिए हुए आतंकवादियों की भारी गोलीबारी की चपेट में आ गईं। ऑपरेशनल पार्टियां चमत्कारिक रूप से बच गईं और एक रणनीतिक चाल के तहत, ऑपरेशनल पार्टी केवल दूसरी तरफ से उनके ठिकाने को निशाना बनाने के लिए पीछे हट गई। इस बीच, वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने उस क्षेत्र से भागने की कोशिश के बीच अपनी लोकेशन बदल ली और पास के मैदान में चले गए, लेकिन ऑपरेशनल पार्टियों ने सभी तरफ से उनका पीछा किया और सभी गलियों/उप-गलियों को भी बंद कर दिया। तब आतंकवादियों ने घने पोपलर के पेड़ों से घिरे हुए पास की एक जगह में शरण ले ली। इस मौके पर, डॉ. मोहम्मद हसीब मुगल- आईपीएस, तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीनगर, जो ऑपरेशन पार्टियों की निगरानी कर रहे थे, ने 02 छोटे समूहों का गठन किया, जिनमें से पहले समूह में श्री ताहिर अशरफ -जेकेपीएस, तत्कालीन पुलिस अधीक्षक पीसी श्रीनगर, श्री फुरकान कादिर- जेकेपीएस, पुलिस उपाधीक्षक एसडीपीओ पश्चिम श्रीनगर, उप निरीक्षक शेख आदिल बशीर, तत्कालीन प्रभारी पीपी बर्निना, सहायक उप निरीक्षक अब्दुल रशीद, हेड कांस्टेबल हबीबुल्लाह, हेड कांस्टेबल मोहम्मद फारूक, एस.जी.सीटी. गुलजार अहमद, एस.जी.सीटी. शाहनवाज अहमद, एस.जी.सीटी. मोहम्मद मकसूद, सिपाही तारिक अहमद गनई, एसपीओ हिलाल अहमद, एसपीओ जावेद अहमद, एसपीओ जाहिद अहमद खान, एसपीओ साजिद अली और सेना की 29 आरआर/पीसी श्रीनगर की एक छोटी क्यूआरटी शामिल थी। इसी तरह, दूसरी पार्टी में श्री शाजाद अहमद सलारिया- जेकेपीएस, पुलिस अधीक्षक वेस्ट जोन श्रीनगर, श्री सुरिंदर सिंह-जेकेपीएस, पुलिस उपाधीक्षक पीसी श्रीनगर, पुलिस स्टेशन परिमपोरा के निरीक्षक माजिद हसन खान, पुलिस कम्पोनेंट श्रीनगर के हेड कांस्टेबल हरपाल सिंह, सिपाही आशिक हुसैन, सिपाही कुलदीप सिंह, सिपाही मुमताज अहमद, सिपाही अमजद अवान, सिपाही रऊफ-अल-सदत, एसपीओ

हिलाल अहमद, एसपीओ मोहम्मद मकबूल, एसपीओ मोहम्मद आजम, एसपीओ जुबैर अहमद, एसपीओ जरीफा, एसपीओ नरगिस नाज और वैली क्यूएटी सीआरपीएफ तथा सीआरपीएफ की 44वीं बटालियन की छोटी क्यूआरटी शामिल थी।

पहली पार्टी ने दक्षिण-पूर्व की ओर से लक्षित क्षेत्र में प्रवेश करने की योजना बनाई, जबकि दूसरी पार्टी ने दक्षिण-पश्चिम की ओर से जाने का फैसला किया। इस स्थिति में, वहां छिपे हुए आतंकवादी ने ग्रेनेड फेंके, जिससे कोई नुकसान नहीं हुआ, क्योंकि वहां जा रही पार्टियां चतुराई से आगे बढ़ रही थीं। डॉ. मोहम्मद हसीब मुगल -आईपीएस, तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीनगर, जो अपनी टीम के साथ पहले दल का नेतृत्व कर रहे थे, दक्षिण-पूर्व की ओर से लक्षित स्थान के करीब पहुंच गए, जहां गोलीबारी के बीच आतंकवादी ने ग्रेनेड फेंके और वहां से भागने के लिए घेराबंदी को तोड़ने की कोशिश में अंधाधुंध गोलीबारी के बीच आतंकवादी अपने छिपने के ठिकाने से बाहर निकला। परंतु, ऑपरेशनल दलों ने अपनी जान की परवाह किए बिना सूझ-बूझ के साथ प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की और एक आतंकवादी को मार गिराया। इसी बीच, उस मौके का फायदा उठाने की कोशिश करते हुए एक अन्य आतंकवादी ने भागने का प्रयास किया और दक्षिण-पश्चिम की ओर उक्त क्षेत्र के दूसरी तरफ छिप गया, लेकिन दूसरी ऑपरेशनल पार्टी, जिसने पहले से ही पोजीशन ले रखी थी, ने बहादुरी से जवाबी गोलीबारी की और वहां पर हुई गोलीबारी में दूसरे आतंकवादी का भी सफाया हो गया। बाद में, मारे गए उन दोनों आतंकवादियों की पहचान एजाज अहमद भट, लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) संगठन, पुत्र अली मोहम्मद भट, निवासी लरीबल, काकापोरा, पुलवामा और इशफाक रशीद खान, पुत्र अब्दुल रशीद खान, निवासी सोजीथ नरबल, श्रीनगर के रूप की गई। इन आतंकवादियों का खात्मा एलईटी संगठन और श्रीनगर-दक्षिण कश्मीर में उसके नेटवर्क के लिए एक बड़ा झटका था। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन परिमपोरा में आईपीसी की धारा 307 और भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 154/2020 दर्ज है।

इन आतंकवादियों का खात्मा दक्षिण/मध्य कश्मीर में एलईटी नेटवर्क के लिए एक बड़ा झटका था। मारे गए उपर्युक्त स्थानीय आतंकवादी दक्षिण/मध्य कश्मीर में आतंकवादियों से संबंधित विभिन्न घटनाओं में शामिल थे। वे श्रीनगर के शांतिप्रिय लोगों में डर पैदा करने के लिए पुलिस को निशाना बनाने के अतिरिक्त, काफिले पर फिदायीन हमले की योजना भी बना रहे थे। इसके अलावा, उन्हें सीमा पार के उनके आकाओं से पुलिस के सहयोगी लोगों/राजनीतिक कार्यकर्ताओं को धमकाने, सुरक्षा बलों को क्षति पहुंचाने के लिए ग्रेनेड फेंकने और लोगों में दहशत और आतंक पैदा करने के लिए आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के निर्देश मिले हुए थे।

उक्त आतंकवाद-रोधी ऑपरेशन के दौरान, श्री शाजाद अहमद सलारिया -जेकेपीएस और तत्कालीन एसडीपीओ पश्चिम श्रीनगर श्री फुरकान कादिर -जेकेपीएस द्वारा निभाई गई भूमिका और उनका नेतृत्व अनुकरणीय था। उन्होंने ऑपरेशन की शुरुआत से लेकर उसके समापन तक पुलिस, वैली क्यूएटी सीआरपीएफ और सेना की संयुक्त ऑपरेशनल पार्टियों के बीच समन्वय स्थापित करने में भी असाधारण भूमिका निभाई। इन अधिकारियों ने उस जगह से आम नागरिकों की निकासी, परिणामोन्मुख ऑपरेशनल योजना बनाने, ऑपरेशनल दलों/शांतिप्रिय लोगों के जीवन की सुरक्षा को प्राथमिकता देने और अपनी तरफ किसी क्षति के बिना आतंकवादियों पर हमला करने जैसी ऑपरेशनल रणनीति के माध्यम से उक्त ऑपरेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री शाजाद अहमद सलारिया, पुलिस अधीक्षक, फुरकान कादिर, अनुमंडल पुलिस अधिकारी, अब्दुल रशीद, सहायक उप निरीक्षक, हरपाल सिंह, हेड कांस्टेबल और तारिक अहमद गनई, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 25/07/2020 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/1150/11/2022-पीएमए)

एस. एम. समीअवर सचिव

सं. 43-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्वश्री/	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अमजद हुसैन मीर	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2.	मुश्ताक अहमद भट	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3.	असगर अली	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 02.04.2021 को, पुलवामा पुलिस को इस आशय की सूचना प्राप्त हुई कि नौगाम में एक पुलिस कर्मी की हत्या करने वाले आतंकवादी, घाट मोहल्ला काकापोरा पुलवामा में देखे गए हैं। तुरंत कार्रवाई करते हुए, अपर पुलिस अधीक्षक पुलवामा ने प्रभारी पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन) काकापोरा, पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन) पुलवामा तथा एसएचओ पुलिस स्टेशन काकापोरा के साथ उक्त सूचना को साझा किया और संदिग्ध क्षेत्र की स्थलाकृति के बारे में सूचना प्राप्त करने के बाद, उक्त सूचना को आगे 50 आरआर और सीआरपीएफ की 183वीं बटालियन के साथ साझा किया गया तथा लक्षित क्षेत्र में एक घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन (सीएएसओ) शुरू करने का निर्णय लिया गया। तदनुसार, अपर पुलिस अधीक्षक पुलवामा की देखरेख में निरीक्षक अमजद हुसैन मीर, एसएचओ पुलिस स्टेशन काकापोरा के नेतृत्व में पुलवामा पुलिस, 50 आरआर और सीआरपीएफ की 183वीं बटालियन की संयुक्त टीमें तेजी से ग्राम घाट मोहल्ला काकापोरा पहुंच गईं और उन्होंने संयुक्त रूप से लक्षित स्थान पर घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन (सीएएसओ) शुरू कर दिया। प्रवेश/निकास के सभी स्थानों, रास्तों और बचकर भागने की संभावित गलियों को कंसर्टिना तार लगाकर और भौतिक तैनाती करके अच्छी तरह से बंद कर दिया गया।

स्थिति का जायजा लेने के बाद, लक्षित क्षेत्र की तलाशी करने के लिए निरीक्षक अमजद हुसैन मीर के नेतृत्व में एक पुलिस दल का गठन किया गया, जिसमें सहायक उप निरीक्षक मुश्ताक अहमद भट, हेड कांस्टेबल असगर अली और अन्य पुलिस कार्मिक तथा 50 आरआर और सीआरपीएफ की 183वीं बटालियन के घटक शामिल थे तथा प्रभारी पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन) काकापोरा श्री फुरकान कादिर के नेतृत्व में एक अन्य टीम का गठन किया गया, जिसमें 50 आरआर और सीआरपीएफ की 183वीं बटालियन के घटक शामिल थे और इस टीम को तलाशी दल को कवर सहायता प्रदान करने का कार्य सौंपा गया। जैसे ही तलाशी दल अब्दुल रहीम डार, पुत्र अब्दुल गनी डार, निवासी घाट मोहल्ला काकापोरा के आवासीय घर के पास पहुंचा, तभी उक्त घर में छिपे हुए आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों को क्षति पहुंचाने और मौके से बचकर भागने के इरादे से सैन्य दस्ते पर भारी मात्रा में गोलीबारी शुरू कर दी। तलाशी दल ने तुरंत कवर ले लिया और साहस के साथ जवाबी कार्रवाई करते हुए आतंकवादियों के पहले प्रयास को विफल कर दिया। इस पर आतंकवादियों ने गोलीबारी और अपनी गतिविधि को रोक दिया। आतंकवादियों के साथ संपर्क स्थापित होने के बाद, घेराबंदी को और मजबूत कर दिया गया तथा घिरे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने का अवसर दिया गया, जिसे उन्होंने नजरअंदाज कर दिया।

चूंकि, ऑपरेशन रात के दौरान शुरू किया गया था और नागरिकों के हताहत होने की संभावना थी, इसलिए अपर पुलिस अधीक्षक पुलवामा ने लक्षित क्षेत्र में फंसे हुए आम नागरिकों को बाहर निकालने के लिए प्रभारी पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन) काकापोरा की देख-रेख में एक समर्पित पुलिस टीम का गठन किया। गठित की गई उक्त टीम तुरंत हरकत में आई और उसने फंसे हुए लोगों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। आम नागरिकों को वहां से सफलतापूर्वक बाहर निकालने के बाद, आतंकवादियों से लड़ने के लिए पुलिस/सुरक्षा बलों की दो समर्पित टीमों का गठन किया गया। निरीक्षक अमजद हुसैन मीर के नेतृत्व वाली पहली टीम, जिसमें सहायक उप निरीक्षक मुश्ताक अहमद भट, हेड कांस्टेबल असगर अली और अन्य पुलिस कार्मिक तथा 50 आरआर और सीआरपीएफ की 183वीं बटालियन के घटक शामिल थे, को नदी के उत्तर-पूर्व की ओर पोजीशन लेने के लिए कहा गया तथा प्रभारी पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन) काकापोरा श्री फुरकान कादिर के नेतृत्व में दूसरे दल, जिसमें 50 आरआर और सीआरपीएफ की 183वीं बटालियन की क्यूआरटी सहित अन्य पुलिस कार्मिक शामिल थे, को दक्षिण-पश्चिम की ओर पोजीशन लेने और सतर्क रहने का निदेश दिया गया, क्योंकि आतंकवादी फिर से घेराबंदी वाले क्षेत्र से बचकर भागने का प्रयास कर सकते थे। घेराबंदी को और मजबूत कर दिया गया तथा घिरे हुए आतंकवादियों को सैन्य दस्ते के सामने अपने हथियार डालने का एक और अवसर प्रदान किया गया, जिससे उन्होंने पूरी तरह से इनकार कर दिया और उत्तर-पूर्व की ओर तैनात संयुक्त दल पर अंधाधुंध गोलीबारी करना जारी रखा और इस तरफ से रास्ता बनाने की कोशिश की। तथापि, निरीक्षक अमजद हुसैन के नेतृत्व में सतर्क संयुक्त दल ने अपने बहुमूल्य जीवन की परवाह किए बिना सामने से बहादुरी से लड़ाई लड़ी और दो आतंकवादियों को मौके पर ही मार गिराया। इस पर तीसरा आतंकवादी वापस लौट गया और उसने दूसरी तरफ से घेराबंदी को तोड़ने की कोशिश की, लेकिन प्रभारी पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन) काकापोरा फुरकान कादिर के नेतृत्व में इस क्षेत्र में तैनात संयुक्त दल तुरंत हरकत में आया और उसने लक्षित घर के मुख्य द्वार पर उक्त आतंकवादी को मार गिराया। दोनों ओर से गोलीबारी बंद होने के बाद, संयुक्त दलों ने मुठभेड़ स्थल से 03 शव और हथियार/गोलाबारूद बरामद किया। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में सुहैल निसार लोन, पुत्र निसार अहमद लोन, निवासी ख्रेव पंपोर, यासिर अहमद वानी, पुत्र बशीर अहमद वानी, निवासी बाबापोरा ख्रेव पंपोर और जुनैद अयूब नेंगरू, पुत्र मोहम्मद अयूब नेंगरू, निवासी प्रिचू पुलवामा के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन काकापोरा में आईपीसी की धारा 121 एवं 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 19 एवं 20 के तहत एक मामलागत एफआईआर संख्या 21/2021 दर्ज है और जांच चल रही है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री अमजद हुसैन मीर, निरीक्षक, मुश्ताक अहमद भट, सहायक उप निरीक्षक और असगर अली, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 02/04/2021 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/1154/11/2022-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 44-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	मोहम्मद अब्बास वानी	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	चरण सिंह चार्क	एस.जी.सीटी	वीरता के लिए पुलिस पदक
3.	इमरान अली सोफी	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 19.04.2021 को, जैपोरा गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक विश्वसनीय सूचना मिलने के बाद, शोपियां पुलिस ने 34वीं आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की सहायता से उक्त गांव में एक ऑपरेशन शुरू किया। योजना के अनुसार, श्री मोहम्मद अशरिफ-जेकेपीएस, पुलिस उपाधीक्षक पीसी इमामसाहिब की कमान में प्रारंभिक घेराबंदी दल, जिसमें 34 आरआर, सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन और शोपियां पुलिस की क्यूआरटी और निरीक्षक रमेश लाल, सहायक उप निरीक्षक मोहम्मद अयूब, हेड कांस्टेबल मोहम्मद अब्बास वानी, एस.जी.सीटी चरण सिंह चार्क, एस.जी.सीटी कैलाश चन्द्र, सिपाही इमरान अली सोफी, सिपाही आरिफ हुसैन, एसपीओ इम्तियाज अहमद, एसपीओ बिलाल अहमद और अन्य कार्मिक शामिल थे, भागने के सभी संभावित मार्गों को बंद करने के लिए तेजी से उक्त गांव पहुंच गया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वहां छिपे हुए आतंकवादियों को भागने का कोई मौका न मिले। इस प्रक्रिया के दौरान, गांव में सैन्य दस्तों की मौजूदगी का पता चलने पर उक्त गांव के शरारती तत्वों ने हिंसक प्रतिक्रिया की और उन्होंने सैन्य दस्तों पर भारी पत्थरबाजी शुरू कर दी। इस बीच, ऑपरेशनल कमांडर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के नेतृत्व में 34 आरआर, सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन और शोपियां पुलिस के अतिरिक्त सैन्य दस्ते उक्त गांव में पहुंच गए और उन्होंने पत्थरबाजों को लक्षित क्षेत्र से खदेड़ दिया तथा उक्त गांव की अच्छी तरह से घेराबंदी कर दी। पहुंचने के रास्तों पर कट-ऑफ पॉइंट लगा दिए गए और बीपी वाहनों को चतुराई से लक्ष्य के चारों ओर तैनात कर दिया गया। घेराबंदी के भीतर आतंकवादियों की मौजूदगी की पुष्टि की गई और तदनुसार सैन्य दस्तों को सतर्क कर दिया गया, उनमें तालमेल स्थापित किया गया और घेराबंदी/कट-ऑफ पॉइंटों को सक्रिय किया गया, ताकि आतंकवादी घेराबंदी के अंदर ही फंसे रहें। एक मजबूत घेराबंदी करने के बाद, घोषणाएं की गईं और छिपे हुए आतंकवादियों से बार-बार आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिससे उन्होंने इनकार कर दिया और इसके बजाय उन्होंने पूर्वोक्त घेराबंदी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें वे बाल-बाल बच गए। तथापि, अच्छी तरह से पोजीशन लिए हुए घेराबंदी दलों ने प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की और घेराबंदी वाले क्षेत्र से आतंकवादियों के भागने के प्रयास को विफल कर दिया। भारी गोलाबारी के बीच, एक आतंकवादी ने आंतरिक घेरे में तैनात संयुक्त सैन्य दस्ते की ओर दौड़ते हुए भागने की कोशिश की, लेकिन सतर्क सैन्य दस्तों ने प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की और आतंकवादी को मार गिराने में सफल रहे। यह देखा गया कि कुछ परिवार घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंस गए हैं, इसलिए श्री मोहम्मद अशरिफ, पुलिस उपाधीक्षक पीसी इमामसाहिब, निरीक्षक रमेश लाल, सहायक उप निरीक्षक मोहम्मद अयूब, हेड कांस्टेबल मोहम्मद अब्बास वानी, एस.जी.सीटी चरण सिंह चार्क और 34आरआर तथा सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के सैनिक उक्त परिवारों की निकासी के लिए स्वेच्छा से आगे आए और वे पुलिस उपाधीक्षक पीसी केल्लर तथा सहायक उप निरीक्षक मोहम्मद अयूब, एस.जी.सीटी ताहिर अहमद, एस.जी.सीटी खुर्शीद अहमद, सिपाही इरशाद अहमद, एसपीओ इम्तियाज अहमद, एसपीओ बिलाल अहमद और एसपीओ रूकिया जान द्वारा प्रदान की गई कवर गोलीबारी की सहायता से अपनी तरफ किसी भी क्षति से बचने के लिए आस-पास के घरों के आम नागरिकों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में सफल रहे। इस बीच, दूसरे आतंकवादी, जिसने अच्छी तरह से पोजीशन ले रखी थी, ने फिर से तलाशी दल पर गोलीबारी की और वह मजबूत कवर का फायदा उठाते हुए बार-बार अपनी पोजीशन बदल रहा था तथा उसने सैन्य दस्तों की मौजूदगी को महसूस करते हुए सैन्य दस्ते पर एक यूबीजीएल राउंड दागा और उसके बाद लगातार गोलीबारी की। तथापि, उपर्युक्त संयुक्त दल ने समुचित तरीके से जवाबी कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप दूसरे आतंकवादी का सफाया हो गया। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में हिजबुल मुजाहिद्दीन (एचएम) संगठन के सबजार अहमद गनी, पुत्र मोहम्मद अमीन गनी, निवासी सहपोरा, जिला कुलगाम और हिजबुल मुजाहिद्दीन (एचएम) संगठन के आमिर हुसैन भट, पुत्र मोहम्मद युसूफ भट, निवासी इमामसाहिब, शोपियां के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन शोपियां में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18 एवं 20 के तहत एक मामलागत एफआईआर संख्या 78/2021 दर्ज है और जांच की जा रही है।

सहायक उप निरीक्षक मोहम्मद अयूब, हेड कांस्टेबल मोहम्मद अब्बास वानी, एस.जी.सीटी कैलाश चन्द्र, एस.जी.सीटी चरण सिंह चार्क, सिपाही आरिफ हुसैन और सिपाही इमरान अली सोफी, जिन्होंने आतंकवादियों से दक्षतापूर्वक और बुद्धिमानी के साथ लड़ाई लड़ी और खुद को अत्यधिक जोखिम में डाल दिया, द्वारा प्रदर्शित पेशेवरता और उत्कृष्ट साहस उल्लेखनीय था तथा अत्यंत प्रतिकूल स्थिति में लक्ष्य तक पहुंचने का उनका प्रयास वास्तव में वीरतापूर्ण था। इन अधिकारियों/कर्मचारियों ने घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे हुए लोगों को बाहर निकालने के लिए साहस का प्रदर्शन किया। आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी करके वहां तैनात सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की पूरी कोशिश की, जिसमें वे सभी

बाल-बाल बच गए। तथापि, इन अधिकारियों/कर्मचारियों ने अपनी एकाग्रता को खोए बिना/सूझ-बूझ से बहादुरी के साथ लड़ाई लड़ी और इस प्रकार इन आतंकवादियों के नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया। ऐसी नाजुक स्थिति में ऑपरेशन स्थल पर मिशन को सुरक्षित तरीके से पूरा करना इस ऑपरेशन की प्रमुख विशेषता रही है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री मोहम्मद अब्बास वानी, हेड कांस्टेबल, चरण सिंह चार्क, एस.जी.सीटी और इमरान अली सोफी, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 19/04/2021 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/1155/11/2022-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 45-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) /वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्वश्री/	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	जीवी सुदीप चक्रवर्ती, भापुसे	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार
2.	परवेज अहमद खान	एससीटी.जी.	वीरता के लिए पुलिस पदक
3.	फैयाज अहमद गनई	एससीटी.जी.	वीरता के लिए पुलिस पदक
4.	वसीम मोहीदीन लोन-उद-	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

नाथीपोरा क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर, दिनांक 04.05.2021 को लगभग 15:00 बजे सोपोर/कुपवाड़ा पुलिस, सेना की 22-आरआर और सीआरपीएफ की 179वीं/92वीं बटालियन द्वारा उक्त क्षेत्र में एक संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। पहले से ही इस आशय की विश्वसनीय/विशिष्ट सूचना थी कि आतंकवादी एक आवासीय घर में छिपे हुए हैं और उनके पास परिष्कृत हथियार भी हैं। चूंकि ऑपरेशन दिन के उजाले में शुरू किया गया था, इसलिए उस समय सभी आम नागरिक अपने दैनिक कार्यों तथा लक्षित घर के आस-पास के क्षेत्रों में कृषि/बागवानी गतिविधियों में व्यस्त थे। यदि इस तरह की प्रतिकूल स्थिति में, सर्च ऑपरेशन को उसी समय तेज कर दिया जाता, तो नागरिकों के हताहत होने की पूरी आशंका थी। इसलिए, यह सुनिश्चित करने के लिए कि ऑपरेशन बिना किसी क्षति के सम्पन्न हो, सेना/सीआरपीएफ के समकक्ष अधिकारियों के साथ परामर्श करके सर्वप्रथम आम नागरिकों की निकासी के कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान की गई। तदनुसार, सबसे पहले वहां फंसे हुए आम नागरिकों को बाहर निकालने के लिए एक एडवांस टीम के रूप में, श्री जी.वी. सुदीप चक्रवर्ती-भापुसे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुपवाड़ा के नेतृत्व में पुलिस/सेना/ सीआरपीएफ की पहली संयुक्त टीम का गठन किया गया और श्री राशिद युनिस–जेकेपीएस, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय कुपवाड़ा के नेतृत्व में पुलिस/सेना/सीआरपीएफ की दूसरी टीम का गठन किया गया और उसे कवरिंग फायर प्रदान करने के लिए बैकअप पार्टी के रूप में रखा गया। तदनुसार, श्री जी.वी. सुदीप चक्रवर्ती, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुपवाड़ा के नेतृत्व में पहली संयुक्त टीम अत्यंत प्रतिकूल स्थिति में आगे बढ़ी और उसने वहां फंसे हुए सभी आम नागरिकों को बाहर निकाल लिया तथा निकासी के दौरान भी आतंकवादियों ने निकासी प्रक्रिया को रोकने और आम नागरिकों को बंधक बनाने के इरादे से संयुक्त दल पर रुक-रुक कर गोलीबारी की और यहां तक कि कुछ गोलियां अधिकारी के निकट भी जाकर लगीं, लेकिन श्री जी.वी. सुदीप चक्रवर्ती, भापुसे 145796, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुपवाड़ा के नेतृत्व में टीम के सदस्यों ने अपना मनोबल नहीं खोया और वहां फंसे हुए सभी आम नागरिकों को बाहर निकाल लिया।

आम नागरिकों को बाहर निकालने की प्रक्रिया पूरी हो जाने के बाद, सभी प्रवेश और निकासी के स्थानों को सील करके घेराबंदी को और सख्त कर दिया गया तथा सर्च ऑपरेशन को तेज कर दिया गया, जिसके दौरान वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने एडवांस सर्च पार्टी पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसके जवाब में की गई कार्रवाई के परिणामस्वरूप वहां मुठभेड़ हो गई। चूँकि आतंकवादी कंक्रीट के एक घर में छिपे हुए थे और चतुराई से घर में अपनी पोजीशन बदल रह थे तथा सुरक्षा बलों को लंबे समय तक उलझा रखा था, इसलिए अपनी तरफ क्षति होने के भय से सुरक्षा बल काफी देर तक आसानी से लक्षित घर की ओर नहीं बढ़ सके। अंततः, श्री जी.वी. सुदीप चक्रवर्ती, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुपवाड़ा के नेतृत्व में पहली संयुक्त टीम अंतिम और निर्णायक हमले के लिए लक्षित घर तक पहुंचने के लिए स्वेच्छा से आगे आई। तदनुसार, अधिकारी श्री जी.वी. सुदीप चक्रवर्ती, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुपवाड़ा ने अपनी टीम का नेतृत्व किया और उन्होंने दूसरी टीम की बैकअप गोलीबारी की

सहायता से लक्षित घर की ओर बढ़ना शुरू कर दिया। जब एडवांस टीम लक्षित घर के नजदीक पहुंचने वाली थी, तभी आतंकवादियों को यह आभास हो गया कि सुरक्षा बल लक्षित घर के करीब पहुंच गए हैं, इसलिए आतंकवादी गोलियों की बौछार करते हुए अचानक मुख्य दरवाजे से घर से बाहर कूद गए और उन्होंने बागान क्षेत्र का फायदा उठाकर मौके से भागने की कोशिश की, लेकिन उससे पहले ही एडवांस टीम, विशेष रूप से श्री जी.वी. सुदीप चक्रवर्ती, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुपवाड़ा, एस.जी.सीटी परवेज अहमद खान, एस.जी.सीटी फैयाज अहमद गनई और सिपाही वसीम मोहि-उद-दीन लोन चट्टान की तरह दृढ़ रहे/डटे रहे और उन्होंने गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया। इसके बाद हुई आमने-सामने की बंदूक की लड़ाई में, प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा आतंकवादी संगठन के दो खूंखार आतंकवादियों को मार गिराया गया, जिनकी पहचान बाद में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) संगठन के आतंकवादी हमास उर्फ असरार, निवासी पाकिस्तान और वसीम नजीर लोन, पुत्र नजीर अहमद लोन, निवासी हथलंगू सोपोर के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन बोमई में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरूद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16 एवं 20 के तहत एक मामलागत एफआईआर संख्या 21/2021 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री जीवी सुदीप चक्रवर्ती, भापुसे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, परवेज अहमद खान, एस.जी.सीटी, फैयाज अहमद गनई, एस.जी.सीटी और वसीम मोही-उद-दीन लोन, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 04/05/2021 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/1156/11/2022-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 46-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) /वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्वश्री/	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
.1	अब्दुल हमीद रिशी	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
.2	बिलाल अहमद वानी	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 28.05.2021 को, 44 आरआर के सैनिक गनोवपोरा-आरिश गांव में गश्त लगा रहे थे और तभी कुछ अज्ञात आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी कर दी। 44 आआर के सैनिकों ने तुरंत उनकी गोलीबारी का जवाब दिया और तत्पश्चात बागान क्षेत्र की घेराबंदी कर दी। सूचना मिलने पर, श्री तनवीर अहमद- जेकेपीएस, अपर पुलिस अधीक्षक पुलवामा प्रभारी पुलिस अधीक्षक शोपियां की कमान में पुलिस उपाधीक्षक पीसी केल्लर और पुलिस उपाधीक्षक पीसी इमामसाहिब अपनी-अपनी क्यूआरटी के साथ तेजी से गांव की ओर भागे। उस लक्षित बागान क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गई, जहां पर आतंकवादी छिपे हुए थे।

तदनुसार, सीआरपीएफ की 14वीं बटालियन की क्यूआरटी/पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय तथा पुलिस उपाधीक्षक जैनपोरा भी अपनी-अपनी क्यूआरटी के साथ उस स्थान पर पहुंच गए और घेराबंदी को मजबूत कर दिया गया। श्री सैयद मजीद मोसावी-जेकेपीएस, पुलिस उपाधीक्षक पीसी केल्लर के नेतृत्व में 44 आरआर, सीआरपीएफ की 14वीं बटालियन और शोपियां पुलिस की संयुक्त टीम, जिसमें शौकत बशीर, सिपाही संजीत कुमार 682/आईआरपी 21वीं बटालियन शामिल थे, को लक्षित बागान क्षेत्र की उत्तर-पूर्वी दिशा में घेराबंदी करने के लिए तैनात किया गया। श्री मोहम्मद अशरिफ-जेकेपीएस, पुलिस उपाधीक्षक पीसी इमामसाहिब के नेतृत्व में 44 आरआर की क्यूआरटी, सीआरपीएफ की 14वीं बटालियन की क्यूआरटी और शोपियां पुलिस की क्यूआरटी वाली दूसरी संयुक्त टीम, जिसमें सहायक उप निरीक्षक अब्दुल हमीद रिशी तथा सिपाही बिलाल अहमद वानी एआरपी091396 शामिल थे, को दक्षिण-पश्चिमी दिशा से घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया।

छिपे हुए आतंकवादियों को बाहर निकालने के लिए तलाशी शुरू की गई। तलाशी की प्रक्रिया के दौरान आतंकवादियों ने घेराबंदी करने वाले दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। संयुक्त सैन्य दलों ने प्रभावी ढंग से गोलीबारी का जवाब दिया और वहां पर हुई गोलीबारी के दौरान, इस बात की पुष्टि हुई कि एक आतंकवादी घेराबंदी वाले क्षेत्र में छिपा हुआ है। घिरे हुए आतंकवादी से विभिन्न माध्यमों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन उसने सैन्य दलों पर गोलीबारी करना जारी रखा। सैयद मजीद मोसावी- जेकेपीएस, पुलिस उपाधीक्षक पीसी केल्लर के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक अब्दुल हमीद रिशी, सिपाही बिलाल अहमद वानी, सिपाही शफकत बशीर तथा सिपाही संजीत कुमार सहित आरआर/सीआरपीएफ और पुलिस के संयुक्त सैन्य दलों ने जवाबी कार्रवाई की और आतंकवादी को मार गिराया। मारे गए आतंकवादी की पहचान बाद में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) संगठन के एतीजमद अहमद डार, पुत्र मोहम्मद यूसुफ डार, निवासी अवेंद, जिला शोपियां के रूप में की गई।

इसी बीच, आस-पास के गांवों से ग्रामीणों की भारी भीड़ ने लक्षित क्षेत्र की तीन दिशाओं से पत्थरबाजी शुरू कर दी। उपद्रवी और हिंसक भीड़ को तितर-बितर करने के लिए, वहां तैनात की गई सीआरपीएफ की 14वीं बटालियन के सैनिकों और पुलिस ने अत्यधिक संयम दिखाया और न्यूनतम बल का प्रयोग किया। ऑपरेशन के पूरा होने तक भीड़ को मुठभेड़ स्थल से दूर रखा गया। मारे गए आतंकवादी के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन शोपियां में आईपीसी की धारा 147, 148, 149 एवं 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 20 एवं 38 के तहत एक मामलागत एफआईआर संख्या 139/2021 दर्ज है और जांच चल रही है। इस खूंखार आतंकवादी के खात्मे से सामान्य रूप से दक्षिण कश्मीर रेंज के भीतर और विशेष रूप से शोपियां जिले में आतंकवादी नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है।

सहायक उप निरीक्षक अब्दुल हमीद रिशी और सिपाही, अब एस.जी.सीटी. बिलाल अहमद वानी, जिन्होंने अपनी कीमती जान की परवाह किए बिना कुशलता और समझदारी से आतंकवादियों का मुकाबला किया, द्वारा प्रदर्शित उत्कृष्ट साहस और पेशेवरता उल्लेखनीय थी तथा अत्यंत प्रतिकूल परिस्थिति में लक्ष्य तक पहुंचने का उनका प्रयास वास्तव में वीरतापूर्ण था। उन्होंने साहस का परिचय दिया तथा घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे आम नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया और इस तरह सूझ-बूझ तथा अच्छी पुलिस व्यवस्था की वजह से आम नागरिक हताहत होने से बच गए। यद्यपि, आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी करके सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की पूरी कोशिश की, जिसमें वे बाल-बाल बच गए, तथापि उन्होंने अपनी एकाग्रता को खोए बिना तथा सूझ-बूझ के साथ बहादुरी से लड़ाई लड़ी और आतंकवादियों के नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री अब्दुल हमीद रिशी, सहायक उप निरीक्षक और बिलाल अहमद वानी, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 28/05/2021 से दिया जाएगा।

फाइल संख्या-11020/1157/11/2022-(पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 47-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्वश्री/	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अब्दुल हमीद	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	शीराज़ अहमद गनई	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 25.06.2021 को लगभग 1210 बजे, गांव राखामा शोपियां में 2-3 आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक विशिष्ट खुफिया सूचना जुटाई गई। इस सूचना को 34 आरआर के कर्नल और सीआरपीएफ की 14वीं बटालियन के कमांडेन्ट के साथ साझा किया गया। तदनुसार, शोपियां पुलिस द्वारा 34 आरआर और सीआरपीएफ की 14वीं बटालियन के सहयोग से एक संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन की योजना बनाई गई और उसे शुरू किया गया। पुलिस, आरआर और सीआरपीएफ की संयुक्त टीमों ने लक्षित क्षेत्र के चारों ओर घेराबंदी कर दी। शुरूआत में, घरों के एक समूह की घेराबंदी की गई और तलाशी शुरू की गई। जब तक दो घरों की तलाशी की गई, तभी स्रोत से यह सूचना प्राप्त हुई कि बलों की गतिविधि को भांपते हुए आतंकवादी राखामा से हांजीपोरा चले गए हैं। हांजीपोरा गांव राखामा से लगभग 05 किमी. की दूरी पर स्थित है। सीआरपीएफ, शोपियां पुलिस की क्यूआरटी और 34 आरआर की एक टीम ने राखामा में घेराबंदी जारी रखी और टीम के छोटे घटक हांजीपोरा चले गए और उसके बाद शोपियां जिले के कचदूरा के पास हांजीपोरा गांव में औचक तलाशी शुरू की।

तलाशी के दौरान, गांव में छिपे हुए आतंकवादियों ने घेराबंदी दल की गतिविधि को भांप कर उन पर गोलीबारी की, तथापि घेराबंदी दल बाल-बाल बच गया। सतर्क सैन्य दस्तों ने तुरंत पोजीशन ले ली और प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की और इस बीच संपर्क स्थापित हो गया। सूचना मिलने पर, राखामा में तैनात 34 आरआर, सीआरपीएफ और पुलिस के संयुक्त घेराबंदी दल भी हांजीपोरा गांव पहुंच गए। इसके अलावा, शोपियां पुलिस, सीआरपीएफ की 14वीं/178वीं बटालियन के अतिरिक्त सैन्य दस्ते भी वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में तेजी से लक्षित क्षेत्र हंजीपोरा पहुंचे और घेराबंदी में शामिल हो गए। ऑपरेशन को बाधित करने और आतंकवादियों को बचकर भागने में मदद करने के लिए ग्रामीणों द्वारा संभावित रूप से पत्थरबाजी को ध्यान में रखते हुए सैन्य दस्तों ने तेजी से लक्षित क्षेत्र के बाहरी हिस्से की घेराबंदी कर दी।

ऑपरेशनल कमांडर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां ने सेक्टर कमांडर द्वितीय सेक्टर आरआर और डीआईजी एसकेओआर के परामर्श से स्थिति पर समुचित रूप से विचार करके रणनीतिक दृष्टि से बाहरी घेराबंदी/स्टॉप्स को तैनात किया। इस घेराबंदी टीम ने अपनी पोजीशन संभाल ली और सभी रास्ते बंद कर दिए गए, ताकि आतंकवादी बचकर भाग न सकें। अब तक, आस-पास के गांवों के शरारती तत्व मुठभेड़ स्थल के चारों ओर इकट्ठा हो गए थे तथा सुरक्षा बलों के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे और उन्होंने भारी पत्थरबाजी शुरू कर दी। पत्थरबाजों से निपटने के लिए पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीमों को तैनात किया गया, ताकि उन्हें मुठभेड़ स्थल से दूर रखा जा सके। अत्यंत धैर्य के साथ स्थिति से निपटने के बावजूद, शरारती तत्वों को तितर-बितर करने के लिए टीएसएम और पीएजी का इस्तेमाल अपरिहार्य हो गया। जब संयुक्त घेराबंदी टीम लक्षित घर और उससे सटे हुए घर की घेराबंदी करने की कोशिश कर रही थी, तभी एक संदिग्ध घर की बाउन्ड्री से गली में कूद गया और उसने वहां से भागने की कोशिश की। उसे रुकने के लिए कहा गया, लेकिन भाग रहे उस संदिग्ध ने घेराबंदी टीम पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। तथापि, हेड कांस्टेबल अब्दुल हमीद और सिपाही शीराज़ अहमद गनई सहित संयुक्त घेराबंदी टीम द्वारा प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की गई। आमने-सामने की बंदूक की लड़ाई के दौरान, एक आतंकवादी को ढेर कर दिया गया और दो अन्य आतंकवादियों के लक्षित भवन के अंदर मौजूद होने की आशंका थी। टोह लेने के लिए कई गोलियां दागी गईं, लेकिन लक्षित घर से कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। इस बीच, जब तलाशी चल रही थी, तब यह पाया गया कि एक आतंकवादी लक्षित घर की चिमनी में छिपा हुआ है। तुरंत, टीमों को सतर्क कर दिया गया और उसे आत्मसमर्पण करने के लिए घोषणा की गई, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई और काफी मशक्कत के बाद चतुराई से एक आतंकवादी को हथियारों/गोला-बारूद के साथ पकड़ लिया गया, जिसकी पहचान बाद में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) संगठन के साहिल रमजान डार उर्फ उमर, पुत्र मोहम्मद रमजान डार, निवासी बेमनीपोरा शोपियां के रूप में की गई और एक आतंकवादी का सफाया कर दिया गया, जिसकी पहचान लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) संगठन के मुर्तजा रसूल डार, पुत्र गुलाम रसूल डार, निवासी संबूरा पुलवामा के रूप में की गई। मारे/पकड़े गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन शोपियां में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरूद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18 एवं 20 के तहत एक मामलागत एफआईआर संख्या 178/2021 दर्ज है और जांच की जा रही है।

हेड कांस्टेबल अब्दुल हमीद और सिपाही शीराज़ अहमद गनई, जिन्होंने आतंकवादियों से दक्षतापूर्वक और बुद्धिमानी के साथ लड़ाई लड़ी और खुद को अत्यधिक जोखिम में डाल दिया, द्वारा प्रदर्शित पेशेवरता और उत्कृष्ट साहस उल्लेखनीय था तथा अत्यंत प्रतिकूल स्थिति में लक्ष्य तक पहुंचने का उनका प्रयास वास्तव में वीरतापूर्ण था। उन्होंने घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे हुए लोगों को बाहर निकालने के लिए साहस का प्रदर्शन किया। आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी करके सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की पूरी कोशिश की, जिसमें वे बाल-बाल बच गए। तथापि, उन्होंने अपनी एकाग्रता को खोए बिना और सूझ-बूझ से बहादुरी के साथ लड़ाई लड़ी और उन आतंकवादियों के नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया। ऐसी नाजुक स्थिति में ऑपरेशन स्थल पर मिशन को सुरक्षित तरीके से पूरा करना इस ऑपरेशन की प्रमुख विशेषता रही है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री अब्दुल हमीद, हेड कांस्टेबल और शीराज़ अहमद गनई, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 25/06/2021 से दिया जाएगा।

फाइल संख्या-11020/1162/11/2022-(पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 48-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	शीजान भट	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2.	लतीफ अहमद गनई	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
3.	मोहम्मद रफीक डार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण 4प्रदान किया गया

दिनांक 18.07.2021 को, शोपियां जिले के चेक-ए-सिद्दीक खान गांव में कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी की बारे में विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, गहन विचार-विमर्श के बाद, शोपियां पुलिस ने 34वीं आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के साथ मिलकर उक्त क्षेत्र में एक संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन शुरू किया। योजना के अनुसार, श्री शीजान भट, पुलिस उपाधीक्षक डीएआर कुलगाम की कमान के तहत 34 आरआर की क्यूआरटी, सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की क्यूआरटी और शोपियां पुलिस की क्यूआरटी वाला प्रारंभिक घेराबंदी दल, जिसमें निरीक्षक पीर गुलजार अहमद, सहायक उप निरीक्षक लतीफ अहमद गनई, हेड कांस्टेबल फारूक अहमद, एस.जी.सीटी अब्दुल माजिद,

एस.जी.सीटी पवन कुमार, एस.जी.सीटी कासिर अहमद, सिपाही चंदर पाल, सिपाही मुकेश कुमार, सिपाही मोहम्मद रफीक डार, एसपीओ एजाज अहमद जरगर, एसपीओ तनवीर अहमद, एसपीओ मदन मोहन सिंह और एसपीओ अहसान-उल-हक शामिल थे, बचकर भागने के सभी संभावित मार्गों को बंद करने के लिए उक्त गांव में पहुंच गया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वहां छिपे हुए आतंकवादियों को बचकर भागने का कोई मौका न मिले। इस कार्रवाई के दौरान, गांव में सैन्य दस्तों की मौजूदगी का पता चलने पर गांव के शरारती तत्वों ने हिंसक प्रतिक्रिया की और उन्होंने सैन्य दस्तों पर भारी पत्थरबाजी शुरू कर दी। ऑपरेशनल कमांडर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के नेतृत्व में 34 आरआर, सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन और शोपियां पुलिस के अतिरिक्त दल भी लक्षित गांव में पहुंच गए और उन्होंने पत्थरबाजों को लक्षित क्षेत्र से खदेड़ दिया तथा उक्त गांव की अच्छी तरह से घेराबंदी कर दी। पहुंचने के रास्तों पर कट-ऑफ पॉइंट लगा दिए गए और बीपी वाहनों को चतुराई से लक्ष्य के चारों ओर तैनात कर दिया गया। घेराबंदी के भीतर आतंकवादियों की मौजूदगी का पुष्टि की गई और घेराबंदी दल को सतर्क कर दिया गया।

एक मजबूत घेराबंदी करने के बाद, आतंकवादियों के लिए बार-बार घोषणाएं की गईं और उनसे आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन, ऐसा करने के बजाय उन्होंने घेराबंदी को तोड़ने के लिए घेराबंदी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें संयुक्त एडवांस पार्टी बाल-बाल बच गई। तथापि, घेराबंदी दल ने तुरंत कवर ले लिया और प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की तथा आतंकवादियों के बचकर भागने के प्रयास को विफल कर दिया। भारी गोलाबारी के बीच, एक आतंकवादी ने बचकर भागने का प्रयास किया और वह घर से कूद गया। उसने घेराबंदी को तोड़ने और बचकर भागने के लिए आंतरिक घेरे में तैनात संयुक्त सैन्य दस्तों की ओर भागने का प्रयास किया और गोलीबारी करता रहा। संयुक्त घेराबंदी दलों ने प्रभावी ढंग से गोलीबारी का जवाब दिया और एक आतंकवादी को मौके पर ही मार गिराया। यह देखा गया कि कुछ परिवार घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंस गए हैं। अपनी ओर किसी भी प्रकार की क्षति से बचने के लिए संयुक्त सैन्य दस्ते स्वेच्छा से निकासी के लिए आगे आए और वे दूसरी टीम द्वारा प्रदान की गई कवर गोलीबारी की सहायता से कुछ ही प्रयासों में सटे हुए घरों से आम नागरिकों के परिवारों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में सफल रहे।

घेराबंदी वाले क्षेत्र में छिपे हुए अन्य आतंकवादियों की तलाश शुरू की गई, लेकिन अंधेरे में ठीक से दिखाई न देने के कारण, अगले दिन उजाला होने तक इंतजार करने का निर्णय लिया गया और तलाशी रोक दी गई तथा घेराबंदी को और मजबूत कर दिया गया। कानून और व्यवस्था की अधिक समस्या के मद्देनजर, सीआरपीएफ/पुलिस की अतिरिक्त टुकड़ियों को शामिल किया गया और उन्हें रणनीतिक स्थानों पर तैनात कर दिया गया।

अगले दिन उजाला होते ही, लक्षित घर पर ध्यान केंद्रित करके तलाशी तेज कर दी गई और दो आतंकवादियों के शव और उनके हथियार बरामद किए गए। लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) संगठन के मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में माजिद इकबाल भट, पुत्र मोहम्मद इकबाल भट, निवासी मालीबाग इमामसाहिब, शोपियां और इश्फाक अहमद डार, पुत्र अब्दुल रशीद डार, निवासी हेफ-शिरमल जैनापोरा, शोपियां के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन इमामसाहिब में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरूद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16 एवं 20 के तहत एक मामलागत एफआईआर संख्या 41/2021 दर्ज है और जांच की जा रही है।

मारे गए आतंकवादी शोपियां जिले में सक्रिय थे और उन्होंने इस जिले की आम जनता और मुख्यधारा के नेताओं के बीच आतंक का राज फैला रखा था। ये आतंकवादी विभिन्न विध्वंसक गतिविधियों में शामिल थे और जनता, वीआईपी, सुरक्षा बलों और पुलिस के लिए बड़ा खतरा थे। इन 02 आतंकवादियों का सफाया लश्कर-ए-तैयबा संगठन के लिए बड़ा झटका है।

आम जनता ने इस ऑपरेशन में पुलिस द्वारा किए गए वीरतापूर्ण कार्य की सराहना की है। इन खूंखार आतंकवादियों के खात्मे से, सामान्य रूप से दक्षिण कश्मीर रेंज में भीतर और विशेष रूप से शोपियां जिले में आतंकवादी नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है।

श्री शीजान भट, पुलिस उपाधीक्षक डीएआर कुलगाम, सहायक उप निरीक्षक लतीफ अहमद गनई, सिपाही मोहम्मद रफीक डार तथा अन्य कार्मिकों, जिन्होंने अपने बहुमूल्य जीवन की परवाह किए बिना दक्षतापूर्वक और बुद्धिमानी से आतंकवादियों से लड़ाई लड़ी, द्वारा प्रदर्शित पेशेवरता और उत्कृष्ट साहस उल्लेखनीय था तथा अत्यंत प्रतिकूल स्थिति में लक्ष्य तक पहुंचने का उनका प्रयास वास्तव में वीरतापूर्ण था। उन्होंने साहस का प्रदर्शन किया और घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे हुए आम नागरिकों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया और इस तरह सूझ-बूझ तथा अच्छी पुलिस व्यवस्था से आम नागरिकों को हताहत होने से बचाया। आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी करके सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की पूरी कोशिश की, जिसमें वे सभी बाल-बाल बच गए। तथापि, उन्होंने अपनी एकाग्रता को खोए बिना और सूझ-बूझ से बहादुरी के साथ लड़ाई लड़ी और आतंकवादियों के नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री शीजान भट, पुलिस उपाधीक्षक, लतीफ अहमद गनई, सहायक उप निरीक्षक और मोहम्मद रफीक डार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 18/07/2021 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/1164/11/2022-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 49-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति, जम्मू एवं कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	खालिद फैयाज मठ	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2.	मोहम्मद यूसुफ मलिक	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3.	वीरेंद्र मन्हास	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 18/19.02.2021 को, गांव होम्हुना-शकरीपोरा शोपियां में 3/4 आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में एक विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। उक्त गाँव आतंकवाद की दृष्टि से बहुत संवेदनशील था और ऐसे क्षेत्र में ऑपरेशन चलाना पुलिस/सुरक्षा बलों के लिए एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। उक्त सूचना को 44 आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के साथ साझा किया गया और विभिन्न दिशाओं से संयुक्त घेराबंदी करने का निर्णय लिया गया। लक्षित क्षेत्र में पहुंचने के बाद, संयुक्त सैन्य दलों ने रणनीतिक दृष्टि से तत्काल पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी। इसके बाद, पुलिस की टीम का गठन किया गया, जिसमें निरीक्षक खालिद फैयाज मठ, सहायक उप निरीक्षक मो. यूसुफ मलिक और सिपाही वीरेंद्र मन्हास तथा अन्य कार्मिक शामिल थे और उसने घरों की तलाशी शुरू कर दी। एक मंजिल वाले एक मकान की तलाशी के दौरान, तीन खूंखार आतंकवादियों की मौजूदगी की पुष्टि हुई। यह भी देखा गया कि आतंकवादियों ने मकान मालिक के बच्चों को बंधक बना लिया है। इस बीच, श्री अतुल कुमार गोयल-आईपीएस, तत्कालीन पुलिस उप महानिरीक्षक एसकेआर अनंतनाग ने अपर पुलिस अधीक्षक शोपियां, एसडीपीओ जैनपोरा तथा एसएचओ पुलिस स्टेशन जैनपोरा के साथ स्थिति का जायजा लिया और बचकर भागने की जगहों/संवेदनशील स्थानों को बंद कर दिया।

इस बीच, लक्षित घर में छिपे हुए आतंकवादियों ने ऑपरेशनल दलों की गतिविधि को भांपते हुए अपने अवैध स्वचालित हथियारों से उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। ऑपरेशनल दलों ने भी तुरंत कवर ले लिया और साहस के साथ जवाबी कार्रवाई की, जिससे वहां पर बंदूक की भीषण लड़ाई शुरू हो गई। ऑपरेशनल कमांडर श्री अतुल कुमार गोयल-आईपीएस के नेतृत्व वाले उपर्युक्त घेराबंदी दलों ने बंधक बनाए गए बच्चों को बाहर निकालने की जिम्मेदारी ले ली। कई प्रयासों के बाद, वे बंधक बनाए गए बच्चों को छुड़ाने में सफल रहे और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया।

इसके बाद, वहां छिपे हुए आतंकवादियों के खात्मे हेतु अंतिम हमला करने के लिए श्री अतुल कुमार गोयल-आईपीएस की समग्र कमान के तहत पुलिस, 44 आरआर की क्यूआरटी और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की दो संयुक्त टीमों का गठन किया गया। अंतिम हमला शुरू करने से पहले, घिरे हुए आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिससे उन्होंने इनकार कर दिया और इसके बजाय उन्होंने सुरक्षा बलों की ओर भारी गोलीबारी शुरू कर दी और ग्रेनेड फेंके, जिसके परिणामस्वरूप 44 आरआर राजपूत के एक जवान नामत: नायक अजय कुमार गोली लगने से घायल हो गए, जिन्हें संयुक्त सैन्य दलों की मदद से तुरंत घटना स्थल से बाहर निकाला गया और विशेष उपचार के लिए 92 बेस अस्पताल श्रीनगर में स्थानांतरित कर दिया गया।

चूंकि लक्षित घर गांव के भीतर सड़क के पास स्थित था और दुकानों तथा घरों से घिरा हुआ था, इसलिए आंतरिक घेराबंदी को मजबूत करने का निर्णय लिया गया। हुमुना-बडिगाम रोड के आगे सड़क पर पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीमों को भी आंतरिक घेराबंदी में तैनात कर दिया गया। शेष क्षेत्र को 44 आरआर तथा पीसी जैनपोरा और पीसी इमामसाहिब की क्यूआरटी द्वारा कवर किया गया। आधी रात में अंधेरा होने के कारण, आतंकवादियों की स्थिति का पता नहीं चल पा रहा था, इसलिए ऑपरेशन को रोकने और उजाला होने तक प्रतीक्षा करने का निर्णय लिया गया। अगले दिन दिनांक 19.02.2021 को लगभग 0400 बजे, कानून और व्यवस्था संबंधी स्थिति की आशंका को ध्यान में रखते हुए, कानून और व्यवस्था को बनाए रखने के लिए उपयुक्त स्थानों पर कट-ऑफ पॉइंट स्थापित किए गए। आतंकवादियों का खात्मा करने के लिए, उपर्युक्त टीमें लक्ष्य की ओर आगे बढ़ीं और 44 आरआर तथा सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के कार्मिकों ने लक्षित क्षेत्र के उत्तर पश्चिम की तरफ पोजीशन ले ली। अचानक एक आतंकवादी लक्षित घर से बाहर आया और उसने लक्ष्य के उत्तर-पूर्वी दिशा में तैनात संयुक्त दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और वहां से बचकर भागने की कोशिश की। लेकिन, सतर्क सैनिकों ने अपनी जान की परवाह किए बिना अपने-अपने स्थान से बाहर झांकते हुए, वहां से भाग रहे आतंकवादी पर भारी गोलीबारी की और वे बंदूक की भीषण लड़ाई के बाद उसे मार गिराने में सफल रहे।

कुछ समय बाद, क्रॉस फायरिंग के कारण घर में आग लग गई, जिसके परिणामस्वरूप छिपे हुए दो आतंकवादी घर से बाहर आ गए और उन्होंने उस लक्षित घर से भागने के प्रयास में संयुक्त सैन्य दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी जारी रखी, जहां पुलिस, 44 आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के संयुक्त सैन्य दल मौके का इंतजार कर रहे थे और उन्होंने सामने से बड़े साहस के साथ जवाबी कार्रवाई की। इसके बाद कुछ देर तक चली आमने-सामने की बंदूक की लड़ाई में, टीमों के निरंतर प्रयास से दो और खूंखार आतंकवादियों को मार गिराया गया। कुछ देर की शांति के बाद लगभग 0930 बजे, रक्षात्मक गियर के साथ एक छोटी संयुक्त टीम लक्षित घर की ओर बढ़ी और उस घर तथा उसके आस-पास के क्षेत्र की तलाशी ली, लेकिन वहां कोई और आतंकवादी नहीं मिला और क्षेत्र को खाली कर दिया गया। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में अल-बद्र संगठन के सुहैल अहमद शेख, पुत्र अब्दुल गनी शेख, निवासी तुर्कावंगम, अल-बद्र संगठन के शाहिद अहमद डार, पुत्र बशीर अहमद

डार, निवासी संबूरा पंपोर पुलवामा और अल-बद्र संगठन के मुदासिर अहमद वागे, पुत्र मोहम्मद रमजान वागे, निवासी चेक संगठन इमामसाहिब शोपियां के रूप में की गई, जिनके नाम विभिन्न पुलिस स्टेशनों में दर्ज अनेक एफआईआर में शामिल थे। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इस संबंध में आगे जांच के लिए, पुलिस स्टेशन जैनपोरा में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 19, 20, 38 एवं 39 के तहत एक मामलागत एफआईआर संख्या 11/2021 दर्ज है। इन खूंखार आतंकवादियों के खात्मे से सामान्य रूप से दक्षिण कश्मीर रेंज में और विशेष रूप से शोपियां जिले में आतंकवादी नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री खालिद फैयाज मठ, निरीक्षक, मोहम्मद यूसुफ मलिक, सहायक उप निरीक्षक और वीरेंद्र मन्हास, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 18/02/2021 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/1152/11/2022-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 50-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति, झारखण्ड के निम्नलिखित पुलिस कार्मिक को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री अर्जुन कुमार सिंह	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक-11.09.2017 को गुप्त सूचना मिली कि पी.एल.एफ.आई. उग्रवादी संगठन का एरिया कमाण्डर सालु बुढ़ अपने दस्ता के सदस्यों जिसमें तीन-चार महिलायें भी थीं, के साथ रनिया एवं गुदड़ी थाना के सीमावर्ती क्षेत्र में लोक सुरक्षा को बाधित करने तथा लेवी वसूलने हेतु कई दिनों से भ्रमणशील है, जिसके आधार पर पुलिस अधीक्षक, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा, पुलिस अधीक्षक, खूँटी एवं सी.आर.पी.एफ.-94 बटा. के समादेष्टा द्वारा एक टीम का गठन किया गया, जिसमें सहायक समादेष्टा, श्री प्रहलाद सहाय के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया, जिसमें चाईबासा जिला पुलिस के स0अ0नि0 अर्जुन कुमार सिंह (सौदे कैम्प) उक्त अभियान टीम में शामिल थे। अभियान टीम जब ग्राम बान्दु टोला झरियागढ़ पहाड़ में सर्च करते हुये पहाड़ से उतर रहे थे कि समय करीब 6.20 बजे पी.एल.एफ.आई. के एरिया कमाण्डर सालो बुढ़ एवं उसके दस्ता के करीब 20 सदस्य, जिसमें तीन-चार लड़कियां भी थी, पुलिस बल को लक्षित कर अंधाधुंध फायरिंग करने लगे। पुलिस बल के नेतृत्वकर्ता श्री प्रहलाद सहाय द्वारा चिल्लाकर बोला गया कि हम पुलिस वाले हैं, परन्तु फिर भी उधर से फायरिंग बंद नहीं हुआ। तदोपरांत सहायक समादेष्टा श्री प्रहलाद सहाय द्वारा बार-बार चेतावनी देने के बावजूद भी उग्रवादियों द्वारा फायरिंग बंद नहीं की गयी। जिसके उपरांत, श्री सहाय द्वारा भी पुलिस बल को आत्मरक्षार्थ एवं पुलिस बल की क्षति को रोकने हेतु जवाबी फायरिंग की जाने लगी तथा लगभग आधा घंटा तक फायरिंग चलती रही, जिसमें श्री सहाय स.अ.नि. श्री अर्जुन कुमार सिंह, श्री अखिलेश पाण्डेय एवं सत्येंन्द्र कुमार काफी साहस एवं वीरता को परिचय देते हुये फायरिंग करते हुये आगे बढ़ रहे थे। पुलिस बल को भारी पड़ते देख उग्रवादी जंगल एवं पहाड़ का फायदा उठाते हुये भाग खड़े हुये। उग्रवादियों की तरफ से फायरिंग बंद होने के बाद पुलिस बल सर्च अभियान चलाते हुए आगे बढ़ी ते जंगल में 50 गज की दूरी पर एक पुरुष जिसके पास 9 एम.एम का कारबाईन मशीनगन एवं एक महिला उग्रवादी जिसके पास डी.बी.बी.एल. गन था तथा दोनों मृत अवस्था में पड़े हुये थे।

इस ऑपरेशन में, श्री अर्जुन कुमार सिंह, सहायक उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 12/09/2017 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/1147/12/2022-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 51-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति, झारखण्ड के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	विपुल पाण्डेय	अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	रमेन्द्र कुमार	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

यह घटना दिनांक 04.04.2018 को झारखंड राज्य के लातेहार जिले में हेरहंज पुलिस स्टेशन के तहत भरगाँव-सिकिद वन क्षेत्र में "कौवाखोह नाला" में पुलिस टीम और सीपीआई (माओवादी) के खूंखार उग्रवादियों के बीच हुई घातक और भयंकर मुठभेड़ के संदर्भ में है, जिसमें सीपीआई (माओवादी) के 5 उप-क्षेत्रीय कमांडर मारे गए थे। यहां यह उल्लेख करना उचित है कि झारखंड का लातेहार जिला सीपीआई (माओवादी) के लिए झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ में अपनी पकड़ बनाने के लिए रणनीतिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। उत्तरी लातेहार एक ऐसा क्षेत्र है, जो नक्सली नेताओं को बिहार की ओर आने-जाने का रास्ता प्रदान करता है और वे सरकार और सुरक्षा बलों के खिलाफ बैठकें करने और अपनी भावी रणनीति बनाने के लिए वहां आते-जाते रहते हैं।

दिनांक 03.04.2018 को, मनिका-हेरहंज-लातेहार पुलिस स्टेशन से सटे वन क्षेत्र में सीपीआई (माओवादी) के सशस्त्र समूह की आवाजाही के संबंध में मानवीय और साथ ही तकनीकी जानकारी प्राप्त हुई। तदनुसार, एक ऑपरेशन "खिराखंड" शुरू किया गया, जिसमें कोबरा 203 की 2 टीमें, सीआरपीएफ की 11वीं बटालियन की 2 टीमें, झारखंड जगुआर के असॉल्ट ग्रुप संख्या 3 और 34 तथा विपुल पाण्डेय, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) लातेहार, उप निरीक्षक सनोज चौधरी, ओसी हेरहंज पुलिस स्टेशन, 1 सहायक उप निरीक्षक और 4 सिपाहियों वाली पुलिस टीम शामिल थी। सभी छह टीमों को नक्सलियों को खोजने और मार गिराने के लिए 6 अलग-अलग क्षेत्र सौंपे गए। श्री रमेन्द्र, पुलिस उपाधीक्षक की कमान में टीम-5, जिसमें झारखण्ड जगुआर का असॉल्ट ग्रुप-3 शामिल था और श्री विपुल पाण्डेय, अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन की समग्र कमान में पुलिस कार्मिकों की टीम-6, जिसमें उप निरीक्षक सनोज चौधरी ओसी हेरहंज शामिल थे, को सिकिद पीएफ और भरगांव पीएफ के बीच वाले नाले की तलाशी करने का कार्य सौंपा गया। ऑपरेशन टीम दिनांक 03.04.2018 को 1900 बजे अपने निर्धारित क्षेत्र के लिए रवाना हुई और लगभग 2300 बजे सिकिद वन क्षेत्र में पहुंच गई और वन क्षेत्र में ठहर गई। अगली सुबह अर्थात दिनांक 04.04.2018 को लगभग 0600 बजे टीम, योजना के अनुसार, अपने निर्धारित क्षेत्र की तलाशी और कांबिंग के लिए रणनीतिक रूप से आगे बढ़ी। कुछ दूरी तक आगे बढ़ने के बाद, श्री विपुल पाण्डेय ने बेहतर नियंत्रण और तलाशी हेतु टीम को दो भागों में विभाजित करने के लिए श्री रमेन्द्र, असॉल्ट ग्रुप-3 के कमांडर और अन्य उप-समूह के कमांडरों के साथ चर्चा की और सहायक उप निरीक्षक अभिशेष कुमार की कमान के तहत असॉल्ट ग्रुप के सेक्शन संख्या 3 को मिड रिज पर भेजने और शेष टीम को नाले की तलाशी करने का कार्य सौंपने का निर्णय लिया गया। आगे बढ़ते समय, विपुल पाण्डेय ने नाले में पानी जमा करने के लिए 2-3 जगह ताजी खोदी गई मिट्टी देखी। उन्होंने तुरंत सैन्य दल को सतर्क कर दिया तथा उन्हें और चौकन्ना रहने का निदेश दिया। टीम चतुराई से आगे बढ़ती रही तथा कुछ मिनटों के बाद फिर से विपुल पाण्डेय को रेडियो सेट में व्यवधान की आवाज सुनाई दी और उन्होंने फिर से सैन्य दल को सतर्क कर दिया तथा असॉल्ट ग्रुप के कमांडर श्री रमेन्द्र को मिड रिज में चल रहे सेक्शन को सतर्क करने के लिए कहा। लगभग 0700 बजे जब टीम पूर्व दिशा में रणनीतिक रूप से आगे बढ़ रही थी, तभी अचानक मिड रिज पर चल रहे सेक्शन संख्या-3 और साथ ही नाले में चल रही टीम पर गोलियों की भारी बौछार हुई। गोलीबारी अंधाधुंध थी और पुलिस बल को निशाना बनाकर की गई थी। श्री विपुल पाण्डेय और श्री रमेन्द्र ने सशस्त्र माओवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने इसका जवाब भारी गोलीबारी करके दिया। इसके बाद, पूरे दल को उनकी दिशा में नियंत्रित गोलीबारी करने का आदेश दिया गया। माओवादी मिड रिज पर चल रहे सेक्शन-3 पर भारी गोलीबारी कर रहे थे, लेकिन स्काउट में मौजूद सहायक उप निरीक्षक अभिशेष कुमार, सिपाही मनोज कुमार बावरी और सिपाही मिथुन कुमार रवि ने बहादुरी से जवाबी कार्रवाई की और उन्हें रोके रखा। श्री विपुल पाण्डेय ने यह भांपते हुए कि माओवादी सेक्शन संख्या-3 को घेरने की कोशिश कर रहे हैं, तुरंत एक छोटी सी टीम बनाई, जिसमें असॉल्ट ग्रुप-3 के कमांडर श्री रमेन्द्र, उप निरीक्षक सनोज चौधरी, सिपाही अनोज ओझा, सिपाही मनीष राज वार, सिपाही नरेश टिग्गा तथा सिपाही छोटू यादव शामिल थे और वे सेक्शन संख्या-3 की ओर बढ़े, जो नक्सलियों द्वारा की जा रही भारी गोलीबारी में फंसी हुई थी। यह दल गोलीबारी करके आगे बढ़ने की रणनीति अपनाते हुए तथा जमीन का सर्वोत्तम उपयोग करते हुए ऊंचाई की ओर बढ़ा और उनके आगे बढ़ने के दौरान कुछ नक्सलियों, जिन्होंने नीचे की ओर सूखे नाले में रक्षात्मक पोजीशन ले रखी थी, ने उन पर भारी गोलीबारी की। लेकिन धैर्य, सामंजस्य और दृढ़ संकल्प के साथ तथा अपनी जान की परवाह किए बिना, यह टीम जो भी कवर उपलब्ध था, उसी के साथ भारी गोलाबारी के बीच फंसे सेक्शन संख्या-3 की सहायता करने के लिए आगे बढ़ती रही। शीघ्र ही इस दल ने माओवादियों को दाहिनी ओर से घेर लिया और उन्हें करारा जवाब दिया तथा कड़ी जवाबी कार्रवाई की। सैन्य दलों की इस साहसिक कार्रवाई ने माओवादियों को रक्षात्मक होने के लिए विवश कर दिया। चूंकि माओवादी बैक फुट पर थे, इसलिए यह जवाबी हमला शुरू करने का सबसे अच्छा समय था और श्री विपुल पाण्डेय तथा श्री रमेन्द्र ने सैन्य दल को पुन: संगठित किया और भयावह गोलीबारी के सामने निर्भीक वीरता का प्रदर्शन करते हुए तथा अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना, वहां से भाग रहे माओवादियों का तेजी से पीछा किया। उन्होंने भारी गोलीबारी की क्षमता का इस्तेमाल किया और गोलीबारी करके आगे बढ़ने की रणनीति अपनाते हुए रणनीतिक रूप से जंगल के अंदर आगे बढ़े। अंतत:, सैन्य दलों की अत्यधिक आक्रामकता और जवाबी हमले को भांपते हुए, माओवादी घने जंगल की आड़ लेकर भारी मात्रा में विस्फोटक, हथियारों और

गोला-बारूद को पीछे छोड़कर वहां से भाग गए। मुठभेड़ लगभग 03 घंटे तक चली। श्री विपुल पाण्डेय तथा श्री रमेन्द्र ने बहादुरी से लड़ाई लड़ी और संकट के समय में अनुकरणीय स्तर के समन्वय और सामंजस्य का प्रदर्शन किया तथा सैन्य दलों में असाधारण वीरता का संचार किया। उन्होंने माओवादियों द्वारा की गई भारी गोलीबारी के बीच अपनी जान की परवाह किए बिना निर्भीक वीरता का प्रदर्शन किया और उनकी आक्रामक कार्रवाई का मुंहतोड़ जवाब दिया। संकट के समय अच्छी तरह से समन्वित योजना, त्रुटिरहित निष्पादन और अनुकरणीय सामंजस्य, टीम के कमांडरों और उनकी टीम की वीरतापूर्ण और जोरदार कार्रवाई के परिणामस्वरूप सीपीआई (माओवादी) के कोयल शंख जोन के 5 खूंखार सब जोनल कमांडर नामत: श्रवण यादव उर्फ योगेंद्र यादव, मदन यादव उर्फ मजनू, शिवपाल यादव, आशीष यादव उर्फ राजेश और नरसिंह यादव मारे गए।

एके 56 और इंसास राइफल जैसे अत्याधुनिक हथियारों के अलावा, गोला-बारूद का बड़ा जखीरा भी बरामद किया गया। इन खूंखार उग्रवादियों ने आतंक का माहौल बना रखा था और उत्तरी लातेहार क्षेत्र में इनकी मजबूत पकड़ थी। उनकी मौत से उत्तरी लातेहार में अमन और चैन स्थापित हुआ तथा उस क्षेत्र में माओवादियों का समर्थन आधार लगभग समाप्त हो गया है। इस प्रकार, नेतृत्व के अभाव में शीर्ष माओवादी कमांडर उत्तरी लातेहार उप क्षेत्र (कोयल शंख जोन) का सीपीआई (माओवादी) की मध्य क्षेत्र समिति में विलय करने के लिए मजबूर हो गए, जो कोयल शंख जोन समिति की चौथी बैठक से संबंधित जब्त नक्सली साहित्य से स्पष्ट है। बाद में, उस मुठभेड़ में घायल हुए एक और उप-जोनल कमांडर बीरेंद्र उर्फ शंकर ने भी आत्मसमर्पण कर दिया। हेरहंज पुलिस स्टेशन में, आईपीसी की धारा 147/148/149/342/353/307, आयुध अधिनियम की धारा 25(1-क) (1-ख)क/26/27/35, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 10/13/18/20 और दंड प्रक्रिया (संशोधन) अधिनियम की धारा 17(i)(ii) के तहत दर्ज दिनांक 04.04.2018 की मामलागत एफआईआर संख्या 14/18 में इस वीरतापूर्ण घटना के बारे में विस्तार से उल्लेख किया गया है। यहां यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि भीषण मुठभेड़ में मारे गए पांच खूंखार उग्रवादियों में से, तीन उग्रवादियों पर झारखंड सरकार ने जिंदा या मुर्दा पकड़ने पर पांच लाख रुपये के नकद इनाम (प्रत्येक पर) की घोषणा की थी।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री विपुल पाण्डेय, अपर पुलिस अधीक्षक और रमेन्द्र कुमार, पुलिस उपाधीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 04/04/2018 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/1217/12/2022-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 52-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति, झारखण्ड के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	बृज कुमार	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	जॉन मुर्मू	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3.	सत्येन्द्र कुमार सिंह	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4.	अरविन्द मिंज	हवलदार	वीरता के लिए पुलिस पदक
5.	नवनीत नवल	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

यह घटना दिनांक 12 मई, 2018 को जलडेगा पुलिस स्टेशन के बांसजोर ओपी क्षेत्र में सिहरजोर पाहन टोली के दूरस्थ, पहाड़ी और घने वन क्षेत्र में पुलिस टीम और पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के खूंखार उग्रवादियों, लूथर डांग उर्फ पांडु तथा उसके दस्ता सदस्यों के बीच हुई घातक और भीषण मुठभेड़ से संबंधित है।

दिनांक 11 मई, 2018 को लगभग आधी रात में, पुलिस अधीक्षक, सिमडेगा को सिहरजोर पाहन टोली के इलाके में प्रतिबंधित पीएलएफआई के सबसे अधिक सक्रिय और उग्र नेताओं तथा सदस्यों के एकत्र होने के बारे में एक खुफिया सूचना प्राप्त हुई। इस सूचना के आधार पर, 02 कट ऑफ दल और उप निरीक्षक बृज कुमार के नेतृत्व में 01 मुख्य छापेमारी दल सहित 03 दल गठित किए गए। लगभग 03:00 बजे, जब उप निरीक्षक बृज कुमार के नेतृत्व में छापा मारने वाली पुलिस टीम उग्रवादियों के एकत्र होने के स्थान अर्थात सिहरजोर पाहन टोली (बांसजोर) के वन क्षेत्र के समीप पहुंची, तो अचानक उग्रवादी वहां आ गए और उन्होंने पेड़ों की आड़ लेकर छापा मारने वाले दल, जिसमें उप

निरीक्षक बृज कुमार, उप निरीक्षक जॉन मुर्मू, उप निरीक्षक सत्येन्द्र कुमार सिंह, हवलदार अरविन्द मिंज और सिपाही नवनीत नवल शामिल थे, पर स्वचालित हथियारों से गोलीबारी शुरू कर दी। तुरंत ही, उप निरीक्षक बृज कुमार ने अपने साथियों को गोलीबारी कर रहे पीएलएफआई के सदस्यों के विरूद्ध पोजीशन लेने का आदेश दिया और उग्रवादियों को गोलीबारी बंद करने तथा पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। चेतावनी पर ध्यान दिए बिना, उग्रवादियों ने पुलिस दल को निशाना बनाते हुए गोलीबारी करना जारी रखा। अब पुलिस के हथियारों और पुलिस कर्मियों की जान को बचाने के लिए, उप निरीक्षक बृज कुमार ने पुलिस दल को गोलीबारी शुरू करने और पीएलएफआई के सदस्यों के विरूद्ध जवाबी हमला करने का आदेश दिया। उन्होंने दो पुलिस दलों का गठन किया। उनके नेतृत्व में पहला दल, जिसमें उप निरीक्षक सत्येन्द्र कुमार सिंह, हवलदार अरविन्द मिंज और सिपाही नवनीत नवल शामिल थे, उग्रवादियों की भीषण गोलीबारी के बीच, अपनी जान को खतरे में डालकर, साहस के साथ लड़ा और रेंगते हुए बाईं ओर आगे बढ़ा, जहां नक्सलियों ने पहले से ही पोजीशन ले रखी थी और उन पर जवाबी हमला किया। उप निरीक्षक जॉन मुर्मू के नेतृत्व में दूसरा दल और जेएपी-4 के पुलिस कार्मिक रेंगते हुए दाहिनी ओर आगे बढ़े और उन्होंने उग्रवादियों पर गोलीबारी शुरू कर दी तथा उप निरीक्षक बृज कुमार के नेतृत्व वाले दल ने उग्रवादियों को घेरना शुरू कर दिया। दोनों तरफ से हमला होते देखकर, नक्सलियों ने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। संख्या कम होने के बावजूद, पुलिस दलों ने अदम्य साहस का परिचय दिया और नक्सली दस्तों पर गोलीबारी करते हुए निडर होकर लड़ाई लड़ी तथा उग्रवादियों के हमले को तोड़ दिया और उन्हें पीछे हटने पर विवश कर दिया। उप निरीक्षक बृज कुमार, उप निरीक्षक जॉन मुर्मू, उप निरीक्षक सत्येन्द्र कुमार सिंह, हवलदार अरविन्द मिंज तथा सिपाही नवनीत नवल ने अदम्य साहस और वीरता का परिचय दिया। उप निरीक्षक बृज कुमार ने उग्रवादियों को घेरने तथा उन्हें पीछे हटने के लिए मजबूर करने में अनुकरणीय नेतृत्व और विशिष्ट कौशल का प्रदर्शन किया। गोलीबारी 15-20 मिनट तक चली।

इसके बाद, एक तलाशी अभियान चलाया गया, जिसमें 01 शव (जिसकी पहचान बाद में लूथर डांग उर्फ पांडु के रूप में हुई) तथा एक एके-47 असॉल्ट राइफल, एक कार्बाइन और तीन अन्य राइफलों सहित भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और रसद सामग्री (जब्ती ज्ञापन के अनुसार) बरामद की गई। पीएलएफआई संगठन के दो घायल सशस्त्र सदस्यों को भी उनके हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री बृज कुमार, उप निरीक्षक, जॉन मुर्मू, उप निरीक्षक, सत्येन्द्र कुमार सिंह, उप निरीक्षक, अरविन्द मिंज, हवलदार और नवनीत नवल, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 12/05/2018 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/1223/12/2022-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 53-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति, झारखंड के निम्नलिखित पुलिस कार्मिक को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री अर्जुन कुमार सिंह	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

सीपीआई (माओवादी) और पीपल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) जैसे एलडब्ल्यूई स्प्लिन्टर समूहों, जिनमें से दोनों विधिविरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम के अंतर्गत प्रतिबंधित संगठन हैं, के लिए झारखंड राज्य एक प्रमुख और रणनीतिक महत्व का स्थान रहा है। खूंटी झारखंड के साथ-साथ भारत में सबसे अधिक नक्सल प्रभावित जिलों में से एक है। खूंटी ऐसे जिलों से घिरा हुआ है, जिनमें पहाड़ी क्षेत्र, असमतल ढलानें, खड़ी चट्टानें, अत्यधिक दूर दिखाई देने वाले स्थान, टूटी-फूटी जमीन वाले भूभाग सहित घने जंगल स्थित हैं और ये जिले नक्सल प्रभावित भी हैं। यहां के अधिकतर निवासियों को या तो नक्सलवादियों की सहायता करने के लिए मजबूर किया जाता है अथवा वे नक्सलवादियों के प्रति सहानुभूति रखते हैं, जिससे ऐसे क्षेत्र में पुलिस और सुरक्षा बलों का कार्य अत्यधिक कठिन और चुनौतीपूर्ण हो जाता है। वहां ऐसे अनेक क्षेत्र हैं, जहां नक्सलवादी संगठन बैठकें आयोजित करते हैं, शिविर चलाते हैं, प्रशिक्षण प्रदान करते हैं, भर्तियां आयोजित करते हैं और सुरक्षा बलों तथा विकासात्मक कार्यों के विरुद्ध हिंसक गतिविधियों को अंजाम देते हैं। पीएलएफआई का इस जिले में विस्तृत नेटवर्क और कैडर है। हाल के दिनों में खूंटी जिले में पीएलएफआई कैडरों द्वारा अनेक नृशंस और हिंसक गतिविधियां को अंजाम दिया गया है।

दिनांक 20 दिसम्बर, 2020 को, पुलिस अधीक्षक खूंटी को इस आशय की एक विश्वसनीय और कार्रवाई योग्य सूचना प्राप्त हुई कि पीएलएफआई के सशस्त्र कैडरों का एक समूह मुर्हू और तपकारा पुलिस स्टेशन के क्षेत्र के आस-पास की पहाड़ियों और जंगलों में घूम रहा है। उन्होंने इसके बारे में तत्काल अपर पुलिस अधीक्षक, खूंटी और सीआरपीएफ 94 बटालियन, खूंटी के अधिकारियों को सूचित किया। उन्होंने उप निरीक्षक अर्जुन कुमार सिंह के साथ एक ऑपरेशन शुरू करने की योजना बनाई, क्योंकि उन्होंने उस क्षेत्र में काफी काम किया था और उन्हें उस इलाके की

अच्छी जानकारी थी। यह योजना मुख्य रूप से यह सुनिश्चित करने पर केंद्रित थी कि सिविलियन क्षेत्रों में और उसके आस-पास नक्सलवादियों की गतिविधि का पता लगाने और उनकी तलाश करने में कोई चूक न हो। उक्त ऑपरेशन में शामिल सभी कार्मिकों को उपयुक्त ढंग से जानकारी प्रदान की गई। जिला पुलिस और सीआरपीएफ के जवान दिनांक 20.12.2020 की रात में खूंटी से रवाना हुए और दिनांक 21.12.2020 की सुबह धुतका टोली टोंगरी में पहुंच गए। चूंकि, पीएलएफआई का एक बहुत प्रभावशाली नेटवर्क है और उसे सुरक्षा बलों की प्रत्येक गतिविधि का पता चल जाता है, इसलिए पूर्ण गोपनीयता बनाए रखी गई, क्योंकि उन्हें उस इलाके, उसकी भौगोलिक स्थिति और उक्त क्षेत्र के आस-पास रहने वाले लोगों के बारे में अच्छी जानकारी थी। सीआरपीएफ के अधिकारियों के साथ-साथ उप निरीक्षक अर्जुन कुमार सिंह नजर में आए बिना कुशलतापूर्वक लक्षित क्षेत्र तक पहुंचने में सफल हो गए। इस ऑपरेशन की योजना इस प्रकार से तैयार गई थी कि निर्धारित सामान्य क्षेत्र तक सुबह होने से पहले पहुंचा जा सके। जब सीआरपीएफ और खूंटी पुलिस की संयुक्त टीम संभावित क्षेत्र की ओर आगे बढ़ रही थी, तब उन पर अचानक स्वचालित हथियारों से गोलीबारी की गई। अन्य अधिकारियों के साथ उप निरीक्षक अर्जुन कुमार सिंह ने अनुकरणीय सूझ-बूझ का प्रदर्शन करते हुए, टीम के कार्मिकों को तत्काल पेड़ों और चट्टानों के पीछे कवर लेने का आदेश दिया। उसके बाद इन अधिकारियों ने नक्सलवादियों से गोलीबारी बंद करने के लिए कहा। परंतु चेतावनियों की ओर ध्यान देने के बजाय, नक्सलवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। स्थिति का आकलन करने के बाद, सीआरपीएफ के अधिकारियों के साथ परामर्श करके उप निरीक्षक अर्जुन कुमार सिंह रेंगते हुए उस क्षेत्र की ओर आगे बढ़े, जिसमें पीएलएफआई के उग्रवादी छिपे हुए थे। वे सीआरपीएफ के अधिकारियों और अन्य कार्मिकों के साथ, गोलीबारी की मदद से, आगे बढ़े और पीएलएफआई विद्रोहियों की भारी गोलीबारी के बावजूद आगे बढ़ते रहे। यह कार्य अत्यधिक खतरनाक था, परन्तु उस समय इसकी नितांत आवश्यकता थी, क्योंकि नक्सलवादी पुलिस कर्मियों पर अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे थे और उसके परिणामस्वरूप सुरक्षा बलों को भारी क्षति पहुंच सकती थी। उप निरीक्षक अर्जुन कुमार सिंह द्वारा समय पर की गई कार्रवाई और उनके द्वारा प्रदर्शित साहस की वजह से न केवल नक्सलवादियों को क्षति पहुंची, बल्कि इससे पुलिस कर्मियों की जान भी बच गई। दोनों तरफ से यह गोलीबारी लगभग 30 मिनट तक चली। तत्पश्चात गोलीबारी बंद हो गई। रणनीतिक प्रतीक्षा के बाद, उप निरीक्षक अर्जुन कुमार सिंह ने सीआरपीएफ के अधिकारियों के साथ अपनी टीम को उक्त क्षेत्र की घेराबंदी करने और मुठभेड़ स्थल की सावधानीपूर्वक तलाशी शुरू करने का आदेश दिया। मुठभेड़ के दौरान, उक्त अधिकारियों और उनकी टीम के सदस्यों को 01 पीएलएफआई नक्सलवादी का शव मिला। शेष पीएलएफआई नक्सलवादी घने जंगल और पहाड़ी तथा ऊबड़-खाबड़ भूभाग का लाभ उठाकर मुठभेड़ स्थल से भागने में सफल हो गए। पुलिस अधीक्षक, खूंटी अतिरिक्त सैन्य बल के साथ तत्काल घटना स्थल पर पहुंच गए और उन्होंने बचकर भागने वाले पीएलएफआई कैडरों की गहन तलाश शुरू कर दी। सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारी, कमान अधिकारी, मुर्हू भी मुठभेड़ स्थल पर पहुंच गए और आवश्यक कार्यवाही की गई।

मुठभेड़ स्थल की गहन तलाशी के बाद, वहां से 01 शव बरामद किया गया, जिसकी पहचान जिदान गुडिया, पुत्र बुधराम गुडिया, गांव- कोचा करंजटोली, पुलिस स्टेशन- तपकारा, जिला- खूंटी, झारखंड के रूप में की गई। इसके अलावा, मुठभेड़ स्थल से हथियारों, गोलाबारूद और अन्य उपयोगी वस्तुओं का एक बड़ा जखीरा जैसे कि 01 एके47, जिंदा कारतूस- (एके-47) 7.62x39एमएम- 87, मैगजीन- (एके-47)- 03, वायरलेस सेट- 02, मोबाइल फोन- 12, मोबाइल चार्जर- 05, सिम- 83, वायरलेस सेट चार्जर- 07, पिट्ठू- 02, कंबल- 08, चटाई- 04, नगदी- 27,050/- रु. (केवल सत्ताइस हजार पचास रुपये) भी बरामद किया गया। झारखंड सरकार ने जिदान गुडिया, जो कि 152 मामलों में भी वांछित था, पर 15 लाख रु. का इनाम घोषित कर रखा था।

इस ऑपरेशन में श्री अर्जुन कुमार सिंह, उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 21/12/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/1225/12/2022-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 54-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	शिव कुमार मरावी	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	शेख रसीद	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

इस आशय की एक खुफिया जानकारी प्राप्त हुई कि विस्तार प्लाटून सं. 2 और खटिया मोचा दलम से संबंधित नक्सलवादियों की एक संयुक्त टीम गांव जैराशी, पुलिस स्टेशन बिरसा आने की योजना बना रही है। खुफिया जानकारी से यह पता चला कि नक्सलवादी भारी संख्या में एकत्र हुए हैं और वे नजदीकी गांवों के निर्दोष आम नागरिकों को पुलिस के मुखबिर बताकर उन्हें जान से मारने की योजना बना रहे हैं। उक्त सूचना से यह भी पता चला कि इस संयुक्त नक्सलवादी पार्टी में वे नक्सलवादी भी शामिल हैं, जिन्होंने दिनांक 06.11.2020 को बायहर के मालखेड़ी गांव में पुलिस पार्टी पर हमला किया था। हाल के दिनों में, पुलिस को इस आशय की भी खुफिया जानकारी प्राप्त हुई थी कि कुछ नक्सलवादी ग्रामीणों की वेशभूषा में गांव में आ रहे हैं और वे पुलिस बलों को अपनी घात में फंसाने के लिए यह संदेश चारों तरफ भेज रहे हैं। इस सूचना की पुष्टि करने के लिए, उप निरीक्षक शिव कुमार मरावी और सिपाही शेख रसीद को गांव जैराशी की ओर भेजा गया, जबकि सूचना की पुष्टि के आधार पर पुलिस स्टेशन बिरसा के एसएचओ श्री भरत नोटिया और विशेष ऑपरेशन समूह (एसओजी) हॉक फोर्स-बिरसा को रणनीतिक तैनाती हेतु स्टैंडबॉय पर रखा गया।

उप निरीक्षक शिव कुमार मरावी और सिपाही शेख रसीद तत्काल उक्त गांव में पहुंचे और उन्होंने समय पर सूचना की जांच की। इन दोनों अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की कि निर्दोष आम नागरिकों को जान से मारने के इरादे से 5 नक्सलवादी गांव जैराशी में आए हुए हैं। उप निरीक्षक शिव कुमार मरावी और सिपाही शेख रसीद ने यह महत्वपूर्ण जानकारी भी साझा की कि दल के शेष सदस्यों ने नजदीकी वन क्षेत्र में घात लगा रखी है। उक्त गांव में नक्सलवादियों की मौजूदगी की पुष्टि हो जाने पर, पीसी विपिन खालखो की निगरानी में पुलिस स्टेशन बिरसा के एसएचओ श्री भरत नोटिया और विशेष ऑपरेशन समूह (एसओजी) हॉक फोर्स-बिरसा को नजदीकी वन क्षेत्र की घेराबंदी करने के लिए तैनात किया गया। लगभग 20.30 बजे, नक्सलवादियों ने पुलिस की मौजूदगी को भांपते हुए पुलिस पार्टी की ओर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस स्टेशन बिरसा के एसएचओ और एसओजी बिरसा के उप निरीक्षक विपिन खालखो ने तेज आवाज में नक्सलवादियों को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, परन्तु इस चेतावनी पर ध्यान देने के बजाय, उन्होंने घातक हमला करना जारी रखा। ऐसी स्थिति में, पुलिस पार्टियों ने कवर ले लिया और रणनीतिक ढंग से नक्सलवादियों की ओर आगे बढ़ना शुरू कर दिया। पुलिस पार्टी ने नियंत्रित ढंग से जवाबी कार्रवाई की। पुलिस द्वारा की गई इस वीरतापूर्ण कार्रवाई से नक्सलवादी बैकफुट पर आ गए और कुछ मिनटों के बाद ही उन्होंने जंगल की ओर भागना शुरू कर दिया।

गांव के भीतर मौजूद 5 नक्सलवादी सतर्क हो गए। गोलीबारी की आवाज सुनकर, उन्होंने जंगल की ओर भागना शुरू कर दिया। इस अवसर पर, उप निरीक्षक शिव कुमार मरावी और सिपाही शेख रसीद ने अनुकरणीय साहस का प्रदर्शन किया और उन्होंने वहां से भाग रहे नक्सलवादियों को पकड़ने के लिए अपनी निजी सुरक्षा की परवाह किए बिना उनकी ओर धावा बोल दिया। इन दोनों अधिकारियों को देखकर नक्सलवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। ये दोनों अधिकारी गोलीबारी कर रहे उन नक्सलवादियों की दिशा में रणनीतिक ढंग से आगे बढ़े, जो वहां से बचकर भागने का प्रयास कर रहे थे। ये दोनों पुलिसकर्मी कुछ गोलियों से बाल-बाल बच गए। अपनी जान को जोखिम के बारे में पूर्ण रूप से अवगत होने के बावजूद, ये दोनों अधिकारी और आगे बढ़े। उन्होंने अपनी पिस्तौलों से प्रभावकारी जवाबी गोलीबारी भी की। इन दोनों अधिकारियों ने शीघ्र ही, जंगल की ओर भाग रहे एक खूंखार नक्सलवादी को पकड़ लिया। उक्त नक्सलवादी ने एक चाकू से पुलिसकर्मियों पर हमला करने का प्रयास किया, परन्तु दोनों बहादुर अधिकारी डटे रहे और उन्होंने नक्सलवादी से चाकू छीन लिया तथा उसे भागने नहीं दिया।

उप निरीक्षक शिव कुमार मरावी और सिपाही शेख रसीद की साहसिक और वीरतापूर्ण कार्रवाई की वजह से ही पुलिस, एरिया कमेटी के एक खूंखार सदस्य संदीप कुंजम उर्फ लक्खू को गिरफ्तार करने में सफल हुई। खूंखार नक्सलवादी संदीप पर मध्य प्रदेश में 3 लाख रुपये और छत्तीसगढ़ में 5 लाख रुपये का इनाम (कुल इनाम 8 लाख रुपये) रखा गया है। इस ऑपरेशन में उप निरीक्षक शिव कुमार मरावी और सिपाही शेख रसीद ने उच्चकोटि के पेशेवर मानदंड का प्रदर्शन किया। उन्होंने न केवल ऑपरेशन संबंधी योजना को तैयार करने, बल्कि खुफिया जानकारी जुटाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन दोनों पुलिसकर्मियों के तत्काल निर्णय लेने के कारण ही खुफिया जानकारी की समय पर पुष्टि हो सकी और सुरक्षा बल की रणनीतिक ढंग से तैनाती की गई। यह भलीभांति जानते हुए कि नक्सलवादी घातक हमला कर सकते हैं, इन दोनों पुलिसकर्मियों ने खुफिया जानकारी की पुष्टि करने हेतु गांव जैराशी की ओर जाने के लिए अत्यधिक साहस का प्रदर्शन किया। उनकी वीरतापूर्ण कार्रवाई के परिणामस्वरूप नक्सलवादी को गिरफ्तार किया गया, जिसने नक्सली विस्तार की वर्तमान रणनीति, उनकी संख्या और हथियारों के बारे में महत्वपूर्ण सूचना प्रदान की।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री शिव कुमार मरावी, उप निरीक्षक और शेख रसीद, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 10/08/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/112/15/2022-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 55-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	श्याम कुमार मरावी	अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	राजकुमार कोल	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 17.09.2020 को प्रातः इस आशय की एक खुफिया जानकारी प्राप्त हुई कि पुलिस के मुखबिरों को जान से मारने के इरादे से नक्सलवादी बंधाटोला गांव में आए हुए हैं। श्री श्याम कुमार मरावी, अपर पुलिस अधीक्षक बायहर ने तत्काल हॉक फोर्स के विशेष ऑपरेशन समूह बिरसा को सतर्क कर दिया और उन्हें रणनीतिक ढंग से बंधाटोला पहुंचने का निर्देश दिया। श्री एस.के. मरावी स्वयं भी अतिरिक्त बल की प्रतीक्षा किए बिना बायहर से बंधाटोला के लिए रवाना हो गए।

उक्त सूचना से यह स्पष्ट रूप से पता चला कि गांव में आए हुए नक्सलवादियों ने नक्सलवादी दलम की गहरे हरे/काले रंग की यूनिफार्म पहनने की बजाय सामान्य कपड़े पहने हुए हैं। इसलिए, स्थानीय ग्रामीणों में से नक्सलवादियों की स्पष्ट रूप से पहचान करना महत्वपूर्ण था। केवल कुछ नक्सलवादी ही गांव के भीतर मौजूद थे, जबकि घातक हथियारों से लैस नक्सलवादी दलम के शेष सदस्य गांव की सीमा के ठीक बाहर जंगल में प्रतीक्षा कर रहे थे। उक्त सूचना की पुनः पुष्टि करने पर यह पता चला कि नक्सलवादी बंधाटोला तालाब के निकट मौजूद हैं। इस सूचना के आधार पर, श्री एस.के. मरावी, अपर पुलिस अधीक्षक बायहर ने हॉक फोर्स के विशेष ऑपरेशन समूह (एसओजी) को उक्त क्षेत्र की घेराबंदी और तलाशी करने की हिदायत दी।

हॉक फोर्स के सहायक उप निरीक्षक श्री विपिन खालको के नेतृत्व में विशेष ऑपरेशन समूह (एसओजी) बिरसा बंधाटोला गांव के बाहरी क्षेत्र में पहुंच गया और रणनीतिक ढंग से उक्त स्थान की ओर आगे बढ़ा। श्री विपिन खालको ने योजना के अनुसार उस स्थान की ओर आगे बढ़ना शुरू किया। पुलिस की टीम ने बंधाटोला तालाब के नजदीक कवर ले लिया। उन्होंने दो संदिग्ध व्यक्तियों को तालाब के पास खड़े हुए देखा।

पुलिस को पिछले कुछ समय से इस प्रकार की खुफिया जानकारी प्राप्त हो रही थी कि नक्सलवादी पुलिस बल को अपनी घात में फंसाने के लिए आम ग्रामीणों के वेश में कुछ ही संख्या में गांव में आ रहे हैं और घातक हथियारों से लैस उनकी शेष टीम पुलिस पर हमला करने के लिए पास के जंगल में चौकसी के साथ प्रतीक्षा करती रहती है।

श्री विपिन खालको ने अपनी टीम को किसी भी घात का पता लगाने और संदिग्ध व्यक्तियों को सावधानीपूर्वक पकड़ने का निर्देश दिया। ऑपरेशन की योजना के अनुसार, श्री विपिन खालको अपनी टीम के साथ आगे बढ़े और उन्होंने उन दोनों संदिग्ध व्यक्तियों को चुनौती दी। पुलिस को देखकर, उन दोनों नक्सलवादियों ने अपना राशन और अन्य सामग्री वहीं पर फेंक दी। उनमें से एक नक्सलवादी ने अपनी शर्ट के नीचे से एक पिस्तौल निकाली और पुलिसकर्मियों को जान से मारने के लिए पुलिस टीम की ओर अंधाधुंध गोलीबारी की। पुलिस पार्टी ने स्वयं को बचाने के लिए कवर ले लिया। गांव के मकान, आस-पास स्थित थे और कई ग्रामीण पुलिस की गोलीबारी के ठीक सामने थे। इसलिए, पुलिस बल ने निकटवर्ती ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गोलीबारी नहीं की। इसका फायदा उठाकर वे दोनों नक्सलवादी पास के तालाब में कूद गए और तैरकर तालाब के दूसरे किनारे की तरफ जाने लगे, जहां से जंगल शुरू होता था। संभवतः उनके दलम के शेष सदस्य तालाब के उस किनारे के पास छिपे रहे होंगे। दोनों नक्सलवादी पुलिस के हाथों से निकल रहे थे। इस महत्वपूर्ण अवसर पर, अपनी निजी सुरक्षा के बारे में दोबारा सोचे बिना, श्री विपिन खालको, सहायक उप निरीक्षक हॉक और श्री राजकुमार कोल, सिपाही हॉक बचकर भाग रहे नक्सलवादियों को पकड़ने के लिए बहादुरी से तालाब में कूद गए।

श्री राजकुमार कोल शानदार ढंग से तैरते हुए आगे बढ़े, ताकि वे उनमें से एक नक्सलवादी तक पहुंच सकें और उसे पकड़ सकें, जबकि वे यह जानते थे कि नक्सलवादी हथियार से लैस हो सकता है और वह गोलीबारी भी कर सकता है। उनकी इस साहसपूर्ण कार्रवाई की वजह से पुलिस बल ने एक खूंखार नक्सली को जिंदा पकड़ लिया, जो अन्यथा उनके चंगुल से भाग जाता। श्री राजकुमार कोल और श्री विपिन खालको तालाब से एक नक्सली को वीरतापूर्वक बाहर ले आए, जबकि दूसरा नक्सलवादी तैरकर तालाब के पार जाने और जंगल में गायब हो जाने में सफल हो गया। श्री विपिन खालको और श्री राजकुमार कोल ने उच्चकोटि की वीरता का प्रदर्शन किया तथा एक खूंखार माओवादी को पकड़ लिया, जिसकी पहचान बाद में, बादल उर्फ कोसा उर्फ कोसन (विस्तार प्लाटून सं. 2 के एरिया कमेटी मेंबर) के रूप में की गई, जिस पर कुल आठ लाख रुपये (मध्य प्रदेश में 3 लाख रुपये और छत्तीसगढ़ में 5 लाख रुपये) का इनाम था।

पुलिस पार्टी ने नक्सलवादी बादल को अपनी हिरासत में ले लिया और उन्होंने तत्काल पुलिस स्टेशन की ओर वापस आना शुरू कर दिया। अब तक, नक्सलवादी दलम के शेष सदस्य सतर्क हो गए थे और उन्होंने अपने नक्सलवादी बादल को छुड़ाने का प्रयास करते हुए पुलिस बल को क्षति पहुंचाने एवं जान से मारने के लिए लाभप्रद आक्रामक पोजीशन ले ली थी।

नक्सलवादियों ने पुलिस की टीम पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस की टीम ने तत्काल कवर ले लिया और नियंत्रित जवाबी गोलीबारी की। श्री एस.के. मरावी नक्सलवादियों के हमले का सामना करने के लिए गोलीबारी वाले क्षेत्र की ओर आगे बढ़े। परन्तु नक्सलवादियों ने पुलिस की टीम को तीन दिशाओं से घेरना शुरू कर दिया और वे उन पर लगातार गोलीबारी करने लगे। कुछ क्षण के लिए ऐसा प्रतीत हुआ कि पुलिस की टीम एक घात में फंस गई है। श्री एस.के. मरावी कुछ गोलियों से बाल-बाल बच गए, परन्तु उन्होंने अपना धैर्य बनाए रखा और अपने साथी पुलिसकर्मियों को घात-विरोधी कार्रवाई करते हुए नियंत्रित जवाबी गोलीबारी करने के लिए प्रेरित किया। इससे पूरी टीम में नया विश्वास भर गया और उन्होंने नक्सलवादियों की घात को तोड़कर उससे बाहर निकलने के लिए नियंत्रित एवं प्रभावकारी गोलीबारी की। श्री विपिन खालको और श्री राजकुमार कोल रेंगकर नक्सलवादियों की पोजीशन की ओर आगे बढ़े और उन्होंने आक्रामक जवाबी गोलीबारी की, जिससे नक्सलवादी पीछे हटने के लिए मजबूर हो गए। श्री एस.के. मरावी के साहसिक नेतृत्व में पूरी पुलिस टीम ने नक्सलवादी घात को सफलतापूर्वक विफल कर दिया और वे एक नक्सलवादी बादल को जंगल से जिंदा लाने में सफल रहे।

दोनों ओर से हुई सटीक बंदूकी लड़ाई के बाद, बैकअप टीम की सहायता से एसओजी हॉक, पकड़े गए नक्सलवादी बादल को जंगल से सुरक्षित लाने में सफल रहा। यह महसूस करते हुए कि पुलिस की अतिरिक्त बैकअप पार्टियां मौके पर पहुंच गई हैं, नक्सलवादी घने जंगल के भीतर भाग गए। एक खूंखार नक्सलवादी बादल को सफलतापूर्वक गिरफ्तार करके तथा सुरक्षा बल को किसी क्षति के बिना पुलिस टीम को नक्सलवादियों की घात से सुरक्षित रूप से बाहर निकालकर श्री एस.के. मरावी, अपर पुलिस अधीक्षक बायहर ने अदम्य साहस का प्रदर्शन किया और साथ ही गिरफ्तार किए गए नक्सलवादी बादल को भी सुरक्षित रखा। श्री विपिन खालको और श्री राजकुमार कोल ने पूरे जोश एवं साहस के साथ श्री एस.के. मरावी की सहायता की और उन्होंने नक्सलवादी बादल को पकड़ने और नक्सलवादी घात को तोड़ने के लिए एक से अधिक बार अपनी जान को जोखिम में डालकर पूरी पुलिस टीम की सुरक्षा सुनिश्चित की।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री श्याम कुमार मरावी, अपर पुलिस अधीक्षक और राजकुमार कोल, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 17/09/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/1146/15/2022-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 56-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति, महाराष्ट्र के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	मनीष कलवानिया, भापुसे	अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2.	संदिप पुंजा मंडलिक	सहायक पुलिस निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
3.	राहुल बाळासो नामदे	सहायक पुलिस निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4.	सुनील विश्वास बागल	पुलिस उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
5.	देवेंद्र पुरुषोत्तम आत्राम	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
6.	गणेश शंकर डोहे	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
7.	एकनाथ बारीकराव सिडाम	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
8.	प्रकाश श्रीरंग नरोटे	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
9.	दिनेश पांडुरंग गावडे	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
10.	शंकर दसरू पुंगाटी	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 28.03.2021 को, एओपी मालेवाड़ा की सीमा के अंतर्गत खोबरामेन्धा के वन क्षेत्र में लगभग 80-100 सशस्त्र नक्सलवादियों द्वारा शिविर लगाए जाने के बारे में सूचना प्राप्त हुई, जो सरकार के विरुद्ध विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने का षड्यंत्र रच रहे थे।

खोबरामेन्धा का वन क्षेत्र एक ऊबड़-खाबड़ एवं कम जनसंख्या वाला पहाड़ी क्षेत्र है और इसमें सड़क एवं दूरसंचार की कनेक्टिविटी का अभाव है, जिसे नक्सलवादियों द्वारा नक्सली सैन्य शिविर लगाने और वरिष्ठ नक्सली कैडरों की बैठकें आयोजित करने के लिए एक आदर्श स्थान माना जाता है। प्रत्येक वर्ष मार्च, अप्रैल और मई के महीनों में, जिले के नक्सलवादी टीसीओसी (रणनीतिक आक्रमण-रोधी अभियान) मनाने के एक भाग के रूप में हिंसक गतिविधियों को अंजाम देने के उद्देश्य से भारी संख्या में एक स्थान पर एकत्र होते हैं। पहले के अवसरों पर आयोजित की गई टीसीओसी अवधि के दौरान, नक्सलवादियों ने खोबरामेन्धा के वन क्षेत्र में हिंसक गतिविधियों को अंजाम दिया था। वर्ष 2019 के जम्बुलखेड़ा आईईडी विस्फोट, जिसमें 15 पुलिसकर्मी शहीद हो गए थे, के दौरान नक्सलवादियों ने बचाव बलों को निशाना बनाने के लिए खोबरामेन्धा के निकट एक बड़ी घात लगाई थी। वर्ष 2011 में, उसी क्षेत्र में, लगभग 80-100 नक्सलवादियों ने घात लगाई थी, जिसमें सीआरपीएफ के एक कार्मिक ने शहादत प्राप्त की थी और 5 अन्य कार्मिक घायल हुए थे।

इस पृष्ठभूमि में खोबरामेन्धा क्षेत्र में लगभग 80-100 नक्सलवादियों की मौजूदगी की सूचना को पुलिस अधीक्षक गढ़चिरौली ने गंभीरतापूर्वक लिया। मार्च का महीना टीसीओसी की अवधि का चरम समय होने के कारण, यह अनुमान लगाया गया था कि यदि नक्सलवादी इस क्षेत्र में इतनी भारी संख्या में एकत्र होंगे, तो उनके द्वारा किसी बड़ी विध्वंसकारी गतिविधि को अंजाम दिया जा सकता है। इसलिए, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) द्वारा अपने स्वतंत्र स्रोतों से उक्त सूचना की पुष्टि कराए जाने जाने के बाद, उक्त क्षेत्र में नक्सल-रोधी ऑपरेशन चलाने के लिए सी60 कमांडो की एक पुलिस टीम तैयार की गई।

इसलिए, प्राप्त आसूचना के आधार पर दिनांक 28.03.2021 की शाम को श्री मनीष कलवानिया, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) और उनकी टीम अपने संबंधित दस्ते के साथ नक्सल-रोधी ऑपरेशन शुरू करने के लिए एकत्र हुई। नक्सल-रोधी अभियान चलाने के लिए 182 कार्मिकों और 11 अधिकारियों वाली पुलिस पार्टी ने दिनांक 28.03.2021 को रात के समय प्रस्थान किया। पुलिस पार्टियों ने एक ऐसे स्थान तक पहुंचने के लिए वाहनों का उपयोग किया, जहां से रात्रि में नक्सलवादियों के नियंत्रण वाले स्थान तक पहुंचने के लिए 12 किलोमीटर का एक कठिन मार्ग जाता था। पैदल चलने के दौरान पुलिस पार्टी के बारे में पता चल जाने की वजह से इस क्षेत्र में पूर्ववर्ती ऑपरेशन कई बार विफल हो चुके हैं। रात्रि के दौरान आवाजाही तथा कठिन एवं पहाड़ी मार्ग को इसलिए चुना गया था, ताकि पुलिस पार्टी के बारे में किसी को भी पता न चल सके। अंधेरा और पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण कई स्थानों पर फिसलने एवं गिरने की वजह से कुछ कार्मिकों को हल्की-फुल्की चोटें भी आईं। सुबह के दौरान खोबरामेन्धा गांव के निकट पहुंचने के बाद, सम्पूर्ण क्षेत्र की तलाशी करने के लिए वे एक-दूसरे से 100 मीटर की दूरी पर दो समूहों में बंट गए और प्रत्येक समूह आगे चार-चार दलों में बंट गया। पहले समूह का नेतृत्व श्री मनीष कलवानिया, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) गढ़चिरौली (समूह क) और दूसरे समूह का नेतृत्व सहायक पुलिस निरीक्षक संदिप पुंजा मंडलिक (समूह ख) ने किया। तत्पश्चात, उन्होंने मानक संचालन प्रक्रियाओं का अनुसरण करते हुए जंगल की तलाशी शुरू कर दी। सुबह लगभग 06.30 बजे, जब उन्होंने खोबरामेन्धा के जंगल में एक पहाड़ी पर चढ़ना शुरू किया, तो उन पर लगभग 50-55 सशस्त्र नक्सलवादियों ने अचानक हमला कर दिया। अंधाधुंध गोलीबारी के कारण दोनों समूहों का अग्रणी दल अत्यधिक दबाव में आ गया। नक्सलवादियों ने जैतूनी हरे रंग की पोशाक पहन रखी थी तथा वे अपने स्वचालित हथियारों से गोलीबारी कर रहे थे और उन्होंने पहाड़ी पर बड़ी चट्टानों के पीछे ऊंचे स्थानों पर लाभप्रद पोजीशन ले रखी थी। नक्सलवादियों द्वारा अंधाधुंध गोलीबारी की गई और उसके बाद उन्होंने बम भी फेंके। पुलिस पार्टियों ने तत्काल जमीन पर पोजीशन ले ली। बम विस्फोट होने के कारण, आस-पास के क्षेत्र में दृश्यता पूरी तरह से बाधित हो गई, क्योंकि वहां काफी धुंआ फैल गया था। चट्टानों आदि के रूप में उपयुक्त कवर के अभाव में, अधिकांश कार्मिकों ने गोलियों और छर्रों से बचने के लिए स्वाभाविक रूप से लेटकर पोजीशन ले ली।

नक्सलवादियों की गोलीबारी बहुत तीव्र थी और नक्सलवादियों से आत्मसमर्पण करने की अपील के बावजूद गोलीबारी बंद नहीं हुई। कुछ समय के बाद, वॉकी-टॉकी पर यह सूचित किया गया कि नक्सलवादियों ने सहायक पुलिस निरीक्षक मंडलिक के नेतृत्व वाले समूह "ख" के 20 कार्मिकों के अग्रणी दल को घेर लिया है। यह समूह नक्सलवादियों द्वारा लगाई गई यू-आकार की घात के भीतर चला गया था। उसके बाद नक्सलवादियों ने चट्टानों की आड़ लेकर इन पुलिस कर्मियों पर तीन दिशाओं से भीषण गोलीबारी की। नक्सलवादियों ने स्वयं को ऐसे रणनीतिक ढंग से तैनात कर रखा था कि बचाव टीमें आगे नहीं बढ़ पाईं। अचानक किए गए इस हमले के कारण सभी कार्मिक हतप्रभ हो गए और इसलिए उन्होंने वहां जो भी कवर, चट्टान अथवा पेड़, उपलब्ध था उसके पीछे कवर ले लिया। इस हमले में जवाबी कार्रवाई करते समय घात में फंसे हुए समूह के एक पुलिसकर्मी नामतः दिनेश पांडुरंग गावडे, पुलिस कांस्टेबल गोली लगने से घायल हो गए। घायल होने के बावजूद, उन्होंने नक्सलवादियों के विरुद्ध गोलीबारी करने में अत्यधिक साहस का प्रदर्शन किया। नक्सलवादियों द्वारा चलाई गई एक गोली उनकी गर्दन के पास से गुजरी, जिससे उनके सिर में चोट लग गई। इस समय, एकनाथ बारीकराव सिडाम और प्रकाश श्रीरंग नरोटे के साथ सहायक पुलिस निरीक्षक संदिप मंडलिक अपनी जान को खतरे में डालकर बाहर निकल आए और उन्होंने नक्सलवादियों की दिशा में जोरदार गोलीबारी शुरू कर दी। दल के अग्रणी भाग में होने के नाते, उन पर नक्सलवादियों को अपने समूह की ओर आगे बढ़ने से रोकने की जिम्मेदारी थी। परन्तु नक्सलवादियों को रोकने के लिए, उनको बीच-बीच में अपने कवर से बाहर आना पड़ा और नक्सलवादियों की ओर गोलीबारी करनी पड़ी, जिससे नक्सलवादी नजदीक नहीं आ सके। इस प्रकार, उन्हें समूह "क" से सहायता प्राप्त होने का समय मिल गया। इस वीरतापूर्ण कार्रवाई से उन कार्मिकों की जान बच गई, अन्यथा वे नक्सलवादियों द्वारा की गई भीषण गोलीबारी की चपेट में आ गए होते। इस सशक्त जवाबी कार्रवाई ने नक्सलवादियों को आगे बढ़ने से रोक दिया और यह समूह स्वयं अपनी सुरक्षा भी करता रहा।

जैसे ही श्री कलवानिया को घात और एक कार्मिक के घायल होने के बारे में पता चला, उन्होंने घात में फंसे हुए समूह की सहायता के लिए आगे बढ़ने का निर्णय लिया और इसकी सूचना सहायक पुलिस निरीक्षक मंडलिक को भी दी। लगभग 25-30 अन्य नक्सलवादियों के गोलीबारी वाले क्षेत्र में होने के कारण, समूह "क" के लिए यह संभव नहीं था कि वह नक्सलवादियों की घात में फंसे हुए समूह की सहायता के

लिए पहाड़ी पर चढ़ सके। नक्सलवादियों ने बड़ी चट्टानों के पीछे उपयुक्त कवर लेकर पहाड़ी के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में रणनीतिक रूप से पोजीशन ले रखी थी और वे विभिन्न समूहों में संगठित थे, जिनमें से कुछ प्रारंभिक चरण के दौरान दिखाई भी नहीं दे रहे थे। नक्सलवादियों की तुलना में अलाभप्रद स्थिति में होने के कारण, इस समूह "क" के कार्मिकों के लिए यह संभव नहीं था कि वे पुनर्गठित हो सकें और एक उपयुक्त बचाव पार्टी का गठन कर सकें। नक्सलवादियों द्वारा की जा रही लगातार गोलीबारी के कारण, श्री कलवानिया के लिए कार्मिकों को एकत्र करना और एक उपयुक्त बचाव पार्टी का गठन करना संभव नहीं था। घात में फंसे हुए समूह "ख" की नाजुक स्थिति को समझते हुए, श्री कलवानिया ने अपने समूह के कार्मिकों की प्रतीक्षा किए बिना आस-पास मौजूद कार्मिकों को लेकर ही आगे बढ़ने का निर्णय लिया। उसी दौरान श्री कलवानिया, पुलिस उप निरीक्षक सुनील विश्वास बागल, सहायक पुलिस निरीक्षक राहुल बाळासो नामदे, नायक पुलिस कांस्टेबल देवेंद्र पुरुषोत्तम आत्राम, पुलिस कांस्टेबल शंकर दसरू पुंगाटी और पुलिस कांस्टेबल गणेश शंकर डोहे अचानक अपने-अपने कवर को छोड़कर बाहर आ गए और उन्होंने घात में फंसे समूह "ख" की ओर आगे बढ़ना शुरू कर दिया। इन कार्मिकों ने नक्सलवादियों की भारी गोलीबारी के बीच आगे बढ़कर असाधारण साहस का प्रदर्शन किया। यदि यह निर्णय नहीं लिया गया होता, तो बहुत सी जानें जा सकती थीं। एक पूर्व निर्धारित रणनीति के अनुसार, नक्सलवादियों ने भी इस बचाव पार्टी पर हमला करने के लिए पोजीशन ले रखी थी।

केवल 6 सदस्यों वाली एक छोटी टीम के साथ रणनीतिक दृष्टि से कमजोर स्थिति में होने और भारी हथियारों से लैस नक्सलवादियों के एक बड़े समूह से सामना होने के बावजूद, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) मनीष कलवानिया ने टीम का नेतृत्व किया और नक्सलवादियों द्वारा की जा रही गोलियों की बौछारों के बीच आक्रामक रूप से पहाड़ी पर चढ़ना शुरू कर दिया। अचानक हुई इस गतिविधि से नक्सलवादी आश्चर्यचकित हो गए। मनीष कलवानिया के नेतृत्व वाली टीम द्वारा अचानक की गई इस जोखिमपूर्ण कार्रवाई के कारण, नक्सलवादियों को अपनी लाभप्रद पोजीशन को छोड़ना पड़ा और उन्हें पुनर्गठित होना पड़ा। इन 6 कार्मिकों द्वारा की गई वीरतापूर्ण कार्रवाई से उनके समूह के कार्मिकों को बड़ी चट्टानों के पीछे उपयुक्त कवर लेने और स्वयं को एक यथोचित रक्षात्मक पोजीशन में संगठित करने हेतु महत्वपूर्ण अवसर मिल गया। आगे बढ़ते समय, इस छोटी टीम के देवेंद्र पुरुषोत्तम आत्राम नक्सलवादियों की गोलियों से बचने के प्रयास में फिसलकर नीचे गिर गए और उनका हथियार छूट गया। इस अवसर पर, मनीष कलवानिया, पुलिस उप निरीक्षक बागल और सहायक पुलिस निरीक्षक नामदे कवर की सुरक्षा से बाहर निकले और वे सभी देवेंद्र आत्राम को कवर प्रदान करने के लिए नक्सलवादियों की दिशा में भारी गोलीबारी करते हुए गोलियों की बौछार के सामने आ गए। इन कार्मिकों द्वारा की गई इस वीरतापूर्ण कार्रवाई से देवेंद्र आत्राम को अपना हथियार उठाने तथा संतुलन बनाने का अवसर मिल गया और उनकी जान बच गई। मनीष कलवानिया ने साहसिक और वीरतापूर्ण तरीके से नक्सलवादियों की ओर आगे बढ़कर बल के मनोबल को ऊंचा बनाए रखा।

अंततः जब 6 कार्मिकों की इस छोटी सी टीम के प्रयासों के कारण पहाड़ी पर चढ़ने के काम को नक्सलवादियों से सुरक्षित कर दिया गया, तब समूह "क" के कुछ अन्य टीम सदस्य घात में फंसे समूह के बिलकुल नजदीक पहुंच गए और जब नक्सलवादियों ने देखा की इस दिशा से उनकी ओर गोलीबारी हो रही है, तो उन्होंने अपने आक्रमण को तेज कर दिया। परन्तु पुलिस के समूहों ने अपनी रणनीतिक पोजीशन नहीं छोड़ी और वे नक्सलवादियों की ओर गोलीबारी करते रहे। दोनों समूहों द्वारा की गई संयुक्त जवाबी कार्रवाई से नक्सलवादियों पर भारी दबाव पड़ा। एक-दूसरे के अत्यधिक निकट आ जाने के बाद, नक्सलवादियों और पुलिस पार्टी, दोनों ने कवर ले लिया और एक-दूसरे पर गोलीबारी शुरू कर दी।

यद्यपि दोनों समूह एक-दूसरे के निकट आ गए थे और इस स्थान पर कुल 35 पुलिसकर्मी थे, जो नक्सलवादियों की ओर गोलीबारी कर रहे थे, जिनकी संख्या लगभग 50 थी, परन्तु अभी तक घात को नहीं तोड़ा जा सका था। इस दौरान, समूह "ख" के पिछले दल को बाईं ओर से एक लम्बा मार्ग तय करके नक्सलवादियों को पीछे से घेरने का निर्देश दिया गया। परन्तु घायल पुलिसकर्मी दिनेश गावडे अभी भी नक्सलवादियों की भारी गोलीबारी के बीच फंसे हुए थे और वे अकेले थे तथा सहायता के लिए उनके आस-पास बहुत कम पुलिसकर्मी थे। इसके बावजूद, उन्होंने लगातार नियंत्रित गोलीबारी करके उच्चकोटि के साहस का प्रदर्शन किया और नक्सलवादियों को अपने निकट नहीं आने दिया। उनके समूह के अन्य सदस्य लगभग 30-35 मीटर की दूरी पर थे, परन्तु उस दिशा, जहां से नक्सलवादी गोलीबारी कर रहे थे, से कोई भी अन्य सदस्य गोलियों से चोटिल हुए बिना उनकी सहायता के लिए नहीं पहुंच सकता था। इस दौरान श्री कलवानिया के नेतृत्व में 6 पुलिस कर्मियों की एक छोटी पार्टी दिनेश गावडे से लगभग 30 मीटर की दूरी पर पहुंच गई। इस सहायता के पहुंचने के बाद, नक्सलवादी उनकी दिशा में और आगे नहीं बढ़ सके। उन्होंने नक्सलवादियों को उलझाए रखा और कुछ देर में समूह "ख" का पिछला दल, जो दूसरी तरफ से घूमकर आया था, नक्सलवादियों के पीछे पहुंच गया और उसने उनके ऊपर गोलीबारी शुरू कर दी। जब इस दल ने नक्सलवादियों के पीछे से गोलीबारी शुरू की, तो उनकी पोजीशन कमजोर हो गई और घात टूटनी शुरू हो गई। बाद में, शंकर पुंगाटी और श्री कलवानिया ने दिनेश गावडे को एक सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया।

सम्पूर्ण घटना के दौरान, दोनों ओर से लगभग 70-80 मिनट तक भारी गोलीबारी होती रही। पुलिस की रणनीतिक पोजीशन और उसके द्वारा की गई भारी गोलीबारी के कारण, नक्सलवादियों को अपनी पोजीशन छोड़कर पीछे हटना पड़ा। 6 सदस्यों की इस टीम द्वारा की गई वीरतापूर्ण कार्रवाई घात को तोड़ने के लिए महत्वपूर्ण थी और इस प्रकार बहुत सी जानें बच गईं।

लड़ाई के मैदान में पुलिस कर्मियों द्वारा प्रदर्शित असाधारण साहस के परिणामस्वरूप एसजेडसीएम रैंक के एक शीर्ष कैडर नामतः पवन उर्फ भास्कर समेत पांच खूंखार नक्सलवादियों का सफाया हो गया। मारा गया एसजेडसीएम उत्तरी गढ़चिरौली डिवीजन का इंचार्ज और डिवीजनल सेक्रेटरी रह चुका था। दिनांक 01.05.2019 को गांव जम्बुलखेड़ा के नजदीक घात लगाने के पीछे भी उसका हाथ था, जिसमें 15 पुलिस कर्मियों ने अपना बहुमूल्य जीवन गंवा दिया था। एक एके47, एक .303 राइफल, एक 8 एमएम राइफल और एक 12-बोर राइफल सहित

4 हथियार, दो एके47 मैगजीनें, दो एसएलआर मैगजीनें, एक .303 मैगजीन, 3 जिंदा डेटोनेटर, 100 जिंदा कारतूस, 3 वॉकी-टॉकी सेट, 1 लैपटॉप, 1 सैमसंग टैबलेट और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामग्री बरामद की गई। 2 आईईडी (प्रत्येक 5 किग्रा.) और अन्य नक्सली सामग्रियों का बड़ा जखीरा भी बरामद किया गया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री मनीष कलवानिया, भापुसे, अपर पुलिस अधीक्षक, संदिप पुंजा मंडलिक, सहायक पुलिस निरीक्षक, राहुल बाळासो नामदे, सहायक पुलिस निरीक्षक, सुनील विश्वास बागल, पुलिस उप निरीक्षक, देवेंद्र पुरुषोत्तम आत्राम, नायक पुलिस कांस्टेबल, गणेश शंकर डोहे, पुलिस कांस्टेबल, एकनाथ बारीकराव सिडाम, पुलिस कांस्टेबल, प्रकाश श्रीरंग नरोटे, पुलिस कांस्टेबल, दिनेश पांडुरंग गावडे, पुलिस कांस्टेबल और शंकर दसरू पुंगाटी, पुलिस कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 29/03/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/1194/16/2022-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 57-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति, महाराष्ट्र के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	योगीराज रामदास जाधव	सहायक पुलिस निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2.	अमोल नानासाहेब फडतरे	सहायक पुलिस निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3.	सदाशिव नामदेव देशमुख	पुलिस उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4.	प्रेमकुमार लहु दांडेकर	पुलिस उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
5.	राहुल विट्ठल आव्हाड	पुलिस उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
6.	देवाजी कोतुजी कोवासे	सहायक पुलिस उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
7.	राजेंद्र अंताराम मडावी	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
8.	नांगसु पंजामी उसेंडी	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
9.	देवेंद्र पुरुषोत्तम आत्राम	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
10.	प्रदिप विनायक भसारकर	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
11.	सुधाकर मानु कोवाची	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
12.	नंदेश्वर सोमा मडावी	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
13.	सुभाष भजनराव पदा	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
14.	भाऊजी रघु मडावी	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
15.	शिवाजी मोडु उसेंडी	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
16.	गंगाधर केरबा कराड	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
17.	रामा मैनु कोवाची	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
18.	महेश पोचम मादेशी	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
19.	स्वप्नी केसरी पदा	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 20.05.2021 को, श्री सदाशिव नामदेव देशमुख, पुलिस उप निरीक्षक को एओपी कोटामी की सीमा के अंतर्गत गांव पैडी के वन क्षेत्र में रणनीतिक आक्रमण-रोधी अभियान (टीसीओसी) चलाने के लिए 60-70 सशस्त्र माओवादियों के इकट्ठा होने के बारे में एक विश्वसनीय

खुफिया जानकारी प्राप्त हुई। साथ ही, यह भी पता चला कि उक्त स्थान पर वरिष्ठ नक्सलवादी कैडर सरकार के विरुद्ध विनाशकारी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए एक आपराधिक षडयंत्र रच रहे हैं। पैडी का वन क्षेत्र नक्सलवादियों के सैन्य शिविर और वरिष्ठ नक्सलवादी कैडरों की बैठकें आयोजित करने के लिए एक उपयुक्त स्थान है। प्रत्येक वर्ष मार्च, अप्रैल और मई के महीने में जिले के नक्सलवादी रणनीतिक आक्रमण-रोधी अभियान (टीसीओसी) चलाने के एक भाग के रूप में हिंसक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए भारी संख्या में एक स्थान पर एकत्र होते हैं। पूर्ववर्ती अवसरों पर, नक्सलवादियों द्वारा की गई भीषण हिंसक गतिविधियों की इन अवधियों के दौरान, गढ़चिरौली में पुलिस कार्मिकों और अधिकारियों को बहुमूल्य जीवन गंवाने के रूप में बड़ी क्षति हुई थी। इस बार प्राप्त खुफिया जानकारी के आधार पर, पुलिस अधीक्षक गढ़चिरौली के नेतृत्व और मार्गदर्शन में, पुलिस उप निरीक्षक सदाशिव नामदेव देशमुख की सहायता से मनीष कलवानिया, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) के द्वारा एक ऑपरेशन की योजना तैयार की गई।

तदनुसार, 14 विशेष ऑपरेशन दस्तों को शामिल करके एक टीम गठित की गई। उपर्युक्त दस्तों में से, सात दस्तों (टीम "क") ने दिनांक 20.05.2021 की शाम को गढ़चिरौली से प्रस्थान किया तथा जालेगांव गांव के वन क्षेत्र में पहुंच गए और उन्होंने वन क्षेत्र की तलाशी शुरू कर दी। इस समूह में सदाशिव नामदेव देशमुख और नांगसु पंजामी उसेंडी का दस्ता, पुलिस उप निरीक्षक प्रेमकुमार लहु दांडेकर और किशोर आत्राम का दस्ता, पुलिस उप निरीक्षक किशोर शिंदे और विनोद हिचामी का दस्ता, पुलिस उप निरीक्षक ज्ञानेश्वर गाभले और रामा कोवाची का दस्ता, सहायक पुलिस निरीक्षक योगीराज जाधव, पुलिस उप निरीक्षक दिनेश गावडे और महेश मिच्छा का दस्ता, पुलिस उप निरीक्षक संग्मेश्वर बिरादर और सुर्पत वाडे का दस्ता तथा पुलिस उप निरीक्षक काबुल देवडे और महादेव मडावी का दस्ता शामिल था। इसी प्रकार उसी दिन अर्थात् दिनांक 20.05.2021 की शाम को चार अन्य दस्तों (टीम "ख") ने गढ़चिरौली से प्रस्थान किया, जिनमें पुलिस उप निरीक्षक भास्कर रामबले और सुभाष वदलियाई का दस्ता, देवाजी कोतुजी कोवासे का दस्ता, विलास कटेंगे का दस्ता और जगदेव मडावी का दस्ता शामिल था। साथ ही, दिनांक 20.05.2021 की शाम को तीन अन्य दस्तों (टीम "ग") ने भी एसपीएस कासनसुर से प्रस्थान किया, जिनमें पुलिस उप निरीक्षक राहुल आव्हाड और गोपाल उसेंडी का दस्ता, देवेंद्र आत्राम का दस्ता और सहायक पुलिस निरीक्षक अमोल फडतरे तथा कोटाला कोरामी का दस्ता शामिल था। टीम "ख" और टीम "ग" एक साथ कोरकुटी के वन क्षेत्र में पहुंची और उन्होंने भी कोरकुटी के वन क्षेत्र की तलाशी शुरू कर दी। उपर्युक्त सभी समूह रात्रि में विश्राम के लिए पूर्व निर्धारित स्थान पर ठहरे।

दिनांक 21.05.2021 को, नक्सल-रोधी ऑपरेशन चलाते समय, टीम "क" के कमांडो ने एक रणनीतिक चाल के रूप में स्वयं को दो समूहों में बांट लिया। पहले समूह का नेतृत्व पुलिस उप निरीक्षक सदाशिव देशमुख और दूसरे समूह का नेतृत्व सहायक पुलिस निरीक्षक योगीराज जाधव ने किया। जालेगांव के वन क्षेत्र में तलाशी करते हुए ये दस्ते पैडी के वन क्षेत्र में पहुंच गए। पैडी के वन क्षेत्र में तलाशी करते समय, लगभग 0615 बजे से 0630 बजे के दौरान, पहाड़ी की चोटी पर घात लगाकर बैठे हुए 60 से 70 सशस्त्र नक्सलवादियों ने योगीराज जाधव के नेतृत्व वाले पुलिस समूह को घेर लिया और पुलिस कर्मियों को जाने से मारने और उसके बाद उनके हथियार एवं गोलाबारूद छीनने के इरादे से अंधाधुंध गोलीबारी करके तथा बम फेंककर उनके ऊपर हमला कर दिया। उस समय, पुलिसकर्मी स्वयं को बचाने में कामयाब रहे और उन्होंने नक्सलवादियों से आत्मसमर्पण करने की अपील की। परन्तु, की गई अपील की अहवेलना करते हुए, नक्सलवादियों ने फंसे हुए समूह पर गोलीबारी करना जारी रखा। इसी बीच, नक्सलवादियों के एक समूह ने पुलिस उप निरीक्षक राहुल देवडे और महेश मादेशी को घेर लिया और उन पर भीषण गोलीबारी शुरू कर दी। इसे देखते हुए, सहायक पुलिस निरीक्षक योगीराज जाधव ने तत्काल 3-4 कमांडो वाली एक छोटी टीम गठित की और स्वयं अपनी जान को अत्यधिक खतरे में डालते हुए वहां फंसे हुए कमांडो की ओर आक्रामक ढंग से भागे। उसके बाद, उन्होंने नक्सलवादियों पर प्रभावकारी जवाबी गोलीबारी शुरू कर दी। योगीराज जाधव और उनकी छोटी टीम द्वारा प्रदर्शित अदम्य साहस और युद्ध कौशल के कारण, नांगसु उसेंडी, दिनकर मडावी, राजेन्द्र मडावी, सुधाकर कोवाची, नंदकिशोर मडावी, राजू सादमेक, भाऊजी मडावी, रामा कोवाची और सुभाष पदा के साथ, वहां फंसे हुए देशमुख और पुलिस उप निरीक्षक प्रेमकुमार दांडेकर अपनी जान को अत्यधिक खतरे में डाल कर फंसे हुए कमांडो की ओर भागे। तत्पश्चात, उन्होंने स्वयं को दो छोटे समूहों में बांट लिया और नक्सलवादियों पर दोनों दिशाओं से भारी जवाबी गोलीबारी शुरू कर दी। इसे देखते हुए, नक्सलवादियों ने सहायता के लिए पहुंचे दोनों समूहों पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। नक्सली हमले के विरुद्ध जवाबी कार्रवाई करते समय, राजेन्द्र सादमेक और राजू मडावी को हल्की-फुल्की चोटें भी आईं। जब नक्सलवादियों ने घायल कमांडो को देखा, तो 10-12 नक्सलवादियों के एक समूह ने उन पर भीषण गोलीबारी शुरू कर दी। उस समय, पुलिस उप निरीक्षक सदाशिव देशमुख अपनी जान को अत्यधिक खतरे में डालकर कुशलतापूर्वक घायल कमांडो की ओर भागे और उन्हें नक्सलवादियों की भारी गोलीबारी से सुरक्षित बचाया। पुलिस उप निरीक्षक देशमुख और पुलिस उप निरीक्षक दांडेकर एवं उनकी छोटी टीमों द्वारा प्रदर्शित अदम्य साहस, युद्ध कौशल और त्वरित कार्रवाई की सहायता से, सहायक पुलिस निरीक्षक योगीराज जाधव के नेतृत्व वाले फंसे हुए समूह को सफलतापूर्वक बचाया जा सका और साथ ही साथी कमांडो का बहुमूल्य जीवन भी बचाया जा सका। तत्पश्चात, दोनों समूहों ने नक्सलवादियों पर भारी जवाबी गोलीबारी शुरू कर दी। जब पुलिस की ओर से दबाव बढ़ा, तो नक्सलवादी पूर्णरूप से अपनी पोजीशन से हट गए और अपनी जान बचाने के लिए कोरकुटी के वन क्षेत्र की ओर भाग गए।

इसी दौरान, टीम "ख" और टीम "ग" कोरकुटी के वन क्षेत्र में नक्सल-रोधी ऑपरेशन चला रही थी। जब उन्होंने गोलियों की आवाज सुनी, तो वे भी उक्त टीम को सहायता प्रदान करने के लिए पैडी के वन क्षेत्र की ओर चले गए। जैसे ही टीम "ख" और "ग" के कमांडो ने पैडी के वन क्षेत्र में प्रवेश किया, तभी नक्सलवादियों ने पुलिस उप निरीक्षक भास्कर कांबले और सुभाष वधाई, जगदेव मडावी, देवाजी कोवासे और विलास कटेंगे के नेतृत्व वाले समूहों पर आक्रमण कर दिया। नक्सलवादियों ने उन पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। साथ ही, उन्होंने एक कुकर बम से विस्फोट किया और उन पर हैंड ग्रेनेड भी फेंके। इस विस्फोट के कारण, धुंआ फैल गया और आस-पास में दृश्यता पूरी तरह कम हो गई। धुंए का लाभ उठाते हुए, नक्सलवादियों ने फंसे हुए कमांडो को घेरना शुरू कर दिया। जब देवाजी कोवासे ने यह सब देखा, तो उन्होंने तत्काल अन्य समूहों

को नक्सलवादियों की रणनीति की सूचना दी और सहायता की मांग की। तत्काल, पुलिस उप निरीक्षक राहुल आव्हाड, दिवाकर नारोटे, शिवाजी उसेंडी, गंगाधर कराड, देवेंद्र आत्राम, प्रदिप भसारकर और स्वप्नील पदा के साथ सहायक पुलिस निरीक्षक अमोल फडतरे दौड़कर फंसे हुए कमांडो की ओर गए तथा नक्सलवादियों पर जवाबी गोलीबारी शुरू कर दी। फंसे हुए कमांडो की ओर जाने के दौरान, अचानक 15-20 सशस्त्र नक्सलवादी वहां पहुंच गए और उन्होंने 10 मीटर की निकट दूरी से सहायक पुलिस निरीक्षक अमोल फडतरे और उनके सहयोगी कमांडो पर भीषण गोलीबारी शुरू कर दी। गोलीबारी के दौरान, शिवाजी उसेंडी और प्रदिप भसारकर घायल हो गए। इसके बावजूद, सहायक पुलिस निरीक्षक अमोल फडतरे, पुलिस उप निरीक्षक राहुल आव्हाड और उनके सहयोगी कमांडो ने पुरजोर जवाबी कार्रवाई की। कुछ देर के बाद, टीम "क" भी मौके पर पहुंच गई। तत्पश्चात, सभी टीमों द्वारा संयुक्त रूप से समन्वित जवाबी कार्रवाई की गई, जिससे नक्सलवादी घने जंगल और पहाड़ी की आड़ में वहां से भाग गए।

उपयुक्त खुफिया जानकारी के साथ पुलिस कार्मिकों की इस रणनीतिक और समन्वित चाल, उत्कृष्ट योजना तथा वीरतापूर्ण कार्रवाई के परिणामस्वरूप डीवीसीएम रैंक के शीर्ष कैडर नामतः सतीश उर्फ अदावे मोहनदा समेत तेरह खूंखार नक्सलवादियों का सफाया हो गया। साथ ही, घटना स्थल से एक एके47 राइफल, पांच एसएलआर राइफल, तीन .303 राइफल, दो 8एमएम राइफल, एक स्टैनगन और एक पिस्तौल सहित 13 हथियार एवं गोलाबारूद तथा भारी मात्रा में नक्सली सामग्री भी बरामद की गई। मारा गया डीवीसीएम उत्तरी गढ़चिरौली डिवीजन में कंपनी संख्या 4 के उप कमांडर के रूप में कार्य कर रहा था। दिनांक 01.05.2019 को गांव जाभुलखेड़ा के निकट घात लगाने के पीछे भी उसका हाथ था, जिसमें 15 पुलिस कार्मिकों ने अपनी बहुमूल्य जान गंवा दी थी। इन मृत नक्सलवादियों के सिर पर सरकार द्वारा कुल 64 लाख रुपये के इनाम की घोषणा की गई थी।

यह सफल मुठभेड़ जिले में नक्सलवादी गतिविधि के लिए एक बड़ा आघात है। नक्सलवादी एक बड़ी विनाशकारी गतिविधि को अंजाम देने के लिए इतनी बड़ी संख्या में इकट्ठे हुए थे। वर्ष 2019 में टीसीओसी की अवधि के दौरान, नक्सलवादी इसी प्रकार इकट्ठा हुए थे और उन्होंने आईईडी विस्फोट किया था, जिसमें 15 पुलिस कार्मिक शहीद हो गए थे। पहले भी कई अवसरों पर, टीसीओसी की अवधि के दौरान, नक्सलवादियों ने हिंसक गतिविधियों को अंजाम दिया था, जिसमें भारी संख्या में जान-माल का नुकसान हुआ था।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री योगीराज रामदास जाधव, सहायक पुलिस निरीक्षक, अमोल नानासाहेब फडतरे, सहायक पुलिस निरीक्षक, सदाशिव नामदेव देशमुख, पुलिस उप निरीक्षक, प्रेमकुमार लहु दांडेकर, पुलिस उप निरीक्षक, राहुल विट्ठल आव्हाड, पुलिस उप निरीक्षक, देवाजी कोतुजी कोवासे, सहायक पुलिस उप निरीक्षक, राजेंद्र अंताराम मडावी, हेड कांस्टेबल, नांगसु पंजामी उसेंडी, नायक पुलिस कांस्टेबल, देवेंद्र पुरुषोत्तम आत्राम, नायक पुलिस कांस्टेबल, प्रदिप विनायक भसारकर, नायक पुलिस कांस्टेबल, सुधाकर मानु कोवाची, पुलिस कांस्टेबल, नंदेश्वर सोमा मडावी, पुलिस कांस्टेबल, सुभाष भजनराव पदा, पुलिस कांस्टेबल, भाऊजी रघु मडावी, पुलिस कांस्टेबल, शिवाजी मोडु उसेंडी, पुलिस कांस्टेबल, गंगाधर केरबा कराड, पुलिस कांस्टेबल, रामा मैनु कोवाची, पुलिस कांस्टेबल, महेश पोचम मादेशी, पुलिस कांस्टेबल और स्वप्नील केसरी पदा, पुलिस कांस्टेबल, ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 21/05/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/1196/16/2022-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 58-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति, महाराष्ट्र के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	तानाजी दिगंबर सावंत	पुलिस निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	नामदेव महिपती यादव	पुलिस हवलदार	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 28.01.2020 की शाम को, राजस्थान पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुलिस अधीक्षक, कोल्हापुर जिला, महाराष्ट्र के कार्यालय को टेलीफोन पर सूचित किया कि निरीक्षक नरेंद्र पुनिया के नेतृत्व में राजस्थान अपराध शाखा के पुलिस अधिकारियों की एक टीम बेंगलुरु-मुम्बई राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-4) पर बहुत तेज गति से पूना की ओर जा रही एक सफेद स्विफ्ट कार का पीछा कर रही है। उक्त अधिकारी ने यह भी बताया कि उस कार पर नम्बर प्लेट नहीं है और उसमें तीन खूंखार अपराधी अर्थात शामलाल पुनिया, राजस्थान के कुख्यात "007 बिश्नोई गैंग" का लीडर और उसके दो सहयोगी सवार हैं तथा जब राजस्थान पुलिस की टीम विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर हुबली, कर्नाटक पहुंची,

तो वे उस कस्बे से कार से भाग निकले थे। कार की वास्तविक लोकेशन, अपराधियों के फोटोग्राफ और निरीक्षक पुनिया के संपर्क ब्यौरे को साझा करते हुए, उक्त अधिकारी ने अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए कोल्हापुर पुलिस से सहायता का अनुरोध किया। उन्होंने आगाह किया कि इस गैंग ने अपने गंभीर अपराधों से न केवल राजस्थान के कई भागों में आतंक फैला रखा है, बल्कि जिन पुलिस टीमों को उन्हें गिरफ्तार करने का काम सौंपा जाता है, वे उन पर गोलीबारी करने के लिए भी कुख्यात हैं।

सम्पूर्ण जानकारी तत्काल निरीक्षक तानाजी दिंगबर सावंत, जिला स्थानीय अपराध शाखा (एलसीबी) के प्रभारी अधिकारी के साथ साझा की गई और उन्हें नाकाबंदी करने, बचकर भाग रही कार को रोकने तथा अपराधियों को गिरफ्तार करने का कार्य सौंपा गया। निरीक्षक सावंत तुरंत अपनी एलसीबी टीम के साथ एनएच-4 पर किनी टोल बूथ की ओर चल पड़े और साथ ही, निरीक्षक पुनिया से अपराधियों की लाइव लोकेशन लेनी भी शुरू कर दी। टोल बूथ पर पहुंचने के बाद, निरीक्षक सावंत ने शीघ्रतापूर्वक स्थिति का जायजा लिया और अपनी टीम को सौंपे गए कार्य के बारे में अवगत कराया। टीम के सदस्यों को इस ऑपरेशन में उनकी व्यक्तिगत भूमिकाओं के बारे में बताते हुए, निरीक्षक सावंत ने उन्हें एक नाकाबंदी के रूप में राजमार्ग के पुणे की ओर जाने वाले भाग पर रणनीतिक ढंग से तैनात कर दिया। उन्होंने अपनी टीम के सदस्यों को इस ढंग से तैनात किया कि अपराधियों को पुलिस की मौजूदगी के बारे में कोई भनक न लग सके। टोल बूथ पर कोल्हापुर की दिशा में कार के रूकने पर उसे तत्काल घेर लेने की ऑपरेशनल आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, निरीक्षक सावंत ने इस ऑपरेशनल तैनाती में अपने कुछ कार्मिकों के साथ सामने की ओर पोजीशन ले ली। उन्होंने अन्य सदस्यों को टोल बूथ पर पुणे की दिशा में इस ढंग से तैनात किया कि यदि अपराधी पुनः भागने का प्रयास करें, तो वे तत्काल उनका पीछा करने और उन्हें पकड़ने की स्थिति में हों।

उसके बाद निरीक्षक सावंत ने वहां से गुजरने वाले प्रत्येक वाहन की पैनी नजर से सावधानीपूर्वक स्क्रीनिंग शुरू कर दी। कुछ मिनटों के बाद, सहायक पुलिस निरीक्षक घुले ने "एक बिना नम्बर प्लेट वाली सफेद स्विफ्ट कार को टोल बूथ की और आते हुए देखा" और पुलिस निरीक्षक सावंत को इसके बारे में सूचित किया। पुलिस निरीक्षक सावंत ने देखा कि कार के अलावा, इसके भीतर मौजूद तीनों सवारियों का हुलिया भी राजस्थान पुलिस द्वारा उनके साथ साझा किए गए अपराधियों के फोटोग्राफ से हुबहू मिलता है।

निरीक्षक सावंत ने तत्काल अपनी टीम के सदस्यों को इशारा कर दिया और वे पलक झपकते ही हरकत में आ गए। निरीक्षक सावंत ने कार को पीछे से और उनकी टीम के दो सदस्यों ने दो दिशाओं से कवर करके सावधानीपूर्वक कार की ओर आगे बढ़ना शुरू कर दिया। कार के नजदीक आने के बाद, निरीक्षक सावंत ने तेज आवाज में स्वयं को एक पुलिस अधिकारी बताते हुए अपराधियों से आत्मसमर्पण करने की अपील की। तथापि, अपराधियों ने कार को तेजी से बूथ की दूसरी लेन में घुमाकर वहां से बचकर भागने का प्रयास किया। तेजी से बचकर भागने के प्रयास में, कार अपराधियों के नियंत्रण के बाहर हो गई, जिससे उनकी कार सड़क के डिवाइडर से टकरा गई और एकाएक रूक गई।

जब निरीक्षक सावंत और पुलिस हवलदार नामदेव महिपती यादव दौड़कर कार के निकट पहुंचे, तो पिछली सीट पर बैठे अपराधी ने ड्राइवर के निकट बैठे हुए दूसरे अपराधी को पुलिस की टीम पर गोलीबारी करने के लिए उकसाया। इसके प्रत्युत्तर में, ड्राइवर के निकट बैठे हुए अपराधी, जिसकी बाद में गैंग लीडर शामलाल पुनिया के रूप में पहचान की गई, ने अपनी पिस्तौल से पुलिस हवलदार नामदेव महिपती यादव की दिशा में गोलीबारी शुरू कर दी। अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए, पुलिस हवलदार नामदेव महिपती यादव ने विवेकपूर्वक सड़क पर लेटकर गोली से अपना बचाव किया और साथ ही कार के दरवाजे को भी अंदर की तरफ धकेल दिया। एक भीड़-भाड़ वाला स्थान होने के कारण, अपराधी द्वारा चलाई गई गोली की आवाज से टोल बूथ पर भारी शोरगुल हुआ और अफरातफरी मच गई। पुलिस हवलदार नामदेव महिपती यादव की जान को आसन्न खतरे को भांपते हुए, निरीक्षक सावंत ने उन्हें तुरंत वहां से हटकर कार के पीछे अपने पास आने के लिए कहा। उसी क्षण जब पुलिस हवलदार नामदेव महिपती यादव पीछे हटकर निरीक्षक सावंत के पास गए, तब अपराधी शामलाल पुनिया कार से नीचे उतरा और उसने निरीक्षक सावंत तथा पुलिस हवलदार नामदेव महिपती यादव की दिशा में गोलीबारी शुरू कर दी। अपनी जान को आसन्न खतरे के बावजूद निरीक्षक सावंत ने फुर्ती से वीरतापूर्ण कार्रवाई की और अपनी सर्विस पिस्तौल से आत्म-रक्षा में छह राउंड गोलियां चलाईं। जब गोली लगने से गैंगस्टर जमीन पर गिर गया, तब निरीक्षक सावंत और पुलिस हवलदार नामदेव महिपती यादव पुनः अपनी जान को जोखिम में डालते हुए उसके नजदीक गए और सभी तीनों अपराधियों को दबोच लिया। उनमें से गोलीबारी के दौरान घायल होने वाले दो अपराधियों अर्थात शामलाल पुनिया और श्रवणकुमार मनोहरलाल मंजू उर्फ बिश्नोई को अस्पताल ले जाया गया।

तदनंतर, तीनों अपराधियों के विरुद्ध वडगांव पुलिस स्टेशन, जिला कोल्हापुर में आयुध अधिनियम की धारा 3 और 25 (1) (क) तथा मोटर यान अधिनियम की धारा 184 एवं 177 के साथ पठित भारतीय दंड संहिता की धारा 307, 353, 279 और 34 के तहत सी.आर.सं. 44/2020 के अंतर्गत एक अपराध दर्ज कर लिया गया। जांच के दौरान यह पता चला कि राजस्थान के जोधपुर जिले के निवासी शामलाल पुनिया ने लोगों के मन में डर पैदा करके आर्थिक और अन्य लाभ प्राप्त करने के लिए कुख्यात "007 बिश्नोई" गैंग बनाया था। अपराधी पुनिया ने अपने अनेक सहयोगियों के साथ राजस्थान के विभिन्न भागों में बलात्कार, डकैती, हत्या का प्रयास, अपहरण, जबरन धन वसूली, गोली चलाने आदि जैसे 31 से अधिक गंभीर अपराध किए थे। वह और इस ऑपरेशन के दौरान गिरफ्तार किए गए उसके दो सहयोगी राजस्थान से वर्ष 2017 से फरार थे तथा वे अंतरराज्यीय अपराधों को अंजाम देते हुए लगातार अपना ठिकाना बदल रहे थे। उन्हें राजस्थान के विभिन्न सक्षम न्यायालयों द्वारा भी अपराधी घोषित किया गया था। इस पृष्ठभूमि में, वडगांव पुलिस स्टेशन के उपर्युक्त मामले में महाराष्ट्र संगठित अपराध गतिविधि नियंत्रण अधिनियम, 1999 (एमसीओसी अधिनियम, 1999) के प्रावधान भी लागू किए गए थे।

उक्त ऑपरेशन का कार्य सौंपे जाने पर, निरीक्षक तानाजी सावंत ने तत्काल स्थिति की तात्कालिकता को भांप लिया और वे यथा संभव कम से कम समय में किनी टोल बूथ पर पहुंच गए। खूंखार अपराधियों की पृष्ठभूमि आपराधिक होने और पुलिस टीमों के विरुद्ध आग्नेयास्त्रों का इस्तेमाल करने के लिए कुख्यात होने के कारण, इस बात की संभावना थी कि अपराधी उन पर गोलीबारी कर सकते हैं। इस प्रकार की भयावह

परिस्थिति में, निरीक्षक तानाजी सावंत और पुलिस हवलदार नामदेव महिपती यादव ने अपनी जान को जोखिम में डालकर बिल्कुल नजदीक से खूंखार अपराधियों का साहस के साथ सामना करते हुए उच्चकोटि की वीरता का प्रदर्शन किया। उन्होंने खूंखार अपराधियों के साथ भीषण गोलीबारी की और उनमें से दो अपराधियों को घायल करने में सफलता प्राप्त की। यह बहुत से लोगों के बीच और अफरातफरी के माहौल में हाल ही में किए गए अत्यधिक साहसिक ऑपरेशनों में से एक था। निरीक्षक तानाजी सावंत और पुलिस हवलदार नामदेव महिपती यादव द्वारा की गई इस उत्कृष्ट वीरतापूर्ण कार्रवाई के परिणामस्वरूप, "007 बिश्नोई गैंग" के कट्टर और घोषित अपराधियों, जिन्होंने राजस्थान में आतंक का साम्राज्य पैदा कर रखा था, को पकड़ा जा सका और उन पर एमसीओसी अधिनियम, 1999 के कड़े प्रावधानों के तहत कानूनी कार्रवाई की गई।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री तानाजी दिंगबर सावंत, पुलिस निरीक्षक और नामदेव महिपती यादव, पुलिस हवलदार ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 28/01/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/36/2021-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 59-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति, असम राइफल्स के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी), मरणोपरांत प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	स्व. श्री अवतार चकमा	राइफलमैन	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

राइफलमैन (जनरल ड्यूटी) अवतार चकमा एक अत्यधिक प्रेरित और बहादुर सैनिक थे। उन्होंने जिला चांगलांग, अरुणाचल प्रदेश में विद्रोहियों से लड़ते हुए असाधारण वीरता और अदम्य साहस का प्रदर्शन किया।

दिनांक 22 मई, 2021 को, लोंगवी गांव में बर्मा के 14-15 नागरिकों की आवाजाही के बारे में प्राप्त सूचना के आधार पर, श्री हट (एमवाई-416692) के सामान्य क्षेत्र की ओर एक ऑपरेशन शुरू किया गया। 0715 बजे, पार्टी बॉक्स कटिंग (एमवाई-417651) की ओर आगे बढ़ी, जिसका नेतृत्व स्काउट के रूप में राइफलमैन अवतार चकमा कर रहे थे। दिनांक 22 मई, 2021 को लगभग 0830 बजे, बॉक्स कटिंग में पार्टी का सामना अज्ञात विद्रोहियों से हुआ। विद्रोहियों ने छोटे हथियारों से पार्टी पर हमला कर दिया, जिसका पार्टी ने भी जवाब दिया और इसके दौरान स्काउट होने के कारण राइफलमैन अवतार चकमा और विद्रोहियों के बीच बिलकुल नजदीक से गोलीबारी शुरू हो गई। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, उनके द्वारा की गई तत्काल जवाबी कार्रवाई ने विद्रोहियों को आगे बढ़ने से रोक दिया और उनके द्वारा अकेले ही की गई निःस्वार्थ कार्रवाई की वजह से उनकी गश्त में शामिल कार्मिकों की जान बच गई, जबकि उन्होंने विद्रोहियों से लड़ते हुए अपनी जान न्यौछावर कर दी।

इस ऑपरेशन में स्व. श्री अवतार चकमा, राइफलमैन ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 22/05/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/1220/53/2022-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 60-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अवनीश कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	मो. बाकीबुल्ला हक	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
3.	अवतार सिंह	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
4.	अनिल यादव	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
5.	अनिल शर्मा	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
6.	राजु चौधरी	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
7.	बी. रामनजेनयुल्लु	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 30 नवम्बर, 2020 को, उप निरीक्षक (जीडी) पाओतीनसट गुइटे के नेतृत्व में बीएसएफ की 59वीं बटालियन की घातक टीम की 24 घंटे वाली विशेष घात पार्टी को 07 अन्य रैंक (ओआर) के कार्मिकों के साथ 120 इंफैन्ट्री ब्रिगेड के सैन्य ऑपरेशन नियंत्रण के अंतर्गत नियंत्रण रेखा पर अत्यधिक संवेदनशील दमईकुश बाउल क्षेत्र में आतंकवादियों के संभावित प्रवेश मार्ग पर तैनात किया गया।

दिनांक 01 दिसम्बर, 2020 को लगभग 0835 बजे, घातक टीम पर दमईकुश नाला (पाकिस्तान की तरफ) की दिशा से घात वाले स्थान के बिल्कुल निकट से गोलीबारी की गई। उप निरीक्षक (जीडी) पाओतीनसट गुइटे ने ऊबड़-खाबड़ भूमि और घनी झाड़ियों से युक्त अत्यधिक बारूदी सुरंग वाला क्षेत्र होने के बावजूद, अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए स्थिति को तत्काल नियंत्रित किया, पुनः घात लगाई और आतंकवादी समूह की तरफ समन्वित, प्रभावकारी, तीव्र एवं आक्रामक जवाबी गोलीबारी की। शत्रु को उलझाए रखने हेतु कार्रवाई करते समय, उप निरीक्षक/जीडी पाओतीनसट गुइटे के धड़ के ऊपरी भाग में गोली लग गई। अपनी सुरक्षा की जरा सी भी परवाह किए बिना, उन्होंने अपनी टीम को रक्षात्मक गोलीबारी प्रदान करने के लिए, भारी गोलीबारी करके शत्रु को उलझाए रखा। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, उन्होंने अदम्य साहस का प्रदर्शन किया और एक आतंकवादी को सफलतापूर्वक मार गिराया।

उप निरीक्षक (जीडी) पाओतीनसट गुइटे की वीरतापूर्ण कार्रवाई का उनकी टीम के शेष सदस्यों ने भी अनुसरण किया और घात पार्टी के शेष सदस्यों, जिनमें सिपाही बी. रामनजेनयुल्लु, सिपाही अवनीश कुमार, सिपाही मो. बाकीबुल्ला हक, सिपाही अवतार सिंह, सिपाही अनिल यादव, सिपाही अनिल शर्मा और सिपाही राजु चौधरी सदस्य शामिल थे, ने आतंकवादी समूह को आक्रामक रूप से उलझाए रखा।

आतंकवादियों के साथ बिलकुल निकट से हुई इस बंदूक की लड़ाई में, उक्त टीम ने नियंत्रण रेखा पर तैनाती के दौरान देश की संप्रभुता की रक्षा करने में अदम्य साहस, विशिष्ट वीरता और अत्यधिक दृढ़निश्चय का प्रदर्शन किया। उप निरीक्षक (जीडी) पाओतीनसट गुइटे के सक्रिय नेतृत्व में घात पार्टी द्वारा की गई त्वरित जवाबी कार्रवाई के परिणामस्वरूप हिजबुल मुजाहिद्दीन के तीन आतंकवादी मारे गए। उनके सामूहिक दृढ़निश्चय और पराक्रम ने खूंखार आतंकवादियों के नापाक मंसूबों और बम्प कॉप्लेक्स में ऑपरेशन लिंक को निशाना बनाने के उनके संभावित प्रयास को विफल कर दिया।

इसके अतिरिक्त, शत्रु की चौकियों और आतंकवादियों द्वारा की जा रही भारी गोलीबारी के बीच, घात पार्टी घायल उप निरीक्षक (जीडी) पाओतीनसट गुइटे को एक नैरो इंफैन्ट्री सेफ लेन (आईएसएल) के माध्यम से बाहर निकालने में सफल रही। इस बंदूक की लड़ाई के दौरान, विशेष घात पार्टी के कार्मिकों ने अदम्य साहस, विशिष्ट वीरतापूर्ण कार्रवाई तथा पूर्ण कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया और अपनी ऑपरेशन लिंक पार्टी के प्रति खतरे को टालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और साथ ही घुसपैठियों को क्षति भी पहुंचाई।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री अवनीश कुमार, सिपाही, मो. बाकीबुल्ला हक, सिपाही, अवतार सिंह, सिपाही, अनिल यादव, सिपाही, अनिल शर्मा, सिपाही, राजु चौधरी, सिपाही और बी. रामनजेनयुल्लु, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 01/12/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/60/47/2022-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 61-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	श्री राजेश सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

सीआईएसएफ यूनिट एनपीजीसीएल नबीनगर के कांस्टेबल/जीडी बलवीर सिंह ने क्वार्टर गार्ड ड्यूटी के लिए तैनात किए जाने पर, दिनांक 12.01.2017 को अपने सहयोगियों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके दौरान उन्होंने बल के चार सदस्यों नामत: सहायक उप निरीक्षक/एक्जी. गौरी शंकर राम, हेड कांस्टेबल/जीडी बच्चा शर्मा, हेड कांस्टेबल/जीडी अमर नाथ मिश्रा और हेड कांस्टेबल/जीडी अरविंद कुमार की हत्या कर दी। वे अपने सहयोगियों पर अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए पुरानी बैरक से नई बैरक में चले गए, जिससे आम नागरिक दहशत में आ गए, क्योंकि कांस्टेबल बलवीर सिंह अपने रास्ते में आने वाले हर व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर देना चाहते थे। इसके बाद कांस्टेबल/जीडी बलवीर सिंह नए शिकार की तलाश में नई बैरक की ओर आगे बढ़े और इस दौरान यह पता लगने पर कि नई बैरक की छत पर कुछ लोग मौजूद हैं, वे उन्हें अपने हथियार से गोली मारने के लिए आगे बढ़े।

तथापि, जब कांस्टेबल/जीडी बलवीर सिंह नई बैरक की छत पर पहुंचे, तो उन्हें सीआईएसएफ यूनिट एनपीजीसीएल नबीनगर के हेड कांस्टेबल/जीडी राजेश सिंह द्वारा दी गई एक कठिन चुनौती का सामना करना पड़ा। हेड कांस्टेबल/जीडी राजेश सिंह, जो निहत्थे थे, ने अकेले ही कांस्टेबल/जीडी बलवीर सिंह से मुकाबला किया। वे यह अच्छी तरह से जानते थे कि कांस्टेबल/जीडी बलवीर सिंह गुस्से में हैं और उसके पास हमला करने वाले घातक हथियार हैं तथा वे अपनी जान भी गंवा सकते हैं, तथापि उन्होंने दृढ़ संकल्प के साथ मानव जीवन को बचाने के लिए अकेले ही कांस्टेबल/जीडी बलवीर सिंह से मुकाबला किया।

हेड कांस्टेबल/जीडी राजेश सिंह ने छत के ऊपर रणनीतिक पोजीशन ले ली और रणकौशल की अपनी समस्त जानकारी एवं कौशल का उपयोग करते हुए बहुत ही कम समय के भीतर वे कांस्टेबल/जीडी बलवीर सिंह को निहत्था करने में कामयाब हो गए। कुछ त्वरित चालों के साथ, हेड कांस्टेबल/जीडी राजेश सिंह कांस्टेबल/जीडी बलवीर सिंह से इंसास राइफल छीनने में कामयाब हो गए और उन्होंने राइफल को छत से नीचे फेंक दिया, ताकि कांस्टेबल/जीडी बलवीर सिंह घातक हथियार तक न पहुंच सकें। जैसे ही वे कांस्टेबल/जीडी बलवीर सिंह को निहत्था करने और उसके हथियार को फेंकने में सफल हुए, उन्होंने कांस्टेबल/जीडी बलवीर सिंह को समझाने की कोशिश की। तथापि, कांस्टेबल/जीडी बलवीर सिंह अभी भी अत्यधिक रोष और गुस्से में थे और उसने हेड कांस्टेबल/जीडी राजेश सिंह को छत से उठाकर नीचे फेंकने की कोशिश की। उन दोनों में हाथापाई हो गई। तथापि, हेड कांस्टेबल/जीडी राजेश सिंह ने उम्मीद खोए बिना अपनी पूरी ताकत के साथ अपने प्रतिद्वंदी से मुकाबला करना जारी रखा। लगभग 7-10 मिनट के संघर्ष के बाद, हेड कांस्टेबल/जीडी राजेश सिंह कांस्टेबल/जीडी बलवीर सिंह को काबू में करने और उसे जमीन पर गिराने में सफल रहे। इसके बाद हेड कांस्टेबल/जीडी राजेश सिंह उसे कार्यालय के बंकर में ले आए, जहां से उसे पुलिस को सौंप दिया गया।

इस प्रकार, जहां अन्य लोग कांस्टेबल/जीडी बलवीर सिंह की दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई की वजह से अपनी जान बचाने के लिए भाग रहे थे, वहीं हेड कांस्टेबल/जीडी राजेश सिंह ने अनुकरणीय वीरता और साहस का प्रदर्शन किया। हेड कांस्टेबल/जीडी राजेश सिंह अत्यधिक हिम्मत और धैर्य के साथ मैदान पर डटे रहे। उन्होंने कांस्टेबल/जीडी बलवीर सिंह को चुनौती देने और निहत्था करने का यह साहसिक कार्य अकेले ही किया। वे यह जानते थे कि उनके द्वारा लिए गये इस निर्णय के परिणामस्वरूप कांस्टेबल/जीडी बलवीर सिंह द्वारा उनकी हत्या भी की जा सकती है, तथापि उन्होंने निहत्था और उससे उम्र में अधिक होते हुए भी उससे मुकाबला करने का निर्णय लिया। उन्होंने कांस्टेबल/जीडी बलवीर सिंह द्वारा आगे नरसंहार को रोकने के लिए, न केवल कांस्टेबल/जीडी बलवीर सिंह को निहत्था किया, बल्कि उसे पूर्णतया काबू में भी किया।

इस ऑपरेशन में श्री राजेश सिंह, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 12/01/2017 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/2236/50/2022-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 62-प्रेज/2023— भारत की माननीय राष्ट्रपति केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं :—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	शिव प्रताप सिंह यादव	सहायक कमांडेन्ट	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	अवनीश कुमार शुक्ल	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3.	यंश कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
4.	पिन्टु तिर्की	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
5.	अनूप दास	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
6.	निरंजन घोष	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

चक्रबंधा के वन क्षेत्र में बीजेएसएसी सदस्य संदीप यादव के नेतृत्व में सशस्त्र माओवादी कैडरों के एक समूह की मौजूदगी के बारे में प्राप्त सूचना के आधार पर, 205 कोबरा और 159 सीआरपीएफ द्वारा बिहार पुलिस के साथ मिलकर एक सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया।

योजना के अनुसार, 17 मई, 2019 को लगभग 12:30 बजे, कोबरा और सीआरपीएफ की टीमें कैंप से लक्षित क्षेत्र के लिए रवाना हो गईं। अगले दिन सुबह, लगभग 01:45 बजे, जब सैन्य दस्ते जंगल के अंदर खोज-बीन कर रहे थे, तब माओवादियों ने 205 कोबरा की एक टीम, जिसका नेतृत्व सहायक कमांडेन्ट, श्री शिव प्रताप सिंह कर रहे थे, पर घात लगाकर हमला किया। कोबरा टीम की एक टुकड़ी माओवादियों के घातक क्षेत्र में बुरी तरह से फंस गई। इस मौके पर, सहायक कमांडेन्ट श्री शिव प्रताप सिंह ने धैर्य बनाए रखते हुए और तेज रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन करते हुए, तुरंत स्थिति का आकलन किया और एक जवाबी कार्रवाई की योजना तैयार की। उन्होंने उप निरीक्षक/जीडी अवनीश कुमार शुक्ल को एक छोटी टीम के साथ एक किनारे से माओवादियों पर जवाबी हमला करने का आदेश दिया, जबकि वे अपने सहयोगी सिपाही/जीडी यंश कुमार के साथ दूसरे किनारे को कवर करने के लिए आगे बढ़े।

गोलियों की बौछार के बीच, उप निरीक्षक/जीडी अवनीश कुमार शुक्ल एक किनारे से सिपाही/जीडी पिन्टु तिर्की, सिपाही/जीडी अनूप दास और सिपाही/जीडी निरंजन घोष के साथ, घात लगाकर किए गए हमले का जवाब देने के लिए माओवादियों की ओर आगे बढ़े, लेकिन उन्हें इस बात का आश्चर्य हुआ कि माओवादी इसके लिए पहले से ही तैयार थे और उन्होंने उनसे आमने-सामने की लड़ाई लड़ी। उन्होंने उप निरीक्षक/जीडी अवनीश कुमार शुक्ल की टीम पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और उन्हें जान से मारने तथा उनके हथियार छीनने के लिए आगे बढ़े। तथापि, इसी बीच, सहायक कमांडेन्ट श्री शिव प्रताप सिंह और सिपाही यंश कुमार एक रणनीतिक स्थान तक पहुंचने में कामयाब हो गए और उन्होंने वहां से माओवादियों पर भारी गोलाबारी शुरु कर दी, जिससे दूसरी टीम से माओवादियों का ध्यान हट गया। इस मौके का फायदा उठाते हुए, उप निरीक्षक/जीडी अवनीश कुमार शुक्ल ने अपनी पोजीशन बदल ली और अपनी छोटी सी टीम के साथ माओवादियों के खिलाफ जोरदार जवाबी हमला शुरू कर दिया। दो तरफ से एक साथ किए गए जवाबी हमले से माओवादियों का हौसला टूट गया और वे पीछे हटने के लिए मजबूर हो गए। शिलाखंडों और अंधेरे की आड़ में माओवादी घटना स्थल से भाग गए।

जब गोलीबारी रूक गई, तब सैन्य दस्तों ने क्षेत्र की तलाशी ली और एक माओवादी अर्थात अनिल राय, जेडसीएम का शव तथा एक एके 56 राइफल, 2 मैगजीनें, 2 आईईडी, 1 वॉकी-टॉकी सेट और कई अन्य वस्तुएं भी बरामद कीं।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री शिव प्रताप सिंह यादव, सहायक कमांडेन्ट, अवनीश कुमार शुक्ल, उप निरीक्षक, यंश कुमार, सिपाही, पिन्टु तिर्की, सिपाही, अनूप दास, सिपाही, और निरंजन घोष, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 18/05/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. -11020/75/48/2022-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 63-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) और वीरता के लिए पुलिस पदक, मरणोपरांत प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	स्व. खुन्द्राकपम ओपेन्द्रो सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
2.	स्व. अनिल कुमार सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
3.	स्व. रवि कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)

4.	स्व. दिवाकर कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
5.	स्व. पलाश मंडल	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
6.	स्व. दीपक घोष	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
7.	स्व. सिनोद कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
8.	स्व. हर्वेन्द्र पंवार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
9.	स्व. रमेश कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
10.	स्व. मनोज कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
11.	चंदन कुमार	सहायक कमांडेन्ट	वीरता के लिए पुलिस पदक
12.	अभिषेक कुमार द्विवेदी	सहायक कमांडेन्ट	वीरता के लिए पुलिस पदक
13.	रामस्वरूप यादव	सहायक कमांडेन्ट	वीरता के लिए पुलिस पदक
14.	रणवीर सिंह	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
15.	बमबम कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

गांव लंगोराही, पुलिस स्टेशन मंडनपुर, औरंगाबाद के दक्षिण पूर्व में स्थित पहाड़ियों में सीपीआई माओवादी के 30-40 सशस्त्र कैडरों की मौजूदगी के बारे में प्राप्त एक खुफिया सूचना के आधार पर, 16 जुलाई 2016 को 205 कोबरा द्वारा एक ऑपरेशन शुरू किया गया। यह भी पता चला कि माओवादियों ने चक्रबंधा के वन क्षेत्र के आस-पास आईईडी लगा रखी है।

दो टीमों के दो हमलावर दल वन क्षेत्र की ओर आगे बढ़े। हमलावर दल I में सहायक कमांडेन्ट श्री चंदन कुमार और उप कमांडेन्ट श्री सिद्धार्थ के नेतृत्व में टीम नंबर 11 और 12 शामिल थीं, जबकि हमलावर दल II में सहायक कमांडेन्ट श्री अभिषेक द्विवेदी और सहायक कमांडेन्ट श्री रामस्वरूप यादव के नेतृत्व में टीम नंबर 14 और 18 शामिल थीं।

दिनांक 18 जुलाई 2016 को लगभग 11:15 बजे, जब सहायक कमांडेन्ट श्री रामस्वरूप यादव के नेतृत्व में हमलावर दल II डुमरी नाले के उत्तर दिशा में पहाड़ी पर चतुराई से ऊपर चढ़ रहा था, तभी वे स्वचालित हथियारों का इस्तेमाल कर रहे माओवादियों की भारी गोलीबारी की चपेट में आ गए। सहायक कमांडेन्ट श्री अभिषेक द्विवेदी के नेतृत्व में टीम नंबर 14 और सहायक कमांडेन्ट श्री रामस्वरूप यादव के नेतृत्व में टीम नंबर 18 ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की और उन्होंने पोजीशन लेकर जवाबी हमला शुरू कर दिया।

हमलावर दल I को पहाड़ी की चोटी से हमलावर दल II की सहायता करने के लिए माओवादियों पर गोलीबारी करने का निदेश दिया गया। इस बीच, हमलावर दल II ने माओवादियों को सामने की ओर से उलझा दिया और गोलाबारी करते हुए आगे बढ़ने की रणनीति अपनाकर उन्हें पीछे धकेलना जारी रखा। हमलावर दल II रेंगते हुए घात स्थल के मारक क्षेत्र (किलिंग जोन) से बाहर निकलने में सफल हो गया।

इसके साथ ही, माओवादियों द्वारा आईईडी के श्रृंखलाबद्ध विस्फोट किए गए, जिसमें हमलावर दल II के हेड कांस्टेबल/जीडी खुन्द्राकपम ओपेन्द्रो सिंह की टुकड़ी को चोटें आईं और वे गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, सभी घायल कमांडो अर्थात सिपाही/जीडी रमेश कुमार, सिपाही/जीडी दीपक घोष, सिपाही/जीडी अनिल कुमार सिंह, सिपाही/जीडी मनोज कुमार, सिपाही/जीडी हर्वेन्द्र पंवार, सिपाही/जीडी पलाश मंडल और सिपाही/जीडी सिनोद कुमार लगातार माओवादियों पर गोलीबारी करते रहे, जिससे माओवादी गंभीर रूप से घायल हो गए। उसी समय, हमलावर दल II की उसी टीम के सिपाही/जीडी दिवाकर कुमार और सिपाही/जीडी रमेश कुमार ने माओवादियों की ओर ग्रेनेड फेंके। ये जांबाज कमांडो अपनी अंतिम सांस तक खाइयों से लगातार गोलीबारी करते रहे।

विभिन्न आईईडी के प्रभाव, अराजक स्थिति और घायल होने के बावजूद, सहायक कमांडेन्ट श्री अभिषेक और सहायक कमांडेन्ट श्री रामस्वरूप अपनी-अपनी टीमों को संगठित करने में सफल रहे और उन्होंने टीमों को प्रभावी ढंग से गोलाबारी करने के लिए प्रेरित किया।

इस बीच, सहायक कमांडेन्ट श्री चंदन कुमार के नेतृत्व में हमलावर दल I की टीम नंबर 11, जो पहाड़ी की चोटी की ओर जा रही थी, भी भारी गोलीबारी की चपेट में आ गई। इससे विचलित हुए बिना, उप निरीक्षक/जीडी रणवीर सिंह, सिपाही/जीडी रवि कुमार और सिपाही/जीडी बमबम कुमार ने अनुकरणीय बहादुरी का प्रदर्शन किया तथा अपनी जान की परवाह किए बिना दुश्मन को दोनों ओर से घेर लिया और पहाड़ी की चोटी पर पहुंच गए। सिपाही/जीडी रवि कुमार गोलाबारी के बीच रेंगते हुए आगे बढ़े एवं लक्ष्य के करीब पहुंच गए और वहां पर हुई आमने-सामने की लड़ाई में उन्होंने एक माओवादी को मार गिराया। इस दौरान, सिपाही/जीडी रवि कुमार को एक गोली लगी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए, फिर भी वे अपनी अंतिम सांस तक बहादुरी से लड़ते रहे।

सभी घायल कमांडो को बाहर निकालने के बाद, गोलीबारी करते हुए आगे बढ़ने की रणनीति अपनाकर, विभिन्न दिशाओं से एक जोरदार जवाबी हमला किया गया। भारी गोलीबारी के कारण, माओवादियों को अपने मजबूत ठिकाने को छोड़ना पड़ा और वे पीछे हटने के लिए

मजबूर हो गए। वहां से पीछे हटते हुए, उन्होंने फिर से कई आईईडी विस्फोट किए। गोलीबारी बंद होने के बाद, सैन्य दस्ते ने क्षेत्र की पूरी तरह से तलाशी ली और तीन माओवादियों के शव तथा भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और सामान बरामद किया। तथापि, माओवादी अपने कुछ हताहत साथियों को ले जाने में सफल रहे।

आईईडी विस्फोटों के कारण हुए प्रारंभिक नुकसान के बावजूद, सैन्य दस्ते अदम्य प्रतिबद्धता के साथ डटे रहे और अद्वितीय बहादुरी का प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने एक अत्यंत सुरक्षित स्थान से डटकर मोर्चा संभाले हुए दुश्मन को वहां से हटा दिया। सैन्य दस्ते ने बहादुरी से मुकाबला किया और यह सुनिश्चित किया कि न केवल घायलों और शहीदों के हथियार सुरक्षित रहें, बल्कि मारे गए तीनों माओवादियों के शव और उनके हथियार भी बरामद कर लिए जाएं।

इस अभियान में सर्व/श्री स्व. खुन्द्राकपम ओपेन्द्रो सिंह, हेड कांस्टेबल, स्व. अनिल कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल, स्व. रवि कुमार, सिपाही, स्व. दिवाकर कुमार, सिपाही, स्व. पलाश मंडल, सिपाही, स्व. दीपक घोष, सिपाही, स्व. सिनोद कुमार, सिपाही, स्व. हर्वेन्द्र पंवार, सिपाही, स्व. रमेश कुमार, सिपाही, स्व. मनोज कुमार, सिपाही, चंदन कुमार, सहायक कमांडेन्ट, अभिषेक कुमार द्विवेदी, सहायक कमांडेन्ट, रामस्वरूप यादव, सहायक कमांडेन्ट, रणवीर सिंह, उप निरीक्षक और बमबम कुमार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 18/07/2016 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/76/48/2022-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 64-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	महाले मनीष गोरख	द्वितीय कमान अधिकारी	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	अडागले किशोर गणेश	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
3.	वीरेन्द्र कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 02 जून, 2020 को लगभग 03:00 बजे गांव साइमोह, पुलिस स्टेशन त्राल, जिला पुलवामा, जम्मू एवं कश्मीर में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, 180 सीआरपीएफ, 42 आरआर, एसओजी त्राल और जम्मू एवं कश्मीर पुलिस द्वारा एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया।

सैन्य दस्ता लक्षित गांव में पहुंच गया और उसने संदिग्ध घर की घेराबंदी कर दी। चूंकि घेराबंदी वाला क्षेत्र घने पेड़-पौधों वाला था, इसलिए आतंकवादियों का पता लगाने के लिए एक ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। लगभग 05:20 बजे, एक संदिग्ध आतंकवादी को एक घर के बगल में, एक नाले के पास झाड़ियों में छिपा हुआ देखा गया और एक अन्य आतंकवादी को पास के एक घर के अंदर भागते हुए देखा गया। ड्रोन को देखते ही, आतंकवादी ने ड्रोन के साथ-साथ सैन्य दल पर भी गोलीबारी शुरू कर दी और उसने एक ग्रेनेड भी फेंका। वह ग्रेनेड सहायक कमांडेन्ट श्री वेलत राम दांगी और सिपाही/जीडी वीरेन्द्र कुमार के सामने फटा, जिन्होंने तुरंत जवाबी कार्रवाई की। चूंकि, आतंकवादी एक शिलाखंड के पीछे छिपा हुआ था, इसलिए गोलीबारी ज्यादा प्रभावी नहीं हो पा रही थी। सिपाही/जीडी वीरेन्द्र कुमार दूसरी तरफ से उस शिलाखंड की ओर आगे बढ़े और वहां तक पहुँचने में कामयाब रहे तथा आतंकवादी पर गोलीबारी करके उसका खात्मा कर दिया।

इसके बाद, द्वितीय कमान अधिकारी श्री महाले मनीष गोरख, उनके सहयोगी सिपाही/जीडी अडागले किशोर गणेश और 42 आरआर, एसओजी तथा जम्मू एवं कश्मीर पुलिस की टुकड़ियों को शामिल करके एक संयुक्त तलाशी दल का गठन किया गया और उसे उस क्षेत्र की तलाशी शुरू करने का काम सौंपा गया। घेराबंदी के अंदर मौजूद आम नागरिकों को संयुक्त टीम ने वहां से बाहर निकाला। जम्मू एवं कश्मीर पुलिस द्वारा आतंकियों से आत्म-समर्पण करने की अपील की गई, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ। संयुक्त तलाशी दल की गतिविधि को भांपते हुए, घर में छिपा हुआ आतंकवादी बाहर निकला और उसने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। द्वितीय कमान अधिकारी श्री महाले मनीष गोरख और सिपाही/जीडी अडागले किशोर गणेश ने भाग रहे आतंकवादी पर भारी गोलीबारी करके जवाबी कार्रवाई की, जिससे वह घायल हो गया। परन्तु, वह एक अन्य घर के आँगन में छिपने में कामयाब हो गया। जब द्वितीय कमान अधिकारी श्री महाले मनीष गोरख और सिपाही/जीडी अडागले

किशोर गणेश घायल आतंकवादी का पता लगाने के लिए आगे बढ़े, तो उसने उनकी ओर गोलीबारी शुरू कर दी। इस दौरान वे दोनों अडिग रहे और एक करीबी लड़ाई में प्रभावी गोलीबारी करके उसका खात्मा कर दिया।

मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में, जेईएम के अकीब रमजान वानी (श्रेणी "ग") और मोहम्मद मकबूल चोपन (श्रेणी "ग") के रूप में की गई। उनके पास से दो एके 47 राइफलें, दो पिस्तौलें, मैगजीनें, गोला-बारूद और तीन हैंड ग्रेनेड भी बरामद किए गए।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री महाले मनीष गोरख, द्वितीय कमान अधिकारी, अडागले किशोर गणेश, सिपाही और वीरेन्द्र कुमार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 02/06/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं-11020/80/48/2022-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 65-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	रणजीत सिन्हा	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	अरुण कृष्णन ई वी	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 05 मई, 2021 को कनिगम गांव के मीर मोहल्ला, पुलिस स्टेशन इमाम साहिब, जिला शोपियां, जम्मू एवं कश्मीर में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में प्राप्त एक विशेष सूचना के आधार पर, 178 सीआरपीएफ, 44 आरआर और जम्मू एवं कश्मीर पुलिस द्वारा एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया।

लक्षित गांव में पहुंचने पर, सैन्य दस्तों ने सभी संदिग्ध घरों की घेराबंदी कर दी और बचकर भाग निकलने के सभी संभावित रास्ते बंद कर दिए। शुरुआती घेराबंदी के दौरान, दो संदिग्ध व्यक्तियों को बिना हथियारों के एक घर की चारदीवारी को पार करते हुए देखा गया। घेराबंदी टीम ने उन्हें चेतावनी देने और पीछे हटने पर मजबूर करने के लिए कुछ हवाई शॉट फायर किए।

इस बीच, 178 सीआरपीएफ के कमांडेन्ट, यूनिट सीटीटी के साथ मौके पर पहुंच गए। 178 सीआरपीएफ, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस और 44 आरआर की अतिरिक्त टीमों ने एक बड़े क्षेत्र को कवर किया और घेराबंदी को बढ़ा दिया। बाद में, यह पता चला कि आतंकवादी दूसरे मकान के स्टोर एवं उसके नीचे की दुकान में छिपे हुए हैं। आतंकवादियों से आत्म-समर्पण करने की अपील की गई, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ।

आतंकवादियों की लोकेशन का पता लगाने के बाद, घेराबंदी और कड़ी कर दी गई। सीटीटी 178 सीआरपीएफ के जवानों को उस दुकान/स्टोर, जहां आतंकवादी छिपे हुए थे, के सामने की सड़क के उस पार चतुराई से पेड़ों की आड़ में तैनात कर दिया गया। आतंकवादियों ने स्टोर के अंदर से एक ग्रेनेड फेंका, जो घेराबंदी टीम के समीप फट गया। घेराबंदी टीम ने जवाबी कार्रवाई की और एक यूबीजीएल ग्रेनेड उन पर दागा, जिससे स्टोर के अंदर रखे लट्ठों में आग लग गई।

अचानक, एक आतंकवादी स्टोर से बाहर निकला और आत्म-समर्पण कर दिया। पूछताछ करने पर, उसने बताया कि तीन आतंकवादी अभी भी घर के अंदर मौजूद हैं और उनके पास पिस्तौल, हैंड ग्रेनेड और कुछ गोला-बारूद भी है। अंदर से हो रही लगातार गोलीबारी के कारण, एक बुलेट प्रूफ (बीपी) जेसीबी को काम पर लगाया गया और दुकान के अगले हिस्से को तोड़ दिया गया। जैसे ही दुकान की सामने की दीवार को गिराया गया, उसमें छिपे हुए आतंकवादी बाहर निकले और गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका सीटीटी 178 सीआरपीएफ के सिपाही/जीडी रणजीत सिन्हा और सिपाही/जीडी अरुण कृष्णन ई वी द्वारा जवाब दिया गया। उन दोनों ने अपनी जान की परवाह किए बिना आतंकवादियों पर गोलियों की बौछार कर दी और उन्हें बिलकुल नजदीक से मार गिराया।

मारे गए तीनों आतंकवादियों की पहचान बाद में, जाहिद अहमद ऋषि (श्रेणी "ग"), उमर हसन भट (श्रेणी "ग") और दानिश सब्जार (श्रेणी "ग") के रूप में की गई और ये सभी अल-बद्र के सदस्य थे। आत्म-समर्पण करने वाला आतंकवादी तौसीफ अहमद थोकर था। इसके अलावा, मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से पिस्तौल की चार मैगजीनें और चार हैंड ग्रेनेड भी बरामद किए गए।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री रणजीत सिन्हा, सिपाही और अरुण कृष्णन ई वी, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 05/05/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/83/48/2022-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 66-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	प्रहलाद सहाय चौधरी	सहायक कमांडेन्ट	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2.	सुबोध कुमार यादव	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
3.	ईखलाक अहमद	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 16 दिसंबर, 2020 को, टेमना और बंधु, पुलिस स्टेशन गुदरी, पश्चिमी सिंहभूम, झारखंड के क्षेत्र में पीएलएफआई के शीर्ष कमांडरों की मौजूदगी के बारे में प्राप्त एक सूचना के आधार पर, 94 सीआरपीएफ की "एफ" कंपनी और राज्य पुलिस द्वारा एक अभियान शुरू किया गया। 94 सीआरपीएफ की "एफ" कंपनी की एक हमलावर टीम, राज्य पुलिस के साथ 23:25 बजे टेमना की ओर आगे बढ़ी।

विस्मय और गोपनीयता को बनाए रखते हुए, सैन्य दल लक्ष्य के करीब पहुंच गया। 17 दिसंबर, 2020 को 12:15 बजे, बंडू के पास इंडीपीढ़ी टोला वन क्षेत्र में नक्सलियों की मौजूदगी के बारे में विशिष्ट रूप से पुष्टि होने पर, सैन्य दल चतुराई से नए लक्षित क्षेत्र की ओर आगे बढ़ा। नक्सली पहाड़ी की चोटी पर छिपे हुए थे और उन्होंने एक लाभप्रद पोजीशन ले रखी थी। सहायक कमांडेन्ट श्री प्रहलाद सहाय चौधरी ने क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति का आकलन करने के बाद तीन टीमों का गठन किया, जिनमें से दो टीमें बाएं और दाएं किनारों को कवर करने के लिए थीं और एक मुख्य हमलावर टीम थी, जिसने पहाड़ी पर चढ़ना शुरू कर दिया।

योजना के अनुसार, तीनों टीमें अपने निर्धारित स्थानों की ओर आगे बढ़ीं। इसी बीच, नक्सलियों ने सैन्य दलों की मौजूदगी को भांप लिया और उन्होंने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सैन्य दलों ने तुरंत पोजीशन लेकर जवाबी कार्रवाई की। उन्होंने आत्मसमर्पण करने की अपील को स्वीकार नहीं किया और गोलीबारी जारी रही। सहायक कमांडेन्ट श्री प्रहलाद सहाय चौधरी नेतृत्व और पहल करते हुए आगे बढ़े और उन्होंने दुश्मन पर यूबीजीएल दागने का आदेश दिया। गोलियों की बौछार के बीच, सिपाही/जीडी ईखलाक अहमद और सिपाही/जीडी सुबोध कुमार यादव के साथ सहायक कमांडेन्ट श्री प्रहलाद सहाय चौधरी सभी सावधानियों को दरकिनार करके रेंगते हुए नक्सलियों की ओर बढ़े तथा उनके करीब पहुंच गए और उनके ऊपर लक्षित गोलीबारी शुरू कर दी। समन्वित जवाबी हमले की वजह से नक्सली आश्चर्यचकित हो गए और उनका हौसला पस्त हो गया। नक्सली ऊबड़-खाबड़ क्षेत्र का फायदा उठाकर और अपने मृत कैडर को वहीं छोड़कर घटना स्थल से भाग गए।

मुठभेड़ के बाद की गई तलाशी के दौरान, एक नक्सली का शव बरामद किया गया और एक नक्सली को गिरफ्तार किया गया। मारे गए नक्सली की पहचान बाद में, पीएलएफआई के सदस्य सोनू उर्फ मगरा और पकड़े गए नक्सली की पहचान फूल चंद मुंडा के रूप में की गई। इसके अलावा तीन पिस्टलें, सात मैगजीनें, पैंतालीस जिंदा राउंड, पांच वायरलेस सेट और विभिन्न अन्य वस्तुएँ भी बरामद की गईं।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री प्रहलाद सहाय चौधरी, सहायक कमांडेन्ट, सुबोध कुमार यादव, सिपाही और ईखलाक अहमद, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 17/12/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं-11020/111/48/2022-पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 67-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) और वीरता के लिए पुलिस पदक, मरणोपरांत प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	स्व. मीर मतिउर रहमान	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
2.	स्व. ब्रजमोहन बेहरा	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
3.	स्व. गुल्लीपल्ली श्रीनु	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
4.	स्व. चट्टी प्रवीण	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
5.	सिद्धेश्वर बापूराव सुभाष	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
6.	परमार हार्दिक सुरेश कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

विधानसभा चुनाव 2018 के दौरान माओवादियों की आवाजाही के संबंध में प्राप्त विभिन्न सूचनाओं के आधार पर, दिनांक 27 अक्टूबर 2018 को, तिम्मापुर की ओर गांव बोयागुडा (मुरदंडा), पुलिस स्टेशन अवापल्ली, बीजापुर के पास वन क्षेत्र में 168 सीआरपीएफ की "बी" एवं "एफ" कंपनियों और पुलिस द्वारा एक ऑपरेशन शुरू किया गया।

जब सैन्य दस्ते 11:00 बजे लक्षित क्षेत्र के लिए रवाना हुए, तब सहायक उप निरीक्षक/जीडी मीर मतिउर रहमान के नेतृत्व में 05 कार्मिकों, अर्थात हेड कांस्टेबल/जीडी सिद्धेश्वर बापूराव सुभाष, हेड कांस्टेबल/ड्राइवर ब्रजमोहन बेहरा, सिपाही/जीडी गुल्लीपल्ली श्रीनु, सिपाही/जीडी चट्टी प्रवीण और सिपाही/जीडी परमार हार्दिक सुरेश कुमार के साथ एक बीपी बंकर की सहायता से क्षेत्र में सचल रूप से नियंत्रण स्थापित करना शुरू किया गया, ताकि सैन्य दस्ते को अतिरिक्त सुरक्षा कवर प्रदान किया जा सके। तत्पश्चात, बंकर टीम को सावधानीपूर्वक शिविर में लौटने का संदेश दिया गया। तदनुसार, बीपी बंकर, जो तिम्मापुर की ओर जा रहा था, ने वापस लौटने के लिए सड़क पर एक विस्तृत 'यू' टर्न लिया। तत्काल ही, इंजन के नीचे एक बड़ा आईईडी विस्फोट हुआ और बंकर लगभग 20 से 25 फीट ऊपर उड़ गया।

बंकर में मौजूद सैनिकों और माओवादियों के बीच तत्काल भारी गोलीबारी शुरू हो गई। जब माओवादियों ने सीआरपीएफ के कार्मिकों को जान से मारने और उनके हथियार, गोलाबारूद, वायरलेस सेट, बीपी जैकेट आदि छीनने के इरादे से बंकर के निकट जाना शुरू किया, तब गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद सहायक उप निरीक्षक/जीडी मीर मतिउर रहमान, हेड कांस्टेबल/ड्राइवर ब्रजमोहन बेहरा, सिपाही/जीडी गुल्लीपल्ली श्रीनु और सिपाही/जीडी चट्टी प्रवीण तथा साथ ही हेड कांस्टेबल/जीडी सिद्धेश्वर बापूराव सुभाष और सिपाही/जीडी परमार हार्दिक सुरेश कुमार (ये लोग भी घायल हो गए थे) ने अत्यधिक धैर्य और साहस का परिचय दिया और अंतिम सांस लेने तक उन्होंने माओवादियों को उलझाए रखा।

गंभीर रूप से घायल होने और कष्टदायी दर्द के बावजूद, सभी छह कार्मिकों ने दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया और नियंत्रित गोलीबारी के साथ जवाबी कार्रवाई करते हुए माओवादियों से लड़ते रहे, जिसके परिणामस्वरूप माओवादियों को दूर रहना पड़ा। उनके द्वारा की गई सुदृढ़ जवाबी कार्रवाई की वजह से माओवादी हथियार एवं गोलाबारूद आदि लूट नहीं सके और अतिरिक्त सैन्य सहायता पहुंचने तक उन्होंने दुश्मन को 20-25 मिनट तक उलझाए रखा। अतिरिक्त सैन्य सहायता के पहुंचते ही, माओवादियों के हौसले पस्त हो गए और उन्हें पीछे हटना पड़ा। इस ऑपरेशन में, कुल चार कार्मिकों, अर्थात् सहायक उप निरीक्षक/जीडी मीर मतिउर रहमान, हेड कांस्टेबल/ड्राइवर ब्रजमोहन बेहरा, सिपाही/जीडी गुल्लीपल्ली श्रीनु और सिपाही/जीडी चट्टी प्रवीण ने सीआरपीएफ की सर्वोच्च परंपराओं के अनुरूप शहादत प्राप्त की।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री स्व. मीर मतिउर रहमान, सहायक उप निरीक्षक, स्व. ब्रजमोहन बेहरा, हेड कांस्टेबल, स्व. गुल्लीपल्ली श्रीनु, सिपाही, स्व. चट्टी प्रवीण, सिपाही, सिद्धेश्वर बापूराव सुभाष, हेड कांस्टेबल और परमार हार्दिक सुरेश कुमार, सिपाही ने अदम्य वीरता साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 27/10/2018 से दिया जाएगा।

(फा.सं. 11020/3262/48/2022 –पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 68-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं .	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	नरेन्द्र यादव	द्वितीय कमान अधिकारी	वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार
2.	उज्ज्वल कुमार	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3.	विकाश यादव	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4.	महिपाल सिंह परमार	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
5.	अरूण कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
6.	रंजन कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 12 अक्टूबर 2020 को, पुराने बरजुल्ला क्षेत्र, पुलिस स्टेशन सदर, जिला श्रीनगर में सशस्त्र आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में प्राप्त सूचना के आधार पर, सीआरपीएफ की वैली क्यूएटी, एसओजी और जम्मू एवं कश्मीर पुलिस द्वारा एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया गया। सीआरपीएफ की वैली क्यूएटी की टीमों का नेतृत्व श्री अमित कुमार, सहायक कमांडेन्ट और श्री अनिरुद्ध प्रताप सिंह, सहायक कमांडेन्ट के साथ श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी कर रहे थे।

योजना के अनुसार, लगभग 04:00 बजे, श्री अमित कुमार, सहायक कमांडेन्ट ने अपनी टीम के साथ लक्षित घर (तीन मंजिल + अटारी) को घेर लिया। आस-पास के सभी घरों में तलाशी शुरू की गई और आम नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। लक्षित घर के निवासियों से बाहर आने के लिए कहा गया और पूछताछ करने पर उनमें से एक निवासी ने यह बताया कि घर के अंदर दो संदिग्ध आतंकवादी मौजूद हैं।

पुष्टि होने पर घेराबंदी को और मजबूत कर दिया गया। साथ ही, आतंकवादियों से आत्म-समर्पण करने की अपील भी की गई, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ। जब घेराबंदी को और आगे बढ़ाया जा रहा था, तब आतंकवादियों ने घेराबंदी टीम पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका वैली क्यूएटी की टीमों द्वारा प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया। आतंकवादियों की गतिविधि पर अंकुश लगाने के लिए, समन्वित तरीके से एमजीएल का उपयोग करने और तत्पश्चात घर में प्रवेश करने का निर्णय लिया गया। श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी की निगरानी में, 2 आरएल डेट्स, एक सहायक उप निरीक्षक/ जीडी महिपाल सिंह परमार के साथ और दूसरा सिपाही/जीडी रंजन कुमार के साथ स्थापित किए गए और आतंकवादियों द्वारा लगातार गोलीबारी के बावजूद, उन आरएल को दागा गया, जिसके परिणामस्वरूप लक्षित घर में छेद हो गया। इसके बाद, घर में प्रवेश करने के लिए दो टीमों का गठन किया गया। श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी के नेतृत्व में श्री अनिरुद्ध प्रताप सिंह, सहायक कमांडेन्ट और सहायक उप निरीक्षक/जीडी विकाश कुमार के साथ पहली टीम को बगल वाले घर से सीढ़ी का उपयोग करते हुए छत से घर में प्रवेश करने का काम सौंपा गया। श्री अमित कुमार, सहायक कमांडेन्ट के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक/जीडी उज्जवल कुमार और सिपाही/जीडी अरुण कुमार के साथ दूसरी टीम को भूतल से घर में प्रवेश करने का काम सौंपा गया। दुश्मनों की ओर से हो रही गोलीबारी के बावजूद, दोनों टीमों ने कवर फायरिंग की सहायता से घर में प्रवेश किया।

जैसे ही श्री नरेंद्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी के नेतृत्व वाली पहली टीम ने सीढ़ियों से नीचे उतरना शुरू किया, तभी उन दो आतंकवादियों में से एक आतंकवादी ने उन पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। टीम ने कवर ले लिया और भारी गोलीबारी करके उनको जवाब दिया और साथ उन पर ग्रेनेड भी फेंके, जिससे आतंकवादी को अपनी पोजीशन बदलने के लिए मजबूर होना पड़ा। इसके बाद, टीम ने पहले और दूसरे कमरे की तलाशी करने के बाद, तीसरे कमरे का दरवाजा खोला। कमरे के अंदर छिपे हुए आतंकवादी ने टीम की ओर दो ग्रेनेड फेंके और उसके बाद भारी गोलीबारी भी की। टीम ने कवर ले लिया और प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की। टीम ने इस कमरे की भी तलाशी ली, लेकिन इस कमरे में आतंकवादी नहीं मिला। तथापि, टीम ने ताजा खून के धब्बे देखे और खून के निशान का पीछा करते हुए दूसरी मंजिल पर पहुंच गई। छिपे हुए आतंकवादी ने भारी गोलाबारी की और ग्रेनेड फेंके, जिसका टीम ने प्रभावी ढंग से जवाब दिया। अचानक, आतंकवादी ने गोलीबारी बंद कर दी। इस मौके का लाभ उठाते हुए, सहायक उप निरीक्षक/जीडी विकाश यादव द्वारा प्रदान की गई कवर फायरिंग की सहायता से श्री नरेंद्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी रेंगते हुए आतंकवादी की ओर गए और बिलकुल नजदीक से उसे मार गिराया।

इसी बीच, श्री अमित कुमार, सहायक कमांडेन्ट के नेतृत्व वाली दूसरी टीम, जो चतुराई से लक्षित घर के प्रवेश द्वार की ओर आगे बढ़ रही थी, वहां छिपे हुए दूसरे आतंकवादी की भारी गोलीबारी की चपेट में आ गई। आतंकवादी ने टीम की ओर ग्रेनेड फेंका, लेकिन श्री अमित कुमार, सहायक कमांडेन्ट और उनकी टीम बाल-बाल बच गई। ग्रेनेड विस्फोट के धुएं का फायदा उठाते हुए, टीम आगे बढ़ी और भूतल की तलाशी शुरू कर दी। जैसे ही टीम ने एक कमरे का दरवाजा खोला, तभी वहां छिपे हुए आतंकवादी ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। टीम ने तुरंत बैलिस्टिक शील्ड का उपयोग करते हुए कवर ले लिया और श्री अमित कुमार, सहायक कमांडेन्ट और उनके साथी कमरे में घुस हो गए। टीम के कमरे के अंदर घुसने की भनक लगते ही, आतंकवादी ने गोलियां बरसाईं और कमरे से बाहर निकलकर सीढ़ियों की ओर भागा। श्री अमित कुमार, सहायक कमांडेन्ट ने भाग रहे आतंकवादी पर गोली चलाई और अपने साथियों को, आतंकवादी को सीढ़ियों पर घेरने का निर्देश दिया। तदनुसार, उप निरीक्षक/जीडी उज्ज्वल कुमार और अन्य साथी सीढ़ियों की ओर बढ़े; जिसके परिणामस्वरूप, आतंकवादी ने आगे बढ़ रही टीम की ओर एक ग्रेनेड फेंका और उसके बाद उनके ऊपर भारी गोलीबारी भी की। ग्रेनेड विस्फोट में उनके दो साथी घायल हो गए, जिन्हें तुरंत बाहर निकाल लिया

गया। तथापि, उप निरीक्षक/जीडी उज्ज्वल कुमार और सिपाही/जीडी अरूण कुमार आतंकवादी की ओर गोलीबारी करते रहे। अपने साथियों को सुरक्षित बाहर निकालने के बाद, श्री अमित कुमार, सहायक कमांडेन्ट वापस अपनी टीम में शामिल हो गए और आगे बढ़ना शुरू कर दिया। आतंकवादी ने फिर से एक ग्रेनेड फेंका और जब ग्रेनेड का धुआं साफ हुआ, तो टीम ने ऊपरी मंजिल की ओर जाने वाले रास्ते पर खून के निशान देखे। श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी वाली दूसरी टीम के साथ समन्वय स्थापित करते हुए टीम ने ऊपर की ओर बढ़ना शुरू कर दिया। जब आगे बढ़ रही टीम पहली मंजिल पर पहुंचने वाली थी, तभी आतंकवादी ने एक ग्रेनेड फेंका और उनकी ओर गोलियों की बौछार कर दी। गोलियों की बौछार के बीच, टीम कवर को पीछे छोड़कर आगे बढ़ी और बिलकुल नजदीक पहुंच गई तथा वहां पर हुई आमने-सामने की लड़ाई में आतंकवादी का सामना किया और बिलकुल नजदीक से उसे मार गिराया।

मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में सैफुल्ला दनियाल (श्रेणी क++) और इरशाद अहमद पार उर्फ अबू उस्माना के रूप में हुई और ये दोनों एलईटी के सदस्य थे। इसके अलावा, आतंकवादियों के कब्जे से एक एके 47 राइफल, चार मैगजीनें, एक एम4 राइफल, चार एम4 राइफल मैगजीनें, एक चाइनीज पिस्टल, एक चाइनीज पिस्टल मैगजीन और अन्य विविध वस्तुएँ बरामद की गईं।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री नरेन्द्र यादव, द्वितीय कमान अधिकारी, उज्ज्वल कुमार, उप निरीक्षक, विकाश यादव, उप निरीक्षक, महिपाल सिंह परमार, सहायक उप निरीक्षक, अरूण कुमार, सिपाही और रंजन कुमार, सिपाही ने अदम्य वीरता साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 12/10/2020 से दिया जाएगा।

(फा.सं. 11020/3265/48/2022 –पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 69-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं .	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	कल्याण महता	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	राजु कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 18 फरवरी, 2021 को, हुमुना शकरीपोरा, पुलिस स्टेशन ज़ैनापोरा, जिला शोपियां, जम्मू एवं कश्मीर में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में प्राप्त एक विशेष सूचना के आधार पर, 178 सीआरपीएफ, 44 आरआर, एसओजी और जम्मू एवं कश्मीर पुलिस द्वारा एक ऑपरेशन शुरू किया गया।

गांव में पहुंचने पर, सैन्य दस्तों ने संदिग्ध घरों की घेराबंदी कर दी और बचकर भाग निकलने के सभी संभावित रास्तों को बंद कर दिया। तलाशी के दौरान, एक घर के मालिक ने तीन आतंकवादियों की मौजूदगी की पुष्टि की और बताया कि उसके बच्चों को अंदर बंधक बनाकर रखा गया है।

इसी बीच, 178 सीआरपीएफ के कमांडेन्ट, यूनिट सीटीटी और 178 सीआरपीएफ की "बी" कंपनी के साथ उस स्थान पर पहुंच गए और घेराबंदी बढ़ा दी। अंधेरा होने के कारण, लक्षित घर के चारों ओर कॉर्डन लाइट्स लगाई गईं, ताकि आतंकवादी को भागने से रोका जा सके। लगभग 03:30 बजे, आतंकवादियों ने बच्चों को छोड़ दिया। आतंकवादियों से आत्म-समर्पण करने की अपील की गई, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ। जब बच्चों ने अंदरुनी घेराबंदी को पार कर लिया, तो आतंकवादियों ने घर के अंदर से सैन्य दस्तों की ओर अंधाधुंध गोलीबारी की। अँधेरा होने की वजह से आतंकवादियों की पोजीशन का पता न चल पाने के कारण, सैन्य दस्तों ने भोर होने का इंतजार करने का फैसला किया।

दिनांक 19 फरवरी, 2021 को लगभग 04:00 बजे, जब आंतरिक घेराबंदी में मौजूद कार्मिक लक्षित घर की ओर आगे बढ़े, तब एक आतंकवादी अचानक घर से बाहर निकला और वहां से बचकर भागने के लिए अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सीटीटी 178 सीआरपीएफ के सिपाही/जीडी कल्याण महता और सिपाही/जीडी राजु कुमार, जो घर के दक्षिण-पश्चिम में तैनात थे, ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पोजीशन ले ली और अपनी जान की परवाह किए बिना वहां से भाग रहे आतंकवादी पर धावा बोल दिया और बिलकुल नजदीक से हुई गोलीबारी में उसे मार गिराया।

लगातार ग्रेनेड फेंके जाने की वजह से, घर में आग लग गई। इसके परिणामस्वरूप, दोनों छिपे हुए आतंकवादी वहां से बचकर भागने के लिए गोलीबारी करते हुए बाहर निकले, लेकिन उन दोनों आतंकवादियों को सैन्य दस्तों ने मार गिराया। गोलीबारी बंद होने के बाद, तलाशी शुरू की गई और तीन आतंकवादियों के शव बरामद किए गए, जिनकी पहचान बाद में सुहैल अहमद शेख (श्रेणी "ग"), मुदासिर अहमद वागे (श्रेणी "ग ") और शाहिद अहमद डार (श्रेणी "ग") के रूप में की गई और ये सभी अल-बद्र के सदस्य थे। इनके पास से दो एके 56 राइफलें, एक पिस्तौल और पांच हैंड ग्रेनेड तथा अन्य वस्तुएँ भी बरामद की गईं।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री कल्याण महता, सिपाही और राजु कुमार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 18/02/2021 से दिया जाएगा।

(फा.सं. 11020/85/48/2022 –पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 70-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)/वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का पंचम बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं .	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	प्रकाश रंजन मिश्रा	द्वितीय कमान अधिकारी	वीरता के लिए पुलिस पदक का पंचम बार
2.	प्रहलाद सहाय चौधरी	सहायक कमांडेन्ट	वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार
3.	राजु कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
4.	योगेन्द्र कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
5.	सुशील कुमार चेची	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 20 दिसंबर, 2020 को, कोयोंगसर और कुम्हारडीह, पुलिस स्टेशन मुरहू, खूंटी, झारखंड के वन क्षेत्र में नक्सलियों की मौजूदगी के बारे में प्राप्त एक सूचना के आधार पर, 94 सीआरपीएफ और राज्य पुलिस द्वारा एक ऑपरेशन शुरू किया गया। लक्षित क्षेत्र पर हमला करने के लिए 3 हमलावर टीमों का गठन किया गया। श्री प्रकाश रंजन मिश्रा, द्वितीय कमान अधिकारी के नेतृत्व में, श्री प्रहलाद सहाय चौधरी, सहायक कमांडेन्ट के साथ 25 कार्मिकों वाली हमलावर टीम 1 को भीतरी क्षेत्र में हमला करने का काम सौंपा गया। हमलावर टीम 2 को लक्षित क्षेत्र के चारों ओर कट-ऑफ लगाने का निर्देश दिया गया, जबकि हमलावर टीम 3 को एक रणनीतिक स्थान पर रिजर्व में रखा गया।

एक विस्तृत ब्रीफिंग के बाद, दोनों हमलावर टीमें दिनांक 20 दिसंबर, 2020 को 23:15 बजे एक सिविल ट्रक में 94 सीआरपीएफ के मुख्यालय से रवाना हो गईं। निर्धारित स्थान पर उतरने के बाद, दोनों हमलावर टीमें पूर्ण अंधेरे में पैदल ही आगे की ओर बढ़ीं। वह क्षेत्र पहाड़ियों, घनी वनस्पतियों, गहरे नालों और फिसलन वाली चट्टानों से भरा हुआ था। इन बाधाओं को पार करते हुए और गोपनीयता बनाए रखते हुए, हमलावर टीम 1 और हमलावर टीम 2 भोर होने से पहले ही अपने लक्षित स्थान के निकट पहुंच गई।

श्री प्रकाश रंजन मिश्रा, द्वितीय कमान अधिकारी, नक्सलियों की गतिविधियों के बारे में सभी अपडेट प्राप्त करने के लिए लगातार इंटेलिजेंस टीम के साथ संपर्क में थे। जैसे ही कोयोंगसर के वन क्षेत्र में नक्सलियों की मौजूदगी की पुष्टि हुई, हमलावर टीम 1 लक्षित क्षेत्र की ओर आगे बढ़ी, जबकि हमलावर टीम 2 कुम्हारडीह के पास कट-ऑफ लगाने के लिए आगे बढ़ी। नक्सली ऊंचाई वाले स्थान पर एक गहरे नाले के किनारे पर मौजूद थे। सैन्य दल को नक्सलियों तक पहुँचने के लिए नालों को पार करना था, जो नक्सलियों की रणनीतिक रूप से लाभप्रद पोजीशन को देखते हुए घातक हो सकता था।

इस परिस्थिति में, तमाम बाधाओं के बावजूद, हमलावर टीम 1 के कमांडर ने मौके पर डटे रहने का फैसला किया। श्री प्रकाश रंजन मिश्रा, द्वितीय कमान अधिकारी ने आपसी सहयोग से क्षेत्र की तलाशी करने के लिए हमलावर टीम 1 को 3 उप-टीमों में विभाजित कर दिया। एक उप-टीम ने बाईं ओर से और दूसरी ने दाईं ओर से चलना शुरू किया, जबकि तीसरी उप-टीम, जिसमें सिपाही/जीडी राजु कुमार, सिपाही/जीडी योगेन्द्र कुमार, सहायक कमांडेन्ट श्री प्रहलाद सहाय चौधरी, द्वितीय कमान अधिकारी श्री प्रकाश रंजन मिश्रा और सिपाही/जीडी सुशील कुमार चेची शामिल थे, सीधे लक्ष्य की ओर आगे बढ़ी।

जब स्काउट्स ऊपर पहुंचने वाले थे, तब उन्होंने कुछ दूरी पर चट्टानों के पीछे कुछ गतिविधि देखी और इसकी सूचना तुरंत टीम कमांडर को दी। सैन्य दस्ता चुपके से संदिग्ध गतिविधि की ओर आगे बढ़ा। जब वे संदिग्ध स्थान से करीब 10-15 गज की दूरी पर पहुंचे, तो नक्सली स्काउट्स ने सैन्य दस्ते पर गोलीबारी शुरू कर दी। वहां की स्थिति अत्यधिक गंभीर होने के बावजूद, सैन्य दस्ता घबराया नहीं और उसने अपने स्थान पर डटे रहकर जवाबी कार्रवाई की। जान को अत्यधिक खतरा होने और नक्सलियों की ओर से हो रही लगातार गोलीबारी के बावजूद, श्री प्रकाश रंजन मिश्रा, द्वितीय कमान अधिकारी और श्री प्रहलाद सहाय चौधरी, सहायक कमांडेन्ट अपने मुट्ठीभर जवानों के साथ नक्सलियों का सफाया करने के लिए रेंगते हुए उनकी पोजीशन की ओर आगे बढ़े। इन दोनों कमांडरों ने सिपाही/जीडी राजु कुमार, सिपाही/जीडी योगेन्द्र कुमार और सिपाही/जीडी सुशील कुमार चेची के साथ मिलकर नक्सलियों पर सामने से हमला बोल दिया। दोनों पक्षों के बीच करीब 40-45 मिनट तक जमकर बंदूकों से लड़ाई हुई। अंततः नक्सली सैन्य दस्ते के हमले का सामना नहीं कर सके और अपने मृत साथी को पीछे छोड़कर वहाँ से भाग गए।

मुठभेड़ के बाद की गई तलाशी के दौरान, घटना स्थल से एक कट्टर नक्सली जिदान गुरिया का शव, 1 एके 47 राइफल, मैगजीनें, गोला-बारूद आदि बरामद किया गया। वह पीएलएफआई की क्षेत्रीय समिति का सदस्य था, जिस पर 15 लाख रुपये का इनाम था। उसके विरूद्ध झारखंड के अलग-अलग थानों में 152 मामले दर्ज थे। वह पिछले 20 वर्षों से राज्य के लिए अभिशाप था और मुठभेड़ों तथा सीआरपीएफ और पुलिस के विरूद्ध आईईडी हमलों के कई मामलों में वांछित था।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री प्रकाश रंजन मिश्रा, द्वितीय कमान अधिकारी, प्रहलाद सहाय चौधरी, सहायक कमांडेन्ट, राजु कुमार, सिपाही, योगेन्द्र कुमार, सिपाही और सुशील कुमार चेची, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 21/12/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/188/2021 –पीएमए)

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 71-प्रेस/2023—राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2023 के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

1. श्री बल्लि रवि चन्द्र, पुलिस अधीक्षक, गुंटूर, आंध्र प्रदेश
2. श्री यर्रम श्रीनिवास रेड्डी, अनुमंडल पुलिस अधिकारी, ढोने, नांदयाल, आंध्र प्रदेश
3. श्री कोरन्गि प्रवीन कुमार, पुलिस उपाधीक्षक, जिला प्रशिक्षण केन्द्र, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश
4. श्री बोद्दपाति सत्यनारायन, अपर पुलिस उपाधीक्षक (आर्म्ड रिजर्व), काकीनाडा, आंध्र प्रदेश
5. श्री जे सिव नारायन स्वामी, पुलिस उपाधीक्षक, एसीबी, ए कैंप, कुरनूल, आंध्र प्रदेश
6. श्री अन्गदि सादिक अली, निरीक्षक, मोलकलाचेरुवु सर्कल, अन्नामय्या, आंध्र प्रदेश
7. श्री प्रथिपति सुकुमर, रिजर्व उप निरीक्षक, होमगार्ड यूनिट, विजयवाड़ा सिटी, आंध्र प्रदेश
8. श्री दारा सुरिबाबु, उप निरीक्षक, हारडौर क्राइम पुलिस स्टेशन, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश
9. श्री गन्गुलैअह पार्थसारथी, सहायक उप निरीक्षक, एसवीयू कैंपस पुलिस स्टेशन तिरुपति, आंध्र प्रदेश
10. श्री कदियाला सम्ब सिव राव, सहायक उप निरीक्षक, चेब्रोले पुलिस स्टेशन, आंध्र प्रदेश
11. श्री यर्रम श्रीनिवास राव, सहायक उप निरीक्षक, 1711, सीसीएस जिला पुलिस कार्यालय, पालनाडु, आंध्र प्रदेश
12. श्री तिरुमलाराजू सूर्यनारायण राजू, सहायक उप निरीक्षक, भोगापुरम पुलिस स्टेशन, आंध्र प्रदेश
13. श्री नीलगिरी वरा प्रसाद, उप निरीक्षक, पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय, विशेष आसूचना शाखा, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश
14. श्री कोलासानी वेंकट रामा राव, उप. असॉल्ट कमांडर 4912/आरआई, अपर पुलिस महानिदेशक ऑपरेशंस (ग्रेहाउंड्स) का कार्यालय, आंध्र प्रदेश व्यासनगर, मनचिरूला के पास, गांधीपेट, आंध्र प्रदेश
15. श्री दब्बकुति सूर्य नारायण, रिजर्व निरीक्षक, आंध्र प्रदेश मुख्यालय, एनटीआर पुलिस आयुक्तालय, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश
16. श्री हेमो भुइयां, उप निरीक्षक, पीटीसी बांदरदेवा, अरुणाचल प्रदेश
17. श्री अजय कुमार झा, उप निरीक्षक, पुलिस स्टेशन ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश
18. श्री दिगंत बोरा, आयुक्त और सचिव, असम सरकार, गृह और राजनीतिक विभाग, दिसपुर, असम
19. श्री मोजीबुर रहमान, पुलिस अधीक्षक (एक), वी एंड एसी, गुवाहाटी, असम

20. डॉ. रोजी कलिता, पुलिस अधीक्षक, सीएमएस, एसवीसी, गुवाहाटी, असम
21. श्री अनुकुल मालाकार, पुलिस निरीक्षक (यूबी), वीएंडएसी, गुवाहाटी, असम
22. श्री सिकरी एंगिती, कांस्टेबल (एबी), कार्बी-आंगलोंग, असम
23. श्री दिलीप कलिता, कांस्टेबल (यूबी), तिनसुकिया, असम
24. श्री मुजीबुर रहमान चौधरी, लांस नायक, 6ठी ए.पी. बटालियन, कटहल, असम
25. श्री माणिक कंगसा बनिक, नायक, 6ठी ए.पी. बटालियन, कटहल, असम
26. श्री सुमेश्वर मुदोई, कांस्टेबल (यूबी), लखमपुर, असम
27. श्री सुनील फुकन, कांस्टेबल (यूबी), तिनसुकिया, असम
28. श्रीमती जूनमोनी तमुली, कांस्टेबल (यूबी), तिनसुकिया, असम
29. श्री आणंद रोंगहांग, लांस नायक, कार्बी-आंगलोंग, असम
30. श्री रितु मणि बैरागी, सहायक उप निरीक्षक (लिपिक), 23वी ए.पी. (आईआर) बटालियन, सिलोनी, कार्बी-आंगलोंग, असम
31. श्री सुभाष राभा, कांस्टेबल (एबी), 1 ए.पी.टीएफ बटालियन, डाकुरभिता, असम
32. श्री विनय कुमार, महानिरीक्षक (मुख्यालय), पुलिस मुख्यालय पटना, बिहार
33. श्री अलमनाथ भुईयाँ, हवलदार, किशनगंज, बिहार
34. श्री अवधेश कुमार सिंह, हवलदार, बि.वि.स.पु.-4, डुमरॉव, बिहार
35. श्री अक्षयबर नाथ पांडेय, साक्षर सिपाही, विशेष सशस्त्र पुलिस मुख्यालय, पटना, बिहार
36. श्री संजय कुमार शेखर, सहायक उप निरीक्षक, आतंकवाद निरोधक दस्ता, पटना, बिहार
37. श्री संतोष कुमार दीक्षित, सहायक उप निरीक्षक, अपराध अनुसंधान विभाग, पटना, बिहार
38. श्री आलोक कुमार, सिपाही, राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो, पटना, बिहार
39. श्री देवेन्द्र कुमार, सहायक उप निरीक्षक, अपराध अनुसंधान विभाग, पटना, बिहार
40. श्री धर्मराज शर्मा, पी.टी.सी. सिपाही, पुलिस मुख्यालय, पटना, बिहार
41. श्री धनंजय कुमार, सिपाही-107, अपराध अनुसंधान विभाग, पटना, बिहार
42. श्री बैजनाथ कुमार, सिपाही, किशनगंज, बिहार
43. श्री संजय कुमार, सिपाही-69, अपराध अनुसंधान विभाग, पटना, बिहार
44. मो. मुखतार अली, सिपाही-217, अपराध अनुसंधान विभाग, पटना, बिहार
45. श्री बोवस आईन्द, हवलदार, बि.वि.स.पु.-4, डुमराँव, बिहार
46. श्री पंचरत्न प्रसाद गोंड, हवलदार, बि.वि.स.पु.-4, डुमराँव, बिहार
47. श्री सिकंदर कुमार, हवलदार, बि.वि.स.पु.-4, डुमराँव, बिहार
48. श्री सत्येन्द्र कुमार, हवलदार, बि.वि.स.पु.-4, डुमराँव, बिहार
49. श्री अजय कुमार यादव, पुलिस महानिरीक्षक, सरगुजा रेंज, छत्तीसगढ़
50. श्री बद्री नारायण मीणा, पुलिस महानिरीक्षक, दुर्ग रेंज, छत्तीसगढ़
51. श्री झाड़ू राम ठाकुर, सेनानी, 7वीं वाहिनी, छसबल, भिलाई, छत्तीसगढ़
52. श्री पंकज चंद्रा, पुलिस अधीक्षक (ईओडब्ल्यू), रायपुर, छत्तीसगढ़
53. श्री अनंत कुमार साहू, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, दुर्ग, छत्तीसगढ़
54. श्री कमलेश्वर सिंह, निरीक्षक (अंगुल चिन्ह), अअवि, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर, छत्तीसगढ़
55. श्री अर्जुन सिंह ठाकुर, कंपनी कमाण्डर, 6वीं वाहिनी, छसबल रायगढ़, छत्तीसगढ़
56. श्री संजय कुमार दुबे, प्लाटून कमाण्डर, वीआईपी सुरक्षा वाहिनी, छसबल माना रायपुर, छत्तीसगढ़
57. श्री हरिहर प्रसाद, प्लाटून कमाण्डर, 4थी वाहिनी, छसबल माना रायपुर, छत्तीसगढ़
58. श्री बलवीर सिंह, प्रधान आरक्षक, रक्षित आरक्षी लाईन, बिलासपुर, छत्तीसगढ़
59. श्री सतविंदर सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त/मुख्यालय (एफआर), चतुर्थ वाहिनी, दिल्ली सशस्त्र पुलिस, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
60. श्री नरेंद्र कुमार शर्मा, निरीक्षक/एफआर (टेक.), इंटीग्रेटेड कॉम्प्लेक्स, शालीमार बाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

61. सुश्री जसविंदर कौर, महिला/निरीक्षक (एल.ए.), राष्ट्रपति भवन, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
62. श्री मुकेश राठी, सहायक पुलिस आयुक्त/एफआर (आईटी), पुलिस मुख्यालय, जयसिंह रोड, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
63. श्री कुलदीप सिंह, निरीक्षक (लिपिक), तृतीय वाहिनी, दिल्ली सशस्त्र पुलिस, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
64. सुश्री जसविंदर कौर, सहायक पुलिस आयुक्त, द्वितीय वाहिनी, दिल्ली सशस्त्र पुलिस, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
65. श्री शिव चरण मीणा, निरीक्षक (ऑप्स/कॉम), दक्षिण जिला नियंत्रण कक्ष, पुलिस स्टेशन हौज खास, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
66. श्री जय भगवान, उप निरीक्षक (चालक) (एल.ए.), पश्चिमी जिला, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
67. श्री माला राम, हेड कांस्टेबल (आरमोरर), लाइसेंसिंग यूनिट, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
68. श्री विनय कुमार, उप निरीक्षक (कार्यकारी) (एफआर), विशेष शाखा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
69. श्री राजेंद्र कुमार, उप निरीक्षक (बगुलर)/एफआर, प्रोविजनिंग एडं लॉजिस्टिक्स, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
70. श्री जावेद हुसैन, निरीक्षक (ओपीएस/एफआर), संचालन एवं संचार, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
71. श्री निर्मल कुमार, निरीक्षक (ओपीएस/कॉम.) (एफआर), संचालन एवं संचार, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
72. श्री सतेन्द्र कुमार, सहायक उपनिरीक्षक (कार्यकारी), विशेष प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
73. श्री राजेंद्र कुमार शर्मा, उप निरीक्षक (कार्यकारी) (एफआर), अपराध शाखा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
74. सुश्री सविता, महिला/उप निरीक्षक (कार्यकारी) (एसआर), सीएडब्ल्यू सेल द्वारका, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
75. श्री रोहितास्व, उप निरीक्षक (चालक) (एल.ए.), लाइसेंसिंग यूनिट, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
76. श्री संतोष सोपुरलो देसाई, पुलिस उप अधीक्षक, तटीय सुरक्षा, रिबंदर, गोवा
77. श्री हरिश्चंद विनायक मडकईकर, पुलिस उप अधीक्षक, पणजी, गोवा
78. श्री गौतमकुमार मणिलाल परमार, संयुक्त पुलिस आयुक्त, अहमदाबाद सिटी, गुजरात
79. श्रीमती परीक्षिता विजयकुमार राठौड़, पुलिस उप महानिरीक्षक, (अपराध 2) सीआईडी, गांधीनगर, गुजरात
80. श्री जितेंद्रसिंह दिलीपसिंह वाघेला, पुलिस उपाधीक्षक, पावड़ी दाहोद, गुजरात
81. श्री प्रद्युम्न सिंह धुदुभा वाघेला, सशस्त्र पुलिस उपाधीक्षक, नडियाड, गुजरात
82. श्री भावेश प्रवीणभाई रोजिया, सहायक पुलिस आयुक्त, अपराध शाखा, सूरत, गुजरात
83. श्री बालकृष्ण अनंतराय त्रिवेदी, सशस्त्र हेड कांस्टेबल, राजकोट ग्रामीण, गुजरात
84. श्री जुल्फिकारअली मुनसफखान चौहान, सशस्त्र सहायक उप निरीक्षक, मदाना, बनासकांठा, गुजरात
85. श्री भगवानभाई मसाभाई रांजा, शस्त्रहीन सहायक उप निरीक्षक, अहमदाबाद सिटी, गुजरात
86. श्री किरीटसिंह हरिसिंह राजपूत, शस्त्रहीन सहायक उप निरीक्षक, अहमदाबाद, गुजरात
87. श्री अजयकुमार जबरमल स्वामी, शस्त्रहीन हेड कांस्टेबल, अहमदाबाद, गुजरात
88. श्री हितेशकुमार जीवाभाई पटेल, सशस्त्र सहायक उप निरीक्षक, आणंद, गुजरात
89. श्री युवराज सिंह प्रतापसिंह राठौड़, सहायक आसूचना अधिकारी, सूरत, गुजरात
90. श्री सतेंद्र कुमार गुप्ता, पुलिस महानिरीक्षक (करनाल रेंज), करनाल, हरियाणा
91. श्री बी. सतीश बालन, पुलिस महानिरीक्षक (एसटीएफ), गुरुग्राम, हरियाणा
92. श्री वीरेन्द्र कुमार विज, पुलिस उपायुक्त, पूर्व, गुरुग्राम, हरियाणा
93. श्री सुरेंद्र सिंह, पुलिस उपाधीक्षक (सीआईडी), नई दिल्ली, हरियाणा
94. श्री राज कुमार, सहायक पुलिस आयुक्त, पंचकुला, हरियाणा
95. श्री हरि किशन, निरीक्षक, स्टेट क्राइम ब्रांच, पंचकुला, हरियाणा
96. श्री रमेश कुमार, उप निरीक्षक, अंबाला, हरियाणा
97. श्री दिनेश सिंह, उप निरीक्षक, प्रथम आईआरबी भोंडसी, गुरुग्राम, हरियाणा
98. श्री नरेश कुमार, उप निरीक्षक, रोहतक, हरियाणा
99. श्री देवेन्द्र कुमार, सहायक उप निरीक्षक, पानीपत, हरियाणा
100. श्री राम पाल, ई. सहायक उप निरीक्षक (सीआईडी), चंडीगढ़, हरियाणा
101. श्री सज्जन कुमार, ओआरपी सहायक उप निरीक्षक, हिसार, हरियाणा

102. श्री सुनील कुमार, हेड कांस्टेबल, पंचकुला, हरियाणा
103. श्री राहुल शर्मा, पुलिस उपाधीक्षक, एफएसएल, जंगा, हिमाचल प्रदेश
104. श्री जितेन्द्र सिंह, सहायक कमांडेन्ट, जंगा, हिमाचल प्रदेश
105. श्री इंदर दत्त, उप निरीक्षक, जंगा, शिमला, हिमाचल प्रदेश
106. श्री सुशील कुमार, हेड कांस्टेबल, एसवी और एसीबी, हिमाचल प्रदेश
107. श्री मोहम्मद यूसुफ, पुलिस अधीक्षक, अवंतीपोरा, जम्मू और कश्मीर
108. श्री अमरजीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, विशेष पुलिस महानिदेशक अपराध के एसओ, जम्मू और कश्मीर
109. श्री सैयद अल ताहिर गिलानी, पुलिस अधीक्षक, पश्चिम क्षेत्र श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर
110. श्री एजाज अहमद जरगर, पुलिस अधीक्षक, जम्मू, जम्मू और कश्मीर
111. श्री मोहम्मद सैयद शाह, पुलिस अधीक्षक (एस), पुलिस मुख्यालय, जम्मू और कश्मीर
112. श्री संजय कुमार शर्मा, पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण जम्मू, जम्मू और कश्मीर
113. श्री पुष्पजीत सिंह, निरीक्षक, एसकेपीए उधमपुर, जम्मू और कश्मीर
114. श्री संजीव बख्शी, निरीक्षक, पुलिस अस्पताल जम्मू, जम्मू और कश्मीर
115. श्री गुलज़ार अहमद मलिक, निरीक्षक, एसीबी जम्मू, जम्मू और कश्मीर
116. श्री बागवान सिंह बांद्रा, उप निरीक्षक (एम), पुलिस मुख्यालय, जम्मू और कश्मीर
117. श्री अब्दुल गफ्फार हजम, हेड कांस्टेबल, एसडीआरएफ 1 बटालियन बघाट बरजुल्ला श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर
118. श्री शंकर कामती, निरीक्षक, जगुआर, रांची, झारखंड
119. श्री राजीव कमल, तकनीकी निरीक्षक, पुलिस वायरलेस रांची, झारखंड
120. श्री तुफ़ैल खान, उप निरीक्षक, पुलिस अधीक्षक कार्यालय, चाईबासा, झारखंड
121. श्री गुरुदेव ठाकुर, उप निरीक्षक (सशस्त्र), होटवार, रांची, झारखंड
122. श्री सिंहराज तमांग, उप निरीक्षक (शस्त्र), रांची, झारखंड
123. श्री मो. अरशद खान, आर्मरर उप निरीक्षक, होटवार, रांची, झारखंड
124. श्री बसंत कुमार पासवान, सहायक उप निरीक्षक, उप महानिरीक्षक कार्यालय, चाईबासा, झारखंड
125. श्री रंजीत कुमार, सहायक उप निरीक्षक, रांची, झारखंड
126. श्री बच्चन सिंह, हवलदार, जेएपी-06, जमशेदपुर, झारखंड
127. श्री अमित कुमार, हवलदार, रांची, झारखंड
128. श्री प्रभा केरकेट्टा, हवलदार, रांची, झारखंड
129. श्री संजय कुमार गोराई, हवलदार, रांची, झारखंड
130. श्री लाभु राम, पुलिस महानिरीक्षक, बेंगलुरू, कर्नाटक
131. श्री एस. नागराजू, पुलिस उपाधीक्षक, बेंगलुरू, कर्नाटक
132. श्री पद्मराजैया वीरेन्द्र कुमार, पुलिस उपाधीक्षक, बेंगलुरु, कर्नाटक
133. श्री बेद्राजे प्रमोद कुमार, पुलिस उपाधीक्षक, बेंगलुरू, कर्नाटक
134. श्री सिद्दलिंगप्पागौड़ा आर पाटिल, पुलिस उपाधीक्षक, लोकायुक्त कलबुर्गी, कर्नाटक
135. श्री सी.वी. दीपक, पुलिस उपाधीक्षक, बेंगलुरू, कर्नाटक
136. श्री विजय हेच., पुलिस उपाधीक्षक, बेंगलुरू, कर्नाटक
137. श्री बालेपुराडोडी शिवलिंगगौड़ा मंजूनाथ, पुलिस निरीक्षक, बंगलौर ग्रामीण, कर्नाटक
138. श्री राव गणेश जनार्दन, पुलिस निरीक्षक, बेंगलुरू, कर्नाटक
139. श्री आर. पि. अनिल, सर्कल पुलिस निरीक्षक, दावणगेरे, कर्नाटक
140. श्री मनोज एन होवले, पुलिस निरीक्षक, बेंगलुरु, कर्नाटक
141. श्री टी.ए. नारायण राव, विशेष सहायक रिजर्व उप निरीक्षक, चतुर्थ बटालियन केएसआरपी बेंगलुरु, कर्नाटक
142. श्री एस.एस. वेंकटरमण गौड़ा, विशेष सहायक रिजर्व उप निरीक्षक, चतुर्थ बटालियन केएसआरपी बेंगलुरू, कर्नाटक

143. श्री एस.एम. पाटिल, विशेष सहायक रिजर्व उप निरीक्षक, 9वीं बटालियन केएसआरपी कुडलू बेंगलुरू, कर्नाटक
144. श्री केंदप्पा प्रसन्नकुमार, हेड कांस्टेबल, बेंगलुरु, कर्नाटक
145. श्री प्रभाकर एच., सिविल हेड कांस्टेबल, टुमकुरु, कर्नाटक
146. श्री बी.टी. वरदराजा, रिजर्व पुलिस निरीक्षक, बेंगलुरु, कर्नाटक
147. श्रीमती डी. सुधा, महिला हेड कांस्टेबल, एससीआरबी 7वीं मंजिल एमएस बिल्डिंग बेंगलुरु, कर्नाटक
148. श्री टी.आर. रविकुमार, सिविल हेड कांस्टेबल, सिटी कंट्रोल रूम बेंगलुरु सिटी, कर्नाटक
149. श्री प्रकाश पेरियाथम्पी, पुलिस महानिरीक्षक, कोच्चि सिटी, केरल
150. श्री अनूप कुरुविला जॉन, पुलिस महानिरीक्षक, तिरुवनंतपुरम, केरल
151. श्री मोइदीनकुट्टी के.के., पुलिस अधीक्षक, कोझिकोड, केरल
152. श्री शमसुदीन एस., पुलिस उपाधीक्षक, पलक्कड़, केरल
153. श्री राजेन्द्रन रमन पिल्लई पारपराम्बिल, उप निरीक्षक, पुलिस अकादमी, केरल
154. श्री अजीत कुमार जी.एल., पुलिस उपाधीक्षक, तिरुवनंतपुरम, केरल
155. श्री मुरलीधरन नायर के., सहायक उप निरीक्षक (उप निरीक्षक ग्रेड), कुंजालुमुडू, तिरुवनंतपुरम, केरल
156. श्री चक्यार पोयिल करुणाकरन बिजुलाल, उप निरीक्षक (जीआर), कन्नूर, केरल
157. श्री प्रमोदन कुंडिले वीटिल, निरीक्षक, वीएसीबी, कन्नूर, केरल
158. श्रीमती अपर्णा लवकुमार, ग्रेड सहायक उप निरीक्षक (वरिष्ठ सिविल पुलिस अधिकारी), त्रिशूर सिटी, केरल
159. श्री संजय कुमार, पुलिस महानिरीक्षक, बालाघाट, मध्य प्रदेश
160. श्री शशिकांत शुक्ला, निदेशक एफएसएल, मुख्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश
161. श्री सुनील कुमार मेहता, जोनल पुलिस अधीक्षक, विशेष शाखा, उज्जैन, मध्य प्रदेश
162. श्री वीरेन्द्र जैन, पुलिस अधीक्षक, ईओडब्ल्यू, रीवा, मध्य प्रदेश
163. श्री देवेन्द्र कुमार पाटीदार, अपर पुलिस अधीक्षक, धार, मध्य प्रदेश
164. श्री नागेंद्र कुमार पटेरिया, सहायक पुलिस आयुक्त, कोतवाली, भोपाल, मध्य प्रदेश
165. श्री मनोज सिंह राजपूत, निरीक्षक, एससीआरबी, भोपाल, मध्य प्रदेश
166. श्री मोहम्मद इसरार मंसूरी, पुलिस उपाधीक्षक, पीटीएस, उमरिया, मध्य प्रदेश
167. श्री प्रेम नारायण त्रिवेदी, सूबेदार (एम), पुलिस मुख्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश
168. श्री दिलीप कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल, 9वीं बटालियन एसएएफ, रीवा, मध्य प्रदेश
169. श्री संजय कुमार मोरे, निरीक्षक (एम)/स्टेनो, पीआरटीएस, इंदौर, मध्य प्रदेश
170. श्री सुरेंद्र कुमार भटेले, कांस्टेबल, पुलिस अधीक्षक कार्यालय जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश
171. श्री चन्द्रभान सिंह चौहान, सहायक उप निरीक्षक, कोतवाली, उज्जैन, मध्य प्रदेश
172. श्री रवि भूषण वर्मा, कांस्टेबल, 23वी बटालियन एसएएफ, भोपाल, मध्य प्रदेश
173. श्री रामेश्वर दयाल यादव, हेड कांस्टेबल, 14वीं बटालियन एसएएफ, ग्वालियर, मध्य प्रदेश
174. श्री नारायण बहादुर थापा, हेड कांस्टेबल, पुलिस अकादमी भौरी, भोपाल, मध्य प्रदेश
175. श्री धनंजय कुमार पांडे, हेड कांस्टेबल, एसपीई, लोकायुक्त संगठन, ग्वालियर, मध्य प्रदेश
176. श्री जयकुमार सुसाईराज, विशेष पुलिस महानिरीक्षक, कोलावा, मुंबई, महाराष्ट्र
177. श्री लक्ष्मी कृष्ण गौतम, विशेष पुलिस महानिरीक्षक, कोलावा, मुंबई, महाराष्ट्र
178. श्री निशिथ वीरेन्द्र मिश्रा, विशेष पुलिस महानिरीक्षक, नागपाड़ा, मुंबई, महाराष्ट्र
179. श्री संतोष गणपतराव गायके, पुलिस उपाधीक्षक, गोरेगांव, महाराष्ट्र
180. श्री चन्द्रकांत विठ्ठल मकर, सहायक आयुक्त पुलिस, दादर (पूर्व), महाराष्ट्र
181. श्री दीपक राजाराम चव्हाण, पुलिस निरीक्षक, माटुंगा (पूर्व) मुंबई, महाराष्ट्र
182. श्री रमेश विट्ठलराव कथार, पीडब्ल्यूआई (इंजी.), औरंगाबाद रेंज, महाराष्ट्र
183. श्री देवीदास काशीनाथ घेवरे, अपर पुलिस अधीक्षक (वन स्टेप प्रमोशन), एसीबी अमरावती, महाराष्ट्र

184. श्री सुधाकर पंडितराव काटे, अपर पुलिस अधीक्षक (वन स्टेप), सीआईडी एमएस, पुणे, महाराष्ट्र
185. श्री शैलेश दिगंबर पसलवाड, सहायक पुलिस आयुक्त, नवी मुंबई, महाराष्ट्र
186. श्री मनोज श्रीकांत नेरलेकर, पुलिस उपाधीक्षक (वन स्टेप), वर्ली, मुंबई, महाराष्ट्र
187. श्री शाम खंडेराव शिंदे, पुलिस निरीक्षक, नवी मुंबई, महाराष्ट्र
188. श्रीमती अलका सदाशिव देशमुख, पुलिस निरीक्षक, ठाणे सिटी, महाराष्ट्र
189. श्री दत्तात्रेय भगवंतराव पाबले, पुलिस निरीक्षक, डी.एन. रोड मुंबई, महाराष्ट्र
190. श्री बापू तुलसीराम ओवे, पुलिस निरीक्षक, गोरेगांव पूर्व, महाराष्ट्र
191. श्री प्रसाद दशरथ पंढारे, पुलिस निरीक्षक, ठाणे, महाराष्ट्र
192. श्री शिरीष कृष्णनाथ पवार, पुलिस निरीक्षक, खोपोली पुलिस स्टेशन, महाराष्ट्र
193. श्री सदाशिव एलचंद पाटिल, कमांडेन्ट, धुले, महाराष्ट्र
194. श्री सुरेश पुंडलीकराव गाथेकर, सहायक उप निरीक्षक, पीसीआर, यूनिट वाशिम, महाराष्ट्र
195. श्री दिलीप तुकाराम सावंत, आसूचना अधिकारी, एस.आई.डी. मुख्यालय, मुंबई, महाराष्ट्र
196. श्री संतोष सखाराम कोयंडे, पुलिस उप निरीक्षक, मुंबई, महाराष्ट्र
197. श्री चन्द्रकांत गुणवंतराव लाम्बत, पुलिस उप निरीक्षक, रामनगर चन्द्रपुर, महाराष्ट्र
198. श्री जाकिर हुसैन मौला किलेदार, सहायक पुलिस उप निरीक्षक, घाटकोपर मुंबई, महाराष्ट्र
199. श्री भरत अप्पाजी पाटिल, पुलिस निरीक्षक, मुंबई एडीडी-195, मोती, महाराष्ट्र
200. श्री प्रमोद गंगाधरराव किते, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक, अमरावती, महाराष्ट्र
201. श्री आणंद भीमराव घेवड़े, सहायक पुलिस उप निरीक्षक, रायगढ़, महाराष्ट्र
202. श्री सुकदेव खांडू मुरकुटे, सहायक पुलिस उप निरीक्षक, नासिक रेंज, महाराष्ट्र
203. श्री गोकुल पंजाजी वाघ, हेड कांस्टेबल, औरंगाबाद, महाराष्ट्र
204. श्री धनंजय छबनराव बरभाई, सहायक पुलिस उप निरीक्षक, विशेष शाखा, पुणे सिटी, महाराष्ट्र
205. श्री सुनील विश्राम गोपाल, सहायक पुलिस उप निरीक्षक, एसीबी यूनिट, मुंबई, महाराष्ट्र
206. श्री दत्तात्रेय राजाराम कडनोर, सहायक पुलिस उप निरीक्षक, नासिक सिटी, महाराष्ट्र
207. श्री ज्ञानेश्वर पंढरीनाथ अवारी, पुलिस निरीक्षक, मुंबई, महाराष्ट्र
208. श्री रामकृष्ण नारायण पवार, पुलिस निरीक्षक, पुलिस प्रशिक्षण केंद्र, धुले, महाराष्ट्र
209. श्री ओमप्रकाश गंगाधर कोकाटे, पुलिस निरीक्षक, नागपुर ग्रामीण, महाराष्ट्र
210. श्री सुभाष भीमराव गोइलकर, पुलिस उप निरीक्षक, विरार (पूर्व) पालघर, महाराष्ट्र
211. श्री संजय सिद्धू कुपेकर, पुलिस उप निरीक्षक, लव लेन रोड मुंबई, महाराष्ट्र
212. श्री प्रदीप केडा अहिरे, पुलिस उप निरीक्षक, ठाणे, महाराष्ट्र
213. श्री प्रकाश हरिबा घडगे, पुलिस उप निरीक्षक, कांदिवली पुलिस स्टेशन, मुंबई, महाराष्ट्र
214. श्री विजय उत्तम पवार, पुलिस उप निरीक्षक, फोर्ट, मुंबई, महाराष्ट्र
215. श्रीमती गुरुमायुम गीतांजलि देवी, महिला निरीक्षक, पूर्वी इम्फाल, मणिपुर
216. श्री सचिन राय, हवलदार, प्रथम बटालियन, मणिपुर राइफल्स, मणिपुर
217. श्री खांगलनमेई कमेई, हवलदार, दूसरी बटालियन, मणिपुर राइफल्स, मणिपुर
218. श्री उपेंद्र मोठेय, एबीएसआई, द्वितीय मेघालय पुलिस बटालियन, गोएरागरे, मेघालय
219. श्री कोलन स्वर, हवलदार, शिलांग, मेघालय
220. श्री राम बहादुर सोनार, एबीसी/32, तुरा, मेघालय
221. श्री ललहुलियाना फनाई, पुलिस उप महानिरीक्षक (सीआईडी), मिजोरम
222. श्री आर. लालरुमलियाना, प्रशासन/निरीक्षक, द्वितीय बटालियन एमए.पी., लुआंगमुअल, लुंगलेई, मिजोरम
223. श्री एच. लालदुआता, पुलिस उपाधीक्षक, सुरक्षा इकाई, मिजोरम
224. श्री इजराइल जी. जुइवी, उप-कमांडेन्ट, 6ठी एनए.पी. बटालियन तिजीत, नागालैंड

225. श्री एबेल जोंसोऊ हम्त्सो, यूबी निरीक्षक, आसूचना मुख्यालय कोहिमा, नागालैंड
226. श्री जतीन्द्र कुमार पंडा, अपर पुलिस अधीक्षक, भद्रक, ओडिशा
227. श्री प्रद्युम्न कुमार मिश्र, अपर पुलिस अधीक्षक, बरगड, ओडिशा
228. श्री सुधांशु शेखर पुजारी, पुलिस उपाधीक्षक, सतर्कता विभाग, सुंदरगढ़, ओडिशा
229. श्री हिमांशु भूषण स्वाई, सहायक पुलिस आयुक्त, भुवनेश्वर, ओडिशा
230. श्री ज्ञानेंद्र कुमार दास, उप कमांडेन्ट, पुलिस प्रशिक्षण संस्थान, बायरी, जयपुर, ओडिशा
231. श्री अरुण बलियारसिंह, पुलिस निरीक्षक, सुरक्षा विंग भुवनेश्वर, ओडिशा
232. श्री जुगल किशोर प्रधान, पुलिस उप निरीक्षक, सतर्कता विभाग, ब्रम्हापुर, ओडिशा
233. श्री सरवोरदीन खान, कांस्टेबल, सतर्कता निदेशालय, कटक, ओडिशा
234. श्री विज्ञान भूषण मोहांती, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक, एससीआरबी भुवनेश्वर, ओडिशा
235. श्री अनिल कुमार मिंज, ड्रिल पुलिस निरीक्षक, बीपीएसपीए, भुवनेश्वर, ओडिशा
236. श्री प्रदीप कुमार बेहेरा, सिपाही, ओएसपीए, चतुर्थ वाहिनी, राउरकेला, ओडिशा
237. श्री प्रभजोत सिंह विर्क, एडीसीपी, अमृतसर, पंजाब
238. श्री चरणपाल सिंह, पुलिस उपाधीक्षक, संगरूर, पंजाब
239. श्री मनदीप सिंह, कमांडेन्ट, जालंधर, पंजाब
240. श्री परमिंदर सिंह, पुलिस उपाधीक्षक, संगरूर, पंजाब
241. श्री तजिंदर सिंह, निरीक्षक, जालंधर, पंजाब
242. श्री राज कुमार, सहायक उप निरीक्षक (लोकल रैंक), बरनाला, पंजाब
243. श्री दलजीत सिंह, उप निरीक्षक, जालंधर, पंजाब
244. श्री जसपाल सिंह, सहायक उप निरीक्षक/सीआर, सीपीओ, चंडीगढ़, पंजाब
245. श्री जगतार सिंह, उप निरीक्षक, एसएएस नगर, पंजाब
246. श्री राकेश चोपड़ा, सहायक उप निरीक्षक, कपूरथला, पंजाब
247. श्री पियारा सिंह, सहायक उप निरीक्षक (लोकल रैंक), पटियाला, पंजाब
248. श्रीमती बलजीत कौर, उप निरीक्षक, सीआईडी यूनिट, चंडीगढ़, पंजाब
249. श्री जुगल किशोर, उप निरीक्षक (लोकल रैंक), एसएएस नगर, पंजाब
250. श्री हरजिंदर सिंह, निरीक्षक, सीआईडी यूनिट चंडीगढ़, पंजाब
251. श्री रंजीत सिंह, पुलिस उप महानिरीक्षक, फिरोजपुर, पंजाब
252. श्री अशोक कुमार गुप्ता, निरीक्षक, जयपुर, राजस्थान
253. श्री राशिद अली, पुलिस निरीक्षक, सहायक पुलिस अधीक्षक कार्यालय सीआईडी बीएल बाड़मेर, राजस्थान
254. श्री सरवन कुमार, कंपनी कमांडर, प्रथम बटालियन आरएसी जोधपुर, राजस्थान
255. श्री हरि सिंह, कंपनी कमांडर, एसडीआरएफ जयपुर, राजस्थान
256. श्री शिव लाल गुर्जर, प्लाटून कमांडर, चतुर्थ बटालियन आरएसी जयपुर, राजस्थान
257. श्री कादिर खान, उप निरीक्षक, सीआईडी सीबी पुलिस मुख्यालय जयपुर, राजस्थान
258. श्री कालू राम मीणा, उप निरीक्षक, पुलिस टेली कम्युनिकेशन जयपुर, राजस्थान
259. श्री रामफूल मीणा, सहायक उप निरीक्षक, अपर पुलिस महानिदेशक कार्यालय सीआईडी सीबी पुलिस मुख्यालय जयपुर, राजस्थान
260. श्री सजाद अहमद, हेड कांस्टेबल, जयपुर, राजस्थान
261. श्री नरपत सिंह, हेड कांस्टेबल, 8वीं बटालियन आरएसी आईआर गाजीपुर दिल्ली राजस्थान
262. श्री प्रहलाद कुमार, हेड कांस्टेबल, पुलिस अकादमी जयपुर, राजस्थान
263. श्री जय सिंह मीणा, हेड कांस्टेबल, सीआईडी सीबी पुलिस मुख्यालय जयपुर, राजस्थान
264. श्री शेर सिंह, हेड कांस्टेबल, सीआईडी सीबी पुलिस मुख्यालय जयपुर राजस्थान
265. श्री रोहिताश कुमार, कांस्टेबल बैंड, पुलिस अकादमी जयपुर, राजस्थान

266. श्री वीरेन्द्र सिंह शेखावत, कांस्टेबल, सीआईडी सीबी जयपुर डिस्कॉम, राजस्थान
267. श्री जयप्रकाश धिन्वा, कांस्टेबल, जयपुर, राजस्थान
268. सुश्री रुचिका ऋषि, पुलिस महानिरीक्षक, सिक्किम अग्निशमन और आपातकालीन सेवा, गंगटोक, सिक्किम
269. डॉ. के.अ. सेंथिल वेलन, पुलिस महानिरीक्षक, इंटेलिजेंस, चेन्नई, तमिलनाडु
270. श्री अविनाश कुमार, पुलिस महानिरीक्षक/पुलिस आयुक्त, तिरुनेलवेली शहर, तमिलनाडु
271. श्री असरा गर्ग, पुलिस महानिरीक्षक, मदुरै, तमिलनाडु
272. श्री पे. सामीनाथन, पुलिस अधीक्षक, सुरक्षा शाखा सीआईडी-II, चेन्नई, तमिलनाडु
273. श्री ने. मणिवांणां, पुलिस उपायुक्त, रेडहिल्स जिला उत्तरी क्षेत्र, ग्रेटर चेन्नई, तमिलनाडु
274. श्री रें. मुथ्थरसु, पुलिस अधीक्षक, सतर्कता और भ्रष्टाचार विरोधी, सेंट्रल रेंज, चेन्नई, तमिलनाडु
275. श्री दो. शंकरन, पुलिस उपायुक्त, सुरक्षा, ग्रेटर चेन्नई, तमिलनाडु
276. श्री टी.वे. मुरलीधरन, पुलिस उपायुक्त, सशस्त्र रिजर्व, कोयंबटूर शहर, तमिलनाडु
277. श्री आ. चंद्रन, पुलिस उपायुक्त, सशस्त्र रिजर्व, तांबरम पुलिस आयुक्तालय, तमिलनाडु
278. श्री मु. विवेकानंदन, अपर पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय, कृष्णागिरी, तमिलनाडु
279. श्री क. सरवणन, अपर पुलिस अधीक्षक, 'क्यू' शाखा सीआईडी, चेन्नई, तमिलनाडु
280. श्री अ. सिवराजन, पुलिस उपाधीक्षक, संगठित अपराध खुफिया इकाई, चेन्नई, तमिलनाडु
281. श्री म. वेंकटेसन, सहायक पुलिस आयुक्त, सेवाकालीन प्रशिक्षण केंद्र तांबरम आयुक्तालय, तमिलनाडु
282. श्री व. सेम्बेडु बाबू, सहायक पुलिस आयुक्त, सेम्बियम रेंज, वेस्ट जोन, ग्रेटर चेन्नई पुलिस, तमिलनाडु
283. श्री प. रामकृष्णन, पुलिस उपाधीक्षक, विशेष शाखा सीआईडी, पश्चिम क्षेत्र, कोयंबटूर, तमिलनाडु
284. श्री डी. रा. अंबरसन, पुलिस उपाधीक्षक, साइबर क्राइम विंग, चेन्नई, तमिलनाडु
285. श्री अ. मुरली, पुलिस निरीक्षक, ई-3 तेनमपेट लॉ एंड ऑर्डर पुलिस स्टेशन, साउथ जोन, ग्रेटर चेन्नई, तमिलनाडु
286. श्री बा. अंबुराज, पुलिस उप निरीक्षक, अपराध शाखा सीआईडी, नागपट्टिनम तमिलनाडु
287. श्री ध. राधा, पुलिस उप निरीक्षक, विशेष शाखा सीआईडी, चेन्नई, तमिलनाडु
288. श्री म. सुब्बुराज, पुलिस उप निरीक्षक, विशेष शाखा सीआईडी, चेन्नई, तमिलनाडु
289. श्री पी. सडैयप्पन, पुलिस उप निरीक्षक, गंभीर अपराध दस्ता, कोयंबटूर, तमिलनाडु
290. डॉ. तरुण जोशी, पुलिस महानिरीक्षक, वारंगल, तेलंगाना
291. श्री पेरला विश्व प्रसाद, पुलिस उपमहानिरीक्षक, एसबी हैदराबाद सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना
292. श्री गंगासानी श्रीधर, सहायक पुलिस आयुक्त, साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन, हैदराबाद, तेलंगाना
293. श्री पूनाती नरसिम्हा राव, पुलिस उपाधीक्षक, क्षेत्रीय आसूचना कार्यालय हैदराबाद, तेलंगाना
294. श्री रामपोगु अरुणराज कुमार, पुलिस उपाधीक्षक, बेगमपेट, हैदराबाद, तेलंगाना
295. श्री गंडला वेंकटेश्वरलु, पुलिस निरीक्षक, सिटी स्पेशल ब्रांच, करीमनगर, तेलंगाना
296. श्री ममिल्ल श्रीधर रेड्डी, पुलिस निरीक्षक, आईटी सेल, हैदराबाद, तेलंगाना
297. श्री नारायण स्वामी जयशंकर, सहायक रिजर्व पुलिस उप निरीक्षक, तीसरी बटालियन, रंगा रेड्डी, तेलंगाना
298. श्री करुकोंडा दयासीला, रिजर्व निरीक्षक, वारंगल, तेलंगाना
299. श्री गंगुला अच्युत रेड्डी, सहायक असॉल्ट कमांडर/1186-आर.एस.आई., अपर पुलिस महानिदेशक ऑपरेशंस का कार्यालय, ग्रेहाउंड्स, हैदराबाद, तेलंगाना
300. श्री नादिम्पल्ली रामदेव रेड्डी, पुलिस निरीक्षक, आसूचना विभाग हैदराबाद, तेलंगाना
301. श्री इजारी वीरा रामंजनेयुलु, सहायक रिजर्व उप निरीक्षक, सीआई सेल, आसूचना, हैदराबाद, तेलंगाना
302. श्री बोंडा वेंकट सन्यासी राव, निरीक्षक, महानिदेशक कार्यालय, टीएसपीएफ, हैदराबाद, तेलंगाना
303. श्री भानुपुड़ा चक्रवर्ती, सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, त्रिपुरा
304. श्री अमल देबबर्मा, सहायक कमांडेन्ट, कंचनपुर उत्तर, त्रिपुरा
305. श्री कमल शुक्ला दास, पुलिस उपाधीक्षक (सुरक्षा), (टीपीएस ग्रेड -II), एसपी सुरक्षा कार्यालय अगरतला, त्रिपुरा

306. श्री हेमंत बिष्ट, सूबेदार (जनरल ड्यूटी), दिल्ली, त्रिपुरा
307. श्री मणीन्द्र बर्धन, सूबेदार (जनरल ड्यूटी), वज़ीराबाद दिल्ली, त्रिपुरा
308. श्री असीस कुमार दास, उप निरीक्षक, धर्मनगर, त्रिपुरा
309. श्री अजय कुमार मिश्रा, महानिरीक्षक प्रतीक्षा पुलिस महानिदेशक, मुख्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
310. श्री प्रीतिंदर सिंह, महानिरीक्षक, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
311. श्री लव कुमार, उप महानिरीक्षक, एसपीजी, भारत सरकार, नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश
312. श्री राजेश कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक, मैनपुरी, उत्तर प्रदेश
313. श्री दुर्गेश कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक, पुलिस महानिदेशक मुख्यालय, उत्तर प्रदेश
314. श्री उदय राज सिंह, पुलिस उपाधीक्षक, बलरामपुर, उत्तर प्रदेश
315. श्री इंद्र प्रकाश सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त, लखनऊ सिटी, उत्तर प्रदेश
316. श्री लायक सिंह, पुलिस उपाधीक्षक, एटीएस, एसपीओटी, उत्तर प्रदेश
317. श्री जय प्रकाश सिंह, सहायक रेडियो अधिकारी (एआरओ), लखनऊ, उत्तर प्रदेश
318. श्री वीरेन्द्र कुमार वर्मा, सहायक रेडियो अधिकारी (एआरओ), सहारनपुर, उत्तर प्रदेश
319. श्री कृष्ण मोहन सक्सेना, पुलिस उपाधीक्षक लेखा, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
320. श्री बहादुर सिंह, पुलिस उपाधीक्षक लिपिक, हापुड़, उत्तर प्रदेश
321. श्री कुशलपाल सिंह, निरीक्षक सीपी, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
322. श्री पवन सिंह, निरीक्षक (परिवहन), खीरी, उत्तर प्रदेश
323. श्री राम सागर यादव, निरीक्षक सीपी, आयुक्तालय, कानपुर, उत्तर प्रदेश
324. श्री चन्दन सिंह, कंपनी कमांडर, 45वीं वाहिनी अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
325. श्री प्रेम शंकर सिंह, कंपनी कमांडर, सुरक्षा मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश
326. श्री सुभाष चन्द्र, निरीक्षक सीपी, आयुक्तालय गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश
327. श्री विजय बहादुर सिंह, निरीक्षक सीपी, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश
328. श्री सुरेन्द्र सिंह, निरीक्षक सीपी, रामपुर, उत्तर प्रदेश
329. श्री राकेश कुमार सिंह चौहान, निरीक्षक सीपी, एस.टी.एफ. लखनऊ, उत्तर प्रदेश
330. श्री संजय कुमार सिंह, निरीक्षक सीपी, हमीरपुर, उत्तर प्रदेश
331. श्री शैलेन्द्र कुमार बाजपेयी, रेडियो निरीक्षक, रेडियो मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश
332. श्री हरीराज, रेडियो निरीक्षक, रेडियो मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश
333. श्री राज कुमार, निरीक्षक सीपी, आयुक्तालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश
334. श्री फिरोज अहमद, निरीक्षक सीपी, बहराइच, उत्तर प्रदेश
335. श्री अनिल कुमार वर्मा, निरीक्षक ए.पी., पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय सीतापुर, उत्तर प्रदेश
336. श्री जगदीश प्रसाद पाण्डेय, निरीक्षक सीपी, आयुक्तालय कानपुर, उत्तर प्रदेश
337. श्री विश्राम सिंह, उपनिरीक्षक (परिवहन), 37वीं वाहिनी पीएसी कानपुर, उत्तर प्रदेश
338. श्री बृजनन्दन सिंह यादव, प्लाटून कमांडर, चतुर्थ वाहिनी पीएसी प्रयागराज, उत्तर प्रदेश
339. श्री शिव बक्स, उपनिरीक्षक सीपी, पुलिस महानिदेशक मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश
340. श्री शिव करन सिंह, प्लाटून कमांडर, 32वीं वाहिनी पीएसी लखनऊ, उत्तर प्रदेश
341. श्री रौबिन कुमार भौमिक, रेडियो उपनिरीक्षक, रेडियो मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश
342. श्री आनन्द ध्यानी, उपनिरीक्षक, अभिसूचना मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश
343. श्री कैलाश चन्द्र, उपनिरीक्षक, सतर्कता मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश
344. श्री शेषपाल सिंह, उपनिरीक्षक सीपी, उन्नाव, उत्तर प्रदेश
345. श्री राम नरेश, उपनिरीक्षक सीपी, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
346. श्री कन्हैया तिवारी, उपनिरीक्षक सीपी, आयुक्तालय वाराणसी, उत्तर प्रदेश

347. श्री आशाराम, उपनिरीक्षक सीपी, आयुक्तालय, कानपुर, उत्तर प्रदेश
348. श्री सुशील कुमार सिंह, उपनिरीक्षक, अभिसूचना मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश
349. श्री उमाकान्त राय, उपनिरीक्षक सीपी, भदोही, उत्तर प्रदेश
350. श्री कमल कुमार तिवारी, उपनिरीक्षक सीपी, उन्नाव, उत्तर प्रदेश
351. श्री शशि भूषण सिंह, उपनिरीक्षक, सतर्कता मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश
352. श्री चन्द्रेश राव, प्लाटून कमांडर, 10वीं वाहिनी पीएसी बाराबंकी, उत्तर प्रदेश
353. श्री कमलेश त्रिपाठी, उपनिरीक्षक सीपी, सशस्त्र पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय सीतापुर, उत्तर प्रदेश
354. श्री अमर बहादुर सिंह, उपनिरीक्षक एपी, हरदोई, उत्तर प्रदेश
355. श्री प्रमोद कुमार पाठक, उपनिरीक्षक सीपी, अमरोहा, उत्तर प्रदेश
356. श्री महिपाल सिंह, प्लाटून कमांडर, 6ठीं बटालियन पीएसी मेरठ, उत्तर प्रदेश
357. श्री राम कुमार सिंह, उपनिरीक्षक सीपी, यूपीआरपीबी लखनऊ, उत्तर प्रदेश
358. श्री प्रमोद कुमार, उपनिरीक्षक सीपी, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश
359. श्री हरिओम शर्मा, उपनिरीक्षक सीपी, फतेहगढ़, उत्तर प्रदेश
360. श्री निरंजन सिंह, रेडियो उपनिरीक्षक, रेडियो मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश
361. श्री जय नन्दन पोद्दार, रेडियो उपनिरीक्षक, रेडियो मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश
362. श्री सुभाष चन्द्र यादव, उपनिरीक्षक सीपी, रामपुर, उत्तर प्रदेश
363. श्री बजरुल कमर, उपनिरीक्षक सीपी, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश
364. श्री फेकू प्रसाद, उपनिरीक्षक ए.पी., सिद्धार्थ नगर, उत्तर प्रदेश
365. श्री साधू राम, उपनिरीक्षक, अभिसूचना मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश
366. श्री रणजीत प्रसाद, प्लाटून कमांडर, 47वीं वाहिनी पीएसी गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
367. श्री चन्द्र भूषण शुक्ला, हेड कांस्टेबल सीपी, चित्रकूट, उत्तर प्रदेश
368. श्री कश्मीर सिंह, हेड कांस्टेबल ड्राइवर, कानपुर देहात, उत्तर प्रदेश
369. श्री कमलेश सिंह, हेड कांस्टेबल एलआईयू, गोण्डा, उत्तर प्रदेश
370. श्री कृष्ण मुरारी अग्रवाल, निरीक्षक (लेखा), तकनीकी सेवा मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश
371. श्री राम श्रृंगार मिश्र, निरीक्षक (लेखा), तकनीकी सेवा मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश
372. श्री सुनील गुलाटी, निरीक्षक (लिपिक), आयुक्तालय गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश
373. श्री राजीव कुमार, निरीक्षक (सीए), रेंज कार्यालय अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
374. श्री गिरजेश प्रकाश, निरीक्षक (सीए), पुलिस महानिदेशक मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश
375. श्री सुभाष चन्द्र पाण्डेय, निरीक्षक (सीए), रेंज ऑफिस वाराणसी, उत्तर प्रदेश
376. श्री हरीश सिंह भण्डारी, निरीक्षक (सीए), द्वितीय वाहिनी पीएसी सीतापुर, उत्तर प्रदेश
377. श्री राकेश कुमार, निरीक्षक (लिपिक), रेंज कार्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश
378. श्री जुबैर अहमद, निरीक्षक (लेखा), भदोही, उत्तर प्रदेश
379. श्री सुभाष चन्द्र शर्मा, निरीक्षक (लिपिक), 44वीं वाहिनी पीएसी मेरठ, उत्तर प्रदेश
380. श्री सुरेश चन्द्र, निरीक्षक (सीए), चंदौली, उत्तर प्रदेश
381. श्री सुरेश चन्द्र, निरीक्षक (लिपिक), पुलिस महानिदेशक मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश
382. श्री चन्द्र शेखर वर्मा, निरीक्षक (सीए), कन्नौज, उत्तर प्रदेश
383. श्री राकेश चन्द्र देवली, अपर पुलिस अधीक्षक, देहरादून, उत्तराखंड
384. श्री श्याम दत्त नौटियाल, पुलिस उपाधीक्षक, पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखंड
385. श्री पंकज गैरोला, पुलिस उपाधीक्षक, हरिद्वार, उत्तराखंड
386. श्री अमीर चंद, हेड कांस्टेबल, रुद्रपुर उधमसिंह नगर, उत्तराखंड
387. श्री गिरिबर सिंह रावत, उप निरीक्षक, देहरादून, उत्तराखंड

388. श्री सुनील कुमार चौधरी, पुलिस महानिरीक्षक, सीआईडी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
389. श्री धीरेन्द्र सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त, वायरलेस शाखा, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
390. श्री शंकर प्रसाद घड़ाई, पुलिस उपाधीक्षक, सीआईडी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
391. श्री स्वरूप कान्ति पाहाड़ी, पुलिस निरीक्षक, दक्षिण पूर्व डिवीजन, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
392. श्री अचिंत्य सरकार, पुलिस निरीक्षक (एबी), सुरक्षा निदेशालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
393. श्रीमती समाप्ती बनर्जी, महिला पुलिस निरीक्षक, बैरकपुर, पश्चिम बंगाल
394. श्री नीलमणि नन्दी, पुलिस निरीक्षक, विशेष शाखा, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
395. श्री उज्जल हाजरा, उप पुलिस आयुक्त, 6ठी वाहिनी, कोलकाता आर्म्ड पुलिस, बॉडी गार्ड्स लाइन्स, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
396. श्री विश्वजीत राय, सिपाही, इस्लामपुर, पश्चिम बंगाल
397. श्री अमल मल्लिक, सिपाही, विशेष शाखा, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
398. श्री अरुण कुमार तमांग, नायक सूबेदार, प्रथम वाहिनी, सलुआ, पश्चिम मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल
399. श्रीमती बुलु सेनापति, महिला सहायक पुलिस उप निरीक्षक, सीआईडी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
400. श्री असीम कुमार साहा, सहायक पुलिस उप निरीक्षक (सशस्त्र शाखा), 6ठी वाहिनी, बॉडी गार्ड लाइन्स, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
401. श्री रथीन्द्र नाथ भौमिक, सहायक पुलिस उप निरीक्षक, नॉर्थ डिवीजन, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
402. श्री तपन राय, उप निरीक्षक, राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
403. श्री अमर चंद्र धीवर, उप निरीक्षक (यूबी), पूर्व बर्धमान, पश्चिम बंगाल
404. श्री स्वपन कुमार हुदाईत, सहायक पुलिस उप निरीक्षक (यूबी), दूरसंचार, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
405. श्री बासुदेब सरकार, प्रभारी निरीक्षक, अलीपुरद्वार, पश्चिम बंगाल
406. श्रीमती पूर्णिमा घोष (बल), महिला सिपाही, बैरकपुर पुलिस आयुक्तालय, पश्चिम बंगाल
407. श्री शंकर मजूमदार, सिपाही, पश्चिम बंगाल पुलिस निदेशालय, पश्चिम बंगाल
408. श्री अजय कृष्ण शर्मा, डीआईजीपी (मुख्यालय), पुलिस मुख्यालय पोर्ट ब्लेयर, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
409. श्री शिवदासन शशि कुमार, सहायक उप निरीक्षक, विशेष शाखा सीआईडी, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
410. श्री अजीत कुमार पाल, पीसी/549, एसएपी, पुलिस लाइन्स, पोर्ट ब्लेयर, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
411. श्री जोगिन्दर सिंह, उप निरीक्षक, आरटीसी, सेक्टर-26, चंडीगढ़
412. श्री सेबस्टियन देवसिया के. डी., निरीक्षक, सिलवासा, दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव
413. श्री स्तांजीन नोरबो, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (अपर पुलिस महानिरीक्षक), लेह, संघ राज्य क्षेत्र-लद्दाख
414. श्री गुलाम अलि, निरीक्षक, अनुभाग अधिकारी भवन पुलिस मुख्यालय, लेह, संघ राज्य क्षेत्र-लद्दाख
415. श्री एस. चंद्रशेखरन, एसजी- सहायक उप निरीक्षक, मोटर परिवहन इकाई, गोरिमेडु, पुदुचेरी
416. श्री ए. पंकजक्षन, पुलिस निरीक्षक, पुलिस प्रशिक्षण स्कूल, गोरिमेडु, पुदुचेरी
417. श्री शिवाजी ठाकुर, सूबेदार मेजर (क्लर्क), मुख्यालय डीजीएआर लैटकोर शिलांग, असम राइफल्स
418. श्री बीजु के साम, कंमाडेंट, नई दिल्ली, असम राइफल्स
419. श्री पंकज कुमार सिंह, नायब सूबेदार (निजी सहायक), मुख्यालय डीजीएआर लैटकोर शिलांग, असम राइफल्स
420. श्री प्रेम सिंह, नायब सूबेदार (जनरल ड्यूटी), 17 असम राइफल्स लोकरा, असम राइफल्स
421. श्री निताई देव बर्मा, सूबेदार (जनरल ड्यूटी), 24 असम राइफल्स शांगशाक मणिपुर, असम राइफल्स
422. श्री मनी कुमार तमांग, नायब सूबेदार (जनरल ड्यूटी), 46 असम राइफल्स थिंगहट मणिपुर, असम राइफल्स
423. श्री होम बहादुर भण्डारी छेत्री, नायब सूबेदार (जनरल ड्यूटी), सुखोवी, नागालैंड, असम राइफल्स
424. श्री रमेश प्रसाद, नायब सूबेदार (जनरल ड्यूटी), 33 असम राइफल्स मारम मणिपुर, असम राइफल्स
425. श्री मिनाल सिन्हा, वारंट अधिकारी (जनरल ड्यूटी), 1 असम राइफल्स कोहिमा नागालैंड, असम राइफल्स
426. श्री शेर बहादुर थापा, नायब सूबेदार (जनरल ड्यूटी), 21 असम राइफल्स, मोदी, मणिपुर, असम राइफल्स
427. श्री महेन्द्र कुमार राई, हवलदार (जनरल ड्यूटी), 6 असम राइफल्स खोसना अरुणाचल प्रदेश, असम राइफल्स
428. श्री सुरेन्द्र सिंह, वारंट अधिकारी (जनरल ड्यूटी), 43 असम राइफल्स काशीरामबस्ती दीमापुर, असम राइफल्स

429. श्री राजन सिंह, वारंट अधिकारी (जनरल ड्यूटी), मुख्यालय डीजीएआर लैटकोर शिलांग, असम राइफल्स
430. श्री परशुराम, उप महानिरीक्षक, बल मुख्यालय, नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल
431. डॉ. अशोक राय, उप महानिरीक्षक (चिकित्सा), सीएच बीएसएफ, शिलांग, सीमा सुरक्षा बल
432. श्री राज कुमार नेगी, कमांडेन्ट, 18 बटालियन, भुज, सीमा सुरक्षा बल
433. डॉ. जलज सिन्हा, सीएमओ (एसजी), फ्रंटियर मुख्यालय, मेघालय, सीमा सुरक्षा बल
434. डॉ. नीता पालीवाल, सीएमओ (एसजी), फ्रंटियर मुख्यालय, गुजरात, सीमा सुरक्षा बल
435. श्री मनीष नेगी, द्वितीय कमान अधिकारी, 153 बटालियन, सीमा सुरक्षा बल
436. श्री अश्वीनी मैथिल, द्वितीय कमान अधिकारी, 33 बटालियन, सीमा सुरक्षा बल
437. श्री सुभाष चन्द्र दास, द्वितीय कमान अधिकारी (वर्क्स), एसडीजी मुख्यालय (ईसी), कोलकाता, सीमा सुरक्षा बल
438. श्री वीरेन्द्र कुमार यादव, उप कमांडेन्ट, 85 बटालियन, सीमा सुरक्षा बल
439. श्री सनत कुमार दत्ता, उप कमांडेन्ट, 24 बटालियन, बारामुला (जम्मू और कश्मीर), सीमा सुरक्षा बल
440. श्री सी. एन. सुंदर सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी (डब्ल्यूडब्ल्यू), वाटर विंग, भुज, सीमा सुरक्षा बल
441. श्री बसप्पा भीमप्पा होसमनी, उप कमांडेन्ट, 137 बटालियन, दिनाजपुर, सीमा सुरक्षा बल
442. श्री महिमा नन्द ममगाई, उप कमांडेन्ट (पीपीएस), टेकनपुर, सीमा सुरक्षा बल
443. श्री बेन्नी जॉन, उप कमांडेन्ट (पीपीएस), बल मुख्यालय, नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल
444. श्री सेक गौस पीर, सहायक कमांडेन्ट (पीएस), फ्रंटियर मुख्यालय (विशेष ऑपरेशन), छत्तीसगढ़, सीमा सुरक्षा बल
445. श्री प्रसाद कुमार पी. एस., सहायक कमांडेन्ट, 132 बटालियन, कांकेर, सीमा सुरक्षा बल
446. श्री उत्तम सिंह मिन्हास, सहायक कमांडेन्ट, 64 बटालियन, नालकाता, सीमा सुरक्षा बल
447. श्री बलराम कुमार सिंह, सहायक कमांडेन्ट, एसटीसी, हजारीबाग, सीमा सुरक्षा बल
448. श्री सत्या प्रकाश टी., निरीक्षक (जीडी), 21 बटालियन, बैकुंठपुर, सीमा सुरक्षा बल
449. श्री अत्तर सिंह, निरीक्षक (जीडी), 163 बटालियन, सीमा सुरक्षा बल
450. श्री सुनील राजहंस, निरीक्षक (जीडी), सेनवोस्तो, टेकनपुर, सीमा सुरक्षा बल
451. श्री योगेन्द्र रॉय, निरीक्षक (जीडी), 169 बटालियन, रानीनगर, सीमा सुरक्षा बल
452. श्री सज्जन सिंह, निरीक्षक (तकनीकी), एसएचक्यू, जैसलमेर- उत्तर, सीमा सुरक्षा बल
453. श्री कादिरी प्रभाकर, निरीक्षक (मंत्रालयी), सीईडीसीओ, बंगलौर, सीमा सुरक्षा बल
454. श्री रवींद्र प्रसाद जुयाल, निरीक्षक (मंत्रालयी), फ्रंटियर मुख्यालय, गुवाहाटी, सीमा सुरक्षा बल
455. श्री वेलायुधन टी. के., निरीक्षक (पीए), एसटीसी, बेंगलुरु, सीमा सुरक्षा बल
456. श्री अमरदास फतेसिंह छत्रै, निरीक्षक (आरओ), फ्रंटियर मुख्यालय विशेष (ऑपरेशन), छत्तीसगढ़, सीमा सुरक्षा बल
457. श्री उदय कुमार पांडे, निरीक्षक (आरओ), टीसी एंड एस, हजारीबाग, सीमा सुरक्षा बल
458. श्री जगदम्बा प्रसाद, निरीक्षक (आरएम), बीआईसीआईटी, नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल
459. श्री उमाशंकर एस., निरीक्षक (पीएच), कम्पोजिट अस्पताल, सीमा सुरक्षा बल
460. श्री रफीक अहमद मिर्जा, उप निरीक्षक (जीडी), 51 बटालियन, आई/नगर, सीमा सुरक्षा बल
461. श्री कन्हैया झा, उप निरीक्षक (जीडी), 52 बटालियन, फाजिल्का, सीमा सुरक्षा बल
462. श्री सिमटे शिवराम दामू, उप निरीक्षक (जीडी), एसटीसी, इंदौर, सीमा सुरक्षा बल
463. श्री एम. दुरई कुमार, उप निरीक्षक (जीडी), 182 बटालियन, जलालाबाद (पीबी), सीमा सुरक्षा बल
464. श्री कार्तिक चन्द्र हावली, उप निरीक्षक (जीडी), 59 बटालियन, भुज, सीमा सुरक्षा बल
465. श्री पी. कृष्णन, उप निरीक्षक (जीडी), 18 बटालियन, भुज, सीमा सुरक्षा बल
466. श्री बिश्वजीत भुनिया, उप निरीक्षक (आरएम), फ्रंटियर मुख्यालय, कश्मीर, सीमा सुरक्षा बल
467. श्री मणिकंटन नायर जी., उप निरीक्षक (पीएच), एसटीसी, बेंगलुरु, सीमा सुरक्षा बल
468. श्री दिनेश चन्द्र तिवारी, सहायक उप निरीक्षक (जीडी), एसटीसी, उधमपुर, सीमा सुरक्षा बल
469. श्री शिव जतन, सहायक उप निरीक्षक (जीडी), 136 बटालियन, फिरोजपुर, सीमा सुरक्षा बल

470. श्री मोहम्द खलिल, सिपाही (डब्ल्यूएम), एसटीसी, हजारीबाग, सीमा सुरक्षा बल
471. श्री सुरेश चन्द्र सिंह नेगी, सिपाही (डब्ल्यूसी), 33 बटालियन, पंथाचौक, सीमा सुरक्षा बल
472. श्री धरमबीर सिंह, सिपाही (एसके), 172 बटालियन, शिलांग, सीमा सुरक्षा बल
473. श्री उदय नारायण राम, सिपाही (मोची), 101 बटालियन, खेमकरण, पंजाब, सीमा सुरक्षा बल
474. श्री जॉयचन्द्र सिंह, सिपाही (दर्जी), 93 बटालियन, दंतेवाड़ा, सीमा सुरक्षा बल
475. श्री सुदेश कुमार, सिपाही (कारपेंटर), एसएचक्यू इंद्रेश्वर नगर, सीमा सुरक्षा बल
476. श्री त्रिलोक सिंह, सिपाही (कहार), 171 बटालियन, नौशेरा (जम्मू और कश्मीर), सीमा सुरक्षा बल
477. श्री सचिन बादशाह, उप महानिरीक्षक, आईजीआई एयरपोर्ट, नई दिल्ली, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
478. सुश्री रेखा नांबियार, वरिष्ठ कमांडेन्ट, एसडीएससी, एसएचएआर, श्रीहरिकोटा, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
479. श्री यतेंद्र नेगी, वरिष्ठ कमांडेन्ट, अहमदाबाद, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
480. श्री धीरज कुमार सिंह, कमांडेन्ट, डीआईजी मुंबई एयरपोर्ट, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
481. श्री सुब्रत कुमार झा, कमांडेन्ट, सिंगरौली, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
482. श्री गोपाल दत्त, कमांडेन्ट, एसएसटीपीएस, शक्तिनगर, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
483. श्री बृज मोहन सिंह, उप कमांडेन्ट, यूनिट एनटीपीसी कनिहा, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
484. श्री पूरन मल, सहायक कमांडेन्ट/कार्यकारी, डीएएमईएल, नई दिल्ली, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
485. श्री उदय कुमार साह, सहायक कमांडेन्ट/कार्यकारी, मुख्यालय, नई दिल्ली, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
486. श्री पाती राम दिवाकर, सहायक कमांडेन्ट/कार्यकारी, आईओसीएल, डिगबोई, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
487. श्री संजोय कुमार सरकार, सहायक कमांडेन्ट/जेएओ, एसईजेड-1 मुख्यालय कोलकाता, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
488. श्री एम. रवि, सहायक कमांडेन्ट/जेएओ, मुख्यालय, नई दिल्ली, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
489. श्री सत्यजीत सिंह, निरीक्षक/कार्यकारी, आरआरसीएटी इंदौर, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
490. श्री प्रमेंद्र प्रताप सिंह, निरीक्षक/कार्यकारी, एएसजी, नई दिल्ली, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
491. श्री एम. एन. लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी, उप निरीक्षक/कार्यकारी, एसडीएससी, एसएचएआर श्रीहरिकोटा, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
492. श्री अनीस जॉय, उप निरीक्षक/कार्यकारी, बीएआरसी/टीएपीएस, तारापुर, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
493. श्री पी. सैमविलियम, सहायक उप निरीक्षक/कार्यकारी, सीपीसीएल, मनाली, चेन्नई, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
494. श्री सर्वानंद पांडे, सहायक उप निरीक्षक/कार्यकारी, वाराणसी हवाई अड्डा, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
495. श्री अवधेश कुमार पांडे, सहायक उप निरीक्षक/कार्यकारी, एएसजी, नई दिल्ली, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
496. श्री ई. अय्यम पिल्लै, सहायक उप निरीक्षक/कार्यकारी, आईपीआरसी, महेंद्रगिरि, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
497. श्री कमल गुरुंग, सहायक उप निरीक्षक/कार्यकारी, आईओसी गुवाहाटी, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
498. श्री राजेन्द्र कुमार, सहायक उप निरीक्षक/कार्यकारी, आईओसी (जीआर) बड़ौदा, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
499. श्री मर्दनसाब नूर बाशा, सहायक उप निरीक्षक/कार्यकारी, केआईओसीएल, मैंगलोर, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
500. श्री डेनियल कुट्टी, हेड कांस्टेबल/कुक, एफएसीटी, यूडीएल, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
501. श्री अजय कुमार शर्मा, कमांडेन्ट, 104 बटालियन आरएएफ, रामघाट रोड, अलीगढ़, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
502. श्री देवेन्द्र सिंह नेगी, कमाण्डेन्ट, 33 बटालियन, प्रीत नगर, गंग्याल, जम्मू, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
503. श्री बलिहार सिंह, कमाण्डेन्ट, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
504. श्रीमती करुणा राय, कमाण्डेन्ट, 233 (एम) बटालियन, जीसी, लखनऊ, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
505. श्रीमती विजया ढौंडियाल, कमाण्डेन्ट, आरएएफ सेक्टर मुख्यालय, आर.के. पुरम सेक्टर-1, नई दिल्ली, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
506. श्री अमिताभ कुमार, कमाण्डेन्ट, 91 बटालियन, आरएएफ, जीसी, कैंपस, बिजनौर, लखनऊ, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
507. श्री हरिओम खरे, कमाण्डेन्ट, 160 बटालियन, एफसीआई कैंप, चत्था, जम्मू, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
508. डॉ. राम दर्शन गरी, उप महानिरीक्षक (चिकित्सा), कम्पोजिट हॉस्पिटल, जगदलपुर, बस्तर, छत्तीसगढ़, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
509. डॉ. सुरेंन्द्र प्रसाद यादव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एसजी)/ कमाण्डेन्ट, आरटीसी, राजगीर, नालंदा (बिहार), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल

510. श्री दीपक शर्मा, सहायक कमाण्डेन्ट (मंत्रालयीक), सीएच, बनतालाब, जम्मू, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
511. श्री शिशुपाल सिंह, सहायक कमाण्डेन्ट (मंत्रालयीक), सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
512. श्री यू. सदाशिवम, उप कमाण्डेन्ट (मंत्रालयीक), साउथ जोन मुख्यालय, हैदराबाद (तेलंगाना) केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
513. श्री के. बी. के. एस. चौधरी, द्वितीय कमान अधिकारी, 193 बटालियन, मुसाबनी, टीएचई- घाटसिला, झारखंड, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
514. श्री टी. सुरेश कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी, डीआईजीपी कार्यालय, रेंज चेन्नई, आवडि (तमिलनाडु) केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
515. श्रीमती ट्रीसा जोशी वी. जे., सूबेदार मेजर/सिस्टर इंचार्ज, सीएच, पुणे, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
516. श्री रवीन्द्र सिंह, उप कमाण्डेन्ट, 65 बटालियन, रायपुर, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
517. श्री हंसराज मीना, उप कमाण्डेन्ट, 190 बटालियन, चतरा, झारखंड, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
518. श्री प्रदीप कुमार पाण्डेय, उप कमाण्डेन्ट, 197 बटालियन, चाईबासा, झारखंड, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
519. श्रीमती ज्ञानदेन ल्हामु भुटिया, द्वितीय कमान अधिकारी, 232 बटालियन, सालबोनी पश्चिम बंगाल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
520. श्री राजपाल यादव, द्वितीय कमान अधिकारी, रेंज मुख्यालय, नीमच (मध्य प्रदेश), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
521. श्री सुब्रत नायक, उप कमाण्डेन्ट, जीसी, भुवनेश्वर, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
522. श्री भीम सिंह, उप कमाण्डेन्ट, 192 बटालियन, श्रीनगर, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
523. श्री धीरज राई, उप कमाण्डेन्ट, 239 बटालियन, रामपुर (उत्तर प्रदेश) केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
524. श्री जय नारायण सिंह, निरीक्षक/जीडी, जीसी, जमशेदपुर, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
525. श्री सुरेश चन्द, निरीक्षक/जीडी, 122 बटालियन अंधेरा मोर नई दिल्ली, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
526. श्री हनुमान प्रसाद, निरीक्षक/जीडी, 183 बटालियन, पुलवामा (जम्मू और कश्मीर), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
527. श्री सोहन सिंह, निरीक्षक/जीडी, आईएसए, माउंट आबू (राजस्थान) केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
528. श्री चुनी लाल हेम्ब्रम, निरीक्षक/जीडी, 156 बटालियन, ढलीगांव, असम, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
529. श्री शंकर देव बर्मा, निरीक्षक/जीडी, 10 बटालियन, बारपेटा, असम, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
530. श्री बीर सेन चौधरी, निरीक्षक/जीडी, 47 बटालियन, कोइलवार, आरा, बिहार, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
531. श्री महाबीर सिंह, निरीक्षक/जीडी, 166 बटालियन, नया पीसीआर कैंप, सिधार, जम्मू, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
532. श्री प्रफुल कुमार दलाई, निरीक्षक/जीडी, जीसी, भुवनेश्वर, ओडिशा, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
533. श्री कामदेव सिंह, निरीक्षक/जीडी, जीसी, रांची (झारखंड) केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
534. श्री बिपुल कुमार सौव, निरीक्षक/जीडी, 156 बटालियन, ढलीगांव, असम, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
535. श्री अशोक कुमार, उप निरीक्षक/जीडी, 152 बटालियन, आईटीआई कॉम्प्लेक्स शास्त्री नगर, गोलपारा (असम), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
536. श्री रमेश चन्द, उप निरीक्षक/जीडी, 243 बटालियन, मयूर विहार, फेज-3, नई दिल्ली, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
537. श्री रघुबीर सिंह, उप निरीक्षक/जीडी, 156 बटालियन, ढलीगांव, असम, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
538. श्री ओम प्रकाश मिश्रा, उप निरीक्षक/जीडी, रेंज मुख्यालय लखनऊ, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
539. श्री चन्द्रमणी प्रसाद पाण्डे, उप निरीक्षक/जीडी, 165 बटालियन, फुंदरी, भैरमगढ़, बीजापुर, (छत्तीसगढ़), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
540. श्री प्यार सिंह, निरीक्षक/जीडी, 174 बटालियन, चाईबासा, झारखंड, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
541. श्री शमशेर सिंह, निरीक्षक/जीडी, जीसी, नई दिल्ली, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
542. श्री यशवीर सिंह, निरीक्षक/जीडी, जीसी, ग्वालियर, मध्य प्रदेश, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
543. श्री कृष्णमुर्ती आर., उप निरीक्षक/जीडी, 195 बटालियन, बारसूर, दंतेवाड़ा, छत्तीसगढ़, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
544. श्री मोहना दासन एम., सहायक उप निरीक्षक/जीडी, 30 बटालियन, चारद्वार, सोनितपुर (असम), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
545. श्री ज्ञान प्रकाश सिंह, सहायक उप निरीक्षक/जीडी, 24 बटालियन, यात्री निवास, कुलगाम, (जम्मू और कश्मीर), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
546. श्री नारायण स्वामी गौड़ा बी.के., सहायक उप निरीक्षक/जीडी, 165 बटालियन, फुंदरी, भैरमगढ़, बीजापुर (छत्तीसगढ़), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
547. श्री अस्फाक अहमद खान, सिपाही/जीडी, जीसी, अगरतला, त्रिपुरा, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल

548. श्री समेस्वर सैकिया, सिपाही/जीडी, जीसी-II, अजमेर (राजस्थान), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
549. श्रीमती भावना थापा, निरीक्षक/जीडी (महिला), 135 (महिला) बटालियन, गांधीनगर (गुजरात), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
550. श्री के. अनिल कुमार, उप निरीक्षक/रेडियो ऑपरेटर, तिरिल आश्रम, ध्रुवा, रांची, (झारखंड), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
551. श्री महाराज सिंह, निरीक्षक/आरमोरर, सीडब्ल्यूएस-I, रामपुर (उत्तर प्रदेश), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
552. श्री कृष्णा राम, हवलदार/कारपेंटर, जीसी, हीरानगर, (जम्मू और कश्मीर), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
553. श्री पी. करुणाकरन, निरीक्षक/एम.टी., जीसी, आवडि (तमिलनाडु), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
554. श्री मनसा राम, निरीक्षक/एम.टी., जीसी, श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
555. श्री राज कुमार, सिपाही/के.एस., आरटीसी, श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
556. श्री सनातन पात्रा, सिपाही/जलवाहक, 156 बटालियन, ढलीगांव (असम), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
557. श्री चन्द्रशेखर मोरेश्वर कोटांगले, सिपाही/सफाई कर्मचारी, 213 (महिला) बटालियन, नागपुर (महाराष्ट्र) केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
558. श्री कुन्दन लाल, उप निरीक्षक/बैण्ड, जीसी, जम्मू, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल
559. श्री विशाल आनंद, उप महानिरीक्षक (जीडी), एसएचक्यू (लिकाबली), लोअर सियांग (अरुणाचल प्रदेश), भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल
560. श्री वीर वर्त नेगी, कमांडेन्ट (जीडी), ब्लॉक- II, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल
561. श्री पीयूष पुष्कर, कमांडेन्ट (जीडी), 23वीं बटालियन, डाकघर- सीमाद्वार, देहरादून (उत्तराखंड), भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल
562. डॉ. प्रशांत मिश्रा, सीएमओ/एसजी, बेस अस्पताल, तिगड़ी कैंप, नई दिल्ली, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल
563. श्री देवेंद्र चंद, एसएम (पीएच), उत्तर-पश्चिम मुख्यालय, डाकघर -56 एपीओ, चोगलामसर, लेह (यूटी), भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल
564. श्री लक्ष्मण सिंह, निरीक्षक (जीडी), 14वीं बटालियन, जाजरदेवाल, पिथौरागढ़, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल
565. श्री ठाकुर सिंह, निरीक्षक (जीडी), द्वितीय बटालियन, डाकघर-बबेली, कुल्लू (हिमाचल प्रदेश) भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल
566. श्री बिपन सिंह, निरीक्षक (जीडी), 30वीं बटालियन, डाकघर- करतारपुर, जालंधर (पंजाब), भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल
567. श्री अश्वनी कुमार, निरीक्षक (जीडी), ब्लॉक- II, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल
568. श्री सूरज थापा, निरीक्षक (सीएम), ईटानगर (अरुणाचल प्रदेश) भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल
569. श्री बलबीर सिंह, निरीक्षक (दूरसंचार), एसएचक्यू (शिमला), तारादेवी (हिमाचल प्रदेश), भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल
570. श्री राजेन्द्र सिंह, सहायक उप निरीक्षक (जीडी), एमपीएसडी, मोहनबाड़ी, डिब्रूगढ़ (असम), भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल
571. श्री अनिल कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी, 13 एस आर जी, मानेसर, गुरुग्राम, हरियाणा, राष्ट्रीय सुरक्षा गारद
572. श्री मकेश शर्मा, रेंजर- I/जीडी, 12 एस आर जी, मानेसर, गुरुग्राम, हरियाणा, राष्ट्रीय सुरक्षा गारद
573. श्री धनाजी शिवाजी निकम, सहायक कमांडर-I (जीडी), रीजनल हब, मिलिन्द नगर, अंधेरी (पूर्व), मुंबई, राष्ट्रीय सुरक्षा गारद
574. श्री नित्या नन्द, रेंजर-I (जीडी), रीजनल हब, गांधीनगर, एस आर पी धोडा केम्प, मेगानी नगर, अहमदाबाद, गुजरात, राष्ट्रीय सुरक्षा गारद
575. श्री अभिषेक पाठक, उप महानिरीक्षक, एसटीआर मुख्यालय, लखनऊ (उत्तर प्रदेश), सशस्त्र सीमा बल
576. श्री जितेंद्र देव वशिष्ट, उप महानिरीक्षक, एसएचक्यू, लखीमपुर खीरी, सशस्त्र सीमा बल
577. श्री धरनी धर झा, अधीक्षण अभियंता, बल मुख्यालय आर.के. पुरम, नई दिल्ली, सशस्त्र सीमा बल
578. डॉ. चन्द्र कुमार दास, उप महानिरीक्षक (चिकित्सा), कम्पोजिट अस्पताल, सलोनीबाड़ी, सशस्त्र सीमा बल
579. श्री सुधांशु कुमार, उप महानिरीक्षक (जेएजी), बल मुख्यालय, आर.के. पुरम, नई दिल्ली, सशस्त्र सीमा बल
580. डॉ. उर्मिला गारी (टोप्पो), कमांडेंट (चिकित्सा), 26 बटालियन रांची, सशस्त्र सीमा बल
581. श्री टका पियासंग, नायक (जीडी), 73 बटालियन, सीन थुक (ए.पी.), सशस्त्र सीमा बल
582. श्री लैशराम राकेट सिंह, निरीक्षक (जीडी), 37 बटालियन, मंगलदोई, असम, सशस्त्र सीमा बल
583. श्री लोंजाम अडौमाचा सिंह, निरीक्षक (जीडी), 37 बटालियन, मंगलदोई, असम, सशस्त्र सीमा बल
584. श्री सिव प्रसाद बरुवा, सिपाही (रसोईया), 20 बटालियन, सीतामढ़ी (बिहार), सशस्त्र सीमा बल
585. श्री राज पॉल, सिपाही (धोबी), 48 बटालियन, जयनगर, मधुबनी, बिहार, सशस्त्र सीमा बल

586. श्री सोनल मोहन अग्निहोत्री, उप निदेशक, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय
587. श्री पी. करुनाकरन, उप निदेशक, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय
588. श्री न. ज्ञानसम्बंदन, उप निदेशक, एसआईबी इंफाल, गृह मंत्रालय
589. श्री संतोष कुमार सी एन, अपर उपनिदेशक/एन.पी., आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय
590. श्री अविनाश चन्द्र त्रिपाठी, संयुक्त उपनिदेशक/कार्यकारी, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय
591. श्री पंकज प्रसून, सहायक निदेशक/कार्यकारी, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय
592. श्रीमति. कुम कुम सेन, सहायक निदेशक/कार्यकारी, एसआईबी कोलकाता, गृह मंत्रालय
593. श्री राजेश कुमार राय, सहायक निदेशक/कार्यकारी, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय
594. श्री थांगसिंग सोइमिंथंग सिमटे, सहायक निदेशक/कार्यकारी, एसआईबी इंफाल, गृह मंत्रालय
595. श्री अन्थोनी राजेश गोम्स, सहायक निदेशक/कार्यकारी, ईजेडआरटीसी कोलकाता, गृह मंत्रालय
596. श्री युदिष्ठर बेहेरा, संयुक्त उपनिदेशक/कार्यकारी, एसआईबी विजयवाड़ा, गृह मंत्रालय
597. श्री लाल चंद, सहायक निदेशक (एस.ओ.), आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय
598. श्री एम. शनमुगा सुंदरम, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी/कार्यकारी, एसआईबी मुंबई, गृह मंत्रालय
599. श्री आशीष दुबे, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी/कार्यकारी, एसआईबी भोपाल, गृह मंत्रालय
600. श्री संदीप कुमार वर्मा, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी/कार्यकारी, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय
601. श्री अखिलेश कुमार, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी/तकनीकी, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय
602. श्री सरोज कुमार साहू, अनुभाग अधिकारी, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय
603. श्री अजय कुमार झा, निजी सचिव, एसआईबी पटना, गृह मंत्रालय
604. श्री सुरेश कुमार के., सहायक केन्द्रीय आसूचना अधिकारी- I/कार्यकारी, एसआईबी तिरुवनंतपुरम, गृह मंत्रालय
605. श्री मुकेश कुमार, सहायक केन्द्रीय आसूचना अधिकारी- I/कार्यकारी, एसआईबी जयपुर, गृह मंत्रालय
606. श्री गौरी लाल, सहायक केन्द्रीय आसूचना अधिकारी-I/कार्यकारी, एसआईबी जम्मू, गृह मंत्रालय
607. श्री मनोज कुमार के., सहायक केन्द्रीय आसूचना अधिकारी- I/तकनीकी, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय
608. श्री अजय कुमार शर्मा, सहायक अनुभाग अधिकारी, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय
609. श्री उमेश चन्द्र शर्मा, सहायक केन्द्रीय आसूचना अधिकारी-II/कार्यकारी, एसआईबी मेरठ, गृह मंत्रालय
610. श्री सिददाराजा सी., सहायक केन्द्रीय आसूचना अधिकारी-II/कार्यकारी, एसआईबी बेंगलुरु, गृह मंत्रालय
611. श्री नेत्र सिंह, कनिष्ठ आसूचना अधिकारी-II/कार्यकारी, एसआईबी दिल्ली, गृह मंत्रालय
612. सुश्री गगनदीप गंभीर, उप महानिरीक्षक, एसी-II, नई दिल्ली, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो
613. श्री प्रवीण मंडलोई, पुलिस अधीक्षक, एसयू, नई दिल्ली, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो
614. श्री कौशल किशोर सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, ईओबी, रांची (झारखंड), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो
615. श्री जगरूप सिंह, पुलिस उपाधीक्षक, एसीबी, चेन्नई, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो
616. श्री डार्विन के.जे., पुलिस उपाधीक्षक, ईओबी, चेन्नई, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो
617. श्री बिकास चंद्र चौरसिया, पुलिस उपाधीक्षक, ईओ-II, नई दिल्ली, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो
618. श्री जावेद अख्तर अली, पुलिस उपाधीक्षक, एसीबी, गाजियाबाद, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो
619. श्री कुमार अभिषेक, पुलिस उपाधीक्षक, एसयू, नई दिल्ली, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो
620. श्री मनोज कुमार, पुलिस उपाधीक्षक, नीति प्रभाग, नई दिल्ली, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो
621. श्री गिरीश सोनी, पुलिस उपाधीक्षक, एसीबी, पुणे, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो
622. श्री जगदेव सिंह यादव, पुलिस उपाधीक्षक, एसीबी, जयपुर, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो
623. श्री मुकेश कुमार, पुलिस उपाधीक्षक, सीबीआई अकादमी, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो
624. श्री तेजवीर सिंह, पुलिस निरीक्षक, सीबीआई अकादमी, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो
625. श्री मुन्ना कुमार सिंह, पुलिस निरीक्षक, बीएसएफबी, नई दिल्ली, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो
626. श्री गणेश शंकर, पुलिस निरीक्षक, एसीबी, लखनऊ, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो

627. श्री जहर लाल नायक, प्रधान आरक्षक, एसीबी, कोलकाता, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो
628. श्री इचिक्कामंडानाथ वर्गीस पॉलोस, प्रधान आरक्षक, एसीबी, बेंगलुरु, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो
629. श्री जगदीश चौधरी, प्रधान आरक्षक, एससीबी, पटना, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो
630. श्री बिजॉय बरुआ, प्रधान आरक्षक, एसटीबी, नई दिल्ली, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो
631. श्री देबदत्त मुखर्जी, प्रधान आरक्षक, एससीबी, कोलकाता, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो
632. श्री सतीश कुमार, आरक्षक, एसीबी, चंडीगढ़ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो
633. श्री अनूप मैथ्यूज, कार्यालय अधीक्षक, एसी-I, नई दिल्ली, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो
634. श्री खोकन भट्टाचार्जी, स्टेनो ग्रेड-I, एसयू, कोलकाता, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो
635. श्री राज मोहन चंद, वरिष्ठ लोक अभियोजक, एसी-VI/एसआईटी, नई दिल्ली, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो
636. श्री आनंद कुमार, सहायक महानिरीक्षक, द्वारका, नई दिल्ली, विशेष सुरक्षा दल
637. श्री अनूप सिंह बिष्ट, सहायक महानिरीक्षक, द्वारका, नई दिल्ली, विशेष सुरक्षा दल
638. श्री अरविन्द कुमार सोलंकी, सहायक महानिरीक्षक, द्वारका, नई दिल्ली, विशेष सुरक्षा दल
639. श्री रामफल शर्मा, सुरक्षा सहायक, द्वारका, नई दिल्ली, विशेष सुरक्षा दल
640. श्री नूतन सिंह, सहायक निदेशक, महिपालपुर, पुलिस अनुसंधान एंव विकास ब्यूरो
641. श्री दशरथ कुमार गौड़, सहायक निदेशक, महिपालपुर, पुलिस अनुसंधान एंव विकास ब्यूरो
642. श्री अंकित गर्ग, उप महानिदेशक, जनपथ भवन, नई दिल्ली, नागर विमानन मंत्रालय
643. श्री राजकुमार, डिस्पैच राइडर, जनपथ भवन, नई दिल्ली, नागर विमानन मंत्रालय
644. श्री राकेश चंद्र शुक्ला, क्षेत्रीय निदेशक, न्यू टाउन, एए-III, कोलकाता, स्वापक नियंत्रण ब्युरो
645. श्री राकेश कुमार चावला, संयुक्त सहायक निदेशक, एनएच-48, महिपालपुर, नई दिल्ली, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो
646. डॉ. कामेई लालजीकपाउ रंगमोई, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एसजी), दोइमुख, पापुम पारे, अरुणाचल प्रदेश, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल
647. श्री हितेन्द्र पाल सिंह कन्डारी, कमांडेन्ट, पटगांव, गुवाहाटी, असम, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल
648. श्री राजिंदर सिंह, निरीक्षक (प्रशिक्षण), उम्सॉव उमियम मेघालय, उत्तर पूर्वीय पुलिस अकादमी
649. श्री महेंद्र सिंह गिल, पुलिस उपाधीक्षक, जीपीओ कॉम्प्लेक्स, आईएनए, नई दिल्ली, राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग
650. श्रीमती के.बी. वंदना, उप महानिरीक्षक, हैदराबाद, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण
651. श्री अशोकन सी. एम., सहायक उप निरीक्षक, कोच्चि, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण
652. श्री दलबीर सिंह, सहायक उप निरीक्षक, इम्फाल, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण
653. श्री अजीत कुमार सिंह, सहायक कमांडेन्ट, शिवरामपल्ली, हैदराबाद, सरदार बल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी
654. श्री पंकज गंगवार, महानिरीक्षक सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, ईसीओआर/बीबीएस, रेलवे सुरक्षा बल
655. श्री देवरायी श्रीनिवास राव, सहायक समादेशक, 7बटालियन आरपीएसएफ मौला-अली हैदराबाद, रेलवे सुरक्षा बल
656. श्री जमजेर कुमार, सहायक समादेशक, 15 बटालियन आरपीएसएफ उधमपुर (जम्मू-कश्मीर), रेलवे सुरक्षा बल
657. श्री एन. श्रीनिवास राव, उप निरीक्षक, सेटलमेंट पोस्ट बीएसपी (सीजी), रेलवे सुरक्षा बल
658. श्री विवेक मोहन, उप निरीक्षक, उधमपुर पोस्ट, रेलवे सुरक्षा बल
659. श्री राजेन्द्रन जे., उप निरीक्षक, अभियोजन शाखा/थाइकौड, रेलवे सुरक्षा बल
660. श्री प्रफुल्ल भालेराव, प्रधान आरक्षक, पोस्ट-हैदराबाद, रेलवे सुरक्षा बल
661. श्री दिवाकर शुक्ला, सहायक उप निरीक्षक, आईजी/आरपीएफ/एनईआर कार्यालय, रेलवे सुरक्षा बल
662. श्री प्रवीन सिंह, निरीक्षक, 6बटालियन/आरपीएसएफ/दिल्ली, रेलवे सुरक्षा बल
663. श्री यावर हुसैन, उप निरीक्षक, 15 बटालियन/आरपीएसएफ/उधमपुर, रेलवे सुरक्षा बल
664. श्री नीलेश कुमार, सहायक उप निरीक्षक, सुरक्षा नियंत्रण दानापुर, रेलवे सुरक्षा बल
665. श्री विजय कुमार, निरीक्षक, 6 बटालियन आरपीएसएफ दिल्ली, रेलवे सुरक्षा बल
666. श्री साजी आगस्टीन, सहायक उप निरीक्षक, आरपीएफ आउट पोस्ट पोलाची, रेलवे सुरक्षा बल

667. श्री श्रीराम साहू, आरक्षी/रसोइया, 2 बटालियन आरपीएसएफ गोरखपुर, रेलवे सुरक्षा बल

668. श्री छाबुराव साखराजी ठवले, सहायक उप निरीक्षक/चालक/ग्रेड-I, आरपीएफ पोस्ट पुणे, रेलवे सुरक्षा बल

2. ये पुरस्कार, सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(ii) के तहत प्रदान किए जाते हैं।

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 72-प्रेस/2023—भारत के माननीय राष्ट्रपति गणतंत्र दिवस, 2023 के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

1. श्री अतुल सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक, गुंटूर, आंध्र प्रदेश
2. श्री संगम वेन्कट राव, रिजर्व उप निरीक्षक, 6ठी बटालियन, एपीएसपी मंगलागिरी, आंध्र प्रदेश
3. श्री प्रमोद कुमार मिश्रा, पुलिस उप महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश
4. श्री कांगकन ज्योति सैकिया, पुलिस उप महानिरीक्षक, दक्षिणी रेंज सिलचर, असम
5. श्री विनय कुमार शर्मा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, नीमचक बथानी गया, बिहार
6. श्री बिनय कृष्ण, पुलिस निरीक्षक, आर्थिक अपराध इकाई, पटना, बिहार
7. श्री विवेकानंद, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, नक्स.अभि./विआशा/छसबल/एसटीएफ, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर, छत्तीसगढ़
8. श्री प्रेम नाथ, संयुक्त पुलिस आयुक्त/तकनीकी, परियोजना कार्यान्वयन और साइबर अपराध रोकथाम जागरुकता व अनुसधांन, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
9. सुश्री सुनीता शर्मा, सहायक पुलिस आयुक्त, पुलिस मुख्यालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
10. श्री जसपाल कर्म सिंह, पुलिस महानिदेशक, पणजी, गोवा
11. श्री विश्राम उमाकांत बोरकर, पुलिस अधीक्षक, राजभवन, गोवा
12. श्री अनुपम सिंह गहलोत, अपर पुलिस महानिदेशक, सीआईडी (आसूचना) गांधीनगर, गुजरात
13. श्री कनुभाई किशोरभाई पटेल, पुलिस उपाधीक्षक, एटीएस, अहमदाबाद, गुजरात
14. श्री अमिताभ सिंह ढिल्लों, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, पंचकुला, हरियाणा
15. श्रीमती सतवंत अटवाल त्रिवेदी, अपर पुलिस महानिदेशक (एसवीएसीबी), शिमला, हिमाचल प्रदेश
16. श्री दानेश राणा, अपर पुलिस महानिदेशक (समन्वय), पुलिस मुख्यालय, जम्मू और कश्मीर
17. श्री विजय कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक, कश्मीर जोन, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर
18. श्री नवीन कुमार लाकड़ा, पुलिस उपाधीक्षक, रांची, झारखंड
19. श्री के. वी. शरथ चंद्र, अपर पुलिस महानिदेशक, बेंगलुरु, कर्नाटक
20. श्री अमोसे मामेन, अधीक्षक, राज्य विशेष शाखा, त्रिशूर रेंज, केरल
21. श्री दिनेश चंद सागर, अपर पुलिस महानिदेशक, शहडोल जोन, मध्य प्रदेश
22. श्री आलोक रंजन, अपर महानिदेशक, प्रोविजनिंग, पुलिस मुख्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश

23. श्री संजय तिवारी, पुलिस महानिरीक्षक, कानून एवं व्यवस्था, पुलिस मुख्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश

24. श्री राम सिया बघेल , सिपाही, द्वितीय बटालियन, एसएएफ, ग्वालियर, मध्य प्रदेश

25. श्री देवेन त्रिपुरारी भारती, अपर पुलिस महानिदेशक, राज्य सुरक्षा सहयोग, मुंबई, महाराष्ट्र

26. श्री अनूप कुमार सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक, मुंबई, महाराष्ट्र

27. श्री संभाजी नारायण देशमुख, वरिष्ठ आसूचना अधिकारी (पुलिस उप निरीक्षक), मुंबई, महाराष्ट्र

28. श्री दीपक धनाजी जाधव, पुलिस उप निरीक्षक, ठाणे, महाराष्ट्र

29. श्रीमती अचिन हाओकिप, पुलिस महानिरीक्षक (एपी-II), पश्चिमी इंफाल, मणिपुर

30. श्री लाइमयुम अमरनाथ शर्मा, अनुमंडल पुलिस अधिकारी, पूर्वी इंफाल, मणिपुर

31. श्री प्रोडेनसों संगमा, हवलदार, 1 मेघालय पुलिस बटालियन, मविओंग, मेघालय

32. श्री आर. वनलालदुता, पुलिस उपाधीक्षक/सहायक कमांडेन्ट, 1 बटालियन, एमएपी, मिजोरम

33. श्री एत्सीमोंगो न्गुली, उप महानिरीक्षक (रेंज), मोकोकचुंग, नागालैंड

34. श्री धीरेन्द्र संभाजी कुटे, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव, ओडिशा

35. श्री प्रह्ल्लाद कुमार राउत, कांस्टेबल, सतर्कता निदेशालय, कटक, ओडिशा

36. श्री गोलापल्ली नागेश्वर राव, अपर पुलिस महानिदेशक (प्रोव), चंडीगढ़, पंजाब

37. श्री मोहनीश चावला, पुलिस महानिरीक्षक, अमृतसर, पंजाब

38. श्री ओपिंदरजीत सिंह घुमान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, श्री मुक्तसर साहिब, पंजाब

39. श्री भीम सेन शर्मा, निरीक्षक, जयपुर, राजस्थान

40. श्री बृजेश कुमार निगम, हेड कांस्टेबल, जयपुर, राजस्थान

41. श्रीमती पी.चि. तेनमोली, पुलिस महानिरीक्षक, अपराध शाखा सीआईडी, विशेष जांच प्रभाग, चेन्नई, तमिलनाडु

42. श्री वे. पोनरामु, अपर पुलिस अधीक्षक, साइबर क्राइम विंग, चेंगलपट्टू, तमिलनाडु

43. श्री पि. रविसेकरन, अपर पुलिस अधीक्षक, अरियालुर, तमिलनाडु

44. डॉ. अनिल कुमार, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, हैदराबाद, तेलंगाना

45. श्री ब्रुंगी रामकृष्ण, अतिरिक्त कमाण्डेन्ट, टीएसएसपी 12वीं बटालियन, तेलंगाना

46. श्री सौरभ त्रिपाठी, अपर पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था), पुलिस मुख्यालय, त्रिपुरा

47. श्री राजा श्रीवास्तव, अपर पुलिस महानिदेशक, कार्मिक डीजीपी मुख्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

48. डॉ. नामला रविंदर, अपर पुलिस महानिदेशक, जनरल स्टाफ ऑफिसर डीजीपी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

49. श्री नवीन अरोरा, अपर पुलिस महानिदेशक, एटीएस, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

50. श्री मोहित अग्रवाल, अपर पुलिस महानिदेशक, तकनीकी सेवाएं, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

51. श्री विनय कुमार, मुख्या आरक्षी नागरिक पुलिस, आयुक्तालय वाराणसी, उत्तर प्रदेश

52. श्री वी मुरुगेसन, अपर पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था), देहरादून, उत्तराखंड

53. श्री जावेद शमीम, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, कानून एवं व्यवस्था, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

54. श्री शिबा प्रसाद मुखर्जी, सहायक पुलिस उप निरीक्षक (सशस्त्र शाखा), स्वामी विवेकानंद राज्य पुलिस अकादमी, बैरकपुर, पश्चिम बंगाल

55. श्रीमती सीता देवी, पुलिस उपाधीक्षक, सीपीएस, महिला एवं बाल सहायता यूनिट, सेक्टर-17, यूटी, चंडीगढ़

56. श्री शशीन्द्रन एम, कंमाडेंट, हैप्पी वैली, शिलांग, असम राइफल्स

57. श्री जतिन्दर सिंह ओबेरॉय, महानिरीक्षक, बीएसएफ अकादमी, टेकनपुर, सीमा सुरक्षा बल

58. श्री कुलदीप कुमार गुलिया, महानिरीक्षक, सीएसडब्ल्यूटी, इंदौर, सीमा सुरक्षा बल

59. डॉ. शेखर जायसवाल, महानिरीक्षक (मेड/एमएस), सीएच. पटगांव, गुवाहाटी, सीमा सुरक्षा बल

60. श्री एडविन जोन वैनेट, उप महानिरीक्षक, एसएचक्यू, त्रिवेंद्रम, सीमा सुरक्षा बल

61. श्री दीपक चतुर्वेदी, डीआईजी/अपर सीएलओ, एफएचक्यू, नई दिल्ली, सीमा सुरक्षा बल

62. श्रीमती शिखा गुप्ता, महानिरीक्षक, मुख्यालय नई दिल्ली, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

63. श्री पुष्कर सिंह रावत, सहायक कमांडेन्ट, आरसीएफएल, मुंबई, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

64. श्री पुलिन मित्रा, सहायक उप निरीक्षक /कार्यपालक, आईओसी, गुवाहाटी, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

65. सुश्री चारू सिन्हा, महानिरीक्षक, श्रीनगर सेक्टर, ब्रेइन निशात, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल

66. श्री अजय कुमार यादव, महानिरीक्षक, मुख्यालय, नई दिल्ली, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल

67. डॉ. भास्कर रे, महानिरीक्षक (चिकित्सा), सेम्बो, रांची, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल

68. श्री राकेश सिंह जून, कमाण्डेन्ट, 25वीं बटालियन, सशस्त्र पुलिस परिसर, ऊपरी हुमामा, बडगाम, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल

69. श्री मेरुगू रविन्दर रेड्डी, सहायक उप निरीक्षक/जीडी, द्वितीय सिग्नल बटालियन, हैदराबाद, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल

70. श्री संदीप खोसला, उप महानिरीक्षक (जीडी), एसएचक्यू, लेह, लद्दाख (यूटी), भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल

71. श्री धर्मपाल सिंह रावत, कमांडेन्ट/जीडी, 20वीं बटालियन, आलो, वेस्ट सियांग, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल

72. श्री बिशन सिंह, निरीक्षक (जीडी), 8वीं बटालियन, गौचर, चमोली, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल

73. श्री मदन लाल, सहायक कमांडेंट (अनुसचिवीय), एसएचक्यू, जलपाईगुड़ी, सशस्त्र सीमा बल

74. श्री विनोदन के.एन., निरीक्षक (अनुसचिवीय), बल मुख्यालय, आर.के.पुरम, नई दिल्ली, सशस्त्र सीमा बल

75. श्री जनार्दन सिंह, संयुक्त निदेशक, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय

76. श्री राजेश सुबर्नो, संयुक्त निदेशक, एसआईबी भुवनेश्वर, गृह मंत्रालय

77. श्री ओमेन्द्र नाथ भास्कर, संयुक्त निदेशक, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय

78. श्री डालचन्द सिंह ओलक, संयुक्त उपनिदेशक/कार्यकारी, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय

79. श्री मनोज कुमार झा, सहायक निदेशक/ कार्यकारी, एसआईबी पटना, गृह मंत्रालय

80. श्री संदीप मंगईन, सहायक निदेशक/ कार्यकारी, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय

81. श्री राजीव अनंतराओ वांखड़े, सहायक निदेशक/कार्यकारी, एसआईबी अहमदाबाद, गृह मंत्रालय

82. श्री अशोक कुमार लिधु, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-I/कार्यकारी, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय

83. श्री विप्लव कुमार चौधरी, संयुक्त निदेशक, विशेष अपराध क्षेत्र, नई दिल्ली, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो

84. श्री शरद अग्रवाल, संयुक्त निदेशक, विशेष कार्य क्षेत्र, नई दिल्ली, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो

85. श्री सत्य नारायण जाट, अपर पुलिस अधीक्षक, एसीबी, प्रथम तिलक मार्ग, जयपुर, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो

86. श्री एम. थांगलियन मांग, अपर पुलिस अधीक्षक, विशेष अपराध-1, नई दिल्ली, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो

87. श्री आदु राम, प्रधान आरक्षक, एसयू, नई दिल्ली, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो

88. श्री गौतम चंद्र दास, प्रधान आरक्षक, एसीबी, भुवनेश्वर, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो

89. श्री संजय कुमार सिंह, उप महानिदेशक, (प्रचालन, प्रवर्तन एवं समन्वय) सेक्टर-1, आर.के.पुरम, नई दिल्ली, स्वापक नियंत्रण ब्यूरो

90. श्री धन राम सिंह, पुलिस अधीक्षक, कोलकाता, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण

91. श्री नवीन कुमार सिंह, महानिदेशक, राष्ट्रीय महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना संरक्षण केन्द्र, ब्लॉक-III, पुराना जेएनयू परिसर, नई दिल्ली, एनटीआरओ

92. श्री एन मधुसूदन रेड्डी, संयुक्त निदेशक, हैदराबाद, एसवीपी एनपीए

93. श्री राजा राम, महानिरीक्षक सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, सिकंदराबाद, रेलवे सुरक्षा बल

2. ये पुरस्कार, विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(ii) के तहत प्रदान किए जाते हैं।

एस. एम. समी
अवर सचिव

वस्त्र मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 2023

संकल्प

विषय:—वस्त्र मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति का पुनर्गठन।

सं. ई-11011/1/2019-हिंदी—वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार ने अपने दिनांक 12 मार्च 2015, 07 सितंबर, 2016 तथा 9 मार्च, 2018 के संकल्प सं. ई-11011/1/2014-हिंदी का अधिक्रमण करते हुए, मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति का पुनर्गठन करने का निर्णय लिया है। समिति का गठन, कार्य आदि निम्नानुसार होंगे :—

	वस्त्र मंत्री	अध्यक्ष
	वस्त्र राज्य मंत्री	उपाध्यक्ष
	गैर-सरकारी सदस्य	
	संसदीय राजभाषा समिति द्वारा नामित	
1.	श्रीमती कान्ता कर्दम, संसद सदस्य (राज्य सभा)	सदस्य
2.	सुश्री सरोज पाण्डेय, संसद सदस्य (राज्य सभा)	सदस्य
	संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा नामित	
3.	श्रीमती शारदाबेन अनिलभाई पटेल, संसद सदस्य (लोक सभा)	सदस्य
4.	श्री शंकर लालवानी, संसद सदस्य (लोक सभा)	सदस्य
5.	डॉ. अशोक वाजपेयी, संसद सदस्य (राज्य सभा)	सदस्य

6.	श्रीमती जया बच्चन, संसद सदस्य (राज्य सभा)	सदस्य
	राजभाषा विभाग द्वारा नामित	
7.	श्री दिनेश कुमार गौड़	सदस्य
8.	श्री बबन घोष	सदस्य
9.	श्री राजू गौड़ा	सदस्य
	राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा द्वारा नामित	
10.	श्री महेश बंसीधर अग्रवाल	सदस्य
	केन्द्रीय सचिवालय हिंदी परिषद द्वारा नामित	
11.	श्री सुरेश तिवारी	सदस्य
	वस्त्र मंत्री द्वारा नामित गैर-सरकारी सदस्य	
12.	श्री प्रशांत कुमार सिंह	सदस्य
13.	श्री धर्मेन्द्र त्रिपाठी	सदस्य
14.	श्री मनराज गुर्जर	सदस्य
15.	श्री निखिल यादव	सदस्य

सरकारी सदस्य

(राजभाषा विभाग)

16.	सचिव, राजभाषा विभाग तथा हिंदी सलाहकार, भारत सरकार	सदस्य
17.	संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग	सदस्य

(वस्त्र मंत्रालय)

18.	सचिव (वस्त्र)	सदस्य
19.	अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, वस्त्र मंत्रालय	सदस्य
20.	विकास आयुक्त (हथकरघा), नई दिल्ली	सदस्य
21.	विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), नई दिल्ली	सदस्य
22.	वस्त्र आयुक्त, मुंबई	सदस्य
23.	पटसन आयुक्त, कोलकाता	सदस्य
24.	अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय वस्त्र निगम, नई दिल्ली	सदस्य
25.	अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, ब्रिटिश इंडिया कार्पोरेशन, कानपुर	सदस्य
26.	सदस्य सचिव, केंद्रीय रेशम बोर्ड, बेंगलुरू	सदस्य
27.	अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, भारतीय कपास निगम, मुंबई	सदस्य
28.	अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, हस्त. एवं हथ. निर्यात निगम, नोएडा	सदस्य
29.	प्रबंध निदेशक, सेंट्रल कॉटेज इंडस्ट्रीज कार्पोरेशन, नई दिल्ली	सदस्य
30.	अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, भारतीय पटसन निगम, कोलकाता	सदस्य
31.	प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम, ग्रेटर नोएडा, उ.प्र.	सदस्य
32.	महानिदेशक, राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली	सदस्य

33.	कार्यकारी निदेशक, केंद्रीय ऊन विकास बोर्ड, जोधपुर	सदस्य
34.	सचिव, वस्त्र समिति, मुंबई	सदस्य
35.	सचिव, राष्ट्रीय पटसन बोर्ड, कोलकाता	सदस्य
36.	निदेशक, सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल स्कूल ऑफ टेक्सटाइल्स एंड मैनेजमेंट, कोयम्बतूर	सदस्य
37.	आर्थिक सलाहकार, (प्रभारी राजभाषा) वस्त्र मंत्रालय	सदस्य-सचिव

(II) समिति का कार्य क्षेत्र

इस समिति का कार्य संविधान में राजभाषा संबंधी प्रावधानों, राजभाषा अधिनियम व नियम के उपबंधों, केन्द्रीय हिंदी समिति (माननीय प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में) के निर्णयों तथा गृह मंत्रालय (राजभाषा विभाग) द्वारा जारी निदेशों, अनुदेशों के कार्यान्वयन और मंत्रालय के कामकाज में हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने के बारे में सलाह देना होगा ।

(III) कार्य काल

(1) समिति का कार्यकाल इसके गठन की तारीख से सामान्यत: तीन वर्षों का होगा।

(2) समिति के कार्यकाल के दौरान, यदि किसी व्यक्ति को समिति का सदस्य नामित किया जाता है तो वह उस समिति के कार्यकाल की शेष अवधि के लिए ही सदस्य होगा।

(3) विशेष परिस्थितियों में मंत्रालय द्वारा समिति का कार्यकाल कम या ज्यादा किया जा सकता है।

(4) जो संसद सदस्य समिति के सदस्य हैं, वे संसद सदस्य न रहने पर इस समिति के सदस्य नहीं रहेंगे।

(5) समिति के पदेन सदस्य अपने पद पर कार्य करते रहने पर समिति के सदस्य बने रहेंगे।

(IV) सामान्य

(1) समिति का प्रधान कार्यालय नई दिल्ली में होगा लेकिन समिति अपनी बैठकें किसी अन्य नगर में भी कर सकती है।

(2) गैर-सरकारी सदस्यों को समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए यात्रा भत्ता एवं दैनिक भत्ता राजभाषा विभाग द्वारा समय-समय पर यथा संशोधित दिनांक 22 जनवरी 1987 को जारी कार्यालय ज्ञापन सं. II/22034/04/86- रा.भा. (ए-2) में निहित दिशानिर्देशों के अनुसार प्रदान किया जाएगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है इस अधिसूचना की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों और संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों, प्रधान मंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसदीय कार्य मंत्रालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, नीति आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, केन्द्रीय राजस्व के महालेखाकार तथा भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों को भेजी जाए ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस अधिसूचना को जनसाधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए और मंत्रालय की वेबसाइट पर भी उपलब्ध करवाया जाए।

गौरव कुमार
आर्थिक सलाहकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 जून 2023

विषय-: पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के क्षेत्रीय कार्यालयों और उनके उप-कार्यालयों का गठन।

सं. 1-5/2013-आरओएचक्यू—इस मंत्रालय की दिनांक 13.08.2020 की अधिसूचना के क्रम में, सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालयों को विघटित करने और क्षेत्रीय कार्यालयों को सौंपे गए अधिदेशों पर कार्रवाई करने की आवश्यकताओं पर विचार करते हुए नीचे दी गई तालिका के अनुसार पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एंड सीसी) के 11 (ग्यारह) क्षेत्रीय कार्यालयों (क्षेत्रीय कार्यालय) अर्थात् बैंगलोर, भोपाल, भुवनेश्वर, लखनऊ, शिलांग, चंडीगढ़, चेन्नई, देहरादून, नागपुर, रांची और गांधीनगर सहित

9 उप-कार्यालयों, कोलकाता (क्षेत्रीय कार्यालय, भुवनेश्वर के तहत), हैदराबाद और विजयवाड़ा (क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई के तहत), शिमला और जम्मू (क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ के तहत), गुवाहाटी (क्षेत्रीय कार्यालय, शिलांग के तहत), रायपुर (क्षेत्रीय कार्यालय नागपुर के तहत), पटना (क्षेत्रीय कार्यालय, रांची के तहत) और जयपुर (क्षेत्रीय कार्यालय, गांधीनगर के तहत) का गठन करने का निर्णय लिया गया है:

क्र.सं.	क्षेत्रीय कार्यालय का मुख्यालय	क्षेत्रीय कार्यालय और उसके उप-कार्यालय के अधिकार क्षेत्र में आने वाले राज्य और संघ राज्य क्षेत्र
1	बैंगलोर	कर्नाटक, केरल, गोवा और लक्षद्वीप
2	भोपाल	मध्य प्रदेश
3	भुवनेश्वर	ओडिशा
4	कोलकाता में उप-कार्यालय	पश्चिम बंगाल और सिक्किम
	चेन्नई	तमिलनाडु, पुडुचेरी और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह
	हैदराबाद में उप-कार्यालय	तेलंगाना
	विजयवाड़ा में उप-कार्यालय	आंध्र प्रदेश
5	चंडीगढ़	चंडीगढ़, हरियाणा और पंजाब
	शिमला में उप-कार्यालय	हिमाचल प्रदेश
	जम्मू में उप-कार्यालय	जम्मू एवं कश्मीर और लद्दाख
6	देहरादून	उत्तराखंड
7	लखनऊ	उत्तर प्रदेश और दिल्ली
8	नागपुर	महाराष्ट्र
	रायपुर में उप-कार्यालय	छत्तीसगढ
9	रांची	झारखंड
10	पटना में उप-कार्यालय	बिहार
	शिलांग	मणिपुर, मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा
	गुवाहाटी में उप-कार्यालय	असम, नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश
11	गांधीनगर	गुजरात, दादर और नगर हवेली तथा दमन और दीव
	जयपुर में उप-कार्यालय	राजस्थान

2. यह भी निर्णय लिया गया है कि विभिन्न कार्यालयों अर्थात् राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए), वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (डब्ल्यूसीसीबी), केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (सीजेडए) और भारतीय वन सर्वेक्षण (एफएसआई) का क्षेत्रीय कार्यालयों के साथ एकीकरण एतद्वारा समाप्त कर दिया गया है और ये दिनांक 13.08.2020 की अधिसूचना के द्वारा हुए एकीकरण से पहले की तरह कार्य करेंगे। 9 उप-कार्यालयों के साथ 11 क्षेत्रीय कार्यालयों की स्वीकृत कार्मिक संख्या से संबंधित विवरण अनुबंध-I के रूप में संलग्न है। प्रत्येक क्षेत्रीय कार्यालय के प्रमुख को उप वन महानिदेशक (केंद्रीय), क्षेत्रीय कार्यालय, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय कहा जाएगा।

3. उपर्युक्त 11 क्षेत्रीय कार्यालयों (आरओ) में से प्रत्येक, दिनांक 08.01.2014 के संकल्प संख्या 4-7/2012-आरओएचक्यू में उल्लिखित इस मंत्रालय के अधिदेश से संबंधित परिणामों को प्राप्त करने में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की एक क्षेत्रीय इकाई के रूप में काम करेगा। क्षेत्रीय कार्यालय का उप-कार्यालय उक्त संकल्प में परिभाषित अधिदेश के अनुसार संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय की सहायता करेगा। क्षेत्रीय कार्यालय यथा लागू वन (संरक्षण) नियमों के अनुसार कार्य करेंगे। तथापि, वन भूमियों के अपवर्तन के प्रस्तावों की निगरानी, जांच और उन पर कार्रवाई, स्थल निरीक्षण, पाक्षिक समीक्षा समन्वय बैठकें (एफआरसीएम) आयोजित करने, प्रस्तावों को प्रस्तुत करने में सुविधा प्रदान करने और उनमें आने वाली बाधाओं को हल करने के लिए उपयोगकर्ता एजेंसियों की सहायता करने का कार्य-संबंधित क्षेत्रीय कार्यालयों के उप-कार्यालय द्वारा या समय-समय पर इस मंत्रालय द्वारा यथा निर्दिष्ट तरीके से निष्पादित किया जाएगा। क्षेत्रीय कार्यालयों के उप-कार्यालयों और क्षेत्रीय कार्यालयों में तैनात वैज्ञानिक क्रमशः संबंधित क्षेत्रीय कार्यालयों के प्रमुख को रिपोर्ट करेंगे।

4. गांधीनगर में एक नया क्षेत्रीय कार्यालय प्रस्तावित है और इसकी स्थापना और कार्मिकों की नियुक्ति की प्रक्रिया भारत सरकार के मौजूदा नियमों के अनुसार अलग से शुरू की जाएगी। जब तक क्षेत्रीय कार्यालय गांधीनगर के औपचारिक प्रस्ताव को मंजूरी नहीं मिल जाती (जैसा कि अनुबंध-I में प्रस्तावित है) और व्यय विभाग द्वारा अनुमोदन नहीं दिया जाता है, तब तक जयपुर और गांधीनगर में तैनात मौजूदा कर्मचारियों को उपलब्ध संसाधनों और कार्मिकों के साथ या इस संबंध में इस मंत्रालय द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार जारी रखा जाएगा। इसके अलावा, क्षेत्रीय कार्यालय गांधीनगर और जयपुर के उप-कार्यालय के लिए वेतन और अन्य व्यय का संवितरण अगले आदेश तक क्रमशः क्षेत्रीय कार्यालय

भोपाल और क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ से पहले की तरह जारी रखा जाएगा। उप-कार्यालयों को बिना किसी वित्तीय बोझ और पदों के सृजन के उनके मूल क्षेत्रीय कार्यालयों से अलग करके स्थापित किया जा रहा है तथा उनके लिए मौजूदा संसाधनों और बुनियादी ढांचे का उपयोग किया जाएगा।

5. उप-कार्यालयों में तैनात सभी वैज्ञानिक और अन्य कर्मचारी संबंधित उप-वन महानिदेशक (केंद्रीय) को रिपोर्ट करना जारी रखेंगे, जो प्रशासनिक/स्थापना और तकनीकी मुद्दों से संबंधित सभी मामलों के लिए उनके रिपोर्टिंग अधिकारी भी होंगे।

6. योजना के तहत बजट भी क्षेत्रीय कार्यालयों के प्रस्तावित गठन के अनुरूप केवल क्षेत्रीय कार्यालयों को ही पुनः आवंटित किया जाएगा। बजट और व्यय को संबंधित क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा नियंत्रित किया जाएगा।

7. पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तकनीकी (वानिकी) संवर्ग के पुनर्गठन के लिए व्यय विभाग की मंजूरी के परिणामस्वरूप, संवर्ग की कुल स्वीकृत संख्या 49 से 40 कर दी गई है। उप-कार्यालयों सहित क्षेत्रीय कार्यालयों में पदों की तैनाती का विवरण अनुलग्नक-I के अनुसार है, जिसमें दिनांक 08.01.2014 के संकल्प संख्या 4-7/2012-आरओएचक्यू में 319 की तुलना में, आरओएचक्यू /मंत्रालय को छोड़कर, क्षेत्रीय कार्यालयों में स्वीकृत पदों की कुल संख्या 311 दर्शाई गई है। आरओएचक्यू/मंत्रालय की स्वीकृत संख्या वही रहेगी जो संकल्प संख्या 4-7/2012-आरओएचक्यू दिनांक 08.01.2014 में उल्लिखित है।

8. अधिसूचना के अनुसार नए क्षेत्राधिकार के अनुसार परिवेश पोर्टल पर निरंतर सूचना उपलब्ध कराने के लिए एनआईसी द्वारा आवश्यक कार्रवाई शुरू की जाएगी ।

9. मंत्रालय का आईएफएस प्रभाग आवश्यक कार्रवाई शुरू करेगा और क्षेत्रीय कार्यालयों के तहत उप-कार्यालयों की स्थापना के आलोक में आईएफएस अधिकारियों की पुन: तैनाती और कार्य आवंटन के आदेश जारी करेगा।

10. बंद किए गए एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालयों (आईआरओ) में तैनात पदाधिकारी/अधिकारी अगले आदेश तक उन क्षेत्रीय कार्यालयों से वेतन प्राप्त करना जारी रखेंगे जहां उनका अधिकार क्षेत्र स्थानांतरित हो गया है। चूंकि प्रधान निजी सचिव, निजी सचिव, वैयक्तिक सहायक, स्टेनो ग्रेड 'डी', कनिष्ठ हिंदी अनुवादक, अनुभाग अधिकारी, सहायक, यूडीसी, एलडीसी, एमटीएस, एससीडी के पदों के संबंध में मौजूदा भर्ती नियम (आरआर) दिनांक 08.01.2014 के संकल्प की अधिसूचना के बाद तैयार/संशोधित किए गए थे, अत: अखिल भारतीय स्तर के आधार पर पदों के एकीकृत प्रशासनिक नियंत्रण को स्थापित करने के लिए इस अधिसूचना के आलोक में इन भर्ती नियमों में संशोधन किया जाएगा और सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से आवश्यकता पड़ने पर पदों को एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय में स्थानांतरित भी किया जा सकता है।

यह डायरी सं. 136776 दिनांक 20.06.2023 के अनुसार सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से जारी किया जाता है।

(फा.सं. 1-5/2013-आरओएचक्यू)

रमेश कुमार पाण्डेय
वन महानिरीक्षक

अनुबन्ध–1

क्षेत्रीय कार्यालय, बैंगलोर में स्वीकृत पदों का विवरण

क्र.सं.	पद का नाम	वेतन मैट्रिक्स में स्तर	वेतन स्तर	बैंगलोर
1	2	3	4	5
1	उप–वन महानिदेशक (केन्द्रीय)	रु. 182200–224100	15	1
2	उप–वन महानिरीक्षक (केन्द्रीय)	रु. 131100–216600	13ए	2
3	सहायक वन महानिरीक्षक (केन्द्रीय)	रु. 123100–215900	13	1
4	वैज्ञानिक 'एफ'	रु. 131100–216600	13ए	1
5	वैज्ञानिक 'डी'	रु. 78800–209200	12	2
6	वैज्ञानिक 'सी'	रु. 67700–208700	11	1
7	सहायक आयुक्त (वानिकी)	रु. 67700–208700	11	1
8	उप–वन महानिदेशक (केन्द्रीय) के प्रधान निजी सचिव	रु. 67700–208700	11	1
9	निजी सचिव (वरिष्ठ निजी सहायक)	रु. 44900–142400	7	1
10	अनुभाग अधिकारी*	रु. 44900–142400	7	2
11	अनुसंधान अधिकारी (पर्यावरण) ग्रेड–II	रु. 44900–142400	7	1
12	तकनीकी अधिकारी (वानिकी) ग्रेड–II	रु. 44900–142400	7	1
13	सहायक	रु. 35400–112400	6	2
14	अनुसंधान सहायक (पर्यावरण)	रु. 35400–112400	6	1

क्र.सं.	पद का नाम	वेतन मैट्रिक्स में स्तर	वेतन स्तर	बैंगलोर
1	2	3	4	5
15	वैयक्ति सहायक/आशुलिपिक ग्रेड–'सी'	रु. 35400–112400	6	2
16	आशुलिपिक ग्रेड–'डी	रु. 25500–81100	4	3
17	कनिष्ठ अनुवादक	रु. 35400–112400	6	1
18	प्रवर श्रेणी लिपिक	रु. 25500–81100	4	2
19	अवर श्रेणी लिपिक	रु. 19900–63200	2	3
20	स्टाफ कार चालक	रु. 19900–63200	2	2
21	मल्टी–टास्किंग स्टाफ	रु. 18000–56900	1	4
कुल				35

* दिनांक 16.08.2023 के बाद अगले आदेश तक अनुभाग अधिकारी का एक पद आर.ओ. देहरादून से स्थानांतरित किया जाएगा।

क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल में स्वीकृत पदों का विवरण				
क्र.सं.	पद का नाम	वेतन मैट्रिक्स में स्तर	वेतन स्तर	भोपाल
1	2	3	4	5
1	उप–वन महानिदेशक (केन्द्रीय)	रु. 182200–224100	15	1
2	उप–वन महानिरीक्षक (केन्द्रीय)	रु. 131100–216600	13ए	1
3	सहायक वन महानिरीक्षक (केन्द्रीय)	रु. 123100–215900	13	1
4	वैज्ञानिक 'एफ'	रु. 131100–216600	13ए	1
5	वैज्ञानिक 'डी'	रु. 78800–209200	12	2
6	वैज्ञानिक 'सी'	रु. 67700–208700	11	1
7	उप–वन महानिदेशक (केन्द्रीय) के प्रधान निजी सचिव	रु. 67700–208700	11	1
8	निजी सचिव (वरिष्ठ निजी सहायक)	रु. 44900–142400	7	3
9	अनुभाग अधिकारी	रु. 44900–142400	7	1
10	अनुसंधान अधिकारी (पर्यावरण) ग्रेड–II	रु. 44900–142400	7	1
11	तकनीकी अधिकारी (वानिकी) ग्रेड–II	रु. 44900–142400	7	1
12	सहायक	रु. 35400–112400	6	2
13	अनुसंधान सहायक (पर्यावरण)	रु. 35400–112400	6	1
14	आशुलिपिक ग्रेड–'डी	रु. 25500–81100	4	3
15	कनिष्ठ अनुवादक	रु. 35400–112400	6	1
16	प्रवर श्रेणी लिपिक	रु. 25500–81100	4	2
17	अवर श्रेणी लिपिक	रु. 19900–63200	2	3
18	स्टाफ कार चालक	रु. 19900–63200	2	2
19	मल्टी–टास्किंग स्टाफ	रु. 18000–56900	1	4
कुल				32

क्षेत्रीय कार्यालय, भुवनेश्वर में स्वीकृत पदों का विवरण

क्र.सं.	पद का नाम	वेतन मैट्रिक्स में स्तर	वेतन स्तर	भुवनेश्वर
1	2	3	4	5
1	उप–वन महानिदेशक (केन्द्रीय)	रु. 182200–224100	15	1
2	उप–वन महानिरीक्षक (केन्द्रीय)	रु. 131100–216600	13ए	2

क्र.सं.	पद का नाम	वेतन मैट्रिक्स में स्तर	वेतन स्तर	भुवनेश्वर
3	सहायक वन महानिरीक्षक (केन्द्रीय)	रु. 123100–215900	13	1
4	वैज्ञानिक 'एफ'	रु. 131100–216600	13ए	1
5	वैज्ञानिक 'डी'	रु. 78800–209200	12	2
6	वैज्ञानिक 'सी'	रु. 67700–208700	11	1
7	उप–वन महानिदेशक (केन्द्रीय) के प्रधान निजी सचिव	रु. 67700–208700	11	1
8	सहायक आयुक्त (वानिकी)	रु. 67700–208700	11	1
9	निजी सचिव (वरिष्ठ निजी सहायक)	रु. 44900–142400	7	1
10	अनुभाग अधिकारी	रु. 44900–142400	7	1
11	अनुसंधान अधिकारी (पर्यावरण) ग्रेड–II	रु. 44900–142400	7	1
12	तकनीकी अधिकारी (वानिकी) ग्रेड–II	रु. 44900–142400	7	1
13	सहायक	रु. 35400–112400	6	2
14	अनुसंधान सहायक (पर्यावरण)	रु. 35400–112400	6	1
15	वैयक्ति सहायक/आशुलिपिक ग्रेड–'सी'	रु. 35400–112400	6	1
16	आशुलिपिक ग्रेड–'डी	रु. 25500–81100	4	3
17	कनिष्ठ अनुवादक	रु. 35400–112400	6	1
18	प्रवर श्रेणी लिपिक	रु. 25500–81100	4	2
19	अवर श्रेणी लिपिक	रु. 19900–63200	2	3
20	स्टाफ कार चालक	रु. 19900–63200	2	2
21	मल्टी–टास्किंग स्टाफ	रु. 18000–56900	1	4
कुल				33

उप–कार्यालय कोलकाता के कर्मचारी क्षेत्रीय कार्यालय, भुवनेश्वर की स्वीकृत संख्या के अंतर्गत शामिल हैं।

क्र.सं.	पद का नाम	वेतन मैट्रिक्स में स्तर	वेतन स्तर	पदों की संख्या
1	उप–वन महानिरीक्षक (केन्द्रीय)	रु. 131100–216600	13ए	1
2	वैज्ञानिक 'डी'	रु. 78800–209200	12	1
3	तकनीकी अधिकारी (वानिकी) ग्रेड–II	रु. 44900–142400	7	1
4	आशुलिपिक ग्रेड–'डी	रु. 25500–81100	4	1
5	अवर श्रेणी लिपिक	रु. 19900–63200	2	1
कुल				5

क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ में स्वीकृत पदों का विवरण				
क्र.सं.	पद का नाम	वेतन मैट्रिक्स में स्तर	वेतन स्तर	चंडीगढ
1	2	3	4	5
1	उप–वन महानिदेशक (केन्द्रीय)	रु. 182200–224100	15	1
2	उप–वन महानिरीक्षक (केन्द्रीय)	रु. 131100–216600	13ए	3
3	सहायक वन महानिरीक्षक (केन्द्रीय)	रु. 123100–215900	13	0
4	वैज्ञानिक 'एफ'	रु. 131100–216600	13ए	1
5	वैज्ञानिक 'डी'	रु. 78800–209200	12	2
6	वैज्ञानिक 'सी'	रु. 67700–208700	11	1
7	सहायक आयुक्त (वानिकी)	रु. 67700–208700	11	1
8	उप–वन महानिदेशक (केन्द्रीय) के प्रधान निजी सचिव	रु. 67700–208700	11	1
9	तकनीकी अधिकारी (वानिकी) ग्रेड–I	रु. 44900–142400	8	1
10	निजी सचिव (वरिष्ठ निजी सहायक)	रु. 44900–142400	7	1
11	अनुभाग अधिकारी	रु. 44900–142400	7	1
12	अनुसंधान अधिकारी (पर्यावरण) ग्रेड–II	रु. 44900–142400	7	1
13	सहायक	रु. 35400–112400	6	2
14	अनुसंधान सहायक (पर्यावरण)	रु. 35400–112400	6	1
15	अनुसंधान अन्वेषक (वानिकी)	रु. 35400–112400	6	1
16	वैयक्ति सहायक/आशुलिपिक ग्रेड–'सी'	रु. 35400–112400	6	1
17	आशुलिपिक ग्रेड–'डी	रु. 25500–81100	4	3
18	कनिष्ठ अनुवादक	रु. 35400–112400	6	1
19	प्रवर श्रेणी लिपिक	रु. 25500–81100	4	2
20	अवर श्रेणी लिपिक	रु. 19900–63200	2	3
21	स्टाफ कार चालक	रु. 19900–63200	2	1
22	मल्टी–टास्किंग स्टाफ	रु. 18000–56900	1	3
कुल				32

उप–कार्यालय शिमला के कर्मचारी क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ की स्वीकृत संख्या के अंतर्गत शामिल हैं।

क्र.सं.	पद का नाम	वेतन मैट्रिक्स में स्तर	वेतन स्तर	पदों की संख्या
1	उप–वन महानिरीक्षक (केन्द्रीय)	रु. 131100–216600	13ए	1
2	वैज्ञानिक 'डी'	रु. 78800–209200	12	1
3	तकनीकी अधिकारी (वानिकी) ग्रेड–I	रु. 47600–151100	8	1
4	आशुलिपिक ग्रेड–'डी	रु. 25500–81100	4	1
5	अवर श्रेणी लिपिक	रु. 19900–63200	2	1
कुल				5

उप–कार्यालय जम्मू के कर्मचारी क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ की स्वीकृत संख्या के अंतर्गत शामिल है।

क्र.सं.	पद का नाम	वेतन मैट्रिक्स में स्तर	वेतन स्तर	पदों की संख्या
1	उप–वन महानिरीक्षक (केन्द्रीय)	रु. 131100–216600	13ए	1
2	वैज्ञानिक 'डी'	रु. 78800–209200	12	1
3	अनुसंधान अन्वेषक (वानिकी)	रु. 35400–112400	6	1
4	आशुलिपिक ग्रेड–'डी	रु. 25500–81100	4	1
5	अवर श्रेणी लिपिक	रु. 19900–63200	2	1
कुल				5

क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई में स्वीकृत पदों का विवरण				
क्र.सं.	पद का नाम	वेतन मैट्रिक्स में स्तर	वेतन स्तर	चेन्नई
1	2	3	4	5
1	उप–वन महानिदेशक (केन्द्रीय)	रु. 182200–224100	15	1
2	उप–वन महानिरीक्षक (केन्द्रीय)	रु. 131100–216600	13ए	2
3	सहायक वन महानिरीक्षक (केन्द्रीय)	रु. 123100–215900	13	1
4	वैज्ञानिक 'एफ'	रु. 131100–216600	13ए	2
5	वैज्ञानिक 'डी'	रु. 78800–209200	12	3
6	वैज्ञानिक 'सी'	रु. 67700–208700	11	1
7	उप–वन महानिदेशक (केन्द्रीय) के प्रधान निजी सचिव	रु. 67700–208700	11	1
8	निजी सचिव (वरिष्ठ निजी सहायक)	रु. 44900–142400	7	1
9	अनुभाग अधिकारी	रु. 44900–142400	7	1
10	अनुसंधान अधिकारी (पर्यावरण) ग्रेड–II	रु. 44900–142400	7	1
11	तकनीकी अधिकारी (वानिकी) ग्रेड–I	रु. 44900–142400	8	1
12	तकनीकी अधिकारी (वानिकी) ग्रेड–II	रु. 44900–142400	7	2
13	सहायक	रु. 35400–112400	6	2
14	अनुसंधान सहायक (पर्यावरण)	रु. 35400–112400	6	1
15	आशुलिपिक ग्रेड–'डी	रु. 25500–81100	4	3
16	कनिष्ठ अनुवादक	रु. 35400–112400	6	1
17	प्रवर श्रेणी लिपिक	रु. 25500–81100	4	1
18	अवर श्रेणी लिपिक	रु. 19900–63200	2	2
19	स्टाफ कार चालक	रु. 19900–63200	2	2
20	मल्टी–टास्किंग स्टाफ	रु. 18000–56900	1	3
कुल				32

उप–कार्यालय हैदराबाद के कर्मचारी क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई की स्वीकृत संख्या के अंतर्गत शामिल हैं।

क्र.सं.	पद का नाम	वेतन मैट्रिक्स में स्तर	वेतन स्तर	पदों की संख्या
1	उप–वन महानिरीक्षक (केन्द्रीय)	रु. 131100–216600	13ए	1
2	वैज्ञानिक 'एफ'	रु. 131100–216600	13ए	1
3	तकनीकी अधिकारी (वानिकी) ग्रेड–I	रु. 47600–151100	8	1
4	निजी सचिव (वरिष्ठ निजी सहायक)	रु. 44900–142400	7	1
5	अवर श्रेणी लिपिक	रु. 19900–63200	2	1
कुल				5

उप–कार्यालय विजयवाड़ा के कर्मचारी क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई की स्वीकृत संख्या के अंतर्गत शामिल हैं।

क्र.सं.	पद का नाम	वेतन मैट्रिक्स में स्तर	वेतन स्तर	पदों की संख्या
1	सहायक वन महानिरीक्षक (केन्द्रीय)	रु. 123100–215900	13	1
2	वैज्ञानिक 'डी'	रु. 78800–209200	12	1
3	तकनीकी अधिकारी (वानिकी) ग्रेड–II	रु. 44900–142400	7	1
4	प्रवर श्रेणी लिपिक	रु. 25500–81100	4	1
5	आशुलिपिक ग्रेड–'डी	रु. 25500–81100	4	1
कुल				5

क्षेत्रीय कार्यालय, देहरादून में स्वीकृत पदों का विवरण				
क्र.सं.	पद का नाम	वेतन मैट्रिक्स में स्तर	वेतन स्तर	देहरादून
1	2	3	4	5
1	उप–वन महानिदेशक (केन्द्रीय)	रु. 182200–224100	15	1
2	उप–वन महानिरीक्षक (केन्द्रीय)	रु. 131100–216600	13ए	2
3	सहायक वन महानिरीक्षक (केन्द्रीय)	रु. 123100–215900	13	1
4	वैज्ञानिक 'एफ'	रु. 131100–216600	13ए	0
5	वैज्ञानिक 'डी'	रु. 78800–209200	12	1
6	वैज्ञानिक 'सी'	रु. 67700–208700	11	1
7	उप–वन महानिदेशक (केन्द्रीय) के प्रधान निजी सचिव	रु. 67700–208700	11	1
8	अनुभाग अधिकारी*	रु. 44900–142400	7	1
9	अनुसंधान अधिकारी (पर्यावरण) ग्रेड–II	रु. 44900–142400	7	1
10	तकनीकी अधिकारी (वानिकी) ग्रेड–I	रु. 47600–151100	8	1
11	तकनीकी अधिकारी (वानिकी) ग्रेड–II	रु. 44900–142400	7	1
12	सहायक	रु. 35400–112400	6	1
13	अनुसंधान सहायक (पर्यावरण)	रु. 35400–112400	6	1
14	आशुलिपिक ग्रेड–'डी	रु. 25500–81100	4	3
15	कनिष्ठ अनुवादक	रु. 35400–112400	6	1
16	प्रवर श्रेणी लिपिक	रु. 25500–81100	4	1
17	अवर श्रेणी लिपिक	रु. 19900–63200	2	2
18	स्टाफ कार चालक	रु. 19900–63200	2	2
19	मल्टी–टास्किंग स्टाफ	रु. 18000–56900	1	3
कुल				25

*दिनांक 16.08.2023 तक आई.आर.ओ. देहरादून अनुभाग अधिकारी का पद। तत्पश्चात इस पद को आर.ओ. बैंगलोर स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ में स्वीकृत पदों का विवरण				
क्र.सं.	पद का नाम	वेतन मैट्रिक्स में स्तर	वेतन स्तर	लखनऊ
1	2	3	4	5
1	उप–वन महानिदेशक (केन्द्रीय)	रु. 182200–224100	15	1
2	उप–वन महानिरीक्षक (केन्द्रीय)	रु. 131100–216600	13ए	2
3	सहायक वन महानिरीक्षक (केन्द्रीय)	रु. 123100–215900	13	1
4	वैज्ञानिक 'एफ'	रु. 131100–216600	13ए	1
5	वैज्ञानिक 'डी'	रु. 78800–209200	12	2
6	वैज्ञानिक 'सी'	रु. 67700–208700	11	1
7	उप–वन महानिदेशक (केन्द्रीय) के प्रधान निजी सचिव	रु. 67700–208700	11	1
8	निजी सचिव (वरिष्ठ निजी सहायक)	रु. 44900–142400	7	1
9	अनुभाग अधिकारी	रु. 44900–142400	7	1
10	अनुसंधान अधिकारी (पर्यावरण) ग्रेड–II	रु. 44900–142400	7	1
11	तकनीकी अधिकारी (वानिकी) ग्रेड–II	रु. 44900–142400	7	1
12	सहायक	रु. 35400–112400	6	2
13	अनुसंधान सहायक (पर्यावरण)	रु. 35400–112400	6	1
14	अनुसंधान अनुवेषक (वानिकी)	रु. 35400–112400	6	1
15	वैयक्ति सहायक/आशुलिपिक ग्रेड–'सी'	रु. 35400–112400	6	1
16	आशुलिपिक ग्रेड–'डी	रु. 25500–81100	4	3
17	कनिष्ठ अनुवादक	रु. 35400–112400	6	1
18	प्रवर श्रेणी लिपिक	रु. 25500–81100	4	2
19	अवर श्रेणी लिपिक	रु. 19900–63200	2	3
20	स्टाफ कार चालक	रु. 19900–63200	2	2
21	मल्टी–टास्किंग स्टाफ	रु. 18000–56900	1	4
कुल				33

क्षेत्रीय कार्यालय, नागपुर में स्वीकृत पदों का विवरण				
क्र.सं.	पद का नाम	वेतन मैट्रिक्स में स्तर	वेतन स्तर	नागपुर
1	2	3	4	5
1	उप–वन महानिदेशक (केन्द्रीय)	रु. 182200–224100	15	1
2	उप–वन महानिरीक्षक (केन्द्रीय)	रु. 131100–216600	13ए	2
3	सहायक वन महानिरीक्षक (केन्द्रीय)	रु. 123100–215900	13	1
4	वैज्ञानिक 'एफ'	रु. 131100–216600	13ए	1
5	वैज्ञानिक 'डी'	रु. 78800–209200	12	2
6	वैज्ञानिक 'सी'	रु. 67700–208700	11	1
7	उप–वन महानिदेशक (केन्द्रीय) के प्रधान निजी सचिव	रु. 67700–208700	11	1
8	अनुभाग अधिकारी	रु. 44900–142400	7	1
9	अनुसंधान अधिकारी (पर्यावरण) ग्रेड–II	रु. 44900–142400	7	1
10	तकनीकी अधिकारी (वानिकी) ग्रेड–I	रु. 44900–142400	8	1
11	तकनीकी अधिकारी (वानिकी) ग्रेड–II	रु. 44900–142400	7	1
12	सहायक	रु. 35400–112400	6	2
13	अनुसंधान सहायक (पर्यावरण)	रु. 35400–112400	6	1
14	आशुलिपिक ग्रेड–'डी	रु. 25500–81100	4	3
15	कनिष्ठ अनुवादक	रु. 35400–112400	6	1
16	प्रवर श्रेणी लिपिक	रु. 25500–81100	4	1
17	अवर श्रेणी लिपिक	रु. 19900–63200	2	2
18	स्टाफ कार चालक	रु. 19900–63200	2	2
19	मल्टी–टास्किंग स्टाफ	रु. 18000–56900	1	3
कुल				28

उप–कार्यालय रायपुर के कर्मचारी क्षेत्रीय कार्यालय, नागपुर की स्वीकृत संख्या के अंतर्गत शामिल हैं।

क्र.सं.	पद का नाम	वेतन मैट्रिक्स में स्तर	वेतन स्तर	पदों की संख्या
1	उप–वन महानिरीक्षक (केन्द्रीय)	रु. 131100–216600	13ए	1
2	वैज्ञानिक 'सी'	रु. 67700–208700	11	1
3	तकनीकी अधिकारी (वानिकी) ग्रेड–II	रु. 44900–142400	7	1
4	सहायक	रु. 35400–112400	6	1
5	आशुलिपिक ग्रेड–'डी	रु. 25500–81100	4	1
कुल				5

क्षेत्रीय कार्यालय, राँची में स्वीकृत पदों का विवरण

क्र.सं.	पद का नाम	वेतन मैट्रिक्स में स्तर	वेतन स्तर	राँची
1	2	3	4	5
1	उप–वन महानिदेशक (केन्द्रीय)	रु. 182200–224100	15	1
2	उप–वन महानिरीक्षक (केन्द्रीय)	रु. 131100–216600	13ए	2
3	सहायक वन महानिरीक्षक (केन्द्रीय)	रु. 123100–215900	13	1
4	वैज्ञानिक 'एफ'	रु. 131100–216600	13ए	1
5	वैज्ञानिक 'डी'	रु. 78800–209200	12	2
6	वैज्ञानिक 'सी'	रु. 67700–208700	11	1

क्र.सं.	पद का नाम	वेतन मैट्रिक्स में स्तर	वेतन स्तर	राँची
7	उप–वन महानिदेशक (केन्द्रीय) के प्रधान निजी सचिव	रु. 67700–208700	11	1
8	निजी सचिव (वरिष्ठ निजी सहायक)	रु. 44900–142400	7	1
9	अनुसंधान अधिकारी (पर्यावरण) ग्रेड–II	रु. 44900–142400	7	1
10	तकनीकी अधिकारी (वानिकी) ग्रेड–II	रु. 44900–142400	7	1
11	सहायक	रु. 35400–112400	6	2
12	अनुसंधान सहायक (पर्यावरण)	रु. 35400–112400	6	1
13	अनुसंधान अन्वेषक (वानिकी)	रु. 35400–112400	6	1
14	आशुलिपिक ग्रेड–'डी	रु. 25500–81100	4	3
15	कनिष्ठ अनुवादक	रु. 35400–112400	6	1
16	प्रवर श्रेणी लिपिक	रु. 25500–81100	4	1
17	अवर श्रेणी लिपिक	रु. 19900–63200	2	2
18	स्टाफ कार चालक	रु. 19900–63200	2	2
19	मल्टी–टास्किंग स्टाफ	रु. 18000–56900	1	3
कुल				28

उप–कार्यालय पटना के कर्मचारी क्षेत्रीय कार्यालय, राँची की स्वीकृत संख्या के अंतर्गत शामिल हैं।

क्र.सं.	पद का नाम	वेतन मैट्रिक्स में स्तर	वेतन स्तर	पदों की संख्या
1	उप–वन महानिरीक्षक (केन्द्रीय)	रु. 131100–216600	13ए	1
2	वैज्ञानिक 'डी'	रु. 78800–209200	12	1
3	तकनीकी अधिकारी (वानिकी) ग्रेड–II	रु. 44900–142400	7	1
4	आशुलिपिक ग्रेड–'डी	रु. 25500–81100	4	1
कुल				4

क्षेत्रीय कार्यालय, शिलांग में स्वीकृत पदों का विवरण

क्र.सं.	पद का नाम	वेतन मैट्रिक्स में स्तर	वेतन स्तर	शिलांग
1	2	3	4	5
1	उप–वन महानिदेशक (केन्द्रीय)	रु. 182200–224100	15	1
2	उप–वन महानिरीक्षक (केन्द्रीय)	रु. 131100–216600	13ए	2
3	सहायक वन महानिरीक्षक (केन्द्रीय)	रु. 123100–215900	13	1
4	वैज्ञानिक 'एफ'	रु. 131100–216600	13ए	1
5	वैज्ञानिक 'डी'	रु. 78800–209200	12	3
6	वैज्ञानिक 'सी'	रु. 67700–208700	11	1
7	उप–वन महानिदेशक (केन्द्रीय) के प्रधान निजी सचिव	रु. 67700–208700	11	1
8	निजी सचिव (वरिष्ठ निजी सहायक)	रु. 44900–142400	7	1
9	अनुभाग अधिकारी	रु. 44900–142400	7	2
10	अनुसंधान अधिकारी (पर्यावरण) ग्रेड–II	रु. 44900–142400	7	1
11	तकनीकी अधिकारी (वानिकी) ग्रेड–I	रु. 44900–142400	8	1
12	तकनीकी अधिकारी (वानिकी) ग्रेड–II	रु. 44900–142400	7	1
13	सहायक	रु. 35400–112400	6	2
14	अनुसंधान सहायक (पर्यावरण)	रु. 35400–112400	6	1
15	आशुलिपिक ग्रेड–'डी	रु. 25500–81100	4	3
16	कनिष्ठ अनुवादक	रु. 35400–112400	6	1

क्र.सं.	पद का नाम	वेतन मैट्रिक्स में स्तर	वेतन स्तर	शिलांग
17	प्रवर श्रेणी लिपिक	रु. 25500–81100	4	1
18	अवर श्रेणी लिपिक	रु. 19900–63200	2	3
19	स्टाफ कार चालक	रु. 19900–63200	2	3
20	मल्टी–टास्किंग स्टाफ	रु. 18000–56900	1	4
कुल				34

उप–कार्यालय गुवाहाटी के कर्मचारी क्षेत्रीय कार्यालय, शिलांग की स्वीकृत संख्या के अंतर्गत शामिल हैं।

क्र.सं.	पद का नाम	वेतन मैट्रिक्स में स्तर	वेतन स्तर	पदों की संख्या
1	उप–वन महानिरीक्षक (केन्द्रीय)	रु. 131100–216600	13ए	1
2	वैज्ञानिक 'डी'	रु. 78800–209200	12	1
3	अनुसंधान अधिकारी (पर्यावरण) ग्रेड–II	रु. 44900–142400	7	1
4	आशुलिपिक ग्रेड–'डी	रु. 25500–81100	4	1
5	अवर श्रेणी लिपिक	रु. 19900–63200	2	1
कुल				5

क्षेत्रीय कार्यालय, गाँधीनगर के लिए स्वीकृत पदों का प्रस्तावित विवरण				
क्र.सं.	पद का नाम	वेतन मैट्रिक्स में स्तर	वेतन स्तर	गाँधीनगर
1	2	3	4	5
1	उप–वन महानिदेशक (केन्द्रीय)	रु. 182200–224100	15	1
2	उप–वन महानिरीक्षक (केन्द्रीय)	रु. 131100–216600	13ए	1
3	सहायक वन महानिरीक्षक (केन्द्रीय)	रु. 123100–215900	13	2
4	वैज्ञानिक 'एफ'	रु. 131100–216600	13ए	1
5	उपायुक्त (वानिकी)	रु. 78800–209200	12	1
6	वैज्ञानिक 'डी'	रु. 78800–209200	12	2
7	वैज्ञानिक 'सी'	रु. 67700–208700	11	1
8	उप–वन महानिदेशक (केन्द्रीय) के प्रधान निजी सचिव	रु. 67700–208700	11	1
9	निजी सचिव (वरिष्ठ निजी सहायक)	रु. 44900–142400	7	1
10	अनुभाग अधिकारी	रु. 44900–142400	7	1
11	अनुसंधान अधिकारी (पर्यावरण) ग्रेड–II	रु. 44900–142400	7	1
12	तकनीकी अधिकारी (वानिकी) ग्रेड–I	रु. 44900–142400	8	1
13	तकनीकी अधिकारी (वानिकी) ग्रेड–II	रु. 44900–142400	7	1
14	सहायक	रु. 35400–112400	6	2
15	अनुसंधान सहायक (पर्यावरण)	रु. 35400–112400	6	1
16	वैयक्ति सहायक/आशुलिपिक ग्रेड–'सी'	रु. 35400–112400	6	1
17	आशुलिपिक ग्रेड–'डी	रु. 25500–81100	4	2
18	कनिष्ठ अनुवादक	रु. 35400–112400	6	1
19	प्रवर श्रेणी लिपिक	रु. 25500–81100	4	1
20	अवर श्रेणी लिपिक	रु. 19900–63200	2	2
21	स्टाफ कार चालक	रु. 19900–63200	2	2
22	मल्टी–टास्किंग स्टाफ	रु. 18000–56900	1	3
कुल				30

*क्षेत्रीय कार्यालय, गाँधीनगर के लिए 30 पदों के सृजन के प्रस्ताव पर व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय के परामर्ष से कार्रवाई की जाएगी।

उप–कार्यालय जयपुर के कर्मचारी क्षेत्रीय कार्यालय, गाँधीनगर की स्वीकृत संख्या के अंतर्गत शामिल हैं।

क्र.सं.	पद का नाम	वेतन मैट्रिक्स में स्तर	वेतन स्तर	पदों की संख्या
1	उप–वन महानिरीक्षक (केन्द्रीय)	रु. 131100–216600	13ए	1
2	वैज्ञानिक 'डी'	रु. 78800–209200	12	1
3	तकनीकी अधिकारी (वानिकी) ग्रेड–I	रु. 44900–142400	8	1
4	आशुलिपिक ग्रेड–'डी	रु. 25500–81100	4	1
5	अवर श्रेणी लिपिक	रु. 19900–63200	2	1
कुल				5

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 26th January 2023

No. 34-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Chhattisgarh :—

Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
Shri Vaibhav Mishra	Reserve Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 15th April 2020, a specific intelligence was received by Dr. Abhishek 0Pallava, Superintendent of Police, Dantewada through his informers regarding the presence of 60-70 armed Maoists (including senior Maoists Kamlu Punem, DVCM, Chandranna DVCM, Sanjay Kadti DVCM, and others) of West Bastar Division of CPI (Maoists).

A detailed operational plan was made and joint parties of DRG (Strength 264) STF (Strength 50), 230 B.N. CRPF (Strength 50) and Bastaria B.N. (Strength 24) were launched at 14:30 hours. The next morning, when the police parties reached between forests of Porowada, Maoists who were sitting in ambush started firing indiscriminately on the police forces. DRG group 2 led by Reserve Inspector Naxal Operation Shri Vaibhav Mishra who came in immediate fire retaliated strongly and other DRG groups started cordoning and firing in self- defense. Reserve inspector Naxal operation Shri Vaibhav Mishra from DRG-02 fought fiercely and led his group. He showed great leadership skills and guided his team. He informed Deputy Superintendent of Police Shri Devansh Rathore through wireless set who was overall party commander of the DRG team.

The exchange of fire continued for about 30 minutes. After firing, entire area was sealed, cordoned and thoroughly searched. During the search, a dead body was recovered which was later identified as Aashu Sodhi son of Maso Sodhi resident of Katulnar, who held the charge of West Bastar Division Action Team commander.

The role of Reserve Inspector Naxal operation Shri Vaibhav Mishra was critical in security forces getting success. He went ahead firing and entered the Arc-of-Fire. Reserve Inspector Naxal operation Shri Vaibhav Mishra led the DRG-02 efficiently as well as coordinated with other DRG teams during this entire operation. The DRG- 02 Team was instrumental in police gaining upper hand in the gun battle.

In this operation, Shri Vaibhav Mishra, Reserve Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 16/04/2020.

(File No. 11020/1161/05/2022 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 35-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/ 1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Chhattisgarh :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Dr. Abhishek Pallav, IPS	Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
2.	Ashwani Sinha	Sub- Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 14th July 2019, a precise intelligence input was received from informers by SP Dantewada regarding presence of 10*15 armed Maoists of Katekalyan area committee Darhha Division of CPI (Maoists), which included hardcore Maoists Jagdish (DVCM), Vinod (DVCM), Dewa (DVCM), Pradeep (ACM), Mangli (ACM) in the forests of Gumiyapal Karrepara. Police Station Kirandul, Gumiyapal Karrepara is among the most highly sensitive Naxal villages and in core area of CPI (Maoists).

A detailed operational plan was made and DRG parties (Strength 86) were launched in night 01.05 am under command of Sub Inspector Mohan Bhardwaj and Sub Inspector Ashwani Sinha. When the police parties reached forests of Gumiyapal Naxalites who were sitting in ambush started firing indiscriminately on the police forces. DRG troops under command of Sub Inspector Mohan Bhardwaj and Sub Inspector Ashwani Sinha retaliated strongly. After firing stopped, search of the encounter area was conducted in which one male and one female bodies were recovered who were identified later as (l) Maoist Mangli Hemla, Malangir area committee member and Darbha division doctor team Incharge, Vill. Puwarli. PS Jagargunda, Distt. Sukma and (2) Maoist Hernia Shankar alias Dewa, Malnngir area committee member and CNM Commander, Vill. Jangampal.

PS Kukanar, Distt. Sukma. One 303 Rifle and one country made weapon were recovered from the encounter site. The role of Sub Inspector Ashwani Sinha was crucial in security forces getting success. This operational success in den of Maoists gave Naxalites a set back and helped police gain strong foothold in the area.

The role of Dr. Abhishek Pallav (IPS), Superintendent of Police was critical in security forces getting success. He gathered pin-point intelligence about presence of Naxalites and then led the reinforcement which reached the encounter site on time. Pin point actionable intelligence was critical in achieving success in Maoist core area. Timely reinforcement and presence of Superintendent of Police at the site motivated the troops and provided them able leadership, Superintendent of Police planned the successful secure retreat of forces back to police lines, Dantewada.

In this operation, S/Shri Dr. Abhishek Pallav, IPS, Superintendent of Police and Ashwani Sinha, Sub- Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 14/07/2019.

(File No. 11020/1178/05/2022 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 36—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Chhattisgarh:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Yashwant Shyam	Sub- Inspector	PMG
2.	Usharu Ram Korram	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

The Kuvemaari area of the Kondagaon District is a stronghold of Naxals. Due to its geographical features with the presence of dense forests, valleys and numerous rivulets, it remains a safe zone for the Naxals. Intelligence inputs about the presence of Naxal cadres in this area is regularly received. This area is situated on a high plateau due to which approach is tough and the location of approaching security forces is difficult to conceal. Launching Anti- Naxal operations in this area is a tough task.

In this background, a specific input about the presence of Naxal Cadres in the Kuvemaari area was provided by Special Intelligence Branch (SIB) to Shri Siddharth Tiwari, IPS, SP (Kondagaon). Based on this input an operation was planned by Shri Siddharth Tiwari. To ensure proper execution of the plan Shri Siddharth Tiwari himself briefed the operational party on all aspects such as intelligence input, tactical movement, arms and ammunition, communication, and the probable contingencies at the DRG hub in Kondagaon. The joint force of the District Reserve Guard (DRG) and District police force comprising 44 members was inducted from Malajkudum towards the target area of Edenga and Duwal villages. The operation was launched at 03:30 hrs on 01.06.2021.

Shri Siddharth Tiwari himself went to Malajkudum with the police party and thereafter camped at PS Dhanora along with the reinforcement party to personally supervise and direct the operation. The combined police party under the leadership of SI Yashwant Shyam tactically marched towards the target area and searched the surrounding hills and forests. At 09:00 hrs Shri Siddharth Tiwari, through mobile phone, briefed the team about the probable Naxals location between heights Pt. 830 and Pt. 825 west of Bhandarpal village near Edenga. Shri Siddharth Tiwari also directed the commander to divide the team into various parties which were to be led by SI Yashwant Shyam and SI Ramji Tarme.

The party started tactically moving towards the designated target. As the party started cordoning the area around 20-25 Naxals who were sitting in ambush opened heavy fire on the police party intending to kill the police personnel and loot their arms and ammunition. The police party immediately took cover and warned the Naxals to surrender but the firing from the Naxals side was continued. With no other alternative left for police party fired back in self-defense. The team commander informed Shri Siddharth Tiwari about the sudden attack after which he immediately left for the area along with the reinforced party comprising of 11 members. On reaching the spot and after analyzing the ground situation, Shri Tiwari encouraged the team to bravely face the heavy fire of the Naxals.

As the party was encircling the Naxal position, Head Constable Usharu Ram Korram saw a uniformed Naxal cadre who was firing on the police party. HC Korram without fearing for his life jumped towards the Naxal cadre and tried to snatch his weapon away. A scuffle between the two started seeing another Naxals cadre who was nearby coming towards HC Korram and trying to smash his head with the butt of his .303 rifle. HC Korram was injured in the scuffle but continued to fight the Naxals showing exemplary bravery, till his team members rushed to the spot. Seeing the other police personnel, the Naxal

cadres left HC Korram and ran some distance away and again started firing upon the police party.

SI Yashwant Shyam bravely led his party amid heavy fire and started encircling the Naxals with retaliatory fire. SI Shyam showed exemplary courage and leading from the front, they kept on encouraging the force to give a fitting reply to the Naxals.

Realizing the superior tactics and encirclement by the police party, the Naxals retreated taking the advantage of thick forest cover and deep gorges. After the gun battle which lasted around 2-3 hours. The whole area was thoroughly searched and 02 uniformed Naxals dead bodies (01 male and 01 female) and 01 No. 7.62 mm SLR Rifle with 02 magazine, 01 No. .303 Rifle with a magazine, 01 No. .315 bore country-made rifle, 01 No. country made .303 rifle, and 01 No. country made 12 bore rifle along with a large number of explosive materials, Naxal literature, medicines, and daily use items were recovered from the spot.

In this operation, S/Shri Yashwant Shyam, Sub- Inspector and Usharu Ram Korram, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 01/06/2021.

(File No. 11020/1208/05/2022 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 37—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Chhattisgarh :—

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Uttam Kumar	Sub- Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

As per direction received through letter, Police Party from PS Chintagufa under the leadership of party Commander SI Brijlal Bhardwaj, 2-IC of party SI Uttam Kumar, SI Bhimarjun Tandi along with 42 Police personnel of DRG Kerlapal with 52 Police personnel of CRPF 2nd Bn under the leadership of AC Yogendra Singh, all 98 Police personnel moved for Anti-Naxal drive towards the Village of Bademaguda, Chiganguda, Sirsetti, Muler, Gandharpara, Madopara, Pongabhejji on 21.11.2019.

The Police Party, on 22.11.2019, searched the jungles, hillocks of the Muler area all through the day, the CRPF party went back to the camp Kerlapal and the DRG Party stayed in the Jungle of Madopara village, took the LUP at night.

On 23.11.2019 in the early morning, as per plan leaving LUP, while searching the Gandharpara and Muler area, at around 06:45 hrs, about 40-50 number of banned uniformed and plain dressed Male and Female Naxals, who had already taken a position with the intention of to kill and snatching the arms and ammunition from the police force, started indiscriminate firing. The Police Party immediately took the position and blocks the area. The Police party as far as possible, after taking shelter behind the tree and heavy rocks, shouted to the Naxals for surrender, Naxals did not pay heed to the warning and started indiscriminate firing. After the warning to surrender, Naxals started heavy intense firing. Then, as there was no option left in front of the police personnel replied through firing. Seeing themselves being surrounded from all sides and also feeling their defeat Naxals took advantage of the forest hilly area ran away. The firing took place around 40 to 45 min. After the end of the fire, the spot was searched minutely in which one unknown dead body of uniformed male Naxal age about 23 years was recovered, near the dead body 01 No. Pistol with 01 No. loaded round, 02 Nos. blank round of pistol, 01 No. Motorola set, 01 No. mechanical remote of blast IED, 01 No. Battery, 01 Pitthu, 01 No. bag, 01 No. archery, 04 Nos. Blanket, Naxal literature, medicines were recovered.

Naxals fired near 110-120 rounds upon the police personnel. The Police party fired 134 Rounds. The fired ammunition cartridge was not recovered due the heavy Jungle. The police party couldn't find the empty cartridges due to dense forest and bush.

When the police party was attacked by Maoists, Shri Uttam Kumar, Sub Inspector, 2-I/c of DRG Bhejji, Distt-Sukma, exhibited a great presence of mind and great leadership, superb operational sense, and conspicuous tactical mind and led the force successfully neutralizing the Maoist's ambition to harm the team. His reaction not only saved the life of his men but also foiled the onslaught of Maoist attacks and he played a key role in killing Maoists and recovery of a dead body of one dreaded Naxal. His acts also led to a good recovery of arms and ammunition. The way Shri Uttam Kumar led the operation, showed his dedication, worked patiently in the form of excellent coordination and teamwork with the officers/employees of his fellow police party, which has become a source of inspiration for other officers and subordinates.

His sheer determination to contribute to curtailing the Maoist's attack and guidance displayed makes him deserving of higher recognition.

In this operation, Shri Uttam Kumar, Sub- Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 23/11/2019 .

(File No. 11020/1209/05/2022 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 38—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG), Posthumously to the under mentioned Police Personnel of Chhattisgarh:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Late Shri Krishpal Singh Kushwah	Assistant Platoon Commander	PMG (Posthu)

Statement of service for which the decoration has been awarded

Assistant Platoon Commander Krishpal Singh Kushwah joined Chhattisgarh Police as a Constable on 20.07.1995. He was posted as Head Constable on 24.05.2004 and subsequently he was promoted from HC to Asstt. Platoon Commander on 25.12.2012. Asstt. Platoon Commander Krishanpal Singh Kushwah showed sincere hard work during posting in the Naxal affected area from 2009.

On received of information regarding presence of Maoists cadres in the area under PS Katekalyan, district Dantewada, SP district Dantweada made an Anti-Naxal Operation plan on 21.08.2015. Four parties were included in this plan moved from different sites. A team of 46 security personnel of TF-09 lead by APC Krishpal Singh moved from Jagdalpur to village Tahakwada, Tongpal. In the route information received regarding blocking of road by tree cutting on NH-30 near village Darbha. TF-09 party left towards target area. When the operational force were moving towards the area and on arriving near village Darbha, as soon as the naxalites saw the police party they started indiscriminate firing. The police party also retaliated in self defence and fired on the naxalites. During encounter APC Krishpal Singh seriously injured with bullet injuries and martyred on the spot. When naxalites realized that the police party was stronger than them, they ran away towards the defense forest. After this the police party cordoned and searched the surroundings area. The Police party recovered two nos. tiffin bomb, one bundle wire, pamphlets and other naxal related items.

In this exchange of fire, police party succeeded mount to defend themselves against the naxal firing. In this operation, showed a rare and exceptional example of courage, bravery, leadership qualities, devotion to duty for mother India.

In this operation, Late Shri Krishpal Singh Kushwah, Assistant Platoon Commander displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 22/08/2015.

(File No. 11020/1218/05/2022 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 39—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/ 2nd Bar to Police Medal for Gallantry/ 3rd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of NCT of Delhi :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Lalit Mohan Negi	Assistant Commissioner of Police	3rd BAR TO PMG
2.	Sunder Gautam	Sub- Inspector	2nd BAR TO PMG
3.	Shamsher Singh	Sub- Inspector	PMG
4.	Raghuveer Singh	Sub- Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 17/02/2020 at about 05:05 AM on the basis of secret of information, a team of Special Cell comprising ACsP Lalit Mohan Negi, Hridaya Bhushan, Insp. Vinod Kumar, SI Sunder Gautam, SI Raghuveer Singh, SI Shamsher Singh and other intercepted Pulsar motorcycle at Anandmai Marg. The Gypsy of ACP Lalit Mohan Negi intercepted the said Pulsar motorcycle and hit it on its right side. Despite warnings, the wanted criminal duo managed to got off their Pulsar bike before it got skid and whipped out their weapons, aimed towards police party and started firing to evade their arrest.

The team members very closely faced the hails of the bullets fired by these criminals. Undeterred and unfazed, ACP Lalit Mohan Negi, SI Sunder Gautam, SI Raghuveer and SI Shamsher Singh also retaliated in self-defense. But the desperados continued firing from their sophisticated weapons. The bullets fired by these desperados hit on the chest of the bullet proof jackets worn by ACP Lalit Mohan Negi, SI Sunder Gautam, SI Raghuveer & SI Shamsher Singh. One of the bullets also hit and pierced through the left door of official Gypsy.

It was open area having war like situation. The desperados had taken safer position and firing indiscriminately aiming police team members to cause casualties and police officials were in the direct firing line of the criminals. There was no cover for the police team to protect themselves, despite faced with risk of life. The police team used minimum force in this critical situation. Both the desperados identified as Raju @ Ramesh @ Bahadur (motorcycle rider) and Raja Qureshi @ Rafiq (the pillion rider) were injured in the cross firing and were declared brought dead in the hospital.

One pistol of .32 bore with one live cartridge was recovered from accused Raja @ Rafiq whereas one pistol of 9mm with one live cartridge was recovered from accused Raju @ Ramesh @ Bahadur. The recovered bag carried by accused Raja Qureshi was having one more pistol of 9 mm with 8 rounds, 44 live cartridges of 7.62, 10 live cartridges of 7.65 & 09 live cartridges of 9 mm calibre.

From the hospital, one magazine loaded with 4 live cartridges of 9 mm was also recovered from the possession of deceased accused Ramesh @ Bahadur.

In this shootout, ACP Lalit Mohan Negi, SI Sunder Gautam, SI Shamsher Singh and SI Raghuveer Singh fired 5, 2, 7 and 5 rounds respectively from their official weapons in self-defence and to apprehend both the accused persons.

ACP Lalit Mohan Negi, SI Sunder Gautam, SI Shamsher Singh and SI Raghuveer Singh have displayed exceptional valor and commitment in the time of duty and conspicuously risked their lives while trying to apprehend these desperate criminals, as they were in direct firing line and thus, not only saved the lives of fellow team members but also the general public.

In this operation, S/Shri Lalit Mohan Negi, Assistant Commissioner of Police, Sunder Gautam, Sub- Inspector, Shamsher Singh, Sub- Inspector and Raghuveer Singh, Sub- Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 17/02/2020.

(File No. 11020/3243/06/2022 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 40—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of NCT of Delhi :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Manoj Bhati	Assistant Sub- Inspector	PMG
2.	Shajad Khan	Assistant Sub- Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

While working on inputs that Pak ISI, in cahoot with Khalistani terrorists was planning to execute targeted killings of Hindu/Right-Wing leaders in Delhi and neighboring States using local gangsters, it was found that one of the most wanted gangsters of the Punjab, namely Sukhmeet Pal Singh @ Sukh Bhikhariwal (based in Dubai), who was roped in by ISI through Lakhbir Singh @ Rode (Chief of KZF- Khalistan Zindabad Force) had executed the sensational killing of Shaurya Chakra recipient Sh. Balwinder Singh Sandhu through his henchmen Gurjit Singh @ Bhaa r/o Village-Lakhanpal Gurdaspur Punjab and Sukhdeep Singh @ Bura r/o Village Kharl, Gurdaspur Punjab Age 28 yrs. On 07/12/20, on the basis of source information a trap was laid on service road near Ramesh Park Bus Stand, Shakarpur, Delhi to apprehend sharpshooters Gurjit Singh @ Bhaa and Sukhdeep Singh @ Bhura who were supposed to meet some Kashmiri men, owing allegiance to banned terrorist

organization "Hizbul Mujahedeen". ASI Manoj Bhati and ASI Shajad Khan took his position at main road in-front of Ramesh Park Bus stand. At about 06:45AM, ACP Sh. Lalit Mohan Negi alerted the team as soon as, suspects Gurjit Singh @ Bhaa and Sukhdeep Singh @ Bhura met two persons. When the team members advanced to apprehend the suspects, the accused persons Gurjit Singh @ Bhaa and Sukhdeep Singh @ Bhura, in order to flee, started running in different directions and opened fire on the raiding party. ASI Manoj Bhati and ASI Shajad Khan without caring for their own lives chased them while simultaneously firing in self defence and taking utmost care to ensure the safety of the public persons. ASI Manoj Bhati and ASI Shajad Khan exhibiting exceptional courage and putting their lives at risk, pounced upon the suspects. ASI Manoj Bhati and ASI Shajad Khan acting in a swift and coordinated manner overpowered them and snatched loaded pistols from Gurjit Singh @ Bhaa & Sukhdeep Singh @ Bhura simultaneously and also grabbed their hands tightly which further restrained the criminals from firing towards the police party. In the ensuing encounter, ASI Shajad Khan was miraculously saved as the bullets fired by the accused hit on their bullet proof jackets. ASI Manoj Bhati and ASI Shajad Khan were at the forefront and in direct firing line. During this operation, three members of banned terrorist organization (Hizbul Mujahedeen) namely 1. Shabir Ahmad Gojri, 2. Md. Ayub Pathan and 3. Reyaz Ahmad Rather, all resident of Jammu & Kashmir were also apprehended while smuggling drugs and money to these henchmen of Sukh Bhikhariwal.

The gallant action ASI Manoj Bhati and ASI Shajad Khan, not only won appreciation from the higher ranks in police and print 8s electronic media, but also from the public at large. Undeterred and unfazed, they put their lives at risk and bravely confronted these desperate criminals and showed extra ordinary courage, dedication, presence of mind and rare gallant act. The brave and timely action of the above officers averted a major target killing of a Right-Wing leader in Delhi and saved innocent lives.

In this operation, S/Shri Manoj Bhati, Assistant Sub- Inspector and Shajad Khan, Assistant Sub- Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 07/12/2020.

(File No. 11020/3244/06/2022 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 41—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of NCT of Delhi :—

Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
Shri Pradeep Kumar	Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 26.11.2020, some of the protesting farmers from Punjab were stopped by Haryana Police from marching towards Delhi for protesting against the 03 Farm Laws enacted by the Govt. of India in September, 2020. Violence broke out and the above protesting farmers and their leaders broke through the Barricades and continued with their march towards Delhi. On 27.11.2020, the protestors started travelling with their tractors and trolleys to the Borders of Delhi & Haryana. A police arrangement was in place at Singhu Border to stop them from marching towards Delhi. The protestors tried to forcibly break through the blockades set up by police but they were repulsed. A standoff ensued, the protestors were adamant to go to Ramlila grounds in Central Delhi. They were offered Burari Grounds for their protest. Necessary arrangements were also made by the Govt. for their protest in Burari Grounds but the leaders of the protesting farmers refused to go to Burari Grounds and stayed put at Singhu Border and thereby blocked the thorough way for the public at large. Thereafter, farmers organizations from UP and some other states also started their respective marches towards Delhi and other than Singhu Border, 04 other borders were blocked by the farmers including Chilla Border, Tikri Border, Ghazipur Border and Haryana-Rajasthan Border.

Security arrangement was made for maintaining law and order at Singhu Border. On 29.01.2021 at about 1:30 PM, some locals from the nearby villages came to negotiate with the protestors in order to vacate the border as the locals were facing problems in their day to day life due to highway blockade. The locals were requesting them to vacate the border but suddenly the protestors became aggressive and started heated arguments with the local villagers. The protestors started pelting stones at the local villagers. For maintaining law & order situation, Insp. Pradeep Kumar, SHO/PS Alipur along with his team intervened and tried to pacify the protestors gathered there. In the meanwhile, a Sikh amongst the protestors came with a sword in his hand and ran behind the local villagers wielding his sword at them. On seeing this, Insp. Pradeep Kumar swung into action to save the local people from his attack. But the Sikh protestor (later identified as Ranjeet Singh s/o Rawal Singh r/o Vill- Kazampur, Naya Shahar, PS- Rahu, Punjab) was too aggressive & violent and attacked Insp. Pradeep Kumar's head with his sword with the intention to kill him but Insp. Pradeep Kumar took the sword on his hand and thus saved himself. Thereafter, the attacker kept on wielding his sword on Insp. Pradeep Kumar causing two more brutal injuries on his hand and elbow. Insp. Pradeep Kumar did not deter and caught hold of the sword showing grith & courage without caring for his life. Insp. Pardeep Kumar managed to overpower him and took his sword. After this, public started beating the said protestor. Insp. Pardeep

Kumar saved the attacker form the public ire too and handed him over and the sword to his staff members. It was also found that Satnam Singh Pannu, Sawarn Singh Pandher, Sukhwinder Singh and Jasbir Singh Pidhi all the office bearer of the Kisan Majdoor Sangarsh Samiti, Punjab instigated the protestors in order to harm the local public and police personnel. Insp. Pradeep Kumar was admitted at Max Hospital, Shalimar Bagh for serious injuries caused to him. As many as 54 stiches were required to stich the wounds.

Subsequently, case FIR No. 49/2021, u/s 147/148/149/152/186/307/323/332/353 IPC was registered at PS Alipur. Some of the protestors who were pelting stones and were part of unlawful assembly were later on identified and arrested.

It was an extra-ordinary courage, bravery, devotion to duty and gallant act of Insp. Pradeep Kumar, SHO/Alipur that despite receiving grievous injuries, he saved the life of public as well as the fellow police officials from the attacker without caring for his life. He also saved the life of the attacker from the public. He has set an example of gallantry & commitment towards his duty.

In this operation, Shri Pradeep Kumar, Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 29/01/2021.

(File No. 11020/3256/06/2022 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 42—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/ 2nd Bar to Police Medal for Gallantry/ 3rd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jammu and Kashmir :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Shazaad Ahmed Salaria	Superintendent of Police	2nd BAR TO PMG
2.	Furqan Qadir	Sub Divisional Police Officer	3rd BAR TO PMG
3.	Abdul Rashid	Assistant Sub- Inspector	PMG
4.	Harpaul Singh	Head Constable	PMG
5.	Tariq Ahmad Ganie	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 25.07.2020, Srinagar Police received information to the effect that some terrorists carrying arms/ammunition are hidden in Rambirgarh Panzinara area of Srinagar District, falling under the jurisdiction of P/S Parimpora. Swiftly acting on the tip-off, a police team of District Srinagar alongwith Army 29 RR, CRPF 44 Bn and Valley OAT CRPF was constituted to identify the hideouts for further course of action and to neutralize the terrorists, if required without any collateral damage. The constituted team conducted searches in the said area and succeeded in zeroing of location where the terrorists were hidden. Before the operation was conducted, it was mutually decided with Army 29 RR, Valley QAT CRPF and 44 Bn in order to avoid any collateral damage and to conduct a result-oriented operation.

According to the devised operational plan, all the nafri was divided into 02 parties, 1st party was tasked to lay the cordon of the target area from North-West and South-West side while as the 2nd party was tasked to lay the cordon of the target area from North-East and South-East side area in which the terrorists were hiding. It was also decided that the intervention of the area, if required, shall be under taken under the supervision of Dr Mohd Haseeb Mughal-IPS, then SSP Srinagar with full coordination of other security forces. Meanwhile, all the parties took position according to the plan as enumerated above. Dr Mohd Haseeb Mughal-IPS, then SSP Srinagar who was Incharge of the cordon parties formed small teams of Police Srinagar under the supervision of Shri Shazaad Ahmed Salaria-JKPS, then SP West Zone Srinagar, Shri Furqan Qadir-JKPS, then SDPO West Srinagar and then Inspr Majid Hassan of P/S Parimpora for evacuation of the inmates of adjoining residential houses, as the area was very congested. All these teams very tactfully and bravely evacuated the inmates of the adjoining house and shifted them to a nearby safer place to ensure that there is no collateral damage.

In the first instance, 02 terrorists were noticed in the locality which was already zeroed and were offered to surrender which they denied/ didn't respond to and instead opened indiscriminate fire on the operation parties and again went hiding. Following which house to house search was planned. The operation parties, having taken all precautions started the process, however, as the searching parties approached nearer the target suspected location where terrorists were believed to be hiding, it came under heavy fire from the terrorists who had taken position in the locality i.e. Rambirgarh Panzinara. The operational parties had miraculous escape and in a tactical move, the operational party withdrew only to target the hide from the other

sides. In the meantime, the hidden terrorists shifted their location to nearby field amid attempts to flee from the area but the operational parties approached followed them from all sides besides plugging all lanes/bi-lanes. Upon this, the terrorists took shelter in the adjoining place being congested having dense Poplar trees. At this stage, Dr Mohd Haseeb Mughal- IPS, then SSP Srinagar, who was supervising the operation parties, constituted 02 small groups, 1st consisting of Shri Tahir Ashraf-JKPS, then SP PC Srinagar, Shri Furqan Qadir- JKPS, DySP SDPO West Srinagar, SI Sheikh Adil Bashir, then IC PP Bernina, ASI Abdul Rashid, HC Habibullah, HC Mohd Farooq, SgCt Gulzar Ahmad, SgCt Shahnawaz Ahmad, SgCt Mohd Maqsood, Const Tariq Ahmad Ganie, SPO Hilal Ahmad, SPO Javaid Ahmad, SPO Zahid Ahmad Khan, SPO Sajid Ali and a small QRT of Army 29 RR / PC Srinagar. Likewise, the 2nd party consisting of Shri Shazaad Ahmed Salaria-JKPS, the SP West Zone Srinagar, Shri Surinder Singh-JKPS, DySP PC Srinagar, Inspr Majid Hassan Khan of P/S Parimpora, HC Harpaul Singh, Const Ashiq Hussain, Const Kuldeep Singh, Const Mumtaz Ahmad, Const Amjad Awan, Const Rouf-AI-Sadat, SPO Hilal Ahmad, SPO Mohd Maqbool, SPO Mohamad Azam of PC Srinagar, SPO Zubair Ahmad, SPO Zarifa, SPO Nargis Naz and small QRTs of Valley QAT CRPF, CRPF 44th Bn.

The 1st party planned to enter the target area from South-East side while as the 2nd party decided to approach from South-West side. At this stage, the hidden terrorist's lobbed grenades which, however, didn't cause any damage owing to the fact that the approaching parties were advancing tactically. Dr Mohd Haseeb Mughal-IPS, then SSP Srinagar who was leading the 1st party alongwith his team reached nearer the target spot from South-East side where the terrorist's lobbed the grenades amid firing, the terrorist left the hide amid indiscriminate firing in an attempt to break the cordon to fled away but the operational parties without losing the senses retaliated the fire effectively without caring for their personal lives and neutralized one terrorist. Meantime, trying to take advantage of the moment another terrorist attempted to escape concealed himself in other side of the said locality in South-West side but the 2nd operational party, which had already taken position, retaliated the fire bravely and in the exchange of fire, 2nd terrorist got eliminated. Later on the identification of both the killed terrorists was established as Aijaz Ahmad Bhat LeT S/o Ali Mohd Bhat R/o Laribal, Kakapora, Pulwama and Ishfaq Rashid Khan S/o Abdul Rashid Khan R/o Sozieth Narbal Srinagar. The elimination of these terrorists was a big jolt to the LeT outfit and its network in Srinagar-South Kashmir. Large quantity of arms/ ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 154/2020 U/S 307 IPC & 7/27 I.A.Act stands registered in P/S Parimpora.

The elimination of these terrorists was a big jolt to the LeT Network in the South/ Central Kashmir respectively. The above mentioned local killed terrorists were involved in various terrorist related incidents in South/ Central Kashmir. They were planning for Fidayeen attacks on convoys besides targeting police in order to create fear among the peace- loving people of Srinagar. Moreover, they had directions by their mentors across from LOC for carrying terrorist activities by threatening police friendly people/ political activists, lobbing of grenades for collateral damage and to create panic and terror among the populace.

The role and the leadership exhibited by then SP West Zone Srinagar Shri Shazaad Ahmed Salaria-JKPS and then SDPO West Srinagar Shri Furqan Qadir-JKPS during the said anti-terrorist operation remained exemplary. They also played an exceptional role in the coordination between joint operational parties of Police, Valley QAT CRPF, Army right from beginning and culmination of the operation. These officers remained instrumental in the said operation by way of operational tactics viz, evacuation of civilians from the locality, chalking out of the result oriented operational plan, prioritizing the safety of lives of operational parties/ peace-loving people and assault on terrorists without any collateral damage.

In this operation, S/Shri Shazaad Ahmed Salaria, Superintendent of Police, Furqan Qadir, Sub Divisional Police Officer, Abdul Rashid, Assistant Sub- Inspector, Harpaul Singh, Head Constable and Tariq Ahmad Ganie, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 25/07/2020.

(File No. 11020/1150/11/2022 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 43—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/ 1st Bar to Police Medal for Gallantry/ 2nd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jammu and Kashmir :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Amjad Hussain Mir	Inspector	2nd BAR TO PMG
2.	Mushtaq Ahmad Bhat	Assistant Sub- Inspector	1st BAR TO PMG
3.	Asgar Ali	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 02.04.2021, Pulwama Police received information to the effect that terrorists who killed a Police Cop at Nowgam were seen in Ghat Mohallah Kakapora Pulwama. Acting swiftly, Addl. SP Pulwama shared the input with l/C DySP(Ops) Kakapora, DySP Ops Pulwama, SHO P/S Kakapora and after receiving feedback about the topography of the suspected area, the input was further shared with 50 RR and 183 Bn CRPF and it was decided to launch a joint CASO of the target area. Accordingly, joint teams of Police Pulwama, 50 RR and 183 Bn CRPF headed by Inspector Amjad Hussain Mir SHO P/S Kakapora 'under the supervision of Addl. SP Pulwama rushed to Village Ghat Mohalla Kakapora and launched CASO of target location jointly. All the entry/exit points, path ways and possible escaping lanes were plugged off tightly by laying concertina wire and physical deployments.

After taking stock of the situation, a Police party headed by Inspector Amjad Hussain Mir and comprising ASI Mushtaq Ahmad Bhat, HC Asgar Ali and other police personnel alongwith components of 50 RR and 183 Bn CRPF has been constituted to conduct search of the target place and another team headed by I/C DySP(Ops) Kakapora Shri Furqan Qadir alongwith components of 50 RR and 183 Bn CRPF has been assigned to provide covering support to the search party. As soon as the search party reached near the residential house of one Abdul Rahim Dar S/o Ab Gani Dar R/o Ghat Mohalla Kakapora, the terrorists hiding in the said house opened heavy volume of fire upon the troops with the intention to cause damage to the forces and to escape from the spot. The search party immediately took cover and retaliated with courage and foiled the first attempt of the terrorists. Upon this, the terrorists stopped firing as well as their movement. After establishing the contact with the terrorists, the cordon was further strengthened and the besieged terrorists were offered an opportunity to surrender, which they ignored.

Since the operation was launched during the night hours and keeping in view the apprehension of civilian causalities, Addl. SP Pulwama constituted a dedicated Police team under the supervision of I/C DySP Ops Kakapora for evacuation of civilians trapped in the target area. The said constituted team immediately came into action and evacuated the trapped people to safer places. After successful evacuation of civilians, two dedicated Police/SF teams were constituted to fight with terrorists. One team headed by Inspector Amjad Hussain Mir and comprising ASI Mushtaq Ahmad Bhat, HC Asgar Ali and other police personnel alongwith components of 50 RR and 183 Bn CRPF were asked to took position on North-East side River side and 2nd party headed by I/C DySP(Ops) Kakapora Furqan Qadir and other police personnel with QRT's of 50 RR and 183 Bn. CRPF was asked to took position in South-West side and directed to be alert as the terrorists may attempt again to escape from the cordoned area. The cordon was further strengthened and the besieged terrorists were provided another opportunity to lay down their arms before the troops which they totally refused and continued indiscriminate firing upon the joint party deployed on North- East side and tried to create a gap from this side. However, the alert joint party headed by Inspector Amjad Hussain fought bravely from the front without caring for their precious lives and gunned down two terrorists on the spot. Upon this the 3rd terrorist returned back and tried to breakthe cordon from another side, but the joint party headed by I/C DySP Ops Kakapora Furqan Qadir deployed in this area immediately came into action and neutralized the said terrorist at the main entrance of the target house. After firing was stopped from both sides, the joint parties recovered 03 dead bodies and arms/ammunition from the encounter site. The killed terrorists were later on identified as Suhail Nisar Lone S/o Nisar Ahmad Lone R/o Khrew Pampore, Yasir Ahmad Wani S/o Bashir Ahmad Wani R/o Babapora Khrew Pampore and Junaid Ayoub Nengroo S/o Mohd Ayoub Nengroo R/O Prichoo Pulwama. Good quantity of arms/ ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. In this regard, case FIR No. 21/2021 U/S 121, 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16,18,19 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Kakapora and investigation taken-up.

In this operation, S/Shri Amjad Hussain Mir, Inspector, Mushtaq Ahmad Bhat, Assistant Sub-Inspector and Asgar Ali, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 02/04/2021.

(File No. 11020/1154/11/2022 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 44—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Jammu and Kashmir :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Mohd Abass Wani	Head Constable	PMG
2.	Charan Singh Charak	SgCT	PMG
3.	Imran Ali Sofi	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 19.04.2021, following a credible input about presence of terrorists in village Zaipora, Police Shopian in assistance with 34th RR and 178th BN CRPF launched a operation in the said village. As per plan initial cordon party comprising QRTs of 34 RR, 178th BN CRPF and Police Shopian under the command of Shri Mohd Ashrif-JKPS, DySP PC Imamsahib alongwith Inspector Ramesh Lal, ASI Mohd Ayub, HC Mohd Abass Wani, SgCt Charan Singh Charak, SgCt Kailash Chander, Ct Imran Ali Sofi, Ct Arif Hussain, SPO Imtiyaz Ahmad, SPO Bilal Ahmad & others rushed to said village to plug-off all the possible escape routes to ensure that hiding terrorists may not get any chance to escape. During this process, miscreants of said village on knowing presence of troops in the village reacted violently and started heavy pelting upon troops. In the meantime, additional troops of 34 RR, 178th BN CRPF & Police Shopian headed by operational commander SSP Shopian reached to the said village and chased stone pelters from the target area and laid the cordon of the said village properly. Cut-off points were placed on approach roads and BP vehicles were placed tactfully around the target. The presence of terrorists inside the cordon was ascertained and accordingly troops were alerted, synchronized and the cordon /cut-off points were activated so that terrorists remained trapped inside it. After laying a strong cordon, announcements were made and hiding terrorists were repeatedly asked to surrender, which they declined and instead fired indiscriminately upon the aforesaid cordon party in which they had a narrow escape. However, the well positioned cordon parties retaliated effectively and foiled terrorist's attempt to escape from the cordoned area. Amid heavy fire, one terrorist tried to escape by running towards joint troops positioned in inner cordon but the alerted troops retaliated effectively and succeeded in elimination of the terrorist. It was noticed that some families had struck in the cordoned area, Shri Mohd Ashrif, Dy.SP PC Imamsahib, Inspector Ramesh Lal, ASI Mohd Ayub, HC Mohd Abass Wani, SgCt Charan Singh Charak and troops of 34RR & 178th BN CRPF volunteered themselves for evacuation, who in few attempts under the cover fire provided by DySP PC Keller alongwith ASI Mohd Ayob, SgCt Tahir Ahmad, SgCt Khurshid Ahmad, Ct. Irshad Ahmad, SPO Imtiyaz Ahmad, SPO Bilal Ahmad and SPO Ruqiya Jan succeeded in evacuating the civilians of adjacent houses to safer places to avoid any collateral damage. In the meantime, second terrorist who was in well position again fired upon the search party and was frequently changing his position taking advantage of strong cover felt the presence of troops, fired a UBGL round upon troops followed by continued fire. However, the above mentioned joint party retaliated in a befitting manner which resulted into the elimination of the second terrorist. The eliminated terrorists were later on identified as Sabzar Ahmad Ganie S/o Mohammad Amin Ganie R/o Sehpora, District Kulgam of HM outfit and Amir Hussain Bhat S/o Mohammad Yousuf Bhat R/o Imamsahib, Shopian of HM outfit.

Good quantity of arms/ ammunition was recovered from the possession of killed terrorists. In this regard, case FIR No. 78/2021 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16,18 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Shopian and investigation taken-up.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by ASI Mohd Ayub, HC Mohd Abass Wani, SgCt Kailash Chander, SgCt Charan Singh Charak, Ct Arif Hussain and Ct Imran Ali Sofi who fought terrorists efficiently and intelligently put themselves in great risk was remarkable and the endeavor to reach the target in extremely hostile situation was truly gallant. These officers/officials showed courage in evacuating the people trapped in cordoned area. The terrorists tried their best to cause damage to the deployed forces by resorting to indiscriminate firing in which all of them had a very narrow escape. However, these officers/officials without losing their concentration/application of mind fought bravely and thus foiled nefarious designs of these terrorists. Completion of the mission in safe manner on the operational site has remained the key feature of this operation in such a volatile situation.

In this operation, S/Shri Mohd Abass Wani, Head Constable, Charan Singh Charak, SgCT and Imran Ali Sofi, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 19/04/2021.

(File No. 11020/1155/11/2022 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 45—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/ 3rd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jammu and Kashmir :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	G V Sundeep Chakravarthy, IPS	Senior Superintendent of Police	3rd BAR TO PMG
2.	Parveez Ahmad Khan	SgCT	PMG
3.	Fayaz Ahmad Ganie	SgCT	PMG
4.	Waseem Mohi-Ud-Din Lone	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 04.05.2021 at about 15:00 hours based on a specific intelligence regarding presence of terrorists in Nathipora area, a joint cordon and search operation was launched in the area by Police Sopore/Kupwara, Army 22-RR and 179/ 92 Bn. CRPF. There were already credible/specific inputs that the terrorists were hiding in a residential house possessing sophisticated weapons. Since, the operation was launched in a day broad light, all the civilians were busy in their daily affairs and agricultural/ horticulture activities in the adjacent areas of target house. In such a hostile situation there was every apprehension of civilian's causality, if the search operation was intensified at the very movement. So, in order to ensure that the operation is a clean one, first and foremost priority was given to the civilian's evacuation with the consultation of army /CRPF counterparts. Accordingly, the 1st joint team headed by Shri G.V. Sundeep Chakravarthy-IPS, SSP Kupwara of police/ army/ CRPF was constituted as an advance team to evacuate the trapped civilians first and accordingly 2nd team headed by Shri Rashid Younis-JKPS, Dy.SP Hqrs Kupwara of police/ army/ CRPF was also formulated and placed as a backup party to provide covering fire. Accordingly, the 1st joint team led by Shri G.V. Sundeep Chakravarthy, SSP Kupwara moved ahead in a very hostile situation and evacuated all trapped civilians and even during the course of evacuation terrorists fired intermittently on the joint party with the intention to halt the evacuation process and to make the civilians hostage and even some bullets hit the closest of the officer but team members led by Shri G.V. Sundeep Chakravarthy, IPS145796, SSP Kupwara did not lose their morale and evacuated all trapped civilians.

Once the civilian's evacuation process was completed, cordon was more tightened by sealing all entry and exist points and the search operation was intensified during which the holed up terrorists fired indiscriminately on the advance search party which was retaliated leading to an encounter. Since the terrorists were hiding in a concrete house who tactfully kept changing their positions in the house and engaged the security forces for a long time, the security forces could not easily move towards the target house for a long time due to fear of collateral damage . Eventually, the 1st joint advance team led by Shri G.V. Sundeep Chakravarthy, , SSP Kupwara volunteered themselves to approach the target house for last and final assault. Accordingly, the officer Shri G.V. Sundeep Chakravarthy, SSP Kupwara led his team and started approaching towards the target house under the backup fire of 2nd party. As soon as the advance team was about to reach the target house, terrorists after sensing that the security forces reached nearer to the target house, terrorists suddenly jumped out from the house through the main front door while showering volume of bullets and tried to escape from the spot by taking advantage of orchard area but before that, the advance team especially Shri G.V. Sundeep Chakravarthy, SSP Kupwara, Sgct Parveez Ahmad Khan, Sgct Fayaz Ahmad Ganie and Const. Waseem Mohi-Ud-Din Lone remained determined/ resilient like a rock and retaliated the fire effectively. In the ensuing face to face gunfight, two dreaded terrorists belonging to proscribed Lashker-e- Taiba terror outfit were neutralized whose identification later on ascertained as Hamas @ Asrar R/o Pak terrorist of LeT outfit and Waseem Nazir Lone S/o Nazir Ahmad Lone R/o Hathlangoo Sopore. Good amount of arms/ammunitions were recovered from the possession of slain terrorists. A case FIR No. 21/2021 U/S 307 IPC & 7/27 I.A.Act, 16 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Bomai.

In this operation, S/Shri G V Sundeep Chakravarthy, IPS, Senior Superintendent of Police, Parveez Ahmad Khan, SgCT, Fayaz Ahmad Ganie, SgCT and Waseem Mohi-Ud-Din Lone, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 04/05/2021.

(File No. 11020/1156/11/2022 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 46—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/ 1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jammu and Kashmir :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Ab. Hamid Reshi	Assistant Sub- Inspector	1st BAR TO PMG
2.	Bilal Ahmad Wani	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 28.05.2021, troops of 44RR were conducting patrolling of village Ganowpora-Arish and some unidentified terrorists fired upon them. Immediately the troops of 44RR retaliated the fire and subsequently cordoned the orchard area. On receipt of the information, DySP PC Keller and DySP PC Imamsahib alongwith their QRTs under the command of Shri Tanweer Ahmad- JKPS, Addl. SP Pulwama I/C SP Shopian rushed to the village. The target area orchard where terrorist were hiding was cordoned off.

Accordingly, QRTs of 14th BN CRPF/ DySP Hqrs, DySP Zainpora alongwith their QRTs also reached at the location and cordon was strengthened. A Joint team of 44 RR, 14th BN CRPF and Police Shopian led by Shri Syed Majeed Mosavi-JKPS, DySP PC Keller including Showkat Bashir, Ct. Sanjeet Kumar 682/IRP 21st BN were deployed for cordon in the north-eastern direction of target area Orchard. The second Joint team including QRT of 44 RR, QRT 14th BN CRPF and QRT of Police Shopian led by Shri Mohd Ashrif-JKPS, DySP PC Imamsahib including ASI Ab. Hamid Reshi, Ct Bilal Ahmad Wani ARP091396 tasked to lay down the cordon from South-Western direction.

The search was started to flush out the hiding terrorists, during the process of search, terrorists fired indiscriminately upon the cordon parties. The joint troops retaliated the fire effectively and during exchange of fire, it was confirmed that one terrorist is holed up in the cordoned area. The besieged terrorist was asked to surrender through different means but he continues firing on the troops. The joint troops of RR / CRPF and Police including ASI Abdul Hamid Reshi, Ct Bilal Ahmad Wani, Ct. Shafkat Bashir, Ct Sanjeet Kumar and led by Syed Majeed Mosavi- JKPS, DySP PC Keller retaliated and gunned down the terrorist. The slain terrorist was later on identified as Aitijmad Ahmad Dar S/o Mohammad Yousuf Dar R/o Awend, District Shopian of LeT outfit. Meanwhile, a large crowd of villagers from adjacent villages started stone pelting which was done from three directions of the target area. In order to disperse the unruly and violent mob deployed troops of 14th BN CRPF and Police showed maximum restrain while using the minimum force. The mob was kept at bay from the encounter site till the completion of operation. Good quantity of arms/ ammunition was recovered from the possession of killed terrorist. In this regard, case FIR No. 139/2021 U/S 147,148,149, 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16, 20 & 38 ULA(P) Act stands registered in P/S Shopian and investigation taken-up. With the elimination of this dreaded terrorist, the terrorist network within South Kashmir Range in general and District Shopian in particular have suffered a major setback.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by ASI Ab. Hamid Reshi and Ct Now SgCt Bilal Ahmad Wani who fought with terrorists efficiently and intelligently without caring for their precious lives was remarkable and the endeavor to reach to the target in extremely hostile situation was truly Gallant. They showed courage and evacuated the civilian trapped in the cordoned area to safer places, thus evading civil causalities by presence of mind and good policing. Although the terrorists tried their best to cause damage to the forces by resorting to indiscriminate firing in which they had a very narrow escape. However, they without losing their concentration and in due application of mind fought bravely and foiled their nefarious designs.

In this operation, S/Shri Ab. Hamid Reshi, Assistant Sub-Inspector and Bilal Ahmad Wani, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 28/05/2021.

(File No. 11020/1157/11/2022 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 47—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Jammu and Kashmir :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Ab. Hamid	Head Constable	PMG
2.	Sheeraz Ahmad Ganai	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 25.06.2021 at around 1210 hours, a specific intelligence input was generated about the presence of 2-3 terrorists at village Rakhama Shopian. The input was shared with Col. 34 RR and Commandant 14th BN CRPF. Accordingly, a joint CASO was planned and subsequently launched by Police Shopian in collaboration of 34RR and CRPF 14th BN. The Joint teams of Police, RR and CRPF laid the cordon around the target area. Initially, cluster of houses were brought under the cordon and search was initiated. By the time, two houses could have been searched, the source information received that terrorists have moved from Rakhama to Hanjipora sensing the movement of forces. Village Hanjipora is at the distance of approximately 05 Kms from Rakhama. A Team of CRPF, QRT of Police Shopian and 34RR continued the cordon at Rakhama and small components of team moved to Hanjipora and subsequently launched a surprise search in village Hanjipora near Kachdoora District Shopian.

During the search, terrorists hiding in the village sensing the movement of cordon party fired upon them; however, the cordon party had a narrow escape. But the alert troops took position immediately and retaliated effectively and meanwhile contact was established. On getting the information, joint cordon parties of 34RR, CRPF and Police deployed at Rakhama also reached village Hanjipora. Besides, additional troops of Police Shopian, CRPF of 14th/ 178th Bn. led by senior officers also

rushed to the target area Hanjipora and inducted in the cordon. The troops swiftly cordoned off outer side of target area in view of probable stone pelting by the villagers to interrupt the operation and facilitate the terrorists to escape.

SSP Shopian operational commander deployed the outer cordon/stops tactically with due thought of situation in consultation with Sector Commander 2nd Sector RR and DIG SKOR. This cordon team held their position plugging off all the sides of escape for terrorists. By this time miscreants from nearby villages had gathered around encounter site and were sloganeering against security forces and started stone pelting heavily. To keep them away from encounter site, joint teams of Police, CRPF were deployed to deal with stone pelters. Despite dealing with utmost patience, use of TSM and PAG became inevitable to disperse the miscreants. Joint cordon team was trying to cordon the target house and its adjoining house; one suspect jumped from its boundary in the lane and tried to run away. He was challenged to stop, the fleeing suspect fired indiscriminately upon the cordon team. However, the fire was retaliated effectively by the joint cordon team including HC Ab Hamid and Ct Sheeraz Ahmad Ganai. During the face to face gun battle, one terrorist was neutralized and two more were suspected to be moving inside the target building. Several probing fires were made but no reply was there from the target house. Meanwhile search was going on and one terrorist was found hiding in the chimney of the target house. Immediately, the teams were alerted and announcement was made to surrender, but there was no response and after a long exertion, one terrorist later on identified as Sahil Ramzan Dar @ Umer of LeT outfit S/o Mohd Ramzan Dar R/o Bemnipora Shopian was apprehended tactfully alongwith arms/ ammunitions and one terrorist identified as Murtaza Rasool Dar of LeT outfit S/o Gh Rasool Dar R/o Samboora Pulwama was eliminated. Good quantity of arms/ ammunition was recovered from the possession of slain/apprehended terrorists. Case FIR No. 178/2021 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16, 18 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Shopian and investigation taken-up.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by HC Ab Hamid and Ct Sheeraz Ahmad Ganai who fought terrorists efficiently and intelligently put themselves in great risk was remarkable and the endeavor to reach the target in extremely hostile situation was truly gallant. They showed courage in evacuating the people trapped in cordoned area. The terrorists tried their best to cause damage to the forces by resorting to indiscriminate firing in which they had a very narrow escape. However, they without losing their concentration and good application of mind fought bravely and foiled their nefarious designs. Completion of the mission in safe manner on the operation site has remained the key feature of this operation in such a volatile situation.

In this operation, S/Shri Ab. Hamid, Head Constable and Sheeraz Ahmad Ganai, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 25/06/2021.

(File No. 11020/1162/11/2022 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 48—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/ 1st Bar to Police Medal for Gallantry/ 2nd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jammu and Kashmir :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Sheezan Bhat	Deputy Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
2.	Lateef Ahmad Ganie	Assistant Sub- Inspector	2nd BAR TO PMG
3.	Mohd Rafiq Dar	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 18.07.2021, a specific information was received about the presence of some terrorists in village Check-i-Sideeq Khan of District Shopian. Accordingly, after thorough deliberation Police Shopian in association with 34th RR and 178th BN CRPF launched a joint CASO of the said area. As per plan, initial cordon party comprising QRT of 34 RR, QRT of 178th BN CRPF and QRT Police Shopian under the command of Shri Sheezan Bhat, DySP DAR Kulgam including Inspr. Peer Gulzar Ahmad, ASI Lateef Ahmad Ganie, HC Farooq Ahmad, SgCt Abdul Majid, Sgct Pawan Kumar, Sgct Quasir Ahmad, Ct Chander Pal, Ct. Mukesh Kumar, Ct. Mohd Rafiq Dar, SPO Aijaz Ahmad Zargar, SPO Tanveer Ahmad, SPO Madan Mohan Singh, SPO Ahsan-UI-Haq moved to the village to plug-off all the possible escape routes to ensure that terrorists hiding in the village may not get any chance to escape. During this course of action, the miscreants of the village on getting to know about the presence of troops in village reacted violently and started pelting stones heavily upon the troops. The additional parties of 34 RR, 178th BN CRPF & Police Shopian headed by operational commander SSP Shopian also reached to the target village and pushed the stone pelters away from the target area and laid the cordon of the said village properly. Cut-off points were

placed on approach roads and BP vehicles were placed tactfully around the target. The presence of terrorists inside the cordon was ascertained accordingly and cordon party was alerted.

After laying a strong cordon, announcements were made for the terrorists repeatedly to surrender, but in turn, fired indiscriminately upon the cordon party so as to break the cordon, in which joint advance party had a narrow escape. However, the cordon parties took cover immediately and retaliated effectively and foiled their attempt to escape. In the midst of heavy fire, one terrorist tried to escape and jumped from the house. He tried to run towards the joint troops positioned in inner cordon and continued with fire to break the cordon and escape. The joint cordon parties retaliated with fire effectively and gunned down one terrorist on spot. It was noticed that some families have stuck in the cordoned area. The joint troops volunteered themselves for evacuation and in few attempts under the cover fire provided by other team succeeded in evacuating the families Civilian of the adjacent houses to safer places to avoid any collateral damage.

The search for other hiding terrorists was started in the cordoned area, but due to poor visibility in darkness, it was decided to wait till first light next day and search was put on halt and cordon was further strengthened. Expecting much law & order problem, additional contingents of CRPF/Police were inducted and deployed at the strategic locations.

In the first light of the next day, the search was intensified by focusing on target house and two dead bodies of terrorists along with their weapons were recovered. The slain terrorist of LeT outfit was later on identified as Majid Iqbal Bhat S/o Mohammad Iqbal Bhat R/o Malibagh Imamsahib, Shopian and Ishfaq Ahmad Dar S/o Abdul Rashid Dar R/o Heff-Shirmal Zainapora, Shopian. Good quantity of arms/ ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 41/2021 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Imamsahib and investigation taken-up.

The slain terrorists were active in District Shopian and have spread a reign of terror among the general masses and main stream politicians of this District. These terrorists were involved in various subversive activities and great threat for the public, VIPs, Security forces and Police. The elimination of these 02 terrorists is great setback to the LeT Outfit. The general public has hailed the gallant act played by the Police in this operation. With the elimination of these dreaded terrorists, the terrorist network within South Kashmir Range in general and District Shopian in particular have suffered a major setback.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by Shri Sheezan Bhat, DySP DAR Kulgam, ASI Lateef Ahmad Ganie, Ct Mohd Rafiq Dar & others who fought with terrorists efficiently and intelligently without caring for their precious lives was remarkable and the endeavor to reach to the target in extremely hostile situation was truly Gallant. They showed courage and evacuated the civilian trapped in the cordoned area to safer places, thus evading civil causalities by presence of mind and good policing. The terrorists tried their best to cause damage to the forces by resorting to indiscriminate firing in which they had a very narrow escape. However, they without losing their concentration and in good application of mind fought bravely and foiled their nefarious design.

In this operation, S/Shri Sheezan Bhat, Deputy Superintendent of Police, Lateef Ahmad Ganie, Assistant Sub-Inspector and Mohd Rafiq Dar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 18/07/2021.

(File No. 11020/1164/11/2022 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 49—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/ 1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jammu and Kashmir :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Khalid Fayaz Math	Inspector	1st BAR TO PMG
2.	Mohd Yousuf Malik	Assistant Sub- Inspector	PMG
3.	Veerinder Manhas	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 18/19.02.2021, a specific information was received regarding the presence of 3/4 terrorists in village Homhuna-Shakripora Shopian. The said village which had been very vulnerable from terrorism's point of view and conducting an operation in such an area was a daunting task for the Police/Security forces. The input was shared with 44 RR and 178 Bn CRPF and it was decided to lay a joint cordon from different directions. After reaching the target area, the joint troops immediately cordoned the whole area tactically. Thereafter, team of Police which include Inspr. Khalid Fayaz Math, ASI Mohd Yosuf Malik and Ct. Veerinder Manhas and other personnel was constituted and started searching of houses. During the search of a single storey house, presence of three dreaded terrorists was confirmed. It was also noticed that the terrorists have taken

the children of house owner as hostages. Meanwhile, Shri Atul Kumar Goel-IPS, then DIGP SKR Anantnag took stock of situation alongwith Addl. SP Shopian, SDPO Zainpora, SHO P/S Zainpora and plugged off the gaps/vulnerable points.

In the meantime, terrorists hiding in the target house sensing the movement of operational parties opened indiscriminate fire with their illegal automatic weapons who immediately took cover and retaliated with courage triggering a fierce gunfight. The above cordon parties led by operational commander Shri Atul Kumar Goel-IPS took the responsibility of evacuation of hostage children. After multiple attempts, they managed to rescue the hostage children and moved them to secure locations.

Afterwards, two joint teams of Police, QRT of 44 RR and 178th Bn CRPF were formed under the overall command of Shri Atul Kumar Goel-IPS for final assault to eliminate the holed-up terrorists. Before launching final assault, besieged terrorists were asked to surrender which they refused instead opened volume of fire and grenade towards security forces, which resulted in firearm injury to one Jawan namely Naik Ajay Kumar of 44RR Rajput, who was immediately evacuated from the spot with the help of joint troops and shifted to 92 Base Hospital Srinagar for special treatment.

As the target house was within village near to road and surrounded by shops and houses, it was decided to strengthen the inner cordon. Joint teams of Police & CRPF also deployed in inner cordon on the road ahead of Humuna-Badigam road. Remaining area was covered by 44 RR and QRTs of PC Zainpora & PC Imamsahib. Due to darkness at midnight, position of terrorists was not clear, so it was decided to stop the operation and to wait for first light. On next day 19/02/2021 at about 0400 hours, keeping in mind the apprehension of L&O situation, cut-off points were established at suitable locations for maintaining law & order situation.In order to neutralize the terrorists, the above teams had advanced towards the target and Personnel from 44RR & 178th BN CRPF took position from North-West side of the target area. Suddenly one terrorist came out from the target house and started firing indiscriminately upon the joint deployed on North-Eastern sides of the target and tried to bid to escape. But, the alert troops peeping out from their respective positions without caring of their lives, fired heavily upon the escaping terrorist and managed to gun down him after a ferocious gun battle.

After some time, the house caught fire due to cross firing with the result two hiding terrorists came out of the house and kept on firing indiscriminately on the joint troops in a bid to escape from the target house where joint troops of Police, 44RR & 178th BN CRPF were waiting for the opportunity and retaliated with great courage from front. During the ensuing face to face gunfight which lasted for some time two more dreaded terrorists were eliminated after making sustained efforts by the teams. After a lull at around 0930 hrs, a small joint team with protective gear approached towards the target house and searched the house and nearby area but no presence of any more terrorist was found and the area was cleared. The slain terrorists were later on identified as Suhail Ahmad Sheikh S/o Ab Gani Sheikh R/o Turkawangam of Al-Badr outfit, Shahid Ahmad Dar S/o Bashir Ahmad Dar R/o Samboora Pampore Pulwama of Al-Badr outfit and Mudasir Ahmad Wagay S/o Mohd Ramzan Wagay R/o Check Sangdan Imamsahib Shopian of Al-Badr outfit, who were involved in various FIR registered in different Police Stations. Huge quantity of arms/ ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. A case FIR No. 11/2021 U/S 307 IPC, 7/27 I.A. Act, 16, 19, 20, 38 & 39 ULA(P) Act stands registered in P/S Zainapora for further investigation. The terrorist network within South Kashmir Range in general and in District Shopian particularly have suffered a major setback due to elimination of these dreaded terrorists.

In this operation, S/Shri Khalid Fayaz Math, Inspector, Mohd Yousuf Malik, Assistant Sub- Inspector and Veerinder Manhas, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 18/02/2021.

(File No. 11020/1152/11/2022 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 50—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Jharkhand :—

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Arjun Kumar Singh	Assistant Sub- Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 11.09.2017, a secret information was received that Salu Budh, area commander of PLFI extremist organization along with his squad members including three-four women had been carrying out several activities for many days in the border area of Rania and Guddi police station to disrupt public security and collect levy. On the basis of which, a team was formed by the Superintendent of Police, West Singhbhum, Chaibasa, Superintendent of Police, Khunti and the Commander of CRPF-94 Bn. The team was led by Assistant Commandant Prahlad Sahay, in which Arjun Kumar Singh, ASI of Chaibasa District Police (Saude Camp) was included in the said campaign team. When the expedition team was descending from the mountain while searching in Village Bandu Tola, Jhariagarh mountain at around 6.20 am, area commander of PLFI, Salu Budh and about

20 members of his squad including three-four girls started firing indiscriminately. Shri Prahlad Sahay, the leader of the police force shouted that we are policemen, but even then the firing did not stop from that side. Thereafter, despite repeated warnings by Assistant Commandant Prahlad Sahay, the militants did not stop firing. After which, retaliatory firing was started by Shri Sahay in self-defense and to prevent the loss of the police force. The firing continued for about half an hour. In which, S/Shri Sahay, Arjun Kumar Singh, Akhilesh Pandey and Satyendra Kumar were moving forward while firing, showing a lot of courage and bravery. Seeing the police force being overwhelmed, the militants fled taking advantage of the forest and the mountains. After the firing stopped from the militant's side, the police force went ahead while running a search operation and at a distance of 50 yards in the forest, a man with a 9mm carbine machine gun and a woman militant with a D.B.B.L were lying dead.

In this operation, Shri Arjun Kumar Singh, Assistant Sub-Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 12/09/2017.

(File No. 11020/1147/12/2022-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 51—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/ 1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jharkhand :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Vipul Pandey	Additional Superintendent of Police	PMG
2.	Ramendra Kumar	Deputy Superintendent of Police	1st BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

This refers to the deadly and fierce encounter which took place on 04/04/2018, in "Kauwakhoh Nala" in Bhargaon-Sikid Forest area under PS: Herhanj, Distt Latehar, State : Jharkhand, between the Police team and the dreaded extremists of CPI (Maoists) in which 5 Sub-Zonal Commanders of CPI(Maoist) were killed. It is apposite to mention here that Latehar district of Jharkhand is strategically very important area for the CPI(Maoist) to establish their hold in Jharkhand, Bihar and Chhatisgarh. North Latehar is the region which provides corridor of movement towards Bihar to the Naxal leaders who move to and fro to conduct meetings and plan their future strategies against the Government and the Security Forces.

On 03/04/2018, human as well technical inputs were received regarding movement of armed group of CPI(Maoists) in the bordering forest area of Manika-Herhanj-Latehar PS. Subsequently, an Ops "Khirakhand" was launched including 2 teams of CoBRA 203, 2 teams of 11 Bn CRPF, Assault Group No. 3 & 34 of Jharkhand Jaguar and police team consisting of Vipul Pandey, Addl SP (Ops) Latehar, SI Sanoj Cahudhary, OC Herhanj PS, 1 ASI and 4 CTs. All the six teams were assigned 6 different areas to search and neutralize the naxals. Team-5, consisting AG-3 of Jharkhand Jaguar under command of Sh Ramendra Dy SP, team 6 of police personnel including SI Sanoj Chaudhary, OC Herhanj, under overall command of Sh Vipul Pandey, Addl SP Ops, was assigned to search the Nala between Sikid PF and Bhargaon PF. Ops Team moved on 03-04-18 at 1900 hrs for its assigned area and reached Sikid forest area around 2300 hrs and took harbor in forest area. Next morning i.e. on 04-04-2018 around 0600 hrs, team tactically advanced for searching and combing their earmarked area as planned. After advancing upto certain distance, Sh. Vipul Pandey discussed with Sh. Ramendra, AG-3 Commander and other sub-group commanders to split the team in two parts for better domination and search and it was decided to move section no 3 of AG, under command of ASI Abhishesh Kumar on the mid ridge and remaining team to search the nala. While on the move, Vipul Pandey noticed 2-3 freshly dug earth to collect water in the nala. He immediately alerted the troops and directed them to be more vigilant. Team kept moving tactically, after few minutes again sound of interference in the radio set was heard by Vipul Pandey, he again alerted the troops and asked AG commander Sh Ramendra to alert the section moving in mid ridge. Around 0700 hrs when team was tactically moving in the East direction, all of sudden heavy volley of fire came on the Section No.3 moving on the mid ridge as well as on the team moving in the nala. Fire was indiscriminate and targeted on the police force. Sh Vipul Pandey and Sh. Ramendra challenged the armed Maoists to surrender but the call was returned with increased volume of fire. Thereafter, the whole party was ordered to retaliate with directional but controlled fire. Maoists were firing heavily on the Section-3 which was moving on mid ridge but ASI Abhishesh Kumar, Ct Manoj Kumar Bawari and Ct Mithun Kumar Ravi who were in scout retaliated valiantly and hold them. Sh. Vipul Pandey sensing that Maoists are trying to encircle section No.3, formed a small team instantly, consisting of AG-3 commnader Sh. Ramendra, SI Sanoj Chaudhary, Ct Anoj Ojha, Ct Manish Raj war, Ct Naresh Tigga, Ct Chotu Yadav and moved towards Section No- 3 which was pinned down by the heavy volume of fire by the naxals. This party advanced towards height employing fire and move tactics and by making the best use of the ground, during their movement few naxals who had taken defensive position in the dry nala, going downwards, fired heavily on them. But with grit cohesiveness and great determination and without caring for their lives, this team kept advancing with whatever cover available to support Section No.3 which was under heavy fire. Soon this party encircled the

Maoists from right flank and gave befitting reply and strong retaliation. This courageous action of the troops pushed Maoists to defensive mode. Since Maoists were on back foot this was the best time to launch counter attack, Sh. Vipul Pandey, Sh. Ramendra, re-organize the troops and led the hot pursuit of the fleeing Maoists, showing fearless bravery in the face of intimidating fire and utter disregard to their personal safety. They employed heavy firepower and advanced tactically inside jungle adopting fire and move tactics. Finally, sensing the extreme aggression and counteroffensive approach of the troops, the Maoists fled taking cover of the thick forest, leaving behind huge cache of explosive arms and ammunition. Encounter lasted for almost 03 hours. Sh. Vipul Pandey, Sh Ramendra fought valiantly and showed exemplary level of co-ordination and cohesion at the crunch time and infused extraordinary valour in the troops. They showed fearless bravery, without caring for their life amid heavy firing by Maoists and gave befitting reply to their offensive act. The well co-ordinate plan, perfect execution and exemplary cohesion at the time of crisis, gallant and vigorous act of the team commanders and their team led to killing of 5 Dreaded Sub Zonal Commanders Of Koyal Shankh Zone Of CPI (MAOISTS), namely Shrawan Yadav @ Yogendra Yadav, Madan Yadav @ Majnu, Shivpal Yadav, Ashish Yadav @ Rajesh and Narsingh Yadav.

Besides sophisticated weapons like AK 56, INSAS Rifle and large cache of ammunition were also recovered. These dreaded extremist had created atmosphere of terror and had strong hold in North Latehar region. Their death led to establishment of peace and tranquility in North Latehar and support base of Maoists in that region is almost finished. Thus the absence of leadership, forced top maoist commanders to merge North Latehar Sub Zone (of Koyal Shankh Zone) with the Madhya Zone Committee of CPI (Maoists), which is evident from the seized naxal literature regarding 4th meeting of Koyal Shankh Zone Committee. Later one more Sub-Zonal Commander Birender @ Shankar, who had got injured in that encounter also surrendered. This gallant episode is elaborated in detail in the FIR of Herhanj PS Case No. 14/18 dated 04.04.18 U/S 147/148/149/342/353/307 IPC, 25(1-a) (1-b)a/26/27/35 Arms act, 10/13/18/20 UAP act & 17(i)(ii) CLA act. It is pertinent to mention here that Out of five dreaded extremists who were killed in the fierce encounter, on three extrimists, Govt of Jharkhand had announced FIVE LACS CASH reward (on each) to arrest alive or dead.

In this operation, S/Shri Vipul Pandey, Additional Superintendent of Police and Ramendra Kumar, Deputy Superintendent of Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 04/04/2018.

(File No. 11020/1217/12/2022-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 52—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/ 1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Jharkhand :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Brij Kumar	Sub-Inspector	PMG
2.	John Murmu	Sub-Inspector	1st BAR TO PMG
3.	Satyendra Kumar Singh	Sub-Inspector	PMG
4.	Arvind Minz	Havildar	PMG
5.	Navneet Naval	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

This incident refers to the deadly and fierce encounter which took place on 12th May, 2018 in remote, hilly and densed forest area of Siharjor Pahan Toli, Bansjor O.P. area of Police Station- Jaldega between the police team and the dreaded extremists of People's Libration Front of India (PLFI), Luthar Dang @ Pandu and his Dasta members.

On 11th May, 2018 around midnight, an intelligence was received by SP, Simdega regarding congregation of most active and fierce leaders and members of banned extremist of PLFI in the area of Siharjor Pahan Toli. Based on the input, 03 parties were formed including 02 cut offs and 01 main raiding party, which was led by SI Brij Kumar. At about 03:00 Hrs, when raiding Police team led by SI Brij Kumar reached near congregation place i.e, forest area of Siharjor Pahan Toli (Bansjor), the extremists emerged suddenly and after taking cover of trees, started firing with automatic weapons on the raiding party in which SI Brij Kumar, SI Jonh Murmu, SI Satyendra Kumar Singh, Havildar Arvind Minz and Constable Navneet Naval were present. Immediately, SI Brij Kumar ordered his men to take position against the PLFI members who were firing and challenged the extremists to stop firing and surrender themselves before Police. Regardless of the caution, extremists kept on firing targeting the police party. To save the Police weapons and life of the Police personnel, SI Brij Kumar ordered the police party to start firing and make counter attack against the PLFI members. He formed two police parties. The first party under his leadership, although under tremendous fire from extremist, fought with great courage, even endangering their lives along with

SI Satyendra Kumar Singh, Havildar Arvind Minz and constable Navneet Naval crawled towards left side, where Naxalite had already taken position and made counter attack on them. The other party led by SI John Murmu and police personnel of JAP-4 crawled towards right side and started firing on the extremists and the party under the leadership of SI Brij Kumar started encircling the extremists. On seeing the attack from both the sides, Naxalites started firing indiscriminately on them. Even if the strength of the Police parties were small, they showed great courage and fought fearlesly with the firing against Naxal squads, broke the attack of extremists and forced them to retreat. SI Brij Kumar, SI John Murmu, SI Satyendra Kumar Singh and Havildar Arvind Minz accompanied with Constable Navneet Naval showed enormous courage and valour. SI Brij Kumar showed exemplary leadership and exclusive skill in encircling the extremists and forcing them to retreat. The exchange of fire continued up to 15-20 minutes.

After that, a search operation was carried out in which 01 dead body (who was later identified as Luthar Dang@ Pandu), heavy quantity of arms, including one AK-47 Assault Rifle, one Carbine and three more Rifles, ammunitions and logistic items (as per seizure memo) were recovered. Two injured armed members of PLFI outfit along with their Weapons were also arrested.

In this operation, S/Shri Brij Kumar, Sub-Inspector, John Murmu, Sub-Inspector, Satyendra Kumar Singh, Sub-Inspector, Arvind Minz, Havildar and Navneet Naval, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 12/05/2018.

(File No. 11020/1223/12/2022-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 53—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Jharkhand :—

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Arjun Kumar Singh	Sub-Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

The State of Jharkhand has been a prominent place and of strategic importance for the CPI (Maoist) and LWE splinter groups like People's Liberation Front of India (PLFI), both of which are banned organizations under the Unlawful Activities Prevention Act. Khunti is one of the most Naxal affected districts in Jharkhand as well as in India. Khunti is surrounded with districts which have hilly terrain, rough gradients, steep cliffs, overlooking distant places, dense vegetation with tracts of broken lands and are also Naxal affected. The inhabitation of population which are either being coerced into supporting the Naxals or are sympathetic to the Naxal, makes the task tough and challenging for the police and security forces venturing into such area. There are many areas where Naxal groups organize meetings, run camps, organize training, carry out recruitments and resort to violent activities against security forces and developmental works. PLFI has its vast network and cadres in the district. Khunti district has witnessed many brutal and violent activities executed by PLFI cadres in recent past.

On 20th December, 2020, SP Khunti received a reliable and actionable input that a group of armed cadre of PLFI was moving in the hills and jungles around Murhu and Tapkara PS areas. He immediately informed Additional S.P, Khunti and officers of CRPF 94 Bn, Khunti. He chalked out a plan to launch an operation with S.I. Arjun Kumar Singh as he had worked extensively in that area and had a fair idea of the terrain. The prime focus of planning was to ensure zero error with respect to movement and search of Naxal in and around civilian areas. All the personnel involved in the operation were properly briefed. District Police and CRPF jawans left Khunti in the night of 20.12.2020 and reached Dhutka Toli Tongri in the morning of 21.12.2020. As PLFI has a very efficient network and gets to know every movement of the forces, utmost secrecy was maintained as they were well versed with the terrain, topography and habitation around the area. SI Arjun Kumar Singh with CRPF Officers managed efficiently to reach the target area without being exposed. The operation was planned in such a way as to reach the planned general area just before the break of dawn. While the joint team of CRPF and Khunti Police was approaching the probable place, they were suddenly fired upon with automatic weapons. S.I. Arjun Kumar Singh with other officers showing exemplary presence of mind, immediately ordered the team personnel to take covers behind trees and rocks. These officers then started addressing the Naxal to stop the firing. But instead of paying heed to the warnings, the Naxal started firing indiscriminately. After accessing the situation S.I. Arjun Kumar Singh in consultation with officer of CRPF crawled towards the area in which the PLFI ultras were hiding. He along with CRPF officers and men moved with the help of fire and kept moving despite of heavy volley of fire from the PLFI insurgents. This was extremely dangerous but this was the need of the hour because they were firing on Police troops indiscriminately and could have resulted in heavy casualty to the security forces. Timely action and courage shown by S.I. Arjun Kumar Singh not only inflicted casualty on the side of Naxal but saved the lives of our police personnel. Exchange of fire lasted for about 30 minutes. Thereafter firing was stopped. After a strategic wait, S.I. Arjun Kumar Singh along with CRPF officers ordered their team to cordon off the area and started cautious searching

of the encounter site. During the encounter, 01 PLFI Naxal was found lying dead by the officers and teammates. Remaining PLFI Naxal managed to escape from the encounter site by taking advantage of dense forest and hilly and undulating terrain. SP, Khunti with reinforcement reached immediately on the spot and carried out extensive search for escaped PLFI cadres. Senior officers of CRPF, CO, Murhu also reached on encounter site and necessary proceedings were carried out.

After extensive search of the encounter site, apart from 01 dead body which was identified as Jidan Gudiya S/o Budhram Gudiya, Vill- Kocha Karanjtoli, PS-Tapkara, Distt- Khunti, Jharkhand, A huge cache of arms, ammunitions and other utility items like AK 47-01, Live Rounds -(AK-47) 7.62x39 mm – 87, Magazine (AK-47)-03, Wireless Set – 02, Mobile Phone – 12, Mobile Charger-05, SIM-83, W/Set Charger – 07, Pithu – 02, Blanket-08, Mattress – 04, Cash - Rs.27,050/- (Twenty Seven Thousand Fifty only) were also recovered from encounter site. Govt. of Jharkhand had declared a bounty of Rs. 15 lakh on Jidan Gudiya who was also wanted in 152 cases.

In this operation, Shri Arjun Kumar Singh, Sub- Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 21/12/2020.

(File No. 11020/1225/12/2022-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 54—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Madhya Pradesh :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Shiv Kumar Maravi	Sub-Inspector	PMG
2.	Shekh Raseed	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

An intelligence input was received that a joint team of Naxalites belonging to Vistaar Platoon No. 2 and Khatia Mocha Dalam was planning to come to village Jairashi, PS Birsa. The intelligence highlighted that the Naxalites had gathered in large numbers and were planning to carry out killings of innocent civilians in the nearby villages by labeling them as police informers thereby terrorizing the innocent civilians. Information indicated that this joint Naxal party included Naxals who attacked the Police party in Village Malkhedi in Baihar on 6/11/2020. In the recent past, police also had the intelligence inputs that Naxals are coming to villages in small numbers, dressed as villagers and are sending this message across to trap the police forces into their ambush. In order to verify the information, Sub Inspector Shiv Kumari Maravi & Constable Shekh Raseed were sent towards Village Jairashi while SHO PS Birsa Shri Bharat Notiya and Special Operations Group(SOG) Hawk Force -Birsa were put on stand by for strategic deployment based on the verification of the input.

SI Shiv Kumar Maravi and Constable Shekh Raseed quickly reached the Village and timely verified the input. The two officers confirmed that 5 Naxals had come to Village Jairasi intending to kill innocent civilians. SI Shiv Kumar Marawi and Constable Shekh Raseed also shared the critical input that the remaining Dalam members have laid down an ambush in the neighboring forest area. Upon verification of the presence of the Naxals in the Village, SHO PS Birsa Shri Bharat Notiya and Special Operations Group(SOG) Hawk Force -Birsa under PC Vipin Khalkho were deployed to cordon off the nearby forest area. At around 20.30 hrs, Naxals on sensing the police presence started indiscriminate firing towards the police party. SHO PS Birsa and SI Vipin Khalkho of SOG Birsa gave loud warnings to the Naxalites to surrender, but instead of giving heed to the warnings, they continued the deadly onslaught. At this instance, police parties took cover and started tactically moving towards the Naxalites. The police party retaliated in a controlled manner. This brave maneuver by the police pushed the Naxals to the back foot and after a few minutes, they started to pull back towards the forest.

5 Naxals who were inside the village became alert. On hearing the firing, they started running towards the jungle. At this instance, SI Shiv Kumar Marawi and Constable Shekh Raseed showed exemplary courage and without thinking of their personal safety plunged towards the fleeing Naxalites to apprehend them. Naxalites, on seeing the two officers started firing. Both men tactically moved in the direction of firing Naxalites who were trying to escape. A few bullets missed the two policemen narrowly. Both the officers advanced further even after being fully aware of the risk to their lives. They also returned effective fire from their pistols. The two men quickly got hold of one of the dreaded Naxalite who was fleeing toward the jungle. The Naxalite tried attacking the policemen with a knife but the brave officers didn't budge and got hold of the knife from the Naxalite and didn't allow him to run away.

It is because of the courageous and gallant acts of SI Shiv Marawi and Constable Shekh Raseed that police were able to apprehend a dreaded Area Committee Member (ACM) Sandeep Kunjam aka Lakkhu. The dreaded Naxalite Sandeep has a reward of Rs. 3 lacs from M.P. and Rs. 5 lacs from C.G. (Total reward Rs. 8 lacs.) SI Shiv Kumar Marawi and Constable Shekh Raseed showed the highest professional standard in this operation. They were not only critical in charting out the operational plan but also in the generation of intelligence input. It is because of the quick decision-making of the two policemen that intelligence input was timely verified and strategic force deployment was carried out. The two policemen showed great courage in moving to village Jairashi to verify the intelligence input even after being fully aware that Naxalites might carry out a deadly attack. Their gallant action led to the arrest of the naxalite who revealed crucial information about the current Naxal Vistaar strategy, their numbers, and weaponry.

In this operation, S/Shri Shiv Kumar Maravi, Sub- Inspector and Shekh Raseed, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 10/08/2021.

(File No. 11020/112/15/2022-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 55—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Madhya Pradesh :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Shyam Kumar Maravi	Additional Superintendent of Police	PMG
2.	Rajkumar Kol	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 17.09.2020 morning, an intelligence input was received that Naxals have come to Bandhatola village with the intention to kill police informers. Shri Shyam Kumar Maravi, Addl. SP Baihar immediately alerted Special Operations Group Birsa of Hawk Force and instructed them to tactically reach Bandhatola. Shri S K Maravi himself started from Baihar for Bandhatola without waiting for additional force.

The input clearly stated that the Naxals who have come to the Village are wearing normal cloths, and not the Naxal dalam uniform of dark green/black color. Hence, it was crucial to clearly identify the Naxals apart from the local villagers. Only a few Naxals were in the village while the rest of the Naxal dalam, armed with deadly weapons were waiting just outside the village periphery in the jungle. Further verification of the input revealed that the Naxals were near the Bandhatola pond. On the basis of the input Shri S K Maravi, Addl. SP Baihar briefed the Special Ops Group (SOG) of Hawk Force to cordon and search the area.

SOG Birsa, led by Shri Vipin Khalko, ASI Hawk Force, reached outskirts of Bandhatola Village and tactically approached the spot. Shri Vipin Khalko started to move towards the spot according to the plan. The police team took cover near the Bandhatola pond. They saw two suspect persons standing near the pond.

Police had been receiving such intelligence inputs in the recent past that Naxals were coming to the villages in small numbers, dressed as common villagers to draw police force into their ambush and the rest of their team armed with deadly weapons keeps waiting vigil in the nearby jungle to attack the police.

Shri Vipin Khalko instructed his team to look out for any ambush and capture the suspects carefully. Shri Vipin Khalko along with team went ahead according to the operation plan and challenged those two suspected persons. On seeing the police, those two Naxals threw away their ration and other items. One of them took out a pistol from under his shirt and fired indiscriminately towards the police team in order to kill the policemen. The Police party took cover to save themselves. The village houses were nearby and many villagers were in the line of fire of the police. Hence, the police force did not open fire to ensure the safety of the nearby villagers. Taking advantage of this both the Naxals jumped into the nearby pond and started swimming towards the other end from where the forest started. Most probably the rest of their dalam must have been hiding near that end of the pond. Both the Naxals were slipping away from the hands of the police. At this crucial point, without thinking twice about their own safety, Shri Vipin Khalko, ASI Hawk and Shri Rajkumar Kol, Constable Hawk bravely jumped into the pond to capture the escaping Naxals.

Shri Rajkumar Kol swam superbly to reach & capture one of the Naxals while realizing that the Naxal may still be armed and can open fire. His audacious act of courage led the police force to capture a dreaded Naxal alive who would have otherwise slipped away. Shri Rajkumar Kol and Shri Vipin Khalko heroically brought one Naxal out of the pond while the

other Naxal managed to swim across the pond and disappear in the forest. Shri Vipin Khalko and Shri Rajkumar Kol displayed bravado of the highest order and captured one of the dreaded Maoist later identified as Badal@Kosa@Kosan (Area committee member of Vistaar PI No. 2) possessing total reward of eight lakh rupees (Rs 3 lakh in MP and Rs 5 lakh in CG).

The police party took the Naxal Badal under their custody and immediately started to return towards the Police Station. By this time, the rest of the Naxal dalam was alert and had taken advanced offensive position to hurt & kill the police force while trying to free their Naxal Badal. Naxals started firing indiscriminately on the police team. The police team immediately took cover and retaliated controlled fire. Shri S K Maravi moved towards the area of firing to counter the Naxal attack. But the Naxals started to surround the police team from three sides and continued firing. For a few seconds it appeared that the police team has been entrapped in an ambush. A few bullets missed Shri S K Maravi narrowly but he kept his nerves and motivated his fellow policemen to return controlled fire while performing the counter ambush manoeuvre. This filled the entire team with renewed confidence and they used controlled & effective firing to break out of the Naxal ambush. Shri Vipin Khalko and Shri Rajkumar Kol crawled towards the Naxal positions and returned aggressive fire which forced the Naxals to step back. The entire police team under the courageous leadership of Shri S K Maravi successfully repelled a Naxal ambush and succeeded in bringing one Naxal Badal out of the forest alive.

After a pitched gunfight from both the sides, the SOG Hawk with the help of back up team was able to successfully bring out the captured Naxal Badal safely from the forest. On realizing that the extra police back-up parties have reached the spot the Naxals fled deep into the jungle. Shri S K Maravi, Addl. SP Baihar demonstrated exceptional courage by succefully arresting a dreaded Naxal Badal and safely bringing out the police team out of a Naxal ambush without suffereing any casualities to the security force, while keeping the arrested Naxal Badal also safe at the same time. Shri S K Maravi was supported in full vigour & valour by Shri Vipin Khalko & Shri Rajkumar Kol who risked their own lives more than once to capture the Naxal Badal and then to break the Naxal ambush ensuring safety of the entire police team.

In this operation, S/Shri Shyam Kumar Maravi, Additional Superintendent of Police and Rajkumar Kol, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 17/09/2020.

(File No. 11020/1146/15/2022 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 56—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/ 1st Bar to Police Medal for Gallantry/ 2nd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Maharashtra:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Maneesh Kalwaniya, IPS	Additional Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
2.	Sandip Punja Mandlik	Assistant Police Inspector	2nd BAR TO PMG
3.	Rahul Balaso Namade	Assistant Police Inspector	PMG
4.	Sunil Vishwas Bagal	Police Sub- Inspector	PMG
5.	Devendra Purushottam Atram	Naik Police Constable	PMG
6.	Ganesh Shankar Dohe	Police Constable	PMG
7.	Eknath Barikrao Sidam	Police Constable	PMG
8.	Prakash Shrirang Narote	Police Constable	PMG
9.	Dinesh Pandhurang Gawade	Police Constable	PMG
10.	Shankar Dasaru Pungati	Police Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 28/03/2021, information was received about the camping of around 80-100 armed naxalites in the forest area of Khobramendha under the limits of AOP Malewada, hatching a conspiracy to carry out subversive activities against the Government. Khobramendha jungle area is a rugged, hilly terrain with sparse population and absence of road and telecom connectivity which is considered by Naxals as an ideal place for conducting Naxal military camps and to organize meetings of senior Naxal cadres. Every year in the months of March, April and May, Naxals of the district gather in huge numbers at one place in order to carry out violent activities as part of the observation of TCOC (Tactical Counter Offensive Campaign). During TCOC period on previous occasions, Naxals had carried out violent activities in Khobramendha jungle area. During the

Jambulkheda IED blast of 2019 in which 15 policemen had martyred, Naxals had laid a huge ambush near Khobramendha to target the rescue forces. In this very same area, in 2011, around 80- 100 Naxals had laid an ambush, in which one of the men belonging to CRPF had achieved martyrdom and 5 others were injured.

It is in this background that the information of presence of around 80-100 Naxals in Khobramendha area was taken serious by the SP Gadchiroli. March being the peak of TCOC period, it was anticipated that some major subversive activity was imminent by Naxals if they would gather in this huge number in this area. Hence, a police team composed of C60 commandoes was readied for conducting an anti-Naxal operation in the said areas after corroboration of the information by Addl SP (Ops) from his independent sources.

Therefore, on the evening of 28/03/2021, Shri Maneesh Kalwaniya, Addl. SP (Ops.) and his team along with their respective squads gathered to launch an anti-Naxal operation-based on the intelligence received. The police party of 182 men and 11 officers set out on 28/3/2021 during nocturnal hours for conducting the anti- Naxal operation. The parties used vehicles to reach till a point, from where it was a tough trek of 12 kms in the night to reach the spot that was dominated by the Naxals. Previous operations have failed many times in this area due to exposure of police party while walking. The night time movement and the tough and hilly route were selected so that the police party does not get exposed. Some men sustained minor injuries due to slipping and falling at certain places due to the darkness and the hilly terrain. Having reached near the vicinity of Khobramendha Village in the morning, in order to search the entire area, they spilt into two groups, 100 meters apart from each other, each group further spread in 4 sections each. First group was headed by Shri Maneesh Kalwaniya, Addl. SP (Ops.) Gadchiroli (Group A) and the second group headed by API Sandip Punja Mandlik (Group B). Thereafter, they started combing the forest following the standard operating procedures. At around 06.30 am, when they started to climb a hill in forest of Khobramendha, they were suddenly attacked by around 50-55 armed Naxalites. The front sections of both the groups came under intense pressure due to the indiscriminate firing. The Naxals were clad in olive green uniforms, firing from automatic weapon and had taken advantageous positions on the higher reaches of the hill behind big rocks. The indiscriminate fire unleashed by the Naxalites was followed by hurling of bombs. The police parties at once took position on the ground. Due to the explosion of the bombs, the visibility of the surrounding area was completely blocked as heavy smoke emanated. In absence of proper cover of rocks etc., most of the men instinctively took lying position to avoid the bullets and splinters.

The firing from Naxals was very intense and did not stop despite appealing the Naxals to surrender. After some time, it was communicated over walkie talkie that Naxals had encircled the front section consisting of 20 men of the group B headed by API Mandlik. This group had entered into the U-shaped ambush laid by Naxals. The Naxals then fired intensely on these police personnel from three directions, taking the cover of rocks. Naxals had placed themselves in such strategic manner that rescue teams were not able to move forward. All the men were taken to surprise due to sudden attack and hence everyone had taken whatever cover was available behind the rock or tree. One of the policemen in the ambushed group namely Dinesh Pandhurang Gawade, PC sustained a bullet injury while retaliating this attack. Despite the injury, he showed great courage in continuing to fire against the Naxals . A bullet fired by the Naxalites passed by him brushing his neck leading to head injury. At this time, API Sandip Mandlik, along with Eknath Barikro Sidam and Prakash Shrirang Narote put their own lives in great danger, exposed themselves and opened strong fire in the direction of the Naxalite. Being at the head of the formation, they were responsible to stop the advancement of Naxals towards their group. But in order to stop the Naxals, they had to intermittently leave their cover and fire towards the Naxals , which kept the Naxals from coming closer. In this fashion they bought time for help from the group A. This gallant act saved the lives of the men who otherwide would have come under strong fire from the Naxals. This strong retaliation stopped the Naxals from advancing and the group kept on defending themselves to the hilt.

As Shri Kalwaniya learnt about the ambush and the injury to one of the men, decided to move for assistance of the group that was ambushed and conveyed the same to API Mandlik. Being itself under the firing zone of around 25-30 other Naxalites, it was not possible for group A to move uphill for the assistance of the group ambushed by Naxals. The Naxals had strategically positioned themselves on the higher areas of hillock taking proper cover behind the huge rocks and were organized into various groups, a few which were not even visible during the initial stages. Being in a disadvantaged position as compare to Naxals, it was not possible for men of this group A to reorganize and form a proper rescue. Due to the continuous firing from Naxals, it was not possible for Shri Kalwaniya to gather the men and make a proper rescue party. Understanding critical situation of the group B that was stuck in the ambush, Shri Kalwaniya without waiting for of the men of his group, took the only men available nearby and decided to advance. It was at time that Shri Kalwaniya, PSI Sunil Vishwas Bagal, API Rahul Balaso Namde, NPC Devendra Purushottam Atram, PC Shankar Dasaru Pungati and PC Ganesh Shankar Dohe suddenly left their cover and started advancing towards the group B that was ambushed. These men showed extraordinary courage by advancing amidst the heavy firing from Naxals. If this decision was not taken, a lot of lives would have been lost. As a preplanned strategy, Naxals had taken position to attack this rescue party as well.

Despite being in a tactically weaker location with a small team of just 6 members and having to face a huge group of heavily armed Naxals, Additional SP (Ops) Maneesh Kalwaniya led the team and started aggressively advancing uphill amidst the raining of bullets by the Naxals. This sudden movement took Naxals by surprise. Due to this sudden risky maneuver by the team led by Maneesh Kalwaniya, Naxals were dislodged from their advantageous positions and they had to reorganize. The gallant act by these 6 men provided the crucial window for the rest of the men of their group to take proper cover behind big rocks and organize themselves in a proper defending position. While advancing, Devendra Purushottam Atram of this small team slipped and fell while dodging the Naxals' bullets, and lost contact with his weapon. At this moment, Maneesh Kalwaniya.

PSI Bagal and API Namde moved out of the safety of the cover and exposed themselves to a volley of bullets for giving cover to Devendra Atram by firing heavily in direction of Naxals. This gallant act by these men gave time for Devendra Atram to collect his weapon and regain his balance and his life was saved. Maneesh Kalwaniya's courageous and gallant movement towards the Naxals kept the morale of the force higher.

Eventually when the climb to hill was cleared of Naxals due to efforts of this small team of 6 men, some other team members of the group A reached very close to the ambushed group and when Naxals saw firing coming from this side, they intensified their offensive. But the police groups did not leave their strategic positions and kept on firing towards the Naxals. The combined retaliation by both the groups exerted heavy pressure on Naxals. Having come very close to each other, Naxals and police party both took cover and started firing at each other.

Although both the groups had come closer to each other and at this location, there were 35 policemen in total who were firing towards the Naxals who were around 50 in number, but still the ambush was not broken. At this time, the back section of group B was instructed to take a longer route towards left side and cover the Naxalites from behind. But the injured Policeman Dinesh Gawde was still under heavy fire from Naxals, and was relatively alone with very few other men to support in his vicinity. Despite all this, he showed highest degree of valor in continuing controlled firing and not allowing Naxals to come close to himself. The other members of his group were at around 30-35 meters but due to the angle from which Naxals were firing, no other members could come for his assistance without themselves getting hit with bullets. The small party of 6 men headed by Shri Kalwaniya reached nearby at this time at around 30 meters from Dinesh Gawde. After this support was reached, the Naxals could not advance any further in his direction. They kept engaged the Naxals and in some time, the rear section of group B that had taken detour, reached behind the Naxals and fired upon them. When this Section started firing from behind the Naxals, their position was weakened and the ambush started to break. Later Shankar Pungati and Shri Kalwaniya moved Dinesh Gawde to a safe location.

During the entire incident heavy firing continued for almost 70-80 minutes from both sides. Due to the tactical position and heavy firing from police, the Naxals had to leave their positions and retreat. The gallant act by this team of 6 members was key to break to ambush, hence lot of lives were saved.

The extraordinary courage displayed by the police personnel on the battle field resulted in the elimination of five hardcore Naxalites including a top cadre of rank SZCM name Pawan @ Bhaskar. The deceased SZCM had been the in charge and divisional secretary of the north Gadchiroli Division. He was also the mastermind behind laying ambush near village Jambhulkheda on 01/05/2019 in which 15 policemen had lost their precious lives. 4 weapon including one AK 47, one .303 Rifle, one 8 mm Rifle and a 12-bore rifle, two AK 47 Magazines, two SLR magazines, one .303 magazine, 3 live detonators, 100 live cartridges, 3 walkie talkie sets, 1 laptop, 1 Samsung tablet and other electronic material were recovered. 2 IEDs (5 kgs each) and lots of other cache of Naxal items were also recovered.

In this operation, S/Shri Maneesh Kalwaniya, IPS, Additional Superintendent of Police, Sandip Punja Mandlik, Assistant Police Inspector, Rahul Balaso Namade, Assistant Police Inspector, Sunil Vishwas Bagal, Police Sub-Inspector, Devendra Purushottam Atram, Naik Police Constable, Ganesh Shankar Dohe, Police Constable, Eknath Barikrao Sidam, Police Constable, Prakash Shrirang Narote, Police Constable, Dinesh Pandhurang Gawade, Police Constable and Shankar Dasaru Pungati, Police Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 29/03/2021.

(File No. 11020/1194/16/2022 -PM

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 57—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/ 1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Police Personnel of Maharashtra :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Yogiraj Ramdas Jadhav	Assistant Police Inspector	1st BAR TO PMG
2.	Amol Nanasaheb Phadtare	Assistant Police Inspector	PMG
3.	Sadashiv Namdeo Deshmukh	Police Sub- Inspector	PMG
4.	Premkumar Lahu Dandekar	Police Sub- Inspector	PMG
5.	Rahul Vitthal Avhad	Police Sub- Inspector	PMG
6.	Dewaji Kotuji Kowase	Assistant Police Sub- Inspector	PMG
7.	Rajendra Antaram Madavi	Head Constable	PMG

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Post at the time of Action	Medal awarded
8.	Nangsu Panjami Usendi	Naik Police Constable	1st BAR TO PMG
9.	Devendra Purushottam Atram	Naik Police Constable	1st BAR TO PMG
10.	Pradip Vinayak Bhasarkar	Naik Police Constable	PMG
11.	Sudhakar Manu Kowachi	Police Constable	PMG
12.	Nandeshwar Soma Madavi	Police Constable	PMG
13.	Subhash Bhajanrao Pada	Police Constable	PMG
14.	Bhauji Raghu Madavi	Police Constable	PMG
15.	Shivaji Modu Usendi	Police Constable	PMG
16.	Gangadhar Kerba Karad	Police Constable	PMG
17.	Rama Mainu Kowachi	Police Constable	PMG
18.	Mahesh Pocham Madeshi	Police Constable	PMG
19.	Swapnil Kesari Pada	Police Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 20/05/2021, a reliable intelligence was received by Shri Sadashiv Namdeo Deshmukh, PSI about the gathering of 60-70 armed Maoists, in the forest areas of Village Paidi under the limits of AOP Kotami for observing the Tactical Counter Offensive Campaign (TCOC). Also, it was learnt that at the said place, senior Naxal cadres are hatching a criminal conspiracy to carry out subversive activities against the Government. The Paidi jungle area is an ideal place for conducting naxal military camps and to organize meetings of senior Naxal cadres. Every year in the months of March, April and May, Naxals of the district gather in huge numbers at one place in order to carry out violent activities as a part of the observation of TCOC. On previous occasions, during these periods of intense violent activities by Naxals, Gadchiroli have had big losses in terms of precious lives of policemen and officers. Based on the intelligence input received in this instance, immediately, under the leadership and guidance of SP Gadchiroli, an operation plan was prepared by Maneesh Kalwaniya, Addl. SP (Ops.) with the assistance from PSI Sadashiv Namdeo Deshmukh.

Accordingly, a team comprising 14 special operation squads was formed. Of the above squads, the seven squads (Team A) set out from Gadchiroli on 20/05/2021 in the evening and reached the forest of Jalegaon Village and began to search the forest area. This group was comprised Sadashiv Namdeo Deshmukh and Nangsu Panjami Usendi squad, PSI Premkumar Lahu Dandekar and Kishor Atram Squad, PSI Kishor Shinde and Vinod Hichami suqad, PSI Dnyaneshwar Gabhale and Rama Kowachi squad, API Yogiraj Jadhav, PSI Dinesh Gawande and Mahesh Michha squad, PSI Sangameshwar Biradar and Surpat Wadde squad and PSI Kabul Devade and Mahadeo Madavi squad. Similarly, on the same day i. e. 20/05/2021 in the evening, another four squads (Team B) comprised of PSI Bhashkar Ramble and Subhash Wadliai squad, Dewaji Kotuji Kowase squad, Vilas Katenge squad and Jagdeo Madavi squad set out from Gadchiroli. Also, another three squads (Team C) included PSI Rahul Awhad and Gopal Usendi squad, Devendra Atram squad and API Amol Fadtare and Kotala Korami squad set out from SPS Kasansur on 20/05/2021 in the evening. Team B and team C came together in the forest of Korkuti and they also began to search the forest of Korkuti. All the above groups halted for the night at pre-decided venue.

On 21/05/2021, while conducting the anti-Naxal operation, commandos of team A spilt themselves into two groups as a tactical move. The first group was led by PSI Sadashiv Deshmukh and the second group was led by API Yogiraj Jadhav. Searching through the forest of Jalegaon, these squads reached the forest of Paidi. While searching through the forest of Paidi, at around 0615 hrs to 0630 hrs, 60 to 70 armed Naxalites who laid in an ambush at the hilltop, encircled and attacked the police group led by Yogiraj Jadhav by opening indiscriminate fire and hurling bombs with the intention of killing the police personnel and thereafter snatch away their arms and ammunition. At that time, the policemen managed to shield themselves and appealed the Naxalites to surrender. But, disregarding the appeal made, the Naxalites continued to fire at the trapped group. Meanwhile, one of the groups of Naxalites encircled PSI Rahul Devade and Mahesh Madeshi and opened intense fire at them. Noticing this, immediately, API Yogiraj Jadhav formed a small team comprised with 3-4 commandos; put his own life in great danger and aggressively rushed towards the trapped commandos. Then, he opened effective counter fire at the Naxalites. Due to the extraordinary courage and warfare tactics shown by Yogiraj Jadhav and his small team, the trapped Deshmukh and PSI Premkumar Dandekar along with Nangsu Usendi, Dinkar Madavi, Rajendra Madavi, Sudhakar Kowachi, Nandkishor Madavi, Raju Sadmek, Bhauji Madavi, Rama Kowachi and Subhash Pada put their lives in great danger and rushed towards the trapped commandos. Then, they divided themselves into two smaller groups and opened heavy counter fire at the Naxalites from both the sides. Noticing this, the naxalites opened heavy fire at both the groups arrived for assistance. While retaliating the naxal attack, Rajendra Sadmek and Raju Madavi received minor injuries over their persons. As the Naxalites noticed the injured commandos, a group of 10-12 Naxalites opened intense fire at them. At that time, PSI Sadashiv Deshmukh put his own life in great danger and skillfully rushed towards the injure commandos and rescued them safely from the heavy shelling of the Naxalites. The extraordinary courage, warfare tactics and quick response shown by PSI Deshmukh and PSI Dandekar and their

small teams, the trapped group led by API Yogiraj Jadhav could be successfully rescued and precious lives of the associate commandos could be saved. Thereafter, both the group opened heavy retaliatory fire at the Naxalites. As the pressure from police side mounted, the Naxalites completely dislodged from their positions and fled away at the direction of Korkuti forest areas for their lives.

Meanwhile, team B and team C was conducting anti-Naxal operation in the forest of Korkuti. As they heard the gunfire, they moved towards the Paidi forest area for providing assistance to team A. As the commandos of team B & C entered the Paidi forest areas, the Naxalites attacked the groups led by PSI Bhashkar Kamble and Subhash Wadhai, Jagdeo Madavi, Dewaji Kowase and Vilas Katenge respectively. The Naxalites opened heavy fire at them. Also, exploded a cooker bomb and hurled hand grenades at them. Due to the explosion, the visibility of the surrounding was completely blocked due to smoke emanated. Taking advantage of the smoke, the Naxalites began to flank the trapped commandos. As Dewaji Kowase noticed this, he immediately informed the other groups about the Naxal strategy and called for assistance. Immediately, API Amol Phadtare along with PSI Rahul Avhad, Divakar Narote, Shivaji Usendi, Gangadhar Karad, Devendra Atram, Pradip Bhasarkar and Swapnil Pada rushed towards the trapped commandos and opened counter fire at the Naxalites. While rushing towards the trapped commandos, 15-20 armed Naxalites suddenly arrived there and opened intense fire at API Amol Phadtare and his associate commandos from the close range of 10 meters. During the exchange of firing, Shivaji Usendi and Pradip Bhasarkar received injuries. Despite this, API Amol Phadtare, PSI Rahul Avhad and his associate commandos retaliate strongly. After some team A also arrived at the scene. Thereafter, the combine coordinated retaliation put forth by the all the teams, the Naxalites fled away taking cover of thick forest and hill.

This tactical and coordinated movement, excellent planning and valiant act of the police personnel with proper intelligence have resulted in the elimination of thirteen hardcore Naxalites including a top cadre of rank DVCM named Satish @ Adave Mohanda. Also, 13 weapons including one AK 47 rifle, five SLR rifles, three .303 rifles, two 8 mm rifles, one Stengun and one Pistol along with ammunition and Naxal belongings in huge quantity were recovered from the place of incident. The deceased DVCM was acting as Dy. Commander of Company No. 4 in North Gadchiroli Division. He was also the mastermind behind laying ambush near village Jambhulkheda on 01/05/2019 in which 15 policemen lost their precious lives. The combined bounty of rupees 64 lakhs was announced by Government on the head of these killed Naxals.

This successful encounter has dealt a big blow to Naxal movement in the district. Naxal gathering of this magnitude was convened to carry out a major subversive activity. During TCOC period in 2019, Naxals had gathered in a similar manner and had caused IED explosion causing martyrdom of 15 policemen. In past also on many occasions, during TCOC period, Naxals have carried out violent activities leading to loss of life and property in huge numbers.

In this operation, S/Shri Yogiraj Ramdas Jadhav, Assistant Police Inspector, Amol Nanasaheb Phadtare, Assistant Police Inspector, Sadashiv Namdeo Deshmukh, Police Sub- Inspector, Premkumar Lahu Dandekar, Police Sub-Inspector, Rahul Vitthal Avhad, Police Sub-Inspector, Dewaji Kotuji Kowase, Assistant Police Sub-Inspector, Rajendra Antaram Madavi, Head Constable, Nangsu Panjami Usendi, Naik Police Constable, Devendra Purushottam Atram, Naik Police Constable, Pradip Vinayak Bhasarkar, Naik Police Constable, Sudhakar Manu Kowachi, Police Constable, Nandeshwar Soma Madavi, Police Constable, Subhash Bhajanrao Pada, Police Constable, Bhauji Raghu Madavi, Police Constable, Shivaji Modu Usendi, Police Constable, Gangadhar Kerba Karad, Police Constable, Rama Mainu Kowachi, Police Constable, Mahesh Pocham Madeshi, Police Constable, and Swapnil Kesari Pada, Police Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 21/05/2021.

(File No. 11020/1196/16/2022 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 58—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Maharashtra :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Tanaji Digambar Sawant	Police Inspector	PMG
2.	Namdev Mahipati Yadav	Police Havildar	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On the evening of 28/01/2020, a senior officer of Rajasthan Police informed the office of the Superintendent of Police, Kolhapur District, Maharashtra State over telephone that a team of police officials from Rajasthan Crime Branch, lead by Inspector Narendra Punia was chasing a white Swift Car moving with a very high speed towards Pune on Bengaluru -Mumbai

National Highway (NH-4). The officer further informed that the car had no number plate and it was carrying three dreaded criminals, viz. Shamlal Punia, the leader the notorious "007 Bishnoi Gang" of Rajasthan and his two associates, who had fled in the car from Hubli, Karnataka when the Rajasthan Police team reached the town on the basis of specific intelligence. Sharing the exact passing location of the car, photographs of the culprits and contact details of Inspector Punia, the officer requested for assistance of Kolhapur Police in arresting the culprits. He also cautioned that the gang had not only spread a reign of terror in many parts of Rajasthan with their serious crimes but had also gained notoriety for opening fire on the police teams assigned with the task of arresting them.

The entire information was immediately shared with Inspector Tanaji Digambar Sawant, Officer In-charge of the District Local Crime Branch (LCB), and he was assigned the task of organizing nakabandi, accosting the fleeing car and arresting the culprits. Inspector Sawant immediately rushed with his LCB team towards Kini Toll Booth on NH-4 and simultaneously started taking live location of the culprits from Inspector Punia. On reaching the toll booth, Inspector Sawant briskly took the stock of the situation and briefed his team about the task on hand. Explaining the team members their individual roles in the operation, Inspector Sawant strategically deployed them on the Pune bound leg of the highway in the form of a nakabandi. He positioned the members of his team in such way that the culprits could not get any clue about the police presence. With the operational requirement of accosting the car immediately on its halt at the Kolhapur side of the toll booth, Inspector Sawant himself took position with a handful of his staff at the forefront of the operational arrangement. He arranged other members on the Pune side of the toll booth in such a way that they could be in a position to immediately chase and catch the culprits if at all they escaped again.

Inspector Sawant then started carefully screening every passing vehicle with a hawk's eye. In a few minutes, API Ghule spotted and informed to PI Sawant " a white Swift car without number plate approaching the toll booth". When PI Sawant noticed that apart from the car, the description of the three passengers in it was also exactly matching with that of the culprits in the photographs shared by Rajasthan Police.

Inspector Sawant immediately waved at his team members and at the blink of an eyelid, swung into action. Inspector Sawant, covering the car from its rear and two of his team members, covering it from the two sides, started cautiously closing in towards the car. On coming closer to the car, Inspector Sawant loudly proclaimed himself to be a police officer and appealed the culprits to surrender. The culprits, however, tried to escape by speedily swerving the car into the adjacent lane of the booth. In an attempt to escape hastily, the culprit lost the control over car and hit the road divider and came to a sudden halt.

When Inspector Sawant and Police Havildar Namdev Mahipati Yadav rushed towards the car, the culprit sitting on the rear sit provoked the other one sitting near the driver to open fire on the police team. In response, the culprit sitting near the driver, whose identity was later disclosed as gang leader Shamlal Punia, opened fire from his pistol in the direction of Police Havildar Namdev Mahipati Yadav. Exhibiting extreme courage, Police Havildar Namdev Mahipati Yadav dodged the bullet by thoughtfully skidding down on the road while still pushing the door of the car inwards. Already being an overcrowded place, the sound of bullet fired by the culprit resulted into a huge commotion and chaos at the toll booth. Sensing imminent danger to the life of Police Havildar Namdev Mahipati Yadav, Inspector Sawant asked him to quickly move backwards and join him at the rear of the car. In that brisk moment when Police Havildar Namdev Mahipati Yadav drew back and joined Inspector Sawant, the culprit Shamlal Punia got down from the car and opened fire in the direction of Inspector Sawant and Police Havildar Namdev Mahipati Yadav. In a true act of gallant while facing imminent risk to his life, Inspector Sawant acted swiftly and fired six rounds of bullets from his service pistol in self-defence. When the gangster fell down with bullet injury, InspectorvSawant and Police Havildar Namdev Mahipati Yadav again closed in by risking their lives and nabbed all the three accused. Two of them, viz. Shamlal Punia and Shravankumar Manoharlal Manju @ Bishnoi who were injured in the firing were moved to the hospital.

Subsequently, an offence vide C.R.No. 44/2020, U/Sec. 307, 353, 279, 34 IPC r/w sections 3, 25(1)(A) of the Arms Act r/w sections 184, 177 of M.V. Act was registered against the three culprits at Wadgaon Police Station, Dist. Kolhapur. It was revealed in the course of Investigation that Shamlal Punia, a native of Jodhpur District of Rajasthan, had formed the dreaded "007 Bishnoi" gang for gaining pecuniary and other benefits by instilling fear in the minds of public. With his various associates, culprit Punia had committed more than 31 serious crimes of rape, dacoity, attempt to murder, abduction, extortion, gun running, etc. in various parts of Rajasthan. He and his two associates arrested in the operation were absconding from Rajasthan since 2017 and were constantly changing their base while committing interstate crimes. They were also declared as the proclaimed offenders by various competent courts in Rajasthan. With this background, the provisions of the Maharashtra Control of Organised Crimes Activities Act, 1999 (MCOC Act, 1999) were also invoked in the above mentioned case of Wadgaon Police Station.

On being tasked with the operation, Inspector Tanaji Sawant immediately sensed the urgency of the situation and rushed to the Kini toll booth within minimum possible time. Given the criminal antecedents of the dreaded culprits and their notoriety of using firearms against police teams, it was imminent that the culprits could open fire at the team. In such horrifying circumstances, Inspector Tanaji Sawant and Police Havildar Namdev Mahipati Yadav exhibited extreme sense of gallant by risking their lives and courageously confronting the dreaded culprits from a very close distance. They engaged in a fierce cross fire with the dreaded culprits and succeeded in leaving two of them injured. This was one of the most daring operations of the recent times in full public view and commotion. With this extreme act of gallant exhibited by Inspector Tanaji Sawant and Police Havildar Namdev Mahipati Yadav, the thoroughbred criminals and the proclaimed offenders of the Bishnoi "007 Gang",

who had created the reign of terror in Rajasthan, could be nabbed and brought to book under the stringent provisions of the MCOC Act, 1999.

In this operation, S/Shri Tanaji Digambar Sawant, Police Inspector and Namdev Mahipati Yadav, Police Havildar displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 28/01/2020.

(File No. 11020/36/2021 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 59—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG), Posthumously to the under mentioned Personnel of Assam Rifles :—

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Late Shri Avatar Chakma	Rifleman	PMG (Posthu)

Statement of service for which the decoration has been awarded

Rifleman (General Duty) Avatar Chakma was a highly motivated, courageous soldier. He displayed exceptional gallant and raw courage while fighting insurgents in Changlang distnct, Arunachal Pradesh.

On 22 May 2021, based on input of 14-15 Burmese Nationals movement to Longvi village, an operation was launched towards general area Three Hut (MY- 416692). At 0715 hours, the party moved towards Box Cutting (MY-417651), Rifleman Avatar Chakma was leading as scout. At approx 0830 hours on 22 May 0021, the party encountered unknown insurgents in Box Cutting. Insurgents attacked the party with small arms which was retaliated. During which the Rifleman Avatar Chakma being the scout, got into the fire fight in close quarter with the insurgents. His instant retaliation halted the advance of the insurgents, inspite of grievously injured, his singular selfless act safeguarded lives of his patrol while he laid down his life fighting insurgents.

In this operation, Late Shri Avatar Chakma, Rifleman displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 22/05/2021.

(File No. 11020/ 1220/53/2022 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 60—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Personnel of Border Security Force (BSF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Avnish Kumar	Constable	PMG
2.	Md Bakibulla Haque	Constable	PMG
3.	Avtar Singh	Constable	PMG
4.	Anil Yadav	Constable	PMG
5.	Anil Sharma	Constable	PMG
6.	Raju Choudhary	Constable	PMG
7.	Bollam Ramanjaneyulu	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 30 Nov 2020, a 24 hours special Ambush Party of Ghatak Team of 59 Bn BSF led by Sub-Inspector (GD) Paotinsat Guite along with 07 ORs was deployed along anticipated ingress route of the terrorists in highly sensitive Damaikush Bowl on LoC under Army Ops Control of 120 Inf Bde.

On 1st Dec, 2020 at about 0835 hours, the Ghatak team was fired upon from close proximity of Ambush site from the direction of Damaikush Nullah (Pak side). Sub-lnspector (GD) Paotinsat Guite, displaying intrepid nerves of steel, took immediate control of situation, re-siting the ambush and coordinated effective, swift & aggressive retaliatory fire towards the terrorist group, despite the heavily mined terrain with undulating ground and thick vegetation. While manoeuvering to engage the enemy, SI/GD Paotinsat Guite was shot through his upper torso. With total disregard for his own safety, he continued engaging the enemy under overwhelming fire in order to provide protective fire for his team. Despite grievously wounded, he exhibited raw courage and successfully neutralized one the terrorists.

The gallant action of SI(GD) Paotinsat Guite was emulated by the rest of his team, with remaining members of Ambush party consisting of Constable Bollam Ramanjaneyulu, Constable Avnish Kumar, Constable MD Bakibulla Haque, Constable Avtar Singh, Constable Anil Yadav, Constable Anil Sharma and Constable Raju Choudhary engaging the terrorist group aggressively.

During this close quarter gun fight with terrorists, the team exhibited indomitable courage, conspicuous gallantry and immense resolve in protecting the sovereignty of the nation while deployed along the Line of Control. The prompt retaliation by the ambush party under the dynamic leadership of SI(GD) Paotinsat Guite resulted in killing of three militants of Hizbul Mujahideen. Their collective resolve and heroism thwarted the evil designs of hardcore militant's possible attempt to target the Ops link in the Bump complex.

Furthermore, amid heavy firing by enemy posts and terrorists, the ambush party managed to evacuate injured Sub-Inspector (GD) Paotinsat Guite through a narrow Infantry Safe Lane (ISL). During this gunfight, the special ambush party personnel had exhibited indomitable courage, conspicuous gallant action, complete devotion to duty and played a pivotal in neutralizing the threat to our operation link party as well as inflicting casualty on the infiltrators.

In this operation, S/Shri Avnish Kumar, Constable, Md Bakibulla Haque, Constable, Avtar Singh, Constable, Anil Yadav, Constable, Anil Sharma, Constable, Raju Choudhary, Constable and Bollam Ramanjaneyulu, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 01/12/2020.

(File No. 11020/60/47/2022 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 61—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Personnel of Central Industrial Security Force (CISF):—

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Rajesh Singh	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Constable/GD Balveer Singh of CISF Unit NPGCL Nabinagar, opened indiscriminate fire on his colleagues on 12.01.2017 when deployed for Quarter Guard duty and in this process, he killed four Member of the Force namely, ASI/Exe Gauri Shankar Ram, Head Constable/GD Bachha Sharma, Head Constable/GD Amar Nath Mishra and Head Constable/GD Arvind Kumar. He moved from the site of old barracks to the new barracks, firing indiscriminately on his colleagues and civilians people were panic stricken as Constable Balveer Singh wanted to shoot and kill anyone who came in his way. Constable/GD Balveer Singh then proceeded towards the new barracks in order to claim new victims and in this process knowing that there were some people on the rooftop of the new barracks, he proceeded to shoot them with his weapon.

However, when Constable/GD Balveer Singh reached the roof top of the new barracks, he met with a daunting challenge given by CISF Head Constable/GD Rajesh Singh of CISF Unit NPGCL Nabinagar. Head Constable/GD Rajesh Singh, who was unarmed; single handed confronted Constable/GD Balveer Singh. Knowing very well that Constable/GD Balveer Singh was in the fit of rage and had a deadly assault weapon with him and that he could even loss his life, but with sheer sense of determination and to save human lives he confronted Constable/GD Balveer Singh all alone.

Head Constable/GD Rajesh Singh took a tactical position on the roof top, used all his knowledge and skill of tactical combat and within very short time he was able to disarm Constable/GD Balveer Singh. With few quick moves, Head Constable/GD Rajesh Singh was able to snatch away the INSAS rifle from Constable/GD Balveer Singh and threw the rifle from the roof top so that Constable/GD Balveer Singh could not have access to the deadly weapon. As soon as he was able to disarm Constable/GD Balveer Singh and dispose his weapon, Head Constable/GD Rajesh Singh tried to reason out with Constable/GD Balveer Singh. However, Constable/GD Balveer Singh still under the fit of anger and rage tried to lift and throw him down from the roof top. Both of them got into fist fight. However, Head Constable/GD Rajesh Singh with all his strength continued to fight his opponent without losing hope. After struggle for about 7-10 minutes, Head Constable/GD Rajesh Singh

was able to overpower Constable/GD Balveer Singh and pin him down on the ground. Head Constable/GD Rajesh Singh then brought him down to the office bunker, from where he was handed over to the Police.

Thus Head Constable/GD Rajesh Singh exhibited an act of exemplary valour and courage where others were running away to save their lives from the malicious action of Constable/GD Balveer Singh. Head Constable/GD Rajesh Singh stood his ground with great nerve and sheer grit. He singularly took this audacious task to challenge and disarm Constable/GD Balveer Singh. Knowing the consequences of the choice he made that could have resulted in his death at the hands of Constable/GD Balveer Singh, he took upon himself a courageous decision to face him even though he was not armed and had great disadvantage of age against his side. But in order to prevent further carnage by Constable/GD Balveer Singh, not only did the disarm but also physically overpowered Constable/GD Baiveer Singh.

In this operation, Shri Rajesh Singh, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 12/01/2017.

(File No. 11020/2236/50/2022 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 62—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Shiv Pratap Singh Yadav	Assistant Commandant	PMG
2.	Avaneesh Kumar Shukla	Sub- Inspector	PMG
3.	Yansh Kumar	Constable	PMG
4.	Pintu Tirkey	Constable	PMG
5.	Anup Das	Constable	PMG
6.	Niranjan Ghosh	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Based on information regarding the presence of a group of armed Maoist cadres, led by Sandeep Yadav, BJSAC Member, in Chakrabandha Forest, a search operation was launched by 205 CoBRA, and 159 CRPF along with Bihar Police.

As per the plan, on 17 May 19, at approx. 1230 h, CoBRA and CRPF teams left the camp for the target area. While the troops were searching inside the forest, at about 0145 h, on the following morning, Maoists ambushed one team of 205 CoBRA, being led by Sh Shiv Pratap Singh, AC. One section of CoBRA team got badly trapped inside the killing zone of Maoists. At this juncture, holding on to his nerves and displaying sharp tactical acumen, Sh Shiv Pratap Singh, AC, quickly assessed the situation and chalked out a counter action plan. He ordered SI/GD Avaneesh Kumar Shukla to counter attack the Maoists from one flank with a small team, while he along with his buddy Ct/GD Yansh Kumar advanced to cover the other flank.

Amidst the raining bullets, SI/GD Avaneesh Kumar Shukla along with Ct/GD Pintu Tirkey, Ct/GD Anup Das and Ct/GD Niranjan Ghosh advanced towards the Maoists to counter the ambush from one flank, but to their surprise. The Maoists were prepared for this and took them in a head on battle. They opened indiscriminate fire towards the team of SI/GD Avaneesh Kumar Shukla and advanced towards them to kill and snatch their weapons. However, in between, Sh Shiv Pratap Singh, AC, and Constable Yansh Kumar managed to reach a tactical position and opened heavy fire on the Maoist position, diverting their focus from the other team. Using this opportunity SI/GD Avaneesh Kumar Shukla, changed his position and launched a fierce counter attack against the Maoists with his small team. The integrated counter attack, from two flanks, broke the strength of Maoist ranks and forced them to retreat. Under the cover of boulders and darkness, they fled away from the site.

When the firing subsided, the troops searched the area and recovered the dead body of a Maoist, viz Anil Rai, ZCM along with one AK 56 Rifle, 2 Magazines, 2 IED, 1 walkie- talkie set and miscellaneous items.

In this operation, S/Shri Shiv Pratap Singh Yadav, Assistant Commandant, Avaneesh Kumar Shukla, Sub- Inspector, Yansh Kumar, Constable, Pintu Tirkey, Constable, Anup Das, Constable and Niranjan Ghosh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 18/05/2019.

(File No. 11020/75/48/2022 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 63—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) and Police Medal for Gallantry, Posthumously to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Late Khundrakpam Opendro Singh	Head Constable	PMG (Posthu)
2.	Late Anil Kumar Singh	Head Constable	PMG (Posthu)
3.	Late Ravi Kumar	Constable	PMG (Posthu)
4.	Late Divakar Kumar	Constable	PMG (Posthu)
5.	Late Palash Mandal	Constable	PMG (Posthu)
6.	Late Dipak Ghosh	Constable	PMG (Posthu)
7.	Late Sinod Kumar	Constable	PMG (Posthu)
8.	Late Harvendra Panwar	Constable	PMG (Posthu)
9.	Late Ramesh Kumar	Constable	PMG (Posthu)
10.	Late Manoj Kumar	Constable	PMG (Posthu)
11.	Chandan Kumar	Assistant Commandant	PMG
12.	Abhishek Kumar Dwivedi	Assistant Commandant	PMG
13.	Ramswaroop Yadav	Assistant Commandant	PMG
14.	Ranveer Singh	Sub- Inspector	PMG
15.	Bambam Kumar	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Based on an intelligence input about the presence of 30-40 armed cadres of CPI Maoist in the hills South-East of Vill Langorahi, PS Mandanpur, Aurangabad, an op was launched by 205 CoBRA, on 16 Jul 16. It was also learnt that the Maoists had planted IED around the Chakrabandha forest area.

Two Strikes, of two teams each, moved towards the forest. Strike I, consisted of Team Nos 11 and 12, under the command of Sh Chandan Kumar, AC, and Sh Siddharth, DC, while Strike II, consisted of Team Nos 14 and 18, under the command Sh Abhishek Dwivedi, AC, and Sh Ramswaroop Yadav, AC, respectively.

On 18 Jul 16, around 1115 hrs, when Strike II, led by Sh Ramswaroop Yadav, AC, was tactically climbing the hill, North of Dumri Nallah, they came under heavy firing of the Maoists, who were using automatic weapons. Team No 14, under the command of Sh Abhishek Dwivedi, AC, and Team No 18 under the command of Sh Ramswaroop Yadav, AC, immediately, retaliated and took positions and launched a counterattack.

Strike I was directed to fire at the Maoists, from the hilltop to aid Strike II. Meanwhile, Strike II engaged the Maoists from the front and kept pushing them, adopting fire and move tactics. Strike II managed to crawl out of the killing zone of the ambush.

Simultaneously, a series of IED were detonated by the Maoists, in which the section of HC/GD Khundrakpam Opendro Singh, of Strike II, bore the brunt and received severe injuries. Despite grave injuries, all the injured commandos, viz Ct/GD Ramesh Kumar, Ct/GD Dipak Ghosh, Ct/GD Anil Kumar Singh, Ct/GD Manoj Kumar, Ct/GD Harvendra Panwar, Ct/GD Palash Mandal and Ct/GD Sinod Kumar continuously kept firing at the Maoists, inflicting fatal injuries on them. At the same time, Ct/GD Divakar Kumar and Ct/GD Ramesh Kumar, of the same team of Strike II, lobbed grenades towards the Maoists. The brave commandos continuously kept on firing from the trenches till their last breath.

Inspite of the impact of the multiple IED, chaotic situation and injuries, Sh Abhishek, AC and Sh Ramswaroop, AC, managed to organize their teams, and motivated them to fire effectively.

Meanwhile, Team No 11, of Strike I, under the command of Sh Chandan Kumar, AC, who was approaching the hilltop also came under heavy firing. Unperturbed, SI/GD Ranveer Singh, Ct/GD Ravi Kumar and Ct/GD Bambam Kumar exhibited

exemplary bravery and, without fearing for their lives, flanked the enemy from both sides and reached the hilltop. Ct/GD Ravi Kumar crawled ahead, amidst the firing, and reached close to the target and in a face to face fight gunned down a Maoist. In the process, a bullet hit Ct/GD Ravi Kumar, injuring him critically, yet he continued to valiantly fight till his last breath.

After the evacuation of all the injured commandos, a full throttle counterattack was launched from multiple directions, adopting fire and move tactics. Due to heavy firing, the Maoists deserted their fortified positions and got compelled to retreat. While withdrawing, then again detonated multiple IEDs. After the firing ceased, the troops thoroughly searched the area and recovered dead bodies of three Maoists, along with a huge cache of arms, ammunition and accessories. However, the Maoists succeeded in taking away some of their casualties.

Despite the initial reverses, sustained due to IED blasts, the troops persevered with unflinching commitment, showing unparalleled bravery, dislodging a well entrenched enemy who was astride a dominating feature, protected by fortifications. The troops valiantly fought back, ensuring that not only were the weapons of the injured and martyrs not lost but also the bodies of the three neutralised Maoists and their weapons recovered.

In this operation, S/Shri Late Khundrakpam Opendro Singh, Head Constable, Late Anil Kumar Singh, Head Constable, Late Ravi Kumar, Constable, Late Divakar Kumar, Constable, Late Palash Mandal, Constable, Late Dipak Ghosh, Constable, Late Sinod Kumar, Constable, Late Harvendra Panwar, Constable, Late Ramesh Kumar, Constable, Late Manoj Kumar, Constable, Chandan Kumar, Assistant Commandant, Abhishek Kumar Dwivedi, Assistant Commandant, Ramswaroop Yadav, Assistant Commandant, Ranveer Singh, Sub- Inspector and Bambam Kumar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 18/07/2016.

(File No. 11020/76/48/2022 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 64—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Mahale Manish Gorakh	Second-In-Command	PMG
2.	Adagale Kishor Ganesh	Constable	PMG
3.	Virendra Kumar	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 02 Jun 20 at about 0300 hrs, an input was received about the presence of terrorists in vill Saimoh, PS Tral, Distt Pulwama, J&K. Accordingly, a joint operation was launched by 180 CRPF, 42 RR, SOG Tral and JKP.

The troops rushed to the target village and cordoned off the suspected house. As the cordoned area had thick vegetation, a drone was employed to locate the terrorists. At about 0520 hrs, a suspected terrorist was noticed hidden in the undergrowth, beside a house, near a nallah and another one was seen running inside a nearby house. On seeing the drone, the terrorist opened fire on the drone, as well as on the troops and lobbed a grenade. The grenade exploded in front of Sh Velat Ram Dangi, AC, and Ct/GD Virendra Kumar, who promptly retaliated. As the terrorist was hidden behind a boulder, the fire was not effective. Ct/GD Virendra Kumar advanced towards the boulder from another side and managed to close in, and opened fire upon the terrorist, eliminating him.

Thereafter, a joint search party consisting of Sh Mahale Manish Gorakh, 2 IC, along with his buddy Ct/GD Adagale Kishor Ganesh, and the troops of 42 RR, SOG and JKP was formed and tasked to commence the search of the area. The civilians, who were inside the cordon were evacuated by a joint team. An appeal was made by JKP to the terrorists to surrender, but went in vain. Sensing the movement of the joint search party, the terrorist hiding in the house came out and started indiscriminate firing. Sh Mahale Manish Gorakh, 2 IC and Ct/GD Adagale Kishor Ganesh retaliated with heavy firing, on the fleeing terrorist, injuring him. But, he managed to hide in the compound of another house. When Sh Mahale Manish Gorakh, 2 IC and Ct/GD Adagale Kishor Ganesh advanced to locate the injured terrorist, the latter opened towards them. The duo remained steadfast and through effective firing neutralized him in a close quarter battle.

The slain terrorists were later identified as Aqib Ramzan Wani (Category C) and Mohammad Maqbool Chopan (Category C), all of JeM. Two AK 47 Rifles, two pistols, magazines, ammunition and three hand grenades were recovered, from their person.

In this operation, S/Shri Mahale Manish Gorakh, Second-In-Command, Adagale Kishor Ganesh, Constable and Virendra Kumar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 02/06/2020.

(File No. 11020/80/48/2022 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 65—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Ranajit Sinha	Constable	PMG
2.	Arun Krishnan E V	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 05 May 21, based on a specific input about the presence of terrorists in Mir Mohalla of Kanigam village, PS Imam Sahib, Distt Shopian, J&K, a joint operation was launched by 178 CRPF, 44 RR and JKP.

On reaching the target village, the troops cordoned all the suspected houses and plugged the possible escape routes. During the initial cordon, two suspects were noticed without weapons trying to cross the boundary of a house. The cordon team fired some aerial shots to warn and compel them to retreat.

Meanwhile, Commandant 178 CRPF along with unit CTT reached the location. Reinforcement teams of 178 CRPF, JKP and 44 RR covered a big area and augmented the cordon. Later, it was learnt that the terrorists were hiding in the store of another house and the shop below it. The terrorists were appealed to surrender, but went in vain.

After zeroing on to the location of the terrorists, the cordon was tightened. The troops of CTT 178 CRPF were tactically deputed, under the cover of trees, across the road in front of the shop/store, where the terrorists were hiding. The terrorists hurled a grenade from inside the store, which exploded near the cordon team. The cordon team retaliated and fired a UBGL grenade, which set a fire the logs kept inside the store.

Suddenly, one of the terrorists came out from the store and surrendered. On interrogation, he revealed that three terrorists were still inside the house and in possession of pistols, hand grenades and some ammunition. Due to continuous firing from inside, a BP JCB was employed and the front portion of the shop was demolished. As the front wall of the shop was demolished, the hidden terrorists sprang out and began firing, which was retaliated by Ct/GD Ranajit Sinha and Ct/GD Arun Krishnan E V of CTT 178 CRPF. The duo, without caring for their lives, showered a fusillade of bullets on the terrorists and neutralized them at close quarter.

The three terrorists killed were later identified as Zahid Ahmad Rishi (Category C), Umer Hassan Bhat (Category C) and Danish Sabzar (Category C) all of A1 Badr. The terrorist who surrendered was Tauseef Ahmed Thokar. Besides four pistols magazines and four hand grenades were also recovered from the possession of the slain terrorists.

In this operation, S/Shri Ranajit Sinha, Constable and Arun Krishnan E V, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 05/05/2021.

(File No. 11020/83/48/2022 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 66—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/ 2nd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Prahalad Sahay Choudhary	Assistant Commandant	2nd BAR TO PMG

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Post at the time of Action	Medal awarded
2.	Subodh Kumar Yadav	Constable	PMG
3.	Ikhlaq Ahmed	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 16 December 20, based on an input regarding the presence of top commanders of PLFI in the area of Temna and Bandu, PS Gudri, West Singhbhum, Jharkhand; an operation was launched by F coy of 94 CRPF and State Police. One strike of F coy of 94 CRPF along with State Police moved towards Temna at 2325 h.

Maintaining surprise and stealth, the troops reached close to the target. On 17 Dec 20 at 1215 h, on specific confirmation about the presence of Naxalites in Indipidhi Tola forest near Bandu; the troops tactically advanced towards the new target area. The Naxalites were ensconced on a hilltop and in dominating positions. Sh Prahalad Sahay Choudhary, AC after analyzing the topography of the area, formed three teams to cover the left and right flanks, and a one as the main strike, which started scaling the hill.

As per the plan, all three teams advanced towards their designated positions. Meanwhile, the Naxalites sensed the presence of the troops and started firing indiscriminately. The troops, immediately, took positions and retaliated. Appeals for surrendering went unacknowledged and the firing continued. Sh Prahalad Sahay Choudhary, AC exhibiting leadership and initiative took the lead and ordered firing of UBGL on the enemy. Amidst the barrage of bullets, Sh Prahalad Sahay Choudhary, AC along with Ct/GD Ikhlaq Ahmed and Ct/GD Subodh Kumar Yadav crawled towards the Naxalites throwing all caution to winds and reached the proximity of the Naxalites and opened targeted fire on them. The coordinated counter attack stunned the Naxalites and broke their rank and file. The Naxalites fled from the site, taking advantage of the undulating terrain and leaving their dead cadre behind.

During the post encounter search, the dead body of a Naxalite was recovered and one Naxalite apprehended. The slain Naxalite was later identified as Sonu @ Magara, member of PLFI and the apprehended Naxalite as Phool Chand Munda. Besides, three pistols, seven magazines, forty-five live rounds, five wireless sets and other miscellaneous items were recovered.

In this operation, S/Shri Prahalad Sahay Choudhary, Assistant Commandant, Subodh Kumar Yadav, Constable and Ikhlaq Ahmed, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 17/12/2020.

(File No. 11020/111/48/2022 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 67—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) and Police Medal for Gallantry, Posthumously to the under mentioned Police Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Late Mir Matiur Rahaman	Assistant Sub- Inspector	PMG (Posthu)
2.	Late Brajamohan Behera	Head Constable	PMG (Posthu)
3.	Late Gullipalli Srinu	Constable	PMG (Posthu)
4.	Late Chatti Praveen	Constable	PMG (Posthu)
5.	Siddhesware Bapurao Subhash	Head Constable	PMG
6.	Parmar Hardik Suresh Kumar	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 27 Oct 18, an operation was launched by B and F coys of 168 CRPF and Police in the forest area near Vill Boyaguda (Murdanda) towards Timmapur, PS Awapalli, Bijapur based on various inputs on the movement of Maoists in the run up to Assembly Elections 2018.

While the troops left for the target area at 1100 hrs, a BP Bunker under the command of ASI/GD Mir Matiur Rahaman along with 05 personnel, viz HC/GD Siddhesware Bapurao Subhash, HC/Dvr Brajamohan Behera, Ct/GD Gullipalli Srinu, Ct/GD Chatti Praveen and Ct/GD Parmar Hardik Suresh Kumar, commenced mobile area domination to provide additional security cover to the troops. Subsequently, a message was passed on to the Bunker Team to return to the camp cautiously.

Accordingly, the BP Bunker, which was facing towards Timmapur; took a wide 'U' turn on the road to return. Instantly, a huge IED explosion took place beneath the engine and the Bunker was blown off approx 20 to 25 feet high.

Immediately, heavy firing commenced between the troops in the Bunker and the Maoists. As the Maoists started moving closer to the Bunker with the intention to kill the CRPF personnel and snatch their arms, amn, wireless sets, BP Jackets, etc; ASI/GD Mir Matiur Rahaman, HC/Dvr Brajamohan Behera, Ct/GD Gullipalli Srinu and Ct/GD Chatti Praveen, despite sustaining serious injuries, and HC/GD Siddhesware Bapurao Subhash and Ct/GD Parmar Hardik Suresh Kumar (who were injured as well) displayed immense fortitude and courage and engaged the Maoists till they breathed their last.

Despite suffering serious injuries and excruciating pain, all six personnel showed steely resolve and retaliated with controlled fire and kept on fighting as a consequence of which the Maoists were kept at bay. The resolute action by them; prevented the Maoists from looting arms and amn, etc and kept the enemy engaged for 20-25 minutes till the arrival of reinforcements. With the arrival of the reinforcements, the Maoists broke ranks and retreated. In this operation, a total of four personnel, viz ASI/GD Mir Matiur Rahaman, HC/Dvr Brajamohan Behera, Ct/GD Gullipalli Srinu and Ct/GD Chatti Praveen attained martyrdom in the highest traditions of CRPF.

In this operation, S/Shri Late Mir Matiur Rahaman, Assistant Sub- Inspector, Late Brajamohan Behera, Head Constable, Late Gullipalli Srinu, Constable, Late Chatti Praveen, Constable, Siddhesware Bapurao Subhash, Head Constable and Parmar Hardik Suresh Kumar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 27/10/2018.

(File No. 11020/3262/48/2022 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 68—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/ 1st Bar to Police Medal for Gallantry/ 3rd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Narender Yadav	Second-In-Command	3rd BAR TO PMG
2.	Ujjawal Kumar	Sub- Inspector	PMG
3.	Vikash Yadav	Sub- Inspector	PMG
4.	Mahipal Singh Parmar	Assistant Sub- Inspector	1st BAR TO PMG
5.	Arun Kumar	Constable	PMG
6.	Ranjan Kumar	Constable	1st BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 12 October 20 about the input of presence of armed terrorists in Old Barzulla area, PS Saddar, Distt Srinagar, a joint operation was launched by CRPF Valley QAT, SOG and J&K Police. Teams of CRPF Valley QAT were under the command of Sh Narendra Yadav, 2 IC along with Sh Amit Kumar, AC and Sh Anirudh Pratap Singh, AC.

As planned, at about 0400 hrs, the target house (three storeys + attic) was cordoned by Sh Amit Kumar, AC along with his team. Search commenced in all the adjacent houses and civilians were evacuated to safety. The inhabitants of the target house were asked to come outside and on questioning, one of them revealed about the presence of two suspected terrorists in the house.

On confirmation, the cordon was further strengthened. Simultaneously an appeal was also made to the terrorists to surrender, but went in vain. While the cordon was further being closed in, terrorists fired upon the cordon party which was retaliated effectively by the teams of Valley QAT. To restrict the movement of the terrorists, it was decided to use MGL in a coordinated way followed by house intervention. Under the supervision of Sh Narender Yadav, 2 IC, 2 RL Detts, one with ASI/GD Mahipal Singh Parmar and another with Ct/GD Ranjan Kumar were established and despite persistent firing from the terrorists, the RLs were fired, which resulted in creation of an opening in the target house. Thereafter, two house intervention teams were formed. The first team under command Sh Narender Yadav, 2 IC, Sh Anirudh Pratap Singh, AC along with SI/GD Vikash Kumar were tasked to enter through the roof, using ladder from adjacent house. The second team under command Sh Amit Kumar, AC, along with SI/GD Ujjawal Kumar and Ct/GD Arun Kumar were tasked to enter from the ground floor. Despite exposure to hostile firing, both teams entered the house under cover fire.

As the first team of Sh Narender Yadav, 2 IC started to descend through the stairs, one of the two terrorists started heavy firing. The team took cover and responded with heavy fire and lobbed grenades, which compelled the terrorist to change his position. Subsequently, after clearing 1st and 2nd room, the team opened the door of 3rd room. The terrorist hiding inside the room, lobbed two grenades followed by heavy firing towards the team. The team took cover and retaliated effectively. The team cleared this room, but the terrorist was not found in this room. However, the team noticed fresh blood stains and on following the blood trails reached the 2nd floor. The hiding terrorist unleashed heavy fire and lobbed grenades, which was effectively retaliated by the team. All of a sudden, the terrorist stopped firing. Taking advantage of the situation, Sh Narender Yadav, 2 IC under cover fire from SI/GD Vikash Yadav, crawled towards the terrorist and eliminated him from close quarter.

Meanwhile, the second team under command Sh Amit Kumar, AC, while tactically advancing towards the entry of the target house, came under heavy fire from the other hidden terrorist. The terrorist lobbed a grenade towards the team, but, Sh Amit Kumar, AC and his team had a narrow escape. Utilizing the smoke of grenade blast, the team advanced further and started to clear the ground floor. As the team, opened the door of a room, the hidden terrorist started indiscriminate firing. The team immediately took cover by using ballistic shield and Sh Amit Kumar, AC and his buddy entered the room. The terrorist sensing the entry of the team, sprayed bullets and ran out of the room towards the stairs. Sh Amit Kumar, AC fired at the fleeing terrorist and directed his teammates to corner the terrorist at the stairs. Accordingly, SI/GD Ujjawal Kumar and other teammates advanced towards the stairs; as a result of which, the terrorist lobbed a grenade towards the advancing team followed by heavy firing. The grenade blast resulted in injuries to two of his teammates, who were immediately evacuated. However, SI/GD Ujjawal Kumar and Ct/GD Arun Kumar kept on firing towards the terrorist. After evacuating his teammates to safety, Sh Amit Kumar, AC reverted and joined his team again and started advancing. The terrorist again lobbed a grenade, as the smoke of grenade cleared, team noticed blood trails leading towards upper floor. The team started to advance upstairs in coordination with the other team of Sh Narender Yadav, 2 IC. As the advancing team was about to reach the first floor, the terrorist lobbed a grenade and fired fusillade of bullets towards them. Amid the spraying of bullets, the team advanced leaving the cover behind and reached close by and in a veritable dogfight; took the terrorist on in a head-on battle and neutralized him from close quarters.

The slain terrorists were later identified as Saifullah Daniyal (Category A++) and Irshad Ahmad Par @ Abu Usmana, both of LeT outfit. Besides one AK 47 rifle, four magazines, one M4 rifle, four M4 rifle magazines, one Chinese pistol, one Chinese pistol magazine and other miscellaneous items were recovered from the possession of the terrorists.

In this operation, S/Shri Narender Yadav, Second-In-Command, Ujjawal Kumar, Sub- Inspector, Vikash Yadav, Sub-Inspector, Mahipal Singh Parmar, Assistant Sub- Inspector, Arun Kumar, Constable and Ranjan Kumar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 12/10/2020.

(File No. 11020/3265/48/2022 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 69—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Kalyan Mahata	Constable	PMG
2.	Raju Kumar	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 18 February 21, based on a specific input about the presence of terrorists in Humuna Shakripora, PS Zainapora, Distt Shopian, J&K, an operation was launched by 178 CRPF, 44 RR, SOG and JKP.

On reaching the village, the troops cordoned the suspected houses and plugged the possible escapes routes. During the search, a house owner confirmed the presence of three terrorists and revealed that his children were being held hostage inside.

Meanwhile, Commandant 178 CRPF, along with Unit CTT and B Coy of 178 CRPF, also reached the location and augmented the cordon. Due to the darkness, cordon lights were placed around the target house to prevent the terrorist from escaping. At about 0330 hrs, the terrorists released the children. The terrorists were appealed to surrender, but went in vain. When the children crossed the inner cordon, the terrorists fired indiscriminately towards the troops from inside the house. As the position of the terrorists was not clear due to darkness; the troops decided to wait for the first light.

On 19 February 21 at about 0400 hrs, when personnel in the inner cordon advanced towards the target house, a terrorist suddenly emerged from the house and started indiscriminate firing in a bid to escape. Ct/GD Kalyan Mahata and Ct/GD Raju Kumar of CTT 178 CRPF, who were positioned at the South West of the house, acting promptly, taking positions and without caring for their lives charged at the fleeing terrorist and neutralized him in a close quarter gun battle.

Due to continuous lobbing of grenades, a fire erupted in the house. Consequently, two hidden terrorists came out firing in a bid to escape, but both the terrorists were neutralized by the troops. After the firing stopped, a search was commenced and the dead bodies of three terrorists were recovered, who were later identified as Suhail Ahmad Sheikh (Category C), Mudasir Ahmad Wagay (Category C) and Shahid Ahmad Dar (Category C) all of Al Badr. Besides two AK 56 Rifle, one pistol and five hand grenades along with other accessories were also recovered from them.

In this operation, S/Shri Kalyan Mahata, Constable and Raju Kumar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 18/02/2021.

(File No. 11020/85/48/2022 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 70—Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG)/ 3rd Bar to Police Medal for Gallantry/ 5th Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Post at the time of Action	Medal awarded
1.	Prakash Ranjan Mishra	Second-In-Command	5th BAR TO PMG
2.	Prahalad Sahay Choudhary	Assistant Commandant	3rd BAR TO PMG
3.	Raju Kumar	Constable	PMG
4.	Yogendra Kumar	Constable	PMG
5.	Sushil Kumar Chachi	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 20 December 20, based on an input about the presence of Naxals in the forest area of Koyongsar and Kumhardih, PS Murhu, Khunti, Jharkhand, an operation was launched by 94 CRPF and State Police. 3 Strike Teams were formed to hit the target area. Strike 1, comprising of 25 personnel led by Sh Prakash Ranjan Mishra, 2 IC, along with Sh Prahalad Sahay Choudhary, AC was tasked to hit the core area. Strike 2 was directed to lay cut-off around the target area, while Strike 3 was kept in reserve at a tactical point.

After a detailed briefing, both strikes moved from HQ 94 CRPF in a civil truck at 2315 hrs, on 20 December 20. After de-bussing at the designated place, both Strike Teams moved ahead on foot in complete darkness. The area is full of hills, thick vegetation, deep nallas and slippery rocks. After negotiating these obstacles and maintaining surprise, Strike 1 and Strike 2 reached near their target points before dawn.

Sh Prakash Ranjan Mishra, 2 IC, was in continuous touch with the intelligence team to get all the updates about the Naxal's movement. As soon as Naxal presence was confirmed in the forest area of Koyongsar, Strike 1 moved towards the target area, while Strike 2 advanced to lay cut off near Kumhardih. The Naxals were present at a height, on the edge of a deep nalla. The troops had to cross the nalla to reach them, which could have been fatal considering their tactically advantageous position.

At this juncture; despite all the odds, Strike 1 Commander decided to persevere. Sh Prakash Ranjan Mishra, 2 IC divided Strike 1 into 3 sub-teams to search the area in mutual support. One sub-team started moving from the left flank, another from the right flank, while the third sub-team comprising Ct/GD Raju Kumar, Ct/GD Yogender Kumar, Sh Prahalad Sahay Choudhary, AC, Sh Prakash Ranjan Mishra, 2 IC, and Ct/GD Sushil Kumar Chachi advanced straight towards the target.

While the Scouts were about to reach the top, they observed some movement behind rocks at a distance and immediately; communicated the same to the Party Commander. The troops advanced towards the suspected movement stealthily. When they had reached about 10-15 yards short of the suspected position, the Naxal Scouts started firing on the troops. Despite the extreme and grave situation, the troops didn't panic and held on to the ground and retaliated. In the face of extreme danger to life and constant fire from the Naxals, Sh Prakash Ranjan Mishra, 2 IC and Sh Prahalad Sahay Choudhary, AC along with their handful of troops crawled their way towards the Naxal position to neutralize them. The two commanders

along with Ct/GD Raju Kumar, Ct/GD Yogendra Kumar, and Ct/GD Sushil Kumar Chachi, launched a frontal attack on the Naxals. A fierce gunfight ensued between the two sides at a close quarter and lasted for about 40-45 minutes. Ultimately unable to bear the onslaught of the troops, the Naxals retreated leaving their dead cadre behind.

During post encounter search, the dead body of a hardcore Naxal, viz Jidan Guria, was recovered from the site along with 1 AK 47 rifle, magazines, ammunition, etc. He was a Regional Committee Member of PLFI, carrying a reward of Rs 15 Lakhs. 152 cases had been registered against him in different Police Stations of Jharkhand. He was an anathema for the State for the last 20 years and wanted in many cases of encounters and of IED attacks against CRPF and Police.

In this operation, S/Shri Prakash Ranjan Mishra, Second-In-Command, Prahalad Sahay Choudhary, Assistant Commandant, Raju Kumar, Constable, Yogendra Kumar, Constable and Sushil Kumar Chachi, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 21/12/2020.

(File No. 11020/188/2021 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 71-Pres/2023—The President is pleased to award the Police Medal for Meritorious Service on the occasion of the Republic Day, 2023 to the under mentioned officers :—

1. SHRI BALLI RAVI CHANDRA, SUPERINTENDENT OF POLICE, GUNTUR, ANDHRA PRADESH
2. SHRI YARRAM SREENIVASA REDDY, SUB-DIVISIONAL POLICE OFFICER, DHONE, NANDYAL, ANDHRA PRADESH
3. SHRI KORANGI PRAVEEN KUMAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, DISTT. TRG. CENTRE, VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH
4. SHRI BODDAPATI SATYANARAYANA, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE (ARMED RESERVE), KAKINADA, ANDHRA PRADESH
5. SHRI J SIVA NARAYANA SWAMY, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ACB, A CAMP, KURNOOL, ANDHRA PRADESH
6. SHRI ANGADI SADIQ ALI, INSPECTOR, MOLAKALACHERUVU CIRCLE, ANNAMAYYA, ANDHRA PRADESH
7. SHRI PRATHIPATI SUKUMAR, RESERVE SUB INSPECTOR, HOMEGAUARD UNIT, VIJAYAWADA CITY, ANDHRA PRADESH
8. SHRI DARA SURIBABU, SUB INSPECTOR, HARDOUR CRIME POLICE STATION, VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH
9. SHRI GANGULAIAH PARATHASARATHY, ASSISTANT SUB INSPECTOR, SVU CAMPUS PS TIRUPATI, ANDHRA PRADESH
10. SHRI KADIYALA SAMBA SIVA RAO, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CHEBROLE PS, ANDHRA PRADESH
11. SHRI YARRAM SRINIVASA RAO, ASSISTANT SUB INSPECTOR, 1711, CCS OFFICE OF THE DISTT. POLICE, PALNADU, ANDHRA PRADESH
12. SHRI TIRUMALARAJU SURYANARAYANA RAJU, ASSISTANT SUB INSPECTOR, BHOGAPURAM PS, ANDHRA PRADESH
13. SHRI NEELAGIRI VARA PRASAD, SUB INSPECTOR, O/O INSPECTOR GENERAL OF POLICE, SPL. INT. BRANCH, VIJAYAWADA, ANDHRA PRADESH
14. SHRI KOLASANI VENKATA RAMA RAO, DY. ASSAULT COMMANDER 4912/RI, O/O THE ADGP OPERATIONS (GREYHOUNDS), AP VYASNAGAR, NEAR MANCHIREULA, GANDIPET, ANDHRA PRADESH
15. SHRI DABBAKUTI SURYA NARAYANA, RESERVE INSPECTOR, AP HQRS, NTR POLICE COMMISSIONARATE, VIJAYAWADA, ANDHRA PRADESH
16. SHRI HEMO BHUYAN, SUB INSPECTOR, PTC BANDERDEWA, ARUNACHAL PRADESH
17. SHRI AJAY KUMAR JHA, SUB INSPECTOR, PS ITANAGAR, ARUNACHAL PRADESH

18. SHRI DIGANTA BARAH, COMMISSIONER & SECRETARY, DISPUR, ASSAM
19. SHRI MOJIBUR RAHMAN, SUPDT. OF POLICE (I), V&AC, GUWAHATI, ASSAM
20. DR. ROSIE KALITA, SUPERINTENDENT OF POLICE, CMs, SVC, GUWAHATI, ASSAM
21. SHRI ANUKUL MALAKAR, INSPECTOR OF POLICE (UB), V&AC, GUWAHATI, ASSAM
22. SHRI SIKARI ENGTI, CONSTABLE (AB), KARBI-ANGLONG, ASSAM
23. SHRI DILIP KALITA, CONSTABLE (UB), TINSUKIA, ASSAM
24. SHRI MUJIBUR RAHMAN CHOUDHURY, LANCE NAIK, 6TH A.P. BN, KATHAL, ASSAM
25. SHRI MANIK KANGSA BANIK, NAIK, 6TH A.P. BN, KATHAL, ASSAM
26. SHRI SUMESWAR MUDOI, CONSTABLE (UB), LAKHMPUR, ASSAM
27. SHRI SUNIL PHUKAN, CONSTABLE (UB), TINSUKIA, ASSAM
28. SMT. JUNMONI TAMULI, CONSTABLE (UB), TINSUKIA, ASSAM
29. SHRI ANANDA RONGHANG, LANCE NAIK, KARBI-ANGLONG, ASSAM
30. SHRI RITU MANI BAIRAGI, ASSISTANT SUB INSPECTOR (CLERK), 23RD AP(IR) BN, SILONI, KARBI-ANGLONG, ASSAM
31. SHRI SUBHASH RABHA, CONSTABLE (AB), 1ST APTF BN, DAKURBHITA, ASSAM
32. SHRI VINAY KUMAR, INSPECTOR GENERAL (HQ), PATNA, BIHAR
33. SHRI ALAMNATH BHUIYA, HAVILDAR, KISHANGANJ, BIHAR
34. SHRI AWADHESH KUMAR SINGH, HAVILDAR, BSAP-4, DUMRAON, BIHAR
35. SHRI AKSHAYBAR NATH PANDEY, CONSTABLE, BSAP HQ, PATNA, BIHAR
36. SHRI SANJAY KUMAR SHEKHAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, ATS, PATNA, BIHAR
37. SHRI SANTOSH KUMAR DIKSHIT, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CID, PATNA, BIHAR
38. SHRI ALOK KUMAR, CONSTABLE, SCRB, PATNA, BIHAR
39. SHRI DEVENDRA KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CID, PATNA, BIHAR
40. SHRI DHARMRAJ SHARMA, CONSTABLE, HQ, PATNA, BIHAR
41. SHRI DHANANJAY KUMAR, CONSTABLE -107, CID, PATNA, BIHAR
42. SHRI BAIJNATH KUMAR, CONSTABLE, KISHANGANJ, BIHAR
43. SHRI SANJAY KUMAR, CONSTABLE -69, CID, PATNA, BIHAR
44. MD MUKHTAR ALI, CONSTABLE -217, CID, PATNA, BIHAR
45. SHRI BOAS AIND, HAVILDAR, BSAP-4, DUMRAON, BIHAR
46. SHRI PANCHRATAN PRASAD GOND, HAVILDAR, BSAP-4, DUMRAON, BIHAR
47. SHRI SIKANDAR KUMAR, HAVILDAR, BSAP-4, DUMRAON, BIHAR
48. SHRI SATYENDRA KUMAR, HAVILDAR, BSAP-4, DUMRAON, BIHAR
49. SHRI AJAY KUMAR YADAV, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, SARGUJA RANGE, CHHATTISGARH
50. SHRI BADRI NARAYAN MEENA, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, DURG RANGE, CHHATTISGARH
51. SHRI JHADU RAM THAKUR, COMMANDANT, 7TH BN, CAF, BHILAI, CHHATTISGARH
52. SHRI PANKAJ CHANDRA, SUPERINTENDENT OF POLICE (EOW), RAIPUR, CHHATTISGARH
53. SHRI ANANT KUMAR SAHOO, ADDL. SUPERINTENDENTE OF POLICE, DURG, CHHATTISGARH
54. SHRI KAMLESHWAR SINGH, INSPECTOR (FPB), CID, POLICE HEADQUARTERS, NAWA RAIPUR, CHHATTISGARH
55. SHRI ARJUN SINGH THAKUR, COMPANY COMMANDER, 6TH BN, CAF, RAIGARH, CHHATTISGARH

56. SHRI SANJAY KUMAR DUBEY, PLATOON COMMANDER, VIP SECURITY BN, CAF, MANA RAIPUR, CHHATTISGARH

57. SHRI HARIHAR PRASAD, PLATOON COMMANDER, 4TH BN, CAF, MANA RAIPUR, CHHATTISGARH

58. SHRI BALVEER SINGH, HEAD CONSTABLE, DRP LINE, BILASPUR, CHHATTISGARH

59. SHRI SATVINDER SINGH, ASSTT. COMMISSIONER OF POLICE/HQ (FR), 4TH BN, DELHI ARMED POLICE, NCT DELHI

60. SHRI NARENDER KUMAR SHARMA, INSPECTOR/FR (TECH), INTEGRATED COMPLEX, SHALIMAR BAGH, NCT DELHI

61. MS. JASVINDER KAUR, WOMEN/ INPECTOR (LA), RASHTRAPATI BHAWAN, NCT DELHI

62. SHRI MUKESH RATHI, ASSTT. COMMISSIONER OF POLICE /FR (IT), POLICE HEADQUARTER, NCT DELHI

63. SHRI KULDEEP SINGH, INSPECTOR (MINISTRIAL), 3RD BN, DELHI ARMED POLICE, NCT DELHI

64. MS. JASVINDER KAUR, ASSTT. COMMISSIONER OF POLICE, 2ND BN, DELHI ARMED POLICE, NCT DELHI

65. SHRI SHIV CHARAN MEENA, INSPECTOR (OPS/COMN.), SOUTH DISTT CONTROL ROOM, PS HAUZ KHAS, NCT DELHI

66. SHRI JAI BHAGWAN, SUB INSPECTOR (DRIVER) (L.A.), WEST DISTRICT, NCT DELHI

67. SHRI MALA RAM, HEAD CONSTBALE (ARMOURER), LICENCING UNIT, NCT DELHI

68. SHRI VINAY KUMAR, SUB INSPECTOR (EXE) (FR), SPECIAL BRANCH, NCT DELHI

69. SHRI RAJENDRA KUMAR, SUB INSPECTOR (BUGULAR)/ FR, PROVISIONING & LOGISTICS, NCT DELHI

70. SHRI JAWED HUSAIN, INSPECTOR (OPS/FR), OPERATION & COMMUNICATION, NCT DELHI

71. SHRI NIRMAL KUMAR, INSPECTOR (OPS/COMN) (FR), OPERATION & COMMUNICATION, NCT DELHI

72. SHRI SATENDER KUMAR, ASSTT. SUB INSPECTOR (EXECUTIVE), SPECIAL CELL, NCT DELHI

73. SHRI RAJENDER KUMAR SHARMA, SUB INSPECTOR (EXECUTIVE) (SR), CRIME BRANCH, NCT DELHI

74. MS. SAVITA, WOMEN/ SUB INSPECTOR (/EXECUTIVE) (SR), CAW CELL DWARKA, NCT DELHI

75. SHRI ROHITASVA, SUB INSPECTOR (DRIVER) (L.A.), LICENCING UNIT, NCT DELHI

76. SHRI SANTOSH SOPURLO DESSAI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, COASTAL SECURITY, RIBANDAR, GOA

77. SHRI HARISHCHANDRA VINAYAK MADKAIKAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, PANAJI, GOA

78. SHRI GAUTAMKUMAR MANILAL PARMAR, JOINT COMMISSIONER OF POLICE, AHMEDABAD CITY, GUJARAT

79. MRS. PARIXITA VIJAYKUMAR RATHOD, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, (CRIME 2) CID, GANDHINAGAR, GUJARAT

80. SHRI JITENDRASINH DILIPSINH VAGHELA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, PAVDI DAHOD, GUJARAT

81. SHRI PRADHYUMANSINH DHUDUBHA VAGHELA, ARMED DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, NADIAD, GUJARAT

82. SHRI BHAVESH PRAVINBHAI ROJIYA, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, CRIME BRANCH, SURAT, GUJARAT

83. SHRI BALKRISHNA ANANTRAI TRIVEDI, ARMED HEAD CONSTABLE, RAJKOT RURAL, GUJARAT

84. SHRI ZULFIKARALI MUNSAFKHAN CHAUHAN, ARMED ASSISTANT SUB INSPECTOR, MADANA, BANASKANTHA, GUJARAT

85. SHRI BHAGVANBHAI MASABHAI RANJA, UNARMED ASSISTANT SUB INSPECTOR, AHMEDABAD CITY, GUJARAT

86. SHRI KIRITSINH HARISINH RAJPUT, UNARMED ASSISTANT SUB INSPECTOR, AHMEDABAD, GUJARAT

87. SHRI AJAYKUMAR JABARMAL SWAMI, UNARMED HEAD CONSTABLE, AHMEDABAD, GUJARAT

88. SHRI HITESHKUMAR JIVABHAI PATEL, ARMED ASSISTANT SUB INSPECTOR, ANAND, GUJARAT

89. SHRI YUVRAJSINH PRATAPSINH RATHOD, ASSISTANT INTELLIGENCE OFFICER, SURAT, GUJARAT

90. SHRI SATENDER KUMAR GUPTA, INSPECTOR GENERAL OF POLICE (KARNAL RANGE), KARNAL, HARYANA

91. SHRI B. SATHEESH BALAN, INSPECTOR GENERAL OF POLICE (STF), GURUGRAM, HARYANA

92. SHRI VIRENDER KUMAR VIJ, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, EAST, GURUGRAM, HARYANA

93. SHRI SURENDER SINGH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE (CID), NEW DELHI, HARYANA

94. SHRI RAJ KUMAR , ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, PANCHKULA, HARYANA

95. SHRI HARI KISHAN, INSPECTOR, STATE CRIME BRANCH, PANCHKULA, HARYANA

96. SHRI RAMESH KUMAR, SUB- INSPECTOR, AMBALA, HARYANA

97. SHRI DINESH SINGH, SUB-INSPECTOR, 1ST IRB BHONDSI GURUGRAM, HARYANA

98. SHRI NARESH KUMAR, SUB-INSPECTOR, ROHTAK, HARYANA

99. SHRI DEVENDER KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, PANIPAT, HARYANA

100. SHRI RAM PAL, E ASSISTANT SUB INSPECTOR (CID), CHANDIGARH, HARYANA

101. SHRI SAJJAN KUMAR, ORP ASSISTANT SUB INSPECTOR, HISAR, HARYANA

102. SHRI SUNIL KUMAR, HEAD CONSTABLE, PANCHKULA, HARYANA

103. SHRI RAHUL SHARMA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, FSL, JUNGA, HIMACHAL PRADESH

104. SHRI JITENDER SINGH, ASSTT. COMMANDANT, JUNGA, HIMACHAL PRADESH

105. SHRI INDER DUTT, SUB INSPECTOR, JUNGA, SHIMLA, HIMACHAL PRADESH

106. SHRI SUSHEEL KUMAR, HEAD CONSTABLE, SV AND ACB, HIMACHAL PRADESH

107. SHRI MOHD YOUSIF, SUPERINTENDENT OF POLICE, AWANTIPORA, JAMMU & KASHMIR

108. SHRI AMARJIT SINGH, SENIOR SUPERINTENDENT OF POLICE, SO TO SPL DG CRIME, JAMMU & KASHMIR

109. SHRI SYED AL TAHIR GILANI, SUPERINTENDENT OF POLICE, WEST ZONE SRINAGAR, JAMMU & KASHMIR

110. SHRI AJAZ AHMED ZARGAR, SUPERINTENDENT OF POLICE, JAMMU, JAMMU & KASHMIR

111. SHRI MOHD SYED SHAH, SUPERINTENDENT OF POLICE (S), PHQ, JAMMU & KASHMIR

112. SHRI SANJAY KUMAR SHARMA, SUPERINTENDENT OF POLICE, RURAL JAMMU, JAMMU & KASHMIR

113. SHRI PUSHAPJEET SINGH, INSPECTOR, SKPA UDHAMPUR, JAMMU & KASHMIR

114. SHRI SANJEEV BAKSHI, INSPECTOR, POLICE HOSPITAL JAMMU, JAMMU & KASHMIR

115. SHRI GULZAR AHMAD MALIK, INSPECTOR, ACB JAMMU, JAMMU & KASHMIR

116. SHRI BAGWAN SINGH BANDRA, SUB INSPECTOR (M), PHQ, JAMMU & KASHMIR

117. SHRI ABDUL GAFFAR HAJAM, HEAD CONSTABLE, SDRF 1 BN. BAGHAT BARZULLA SRINAGAR, JAMMU & KASHMIR

118. SHRI SHANKAR KAMTI, INSPECTOR, JAGUAR, RANCHI, JHARKHAND

119. SHRI RAJIV KAMAL, INSPECTOR TECHNICAL, POLICE WIRELESS RANCHI, JHARKHAND

120. SHRI TUFFAIL KHAN, SUB INSPECTOR, SP OFFICE, CHAIBASA, JHARKHAND

121. SHRI GURUDEV THAKUR, SUB INSPECTOR (ARMED), HOTWAR, RANCHI, JHARKHAND

122. SHRI SHINGHRAJ TAMANG, SUB INSPECTOR (ARMS), RANCHI, JHARKHAND

123. SHRI MD ARSHAD KHAN, ARMOURER SUB INSPECTOR, HOTWAR, RANCHI, JHARKHAND

124. SHRI BASANT KUMAR PASWAN, ASSISTANT SUB INSPECTOR, DIG OFFICE, CHAIBASA, JHARKHAND

125. SHRI RANJEET KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, RANCHI, JHARKHAND

126. SHRI BACHCHAN SINGH, HAVILDAR, JAP-06, JAMSHEDPUR, JHARKHAND

127. SHRI AMIT KUMAR, HAVILDAR, RANCHI, JHARKHAND

128. SMT. PRABHA KERKETTA, MAHILA HAVILDAR, JAP-10, HOTWAR, RANCHI, JHARKHAND

129. SHRI SANJAY KUMAR GORAI, HAVILDAR, RANCHI, JHARKHAND

130. SHRI LABHU RAM, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, BANGALURU, KARNATAKA

131. SHRI S. NAGARAJU, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, BANGALURU, KARNATAKA

132. SHRI PADMARAJAIAH VEERENDRA KUMAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, BANGALURU, KARNATAKA

133. SHRI BEDRAJE PRAMOD KUMAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, BANGLURU, KARNATAKA

134. SHRI SIDDALINGAPPA GOUDA PATIL, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, LOKAYUKTA KALABURAGI, KARNATAKA

135. SHRI C V DEEPAK, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, BANGLURU, KARNATAKA

136. SHRI VIJAYA H, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, BANGLURU, KARNATAKA

137. SHRI BALEPURADODDI SHIVALINGEGOWDA MANJUNATH, INSPECTOR OF POLICE, BANGALORE RURAL, KARNATAKA

138. SHRI RAO GANESH JANARDHAN, INSPECTOR OF POLICE, BANGLURU, KARNATAKA

139. SHRI R P ANIL, CIRCLE POLICE INSPECTOR, DAVANAGERE, KARNATAKA

140. SHRI MANOJ N HOVALE, INSPECTOR OF POLICE, BENGALURU, KARNATAKA

141. SHRI T A NARAYANA RAO, SPL ASSISTNAT RESERVE SUB INSPECTOR, 4TH BN KSRP BENGALURU, KARNATAKA

142. SHRI S S VENKATARAMANA GOWDA, SPL ASSISTNAT RRESERVE SUB INSPECTOR, 4TH BN KSRP BENGALURU, KARNATAKA

143. SHRI S M PATIL, SPL ASSISTNAT RESERVE SUB INSPECTOR, 9TH BN KSRP KUDLU BENGALURU, KARNATAKA

144. SHRI KENDAPPA PRASANNAKUMAR, HEAD CONSTABLE, BENGALURU, KARNATAKA

145. SHRI PRABHAKARA H, CIVIL HEAD CONSTABLE, TUMAKURU, KARNATAKA

146. SHRI B T VARADARAJA, RESERVE POLICE INSPECTOR, BENGALURU, KARNATAKA

147. SMT. D SUDHA, WOMEN HEAD CONSTABLE, SCRB 7TH FLOOR MS BUILDING BENGALURU, KARNATAKA

148. SHRI T R RAVIKUMAR, CIVIL HEAD CONSTABLE, CITY CONTROL ROOM BENGALURU CITY, KARNATAKA

149. SHRI PRAKASH PERIYATHAMPI, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, KOCHI CITY, KERALA

150. SHRI ANUP KURUVILLA JOHN, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, THIRUVANANTHAPURAM, KERALA

151. SHRI MOIDEENKUTTY K K, SUPERINTENDENT OF POLICE, KOZHIKODE, KERALA

152. SHRI SHAMSUDEEN S, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, PALAKKAD, KERALA

153. SHRI RAJENDRAN RAMAN PILLAI PARAPARAMBIIL, SUB INSPECTOR, POLICE ACADEMY, KERALA

154. SHRI AJITH KUMAR G L, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, THIRUVANANTHAPURAM, KERALA

155. SHRI MURALEEDHARAN NAIR K, ASSISTANT SUB INSPECTOR (SI GRADE), KUNJALUMOODU, THIRUVANANTHAPURAM, KERALA

156. SHRI CHAKYAR POYIL KARUNAKARAN BIJULAL, SUB INSPECTOR (GR), KANNUR, KERALA

157. SHRI PRAMODAN KUNDILE VEETIL, INSPECTOR, VACB KANNUR, KERALA

158. SMT. APARNA LAVAKUMAR, GRADE ASSISTANT SUB INSPECTOR (SENIOR CIVIL POLICE OFFICER), THRISSUR CITY, KERALA

159. SHRI SANJAY KUMAR, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, BALAGHAT, MADHYA PRADESH

160. SHRI SHASHIKANT SHUKLA, DIRECTOR FSL, HEAD QUARTER, BHOPAL, MADHYA PRADESH

161. SHRI SUNIL KUMAR MEHTA, ZONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, SPECIAL BRANCH, UJJAIN, MADHYA PRADESH

162. SHRI VIRENDRA JAIN, SUPERINTENDENT OF POLICE, EOW, REWA, MADHYA PRADESH

163. SHRI DEVENDRA KUMAR PATIDAR, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, DHAR, MADHYA PRADESH

164. SHRI NAGENDRA KUMAR PATERIYA, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, KOTWALI, BHOPAL, MADHYA PRADESH

165. SHRI MANOJ SINGH RAJPUT, INSPECTOR, SCRB, BHOPAL, MADHYA PRADESH

166. SHRI MOHD ISRAR MANSOORI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, PTS, UMARIA, MADHYA PRADESH

167. SHRI PREM NARAYAN TRIVEDI, SUBEDAR (M), PHQ, BHOPAL, MADHYA PRADESH

168. SHRI DILEEP KUMAR SINGH, HEAD CONSTABLE, 9TH BN SAF, REWA, MADHYA PRADESH

169. SHRI SANJAY KUMAR MORE, INSPECTOR (M)/ STENO, PRTS, INDORE, MADHYA PRADESH

170. SHRI SURENDRA KUMAR BHATELE, CONSTABLE, O/O S.P. DISTT. GWALIOR, MADHYA PRADESH

171. SHRI CHANDRABHAN SINGH CHOUHAN, ASSISTANT SUB INSPECTOR, KOTWALI, UJJAIN, MADHYA PRADESH

172. SHRI RAVI BHUSHAN VERMA, CONSTABLE, 23RD BN SAF, BHOPAL, MADHYA PRADESH

173. SHRI RAMESHWAR DAYAL YADAV, HEAD CONSTABLE, 14TH BN SAF, GWALIOR, MADHYA PRADESH

174. SHRI NARAYAN BAHADUR THAPA, HEAD CONSTABLE, POLICE ACADEMY BHAURI, BHOPAL, MADHYA PRADESH

175. SHRI DHANANJAY KUMAR PANDEY, HEAD CONSTABLE, SPE, LOKAYUKTA ORGANISATION, GWALIOR, MADHYA PRADESH

176. SHRI JAYAKUMAR SUSAIRAJ, SPL. INSPECTOR GENERAL OF POLICE, KOLAWA, MUMBAI, MAHARASHTRA

177. SHRI LAKHMI KRUSHNA GAUTAM, SPL. INSPECTOR GENERAL OF POLICE, KOLAWA, MUMBAI, MAHARASHTRA

178. SHRI NISHITH VIRENDRA MISHRA, SPL. INSPECTOR GENERAL OF POLICE, NAGPADA, MUMBAI, MAHARASHTRA

179. SHRI SANTOSH GANPATRAO GAYKE, DY. SUPERINTENDENT OF POLICE, GOREGAON, MAHARASHTRA

180. SHRI CHANDRAKANT VITTHAL MAKAR, ASSISTANT COMMISSIONER POLICE, DADAR (EAST), MAHARASHTRA

181. SHRI DEEPAK RAJARAM CHAVAN, POLICE INSPECTOR, MATUNGA (EAST) MUMBAI, MAHARASHTRA

182. SHRI RAMESH VITHALRAO KATHAR, PWI (ENGG.), AURANGABAD RANGE, MAHARASHTRA

183. SHRI DEVIDAS KASHINATH GHEWARE, ADDL. SUPERINTENDENT OF POLICE (ONE STEP PROMOTION), ACB AMRAVATI, MAHARASHTRA

184. SHRI SUDHAKAR PANDITRAO KATE, ADDL. SUPERINTENDENT OF POLICE (ONE STEP), C.I.D MS, PUNE, MAHARASHTRA

185. SHRI SHAILESH DIGAMBAR PASALWAD, ASSTT. COMMISSIONER OF POLICE, NAVI MUMBAI, MAHARASHTRA

186. SHRI MANOJ SHRIKANT NERLEKAR, DY. SUPERINTENDENT OF POLICE (ONE STEP), WORLI, MUMBAI, MAHARASHTRA

187. SHRI SHAM KHANDERAO SHINDE, POLICE INSPECTOR, NAVI MUMBAI, MAHARASHTRA

188. SMT. ALKA SADASHIV DESHMUKH, POLICE INSPECTOR, THANE CITY, MAHARASHTRA

189. SHRI DATTATRAYA BHAGWANTRAO PABALE, POLICE INSPECTOR, D.N.ROAD MUMBAI, MAHARASHTRA

190. SHRI BAPU TULSHIRAM OVE, POLICE INSPECTOR, GOREGAON EAST, MAHARASHTRA

191. SHRI PRASAD DASHARATH PANDHARE, POLICE INSPECTOR, THANE, MAHARASHTRA

192. SHRI SHIRISH KRISHNATH PAWAR, POLICE INSPECTOR, KHOPOLI POLICE STATION, MAHARASHTRA

193. SHRI SADASHIV ELCHAND PATIL, COMMANDANT, DHULE, MAHARASHTRA

194. SHRI SURESH PUNDLIKRAO GATHEKAR, ASSTT. SUB INSPECTOR, PCR, UNIT WASHIM, MAHARASHTRA

195. SHRI DILIP TUKARAM SAWANT, INTELLIGENCE OFFICER, SID. H.Q., MUMBAI, MAHARASHTRA

196. SHRI SANTOSH SAKHARAM KOYANDE, POLICE SUB INSPECTOR, MUMBAI, MAHARASHTRA

197. SHRI CHANDRAKANT GUNVANTRAO LAMBAT, POLICE SUB INSPECTOR, RAMNAGAR CHANDRAPUR, MAHARASHTRA

198. SHRI ZAKIRHUSSAIN MAULA KILLEDAR, ASSTT. POLICE SUB INSPECTOR, GHATKOPAR MUMBAI, MAHARASHTRA

199. SHRI BHARAT APPPAJI PATIL, POLICE INSPECTOR, MUMBAI. ADD-195, MOTI, MAHARASHTRA

200. SHRI PRAMOD GANGADHARRAO KITEY, ASSTT. POLICE SUB INSPECTOR, AMRAVATI, MAHARASHTRA

201. SHRI ANAND BHIMRAO GHEVDE, ASSTT. POLICE SUB INSPECTOR, RAIGAD, MAHARASHTRA

202. SHRI SUKDEO KHANDU MURKUTE, ASSTT. POLICE SUB INSPECTOR, NASIK RANGE, MAHARASHTRA

203. SHRI GOKUL PUNJAJI WAGH, HEAD CONSTABLE, AURAGABAD, MAHARASHTRA

204. SHRI DHANANJAY CHHABANRAO BARBHAI, ASSTT. POLICE SUB INSPECTOR, SPECIAL BRANCH, PUNE CITY, MAHARASHTRA

205. SHRI SUNIL VISHRAM GOPAL, ASSTT. POLICE SUB INSPECTOR, ACB UNIT, MUMBAI, MAHARASHTRA

206. SHRI DATTATRAY RAJARAM KADNOR, ASSTT. POLICE SUB INSPECTOR, NASIK CITY, MAHARASHTRA

207. SHRI DNYANESHWAR PANDHARINATH AWARI, POLICE INSPECTOR, MUMBAI, MAHARASHTRA

208. SHRI RAMKRUSHNA NARAYAN PAWAR, POLICE INSPECTOR, POLICE TRAINING CENTRE, DHULE, MAHARASHTRA

209. SHRI OMPRAKASH GANGADHAR KOKATE, POLICE INSPECTOR, NAGPUR RURAL, MAHARASHTRA

210. SHRI SUBHASH BHIMRAO GOILKAR, POLICE SUB INSPECTOR, VIRAR (EAST) PALGHAR, MAHARASHTRA

211. SHRI SANJAY SIDDHU KUPEKAR, POLICE SUB INSPECTOR, LOVE LANE ROAD MUMBAI, MAHARASHTRA

212. SHRI PRADEEP KEDA AHIRE, POLICE SUB INSPECTOR, THANE, MAHARASHTRA

213. SHRI PRAKASH HARIBA GHADGE, POLICE SUB INSPECTOR, KANDIVALI POLICE STATION, MUMBAI, MAHARASHTRA

214. SHRI VIJAY UTTAM PAWAR, POLICE SUB INSPECTOR, FORT, MUMBAI, MAHARASHTRA

215. SMT. GURUMAYUM GEETANJALI DEVI, WOMEN INSPECTOR, IMPHAL EAST, MANIPUR

216. SHRI SACHIN RAI, HAVILDAR, 1ST BN, MANIPUR RIFILES, MANIPUR

217. SHRI KHANGLANMEI KAMEI, HAVILDAR, 2ND BN, MANIPUR RIFILES, MANIPUR

218. SHRI UPENDRA MOTHEY, ABSI, 2ND MLP BN, GOERAGRE, MEGHALAYA

219. SHRI KOLAN SWER, HAVILDAR, SHILLONG, MEGHALAYA

220. SHRI RAM BAHADUR SONAR, ABC/32, TURA, MEGHALAYA

221. SHRI LALHULIANA FANAI, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE (CID), MIZORAM

222. SHRI R LALRUMLIANA, ADMIN/INSPECTOR, 2ND BN. MAP, LUANGMUAL, LUNGLEI, MIZORAM

223. SHRI H LALDUATA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, SECURITY UNIT, MIZORAM

224. SHRI ISRAEL G XUIVI, DY.COMDT, 6TH NAP BN TIZIT, NAGALAND

225. SHRI ABEL JONSOU HUMTSOE, UB INSPECTOR, INT HQ KOHIMA, NAGALAND

226. SHRI JATINDRA KUMAR PANDA, ADDL SUPERINTENDENT OF POLICE, BHADRAK, ODISHA

227. SHRI PRADYUMNA KUMAR MISHRA, ADDL. SUPERINTENDENT OF POLICE, BARGARH, ODISHA

228. SHRI SUDHANSHU SEKHAR PUJARI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, VIGILANCE DIVISON, SUNDARGARH, ODISHA

229. SHRI HIMANSU BHUSAN SWAIN, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, BHUBANEWAR, ODISHA

230. SHRI GYANENDRA KUMAR DAS, DEPUTY COMMANDANT PTI, BYREE, JAIPUR, ODISHA

231. SHRI ARUN BALIARSINGH, INSPECTOR OF POLICE, SECURITY WING BHUBANEWAR, ODISHA

232. SHRI JUGAL KISHOR PRADHAN, SUB INSPECTOR OF POLICE, VIGILANCE DIVISION BERHAMPUR, ODISHA

233. SARWORDIN KHAN, CONSTABLE, VIGILANCE DIRECTORATE, CUTTACK, ODISHA

234. SHRI BIJNYAN BHUSAN MOHANTY, ASST. SUB INSPECTOR OF POLICE, SCRB BHUBANESWAR, ODISHA

235. SHRI ANIL KUMAR MINZ, DRILL INSPECTOR OF POLICE, BPSPA, BHUBANESWAR, ODISHA

236. SHRI PRADEEP KUMAR BEHERA, SEPOY, OSPA, 4TH BN. ROURKELA, ODISHA

237. SHRI PRABHJOT SINGH VIRK, ADCP, AMRITSAR, PUNJAB

238. SHRI CHARANPAL SINGH, DSP, SANGRUR, PUNJAB

239. SHRI MANDEEP SINGH, COMMANDANT, JALANDHAR, PUNJAB

240. SHRI PARMINDER SINGH, DSP, SANGRUR, PUNJAB

241. SHRI TAJINDER SINGH, INSPECTOR, JALANDHAR, PUNJAB

242. SHRI RAJ KUMAR, ASI (LOCAL RANK), BARNALA, PUNJAB

243. SHRI DALJIT SINGH, SUB INSPECTOR, JALANDHAR, PUNJAB

244. SHRI JASPAL SINGH, ASI/CR, CPO, CHANDIGARH, PUNJAB

245. SHRI JAGTAR SINGH, SUB INSPECTOR, SAS NAGAR, PUNJAB

246. SHRI RAKESH CHOPRA, ASI, KAPURTHALA, PUNJAB

247. SHRI PIARA SINGH, ASI (LOCAL RANK), PATIALA, PUNJAB

248. SMT.BALJIT KAUR, SUB INSPECTOR, CID UNIT, CHANDIGARH, PUNJAB

249. SHRI JUGAL KISHORE, SUB INSPECTOR (LOCAL RANK), SAS NAGAR, PUNJAB

250. SHRI HARJINDER SINGH, INSPECTOR, CID UNIT CHANDIGARH, PUNJAB

251. SHRI RANJIT SINGH, DIGP, FIROZPUR, PUNJAB

252. SHRI ASHOK KUMAR GUPTA, INSPECTOR, JAIPUR, RAJASTHAN

253. SHRI RASID ALI, POLICE INSPECTOR, ASP OFFICE CID BL BARMER, RAJASTHAN

254. SHRI SARVAN KUMAR, COMPANY COMMANDER, 1ST BN RAC JODHPUR, RAJASTHAN

255. SHRI HARI SINGH, COMPANY COMMANDER, SDRF JAIPUR, RAJASTHAN

256. SHRI SHIV LAL GURJAR, PLATOON COMMANDER, 4TH BN RAC JAIPUR, RAJASTHAN

257. SHRI KADIR KHAN, SI, CID CB PHQ JAIPUR, RAJASTHAN

258. SHRI KALU RAM MEENA, SI, POLICE TELE COMMUNICATION JAIPUR, RAJASTHAN

259. SHRI RAMPHOOL MEENA, ASI, ADGP OFFICE CID CB PHQ JAIPUR, RAJASTHAN

260. SHRI SAZAD AHMED, HEAD CONSTABLE, JAIPUR, RAJASTHAN

261. SHRI NARPAT SINGH, HEAD CONSTABLE, 8TH BN RAC IR GAZIPUR DELHI RAJASTHAN

262. SHRI PRAHALAD KUMAR, HEAD CONSTABLE, POLICE ACADEMY JAIPUR, RAJASTHAN

263. SHRI JAI SINGH MEENA, HEAD CONSTABLE, CID CB PHQ JAIPUR, RAJASTHAN

264. SHRI SHER SINGH, HEAD CONSTABLE, CID CB PHQ JAIPUR RAJASTHAN

265. SHRI ROHITASH KUMAR, CONSTABLE BAND, POLICE ACADEMY JAIPUR, RAJASTHAN

266. SHRI VIRENDRA SINGH SHEKHAWAT, CONSTABLE, CID CB JAIPUR DISCOM, RAJASTHAN

267. SHRI JAIPRAKASH DHINWA, CONSTABLE, JAIPUR, RAJASTHAN

268. MS. RUCHIKA RISHI, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, SIKKIM FIRE & EMERGENCY SERVICES, GANGTOK, SIKKIM

269. DR. K. A. SENTHIL VELAN, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, INTELLIGENCE, CHENNAI, TAMIL NADU

270. SHRI AVINASH KUMAR, INSPECTOR GENERAL OF POLICE/COMMISSIONER OF POLICE, TIRUNELVELI CITY, TAMIL NADU

271. SHRI ASRA GARG, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, MADURAI, TAMIL NADU

272. SHRI P. SAMINATHAN, SUPERINTENDENT OF POLICE, SECURITY BRANCH CID-II, CHENNAI, TAMIL NADU

273. SHRI N. MANIVANNAN, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, NORTH ZONE, GREATER CHENNAI, TAMIL NADU

274. SHRI R. MUTHARASU, SUPERINTENDENT OF POLICE, V&AC, CENTRAL RANGE, CHENNAI, TAMIL NADU

275. SHRI D. SANKARAN, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, SECURITY, GREATER CHENNAI, TAMIL NADU

276. SHRI T. V. MURALIDHARAN, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, ARMED RESERVE, COIMBATORE CITY, TAMIL NADU

277. SHRI A. CHANDRAN, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, ARMED RESERVE, TAMBARAM POLICE COMMISSIONERATE, TAMIL NADU

278. SHRI M. VIVEKANANDAN, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, KRISHNAGIRI, TAMIL NADU

279. SHRI K. SARAVANAN, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, 'Q' BRANCH CID, CHENNAI, TAMIL NADU

280. SHRI A. SIVARAJAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ORGANISED CRIME INTELLIGENCE UNIT, CHENNAI, TAMIL NADU

281. SHRI M. VENKATESAN, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, IN- SERVICE TRAINING CENTRE TAMBARAM, TAMIL NADU

282. SHRI V. SEMBEDU BABU, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, SEMBIUM RANGE, CHENNAI, TAMIL NADU

283. SHRI P. RAMAKRISHNAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CID, COIMBATORE, TAMIL NADU

284. SHRI D. R. ANBARASAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CYBER CRIME WING, CHENNAI, TAMIL NADU

285. SHRI A. MURALI, INSPECTOR OF POLICE, SOUTH ZONE, GREATER CHENNAI, TAMIL NADU

286. SHRI B. ANBURAJ, SUB INSPECTOR OF POLICE, CRIME BRANCH CID, NAGAPATTINAM TAMIL NADU

287. SHRI D. RADHA, SUB INSPECTOR OF POLICE, SPECIAL BRANCH CID, CHENNAI, TAMIL NADU

288. SHRI M. SUBBURAJ, SUB INSPECTOR OF POLICE, SPECIAL BRANCH CID, CHENNAI, TAMIL NADU

289. SHRI P. SADAIYAPPAN, SUB INSPECTOR OF POLICE, SERIOUS CRIME SQUAD, COIMBATORE, TAMIL NADU

290. DR. TARUN JOSHI, INPECTOR GENERAL OF POLICE, WARANGAL, TELANGANA

291. SHRI PERLA VISWA PRASAD, DY. INSPECTOR GENERAL OF POLICE, SB HYDERABAD CITY, HYDERABAD, TELANGANA

292. SHRI GANGASANI SRIDHAR, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, CYBER CRIME POLICE STATION, HYDERABAD, TELANGANA

293. SHRI POONATI NARASIMHA RAO, DEPUTY SUPERITENDENT OF POLICE, REGIONAL INTELLIGENCE OFFICE HYDERABAD, TELANGANA

294. SHRI RAMAPOGU ARUNRAJ KUMAR, DEPUTY SUPERITENDENT OF POLICE, BEGUMPET, HYDERABAD, TELANGANA

295. SHRI GANDLA VENKATESHWARLU, INSPECTOR OF POLICE, CITY SPECIAL BRANCH, KARIMNAGAR, TELANGANA

296. SHRI MAMILA SRIDHAR REDDY, INSPECTOR OF POLICE, IT CELL, HYDERABAD, TELANGANA

297. SHRI NARAYANA SWAMY JAISHANKAR, ASSTT. RESERVE SUB INSPECTOR OF POLICE, 3RD BATTALION, RANGA REDDY, TELANGANA

298. SHRI KARUKONDA DAYASEELA, RESERVE INSPECTOR, WARANGAL, TELANGANA

299. SHRI GANGULA ACHYUTHA REDDY, ASSISTANT ASSUALT COMMANDER, OFFICE OF ADGP, OPERATIONS GREYHOUNDS, HYDERABAD, TELANGANA

300. SHRI NADIMPALLY RAMDEV REDDY, INSPECTOR OF POLICE, INTELLIGENCE DEPT. HYDERABAD, TELANGANA

301. SHRI IJARI VEERA RAMANJANEYULU, ASSISTANT RESERVE SUB INSPECTOR, CI CELL, INTELLIGENCE, HYDERABAD, TELANGANA

302. SHRI BONDA VENKAT SANYASEE RAO, INSPECTOR, OFFICE OF THE DG, TSPF, HYDERABAD, TELANGANA

303. SHRI BHANUPUDA CHAKRABORTY, ASSTT. IGP, POLICE HEADF QUARTER, TRIPURA

304. SHRI AMAL DEBBARMA, ASSTT. COMDT, KANCHANPUR NORTH, TRIPURA

305. SHRI KAMAL SUKLA DAS, DSP (SECURITY), (TPS GR. - II), SP SECURITY OFFICE AGARTALA, TRIPURA

306. SHRI HEMANT BIST, SUBEDAR (GENERAL DUTY), DELHI, TRIPURA

307. SHRI MANINDRA BARDHAN, SUBEDAR (GENERAL DUTY), WAZIRABAD DELHI, TRIPURA

308. SHRI ASIS KUMAR DAS, SUB INSPECTOR, DHARMANAGAR, TRIPURA

309. SHRI AJAY KUMAR MISHRA, IG WAITING DGP, HQRS, LUCKNOW, UTTAR PRADESH

310. SHRI PREETINDER SINGH, IG, DEP OF PRISONS ADMIN AND REFORM LUCKNOW, UTTAR PRADESH

311. SHRI LOVE KUMAR, DIG, SPG, GOI, NEW DELHI, UTTAR PRADESH

312. SHRI RAJESH KUMAR, ADDL. SP, MAINPURI, UTTAR PRADESH

313. SHRI DURGESH KUMAR, ADDL. SP, DGP HQRS, UTTAR PRADESH

314. SHRI UDAY RAJ SINGH, DSP, BALRAMPUR, UTTAR PRADESH

315. SHRI INDRA PRAKASH SINGH, ACP, LUCKNOW CITY, UTTAR PRADESH

316. SHRI LAYAK SINGH, DSP, ATS, SPOT, UTTAR PRADESH

317. SHRI JAI PRAKASH SINGH, ARO, LUCKNOW, UTTAR PRADESH

318. SHRI VIRENDRA KUMAR VERMA, ARO, SAHARANPUR, UTTAR PRADESH

319. SHRI KRISHNA MOHAN SAXENA, DSP LEKHA, MUZZAFARNAGAR, UTTAR PRADESH

320. SHRI BAHADUR SINGH, DSP LIPIK, HAPUR, UTTAR PRADESH

321. SHRI KUSHAL PAL SINGH, INSPECTOR CP, MUZZAFARNAGAR, UTTAR PRADESH

322. SHRI PAVAN SINGH, INSPECTOR MT, KHERI, UTTAR PRADESH

323. SHRI RAM SAGAR YADAV, INSPECTOR CP, COMISSIONARATE KANPUR, UTTAR PRADESH

324. SHRI CHANDAN SINGH, COMPANY COMMANDER, 4TH BN PAC ALIGARH, UTTAR PRADESH

325. SHRI PREM SANKAR SINGH, COMPANY COMMANDER, SECURITY HQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH

326. SHRI SUBHASH CHANDRA, INSPECTOR CP, COMISSIONARATE GAUTAMBUDH NAGAR, UTTAR PRADESH

327. SHRI VIJAY BAHADUR SINGH, INSPECTOR CP, SAHARANPUR, UTTAR PRADESH

328. SHRI SURENDRA SINGH, INSPECTOR CP, RAMPUR, UTTAR PRADESH

329. SHRI RAKESH KUMAR SINGH CHOUHAN, INSPECTOR CP, S.T.F. LUCKNOW, UTTAR PRADESH

330. SHRI SANJAY KUMAR SINGH, INSPECTOR CP, HAMIRPUR, UTTAR PRADESH

331. SHRI SHAILENDRA KUMAR BAJPAI, RADIO INSPECTOR, RADIO HQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH

332. SHRI HARI RAJ, RADIO INSPECTOR, RADIO HQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH

333. SHRI RAJ KUMAR, INSPECTOR CP, COMISSIONARATE LUCKNOW, UTTAR PRADESH

334. SHRI FIROJ AHMAD, INSPECTOR CP, BAHRAICH, UTTAR PRADESH

335. SHRI ANIL KUMAR VERMA, INSPECTOR AP, PTC SITAPUR, UTTAR PRADESH

336. SHRI JAGDISH PRASAD PANDEY, INSPECTOR CP, COMISSIONARATE KANPUR, UTTAR PRADESH

337. SHRI VISHRAM SINGH, SUB INSPECTOR MT, 37 BN PAC KANPUR, UTTAR PRADESH

338. SHRI BRIJNANDAN SINGH YADAV, PLATOON COMMANDER, 04 BN PAC PRAYAGRAJ, UTTAR PRADESH

339. SHRI SHIV BUX, SUB INSPECTOR CP, DGP HQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH

340. SHRI SHIV KARAN SINGH, PLATOON COMMANDER, 32 BN PAC LUCKNOW, UTTAR PRADESH

341. SHRI ROBIN KUMAR BHAUMIK, RADIO SUB INSPECTOR, RADIO HQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH

342. SHRI ANAND DHAYANI, SUB INSPECTOR, INT HQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH

343. SHRI KAILASH CHANDRA, SUB INSPECTOR, VIG HQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH

344. SHRI SHESHPAL SINGH, SUB INSPECTOR CP, UNNAO, UTTAR PRADESH

345. SHRI RAM NARESH, SUB INSPECTOR CP, MUZAFFARNAGAR, UTTAR PRADESH

346. SHRI KANHAIYA TIWARI, SUB INSPECTOR CP, COMISSIONARATE VARANASI, UTTAR PRADESH

347. SHRI AASHARAM, SUB INSPECTOR CP, COMISSIONARATE KANPUR, UTTAR PRADESH

348. SHRI SUSHIL KUMAR SINGH, SUB INSPECTOR, INT HQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH

349. SHRI UMAKANT RAI, SUB INSPECTOR CP, BHADOHI, UTTAR PRADESH

350. SHRI KAMAL KUMAR TIWARI, SUB INSPECTOR CP, UNNAO, UTTAR PRADESH

351. SHRI SHASHI BHUSHAN SINGH, SUB INSPECTOR, VIG HQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH

352. SHRI CHANDRESH RAO, PLATOON COMMANDER, 10BN PAC BARABANKI, UTTAR PRADESH

353. SHRI KAMLESH TRIPATHI, SUB INSPECTOR CP, APTC, SITAPUR, UTTAR PRADESH

354. SHRI AMAR BAHADUR SINGH, SUB INSPECTOR AP, HARDOI, UTTAR PRADESH

355. SHRI PRAMOD KUMAR PATHAK, SUB INSPECTOR CP, AMROHA, UTTAR PRADESH

356. SHRI MAHIPAL SINGH, PLATOON COMMANDER, 06 BN PAC MEERUT, UTTAR PRADESH

357. SHRI RAM KUMAR SINGH, SUB INSPECTOR CP, UPRPB LUCKNOW, UTTAR PRADESH

358. SHRI PRAMOD KUMAR, SUB INSPECTOR CP, MORADABAD, UTTAR PRADESH

359. SHRI HARIOM SHARMA, SUB INSPECTOR CP, FATEHGARH, UTTAR PRADESH

360. SHRI NIRANJAN SINGH, RADIO SUB INSPECTOR, RADIO HQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH

361. SHRI JAI NANDAN PODDAR, RADIO SUB INSPECTOR, RADIO HQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH

362. SHRI SUBHASH CHANDRA YADAV, SUB INSPECTOR CP, RAMPUR, UTTAR PRADESH

363. SHRI BAJRUL KAMAR, SUB INSPECTOR CP, MORADABAD, UTTAR PRADESH

364. SHRI PHEKU PRASHAD, SUB INSPECTOR AP, SIDDHARTH NAGAR, UTTAR PRADESH

365. SHRI SADHU RAM, SUB INSPECTOR, INT HQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH

366. SHRI RANJIT PRASAD, PLATOON COMMANDER, 47 BN PAC GHAZIABAD, UTTAR PRADESH

367. SHRI CHANDRA BHUSHAN SHUKLA, HEAD CONSTABLE CP, CHITRAKOOT, UTTAR PRADESH

368. SHRI KASHMIR SINGH, HEAD CONSTABLE DRIVER, KANPUR DEHAT, UTTAR PRADESH

369. SHRI KAMLESH SINGH, HEAD CONSTABLE LIU, GONDA, UTTAR PRADESH

370. SHRI KRISHNA MURARI AGRAWAL, INSPECTOR (LEKHA), TECHNICAL SERVICE HQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH

371. SHRI RAM SHINGAR MISHRA, INSPECTOR (LEKHA), TECHNICAL SERVICE HQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH

372. SHRI SUNIL GULATI, INSPECTOR (LIPIK), COMMISSIONARATE GAUTAMBUDH NAGAR, UTTAR PRADESH

373. SHRI RAJEEV KUMAR, INSPECTOR (CA), RANGE OFFICE ALIGARH, UTTAR PRADESH

374. SHRI GIRJESH PRAKASH, INSPECTOR (CA), DGP HQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH

375. SHRI SUBHASH CHANDRA PANDEY, INSPECTOR (CA), RANGE OFFICE VARANASI, UTTAR PRADESH

376. SHRI HARISH SINGH BHANDARI, INSPECTOR (CA), 02BN PAC SITAPUR, UTTAR PRADESH

377. SHRI RAKESH KUMAR, INSPECTOR (LIPIK), RANGE OFFICE LUCKNOW, UTTAR PRADESH

378. SHRI JUBAIR AHAMAD, INSPECTOR (LEKHA), BHADOHI, UTTAR PRADESH

379. SHRI SUBHASH CHANDRA SHARMA, INSPECTOR (LIPIK), 44 BN PAC MEERUT, UTTAR PRADESH

380. SHRI SURESH CHANDRA, INSPECTOR (CA), CHANDAULI, UTTAR PRADESH

381. SHRI SURESH CHANDRA, INSPECTOR (LIPIK), DGP HQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH

382. SHRI CHANDRA SHEKHER VERMA, INSPECTOR (CA), KANNAUJ, UTTAR PRADESH

383. SHRI RAKESH CHANDRA DEOLI, ASP, DEHRADUN, UTTARAKHAND

384. SHRI SHYAM DUTT NAUTIYAL, DSP, PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND

385. SHRI PANKAJ GAIROLA, DSP, HARIDWAR, UTTARAKHAND

386. SHRI AMIR CHAND, HEAD CONSTABLE, RUDRAPUR UDHAMSINGH NAGAR, UTTARAKHAND

387. SHRI GIRIBAR SINGH RAWAT, SUB INSPECTOR, DEHRADUN, UTTARAKHAND

388. SHRI SUNIL KUMAR CHOUDHARY, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, CID, KOLKATA, WEST BENGAL

389. SHRI DHIRENDRA SINGH, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, WIRELESS BRANCH, KOLKATA, WEST BENGAL

390. SHRI SANKAR PRASAD GHORAI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CID, KOLKATA, WEST BENGAL

391. SHRI SWARUP KANTI PAHARI, INSPECTOR OF POLICE, SOUTH EAST DIVISION, KOLKATA, WEST BENGAL

392. SHRI ACHINTYA SARKAR, INSPECTOR (AB), DIRECTORATE OF SECURITY, KOLKATA, WEST BENGAL

393. SMT. SAMAPTI BANERJEE, LADY INSPECTOR, BARRACKPORE, WEST BENGAL

394. SHRI NILMONI NANDI, INSPECTOR OF POLICE, SPECIAL BRANCH, KOLKATA, WEST BENGAL

395. SHRI UJJAL HAZRA, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, 6TH BN., KOLKATA ARMED POLICE, BODY GUARDS LINES, KOLKATA, WEST BENGAL

396. SHRI BISWAJIT ROY, CONSTABLE, ISLAMPUR, WEST BENGAL

397. SHRI AMAL MALLICK, CONSTABLE, SPECIAL BRANCH, KOLKATA, WEST BENGAL

398. SHRI ARUN KUMAR TAMANG, NAIK SUBEDAR, 1ST BN., SALUA, PASCHIM MEDINIPUR, WEST BENGAL

399. SMT. BULU SENAPATI, LADY ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, CID, KOLKATA, WEST BENGAL

400. SHRI ASHIM KUMAR SAHA, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE (ARMED), 6TH BN., BODY GUARD LINES, KOLKATA, WEST BENGAL

401. SHRI RATHINDRA NATH BHOWMICK, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, NORTH DIVISION, KOLKATA, WEST BENGAL

402. SHRI TAPAN ROY, SUB INSPECTOR, STATE CRIME RECORD BUREAU, KOLKATA, WEST BENGAL

403. SHRI AMAR CHANDRA DHIBAR, SUB INSPECTOR (UB), PURBA BARDHAMAN, WEST BENGAL

404. SHRI SWAPAN KUMAR HUDAIT, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE (UB), TELECOMMUNICATION, KOLKATA, WEST BENGAL

405. SHRI BASUDEB SARKAR, INSPECTOR IN CHARGE, ALIPURDUAR, WEST BENGAL

406. SMT. PURNIMA GHOSH (BAL), LADY CONSTABLE, BARRACKPORE POLICE COMMISSIONERATE, WEST BENGAL

407. SHRI SANKAR MAJUMDAR, CONSTABLE, WEST BENGAL POLICE DIRECTORATE, WEST BENGAL

408. SHRI AJAY KRISHAN SHARMA, DIGP (HQ), POLICE HEAD QUARTERS PORT BLAIR, A & N ISLANDS

409. SHRI SIVADASAN SASI KUMAR, ASI, SPECIAL BRANCH CID, A & N ISLANDS

410. SHRI AJEET KUMAR PAL, PC/549, SAP, POLICE LINES, PORT BLAIR, A & N ISLANDS

411. SHRI JOGINDER SINGH, SI, RTC, SECTOR-26, CHANDIGARH

412. SHRI SEBASTIAN DEVASIA K D, INSPECTOR, SILVASSA, DADRA & NAGAR HAVELI AND DAMAN & DIU

413. SHRI STENZIN NURBOO, SR. SUPERINTENDENT OF POLICE (AIG OF POLICE), LEH, UT-LADAKH

414. SHRI GHULAM ALI, INSPECTOR, SECTION OFFICER BUILDING PHQ, LEH, UT-LADAKH

415. SHRI S. CHANDRASEKARAN, SG- ASSISTANT SUB INSPECTOR, MOTOR TRANSPORT UNIT, GORIMEDU, PUDUCHERRY

416. SHRI A. PANKAJAKSHAN, INSPECTOR OF POLICE, POLICE TRAINING SCHOOL, GORIMEDU, PUDUCHERRY

417. SHRI SHIVAJI THAKUR, SUBEDAR MAJOR (CLERK), HQ DGAR LAITKOR SHILLONG, ASSAM RIFLES

418. SHRI BIJU K SAM, RESIDENT ASSISTANT DIRECTOR, LOAR, NEW DELHI, ASSAM RIFLES

419. SHRI PANKAJ KUMAR SINGH, NAIB SUBEDAR (PERSONAL ASSISTANT), HQ DGAR LAITKOR SHILLONG, ASSAM RIFLES

420. SHRI PREM SINGH, NAIB SUBEDAR (GENERAL DUTY), 17 ASSAM RIFLES LOKRA, ASSAM RIFLES

421. SHRI NITAI DEB BARMA, SUBEDAR (GENERAL DUTY), 24 ASSSAM RIFLES SHANGSHAK MANIPUR, ASSAM RIFLES

422. SHRI MANI KUMAR TAMANG, NAIB SUBEDAR (GENERAL DUTY), 46 ASSAM RIFLES THINGHAT MANIPUR, ASSAM RIFLES

423. SHRI HOM BAHADUR CHHETRI, NAIB SUBEDAR (GENERAL DUTY), SHUKHOVI, NAGALAND, ASSAM RIFLES

424. SHRI RAMESH PRASAD, NAIB SUBEDAR (GENERAL DUTY), 33 ASSAM RIFLES MARAM MANIPUR, ASSAM RIFLES

425. SHRI MINAL SINHA, WARRANT OFFICER (GENERAL DUTY), 1 ASSAM RIFLES KOHIMA NAGALAND, ASSAM RIFLES

426. SHRI SHER BAHADUR THAPA, NAIB SUBEDAR (GENERAL DUTY), 21 ASSAM RIFLES, MODI, MANIPUR, ASSAM RIFLES

427. SHRI MAHENDRA KUMAR RAI, HAVILDAR (GENERAL DUTY), 6 ASSAM RIFLES KHOSNA ARUNACHAL PRADESH, ASSAM RIFLES

428. SHRI SURENDER SINGH, WARRANT OFFICER (GENERAL DUTY), 43 ASSAM RIFLES KASHIRAMBASTI DIMAPUR, ASSAM RIFLES

429. SHRI RAJAN SINGH, WARRANT OFFICER (GENERAL DUTY), HQ DGAR LAITKOR SHILLONG, ASSAM RIFLES

430. SHRI PARASHURAM, DIG, FHQ, NEW DELHI, BSF

431. DR. ASHOK RAI, DIG (MED), CH BSF, SHILLONG, BSF

432. SHRI RAJ KUMAR NEGI, COMMANDANT, 18 BN, BHUJ, BSF

433. DR. JALAJ SINHA, CMO (SG), FTR HQ, MEGHALAYA, BSF

434. DR. NITA PALIWAL, CMO (SG), FTR HQ, GUJARAT, BSF

435. SHRI MANEESH NEGI, 2IC, 153 BN, BSF

436. SHRI ASHWANI MAITHIL, 2IC, 33 BN, BSF

437. SHRI SUBHASH CHANDRA DAS, 2IC (WORKS), SDG HQ (EC), KOLKATA, BSF

438. SHRI VIRENDRA KUMAR YADAV, DC, 85 BN, BSF

439. SHRI SANAT KUMAR DUTTA, DC, 24 BN, BARAMULLA (J&K), BSF

440. SHRI C N SUNDAR SINGH, 2IC (WW), WATER WING, BHUJ, BSF

441. SHRI BASAPPA BHIMAPPA HOSAMANI, DC, 137 BN, DINAJPUR, BSF

442. SHRI MAHIMA NAND MAMGAIN, DC (PPS), TEKANPUR, BSF

443. SHRI BENNY JOHN, DC (PPS), FHQ, NEW DELHI, BSF

444. SHRI SHAIK GHOUSE PEER, ASSISTANT COMMANDANT (PS), FTR HQ (SPL OPS), CHHATTISGARH, BSF

445. SHRI PRASAD KUMAR P S, ASSISTANT COMMANDANT, 132 BN, KANKER, BSF

446. SHRI UTTAM SINGH MINHAS, ASSISTANT COMMANDANT, 64 BN, NALKATA, BSF

447. SHRI BALRAM KUMAR SINGH, ASSISTANT COMMANDANT, STC, HAZARIBAGH, BSF

448. SHRI SATHYA PRAKASH T, INSPECTOR (GD), 21 BN, BAIKUNTHPUR, BSF

449. SHRI ATTAR SINGH, INSPECTOR (GD), 163 BN, BSF

450. SHRI SUNIL RAJHANS, INSPECTOR (GD), CENWOSTO, TEKANPUR, BSF

451. SHRI YOGENDRA ROY, INSPECTOR (GD), 169 BN, RANINAGAR, BSF

452. SHRI SAJJAN SINGH, INSPECTOR (TECH), SHQ, JAISALMER- NORTH, BSF

453. SHRI KADIRI PRABHAKAR, INSPECTOR (MIN), CEDCO, BANGALORE, BSF

454. SHRI RAVINDRA PRASAD JUYAL, INSPECTOR (MIN), FTR HQ, GAUHATY, BSF

455. SHRI VELAYUDHAN T K, INSPECTOR (PA), STC, BANGALORE, BSF

456. SHRI AMARDAS FATTESINGH CHHATRE, INSPECTOR (RO), FTR HQ SPL (OPS), CHHATTISGARH, BSF

457. SHRI UDAY KUMAR PANDEY, INSPECTOR (RO), TC&S, HAZARIBAGH, BSF

458. SHRI JAGDAMBA PRASAD, INSPECTOR (RM), BICIT, NEW DELHI, BSF

459. SHRI UMASHANKAR S, INSPECTOR (PH), COMPOSITE HOSPITAL, BSF

460. SHRI RAFIQUE AHMED MIRZA, SUB INSPECTOR (GD), 51 BN, I/NAGAR, BSF

461. SHRI KANHAIYA JHA, SUB INSPECTOR (GD), 52 BN, FAZILKA, BSF

462. SHRI CHEMATE SHIVRAM DAMU, SUB INSPECTOR (GD), STC, INDORE, BSF

463. SHRI M DURAI KUMAR, SUB INSPECTOR (GD), 182 BN, JALALABAD (PB), BSF

464. SHRI KARTICK CHANDRA HOWLY, SUB INSPECTOR (GD), 59 BN, BHUJ, BSF

465. SHRI P KRISHNAN, SUB INSPECTOR (GD), 18 BN, BHUJ, BSF

466. SHRI BISWAJIT BHUNIA, SUB INSPECTOR (RM), FTR HQ, KASHMIR, BSF

467. SHRI MANIKANTON NAIR G, SUB INSPECTOR (PH), STC, BANGALORE, BSF

468. SHRI DINESH CHANDRA TIWARI, ASSISTANT SUB INSPECTOR (GD), STC, UDHAMPUR, BSF

469. SHRI SHIV JATAN, ASSISTANT SUB INSPECTOR (GD), 136 BN, FEROZEPUR, BSF

470. SHRI MOHMAD KHALIL, CONSTBALE (WM), STC, HAZARIBAGH, BSF

471. SHRI SURESH CHANDRA SINGH NEGI, CONSTABLE (WC), 33 BN, PANTHACHOWK, BSF

472. SHRI DHARAMBIR SINGH, CT (SK), 172 BN, SHILLONG, BSF

473. SHRI UDAI NARAIN RAM, CONSTABLE (COBBLER), 101 BN, KHEMKARAN, PUNJAB, BSF

474. SHRI JOYCHANDRA SINGH, CT (TAILOR), 93 BN, DANTIWADA, BSF

475. SHRI SUDESH KUMAR, CT (CARPENTER), SHQ INDRESWAR NAGAR, BSF

476. SHRI TRILOK SINGH, CT (KAHAR), 171 BN, NOWSHERA (J&K), BSF

477. SHRI SACHIN BADSHAH, DIG, IGI AIRPORT, NEW DELHI, CISF

478. MS. REKHA NAMBIAR, SR.COMDT, SDSC, SHAR, SHRIHARIKOTA, CISF

479. SHRI YATENDRA NEGI, SR.COMDT, AHMEDABAD, CISF

480. SHRI DHIRAJ KUMAR SINGH, COMDT, DIG MUMBAI AIRPORT, CISF

481. SHRI SUBRAT KUMAR JHA, COMDT, SINGRAULI, CISF

482. SHRI GOPAL DUTT, COMDT, SSTPS, SHAKTHINAGAR, CISF

483. SHRI BRIJ MOHAN SINGH, DC, UNIT NTPC KANIHA, CISF

484. SHRI POORAN MAL, AC/EXE, DAMEL, NEW DELHI, CISF

485. SHRI UDAY KUMAR SAH, AC/EXE, HQ, NEW DELHI, CISF

486. SHRI PATI RAM DIWAKAR, AC/EXE, IOCL, DIGBOI, CISF

487. SHRI SANJOY KUMAR SARKAR, AC/JAO, SEZ-1 HQ KOLKATA, CISF

488. SHRI M RAVI, AC/JAO, HQRS, NEW DELHI, CISF

489. SHRI SATYA JEET SINGH, INSP/EXE, RRCAT INDORE, CISF

490. SHRI PRAMENDRA PRATAP SINGH, INSP/EXE, ASG, NEW DELHI, CISF

491. SHRI M N LAKSHMI NARASIMHA SWAMY, SI/EXE, SDSC, SHAR SHRIHARIKOTA, CISF

492. SHRI ANICE JOY, SI/EXE, BARC/TAPS, TARAPUR, CISF

493. SHRI P SAMWILLIAM, ASI/EXE, CPCL, MANALI, CHENNAI, CISF

494. SHRI SARVA NAND PANDEY, ASI/EXE, VARANASI AIRPORT, CISF

495. SHRI AWADESH KUMAR PANDEY, ASI/EXE, ASG, NEW DELHI, CISF

496. SHRI E IYYAM PILLAI, ASI/EXE, IPRC, MAHENDRAGIRI, CISF

497. SHRI KAMAL GURUNG, ASI/EXE, IOC GUWAHATI, CISF

498. SHRI RAJINDER KUMAR, ASI/EXE, IOC (GR) BARODA, CISF

499. SHRI MARDANSAB NOOR BASHA, ASI/EXE, KIOCL, MANGALORE, CISF

500. SHRI DANIEL KUTTY, HC/COOK, FACT, UDL, CISF

501. SHRI AJAI KUMAR SHARMA, COMMANDANT, 104 BN RAF AT RAMGHAT ROAD, ALIGARH, CRPF

502. SHRI DEVENDRA SINGH NEGI, COMMANDANT, 33 BN, PREET NAGAR, GANGYAL, JAMMU, CRPF

503. SHRI BALIHAR SINGH, COMMANDANT, CGO COMPLEX, NEW DELHI, CRPF

504. SMT. KARUNA RAI, COMMANDANT, 233(M) BN, GC, LUCKNOW, CRPF

505. SMT. VIJAYA DHOUNDIYAL, COMMANDANT, RAF SECTOR HQR, R.K PURAM SECTOR-1, NEW DELHI, CRPF

506. SHRI AMITABH KUMAR, COMMANDANT, 91 BN, RAF, GC, CAMPUS, BIJNAUR, LUCKNOW, CRPF

507. SHRI HARIOM KHARE, COMMANDANT, 160 BN, 160 BN, FCI CAMP, CHATHA, JAMMU, CRPF

508. DR. RAM DARSHAN GARI, DEPUTY INSPECTOR GENERAL (MED), COMPOSITE HOSPITAL, JAGDALPUR, BASTAR, CHHATTISGARH, CRPF

509. DR. SURENDRA PRASAD YADAV, CHIEF MEDICAL OFFICER (SG)/ COMMANDANT, RTC, RAJGIR, NALANDA (BIHAR), CRPF

510. SHRI DEEPAK SHARMA, ASSTT. COMMANDANT (MIN), CH, BANTALAB, JAMMU, CRPF

511. SHRI SHISHUPAL SINGH, ASSTT. COMMANDANT (MIN), CGO COMPLEX, NEW DELHI, CRPF

512. SHRI U SADASIVAM, DY. COMMANDANT (MIN), SOUTH ZONE HQ, HYDERABAD (TELAGANA) CRPF

513. SHRI K B K S CHOWDARY, SECOND – IN- COMMAND, 193 BN, MUSABANI, THE- GHATSILA, JHARKHAND, CRPF

514. SHRI T SURESH KUMAR, SECOND – IN- COMMAND, O/O DIGP, RANGE CHENNAI, AVADI (TAMIL NADU) CRPF

515. SMT. TRESA JOSSY V J, SUBEDAR MAJOR/ SISTER INCHARGE, CH, PUNE, CRPF

516. SHRI RAVINDRA SINGH, DY. COMMANDANT, 65 BN, RAIPUR, CRPF

517. SHRI HANSRAJ MEENA, DY. COMMANDANT, 190 BN, CHATRA, JHARKHAND, CRPF

518. SHRI PRADEEP KUMAR PANDEY, DY. COMMANDANT, 197 BN, CHAIBASA, JHARKHAND, CRPF

519. SMT. GYANDEN LHAMU BHUTIA, SECOND – IN- COMMAND, 232 BN, SALBONI WEST BENGAL, CRPF

520. SHRI RAJPAL YADAV, SECOND – IN- COMMAND, RANGE HQR, NEEMUCH (MP), CRPF

521. SHRI SUBRAT NAYAK, DY. COMMANDANT, GC, BHUBANESWAR, CRPF

522. SHRI BHIM SINGH, ASSTT. COMMANDANT., 192 BN, SRINAGAR, CRPF

523. SHRI DHIRAJ RAI, ASSTT. COMMANDANT, 239 BN, RAMPUR (UP) CRPF

524. SHRI JAINARAN SINGH, INSPECTOR /GD, GC, JAMSHEDPUR, CRPF

525. SHRI SURESH CHAND, INSPECTOR /GD, 122 BN ANDHERA MORE NEW DELHI, CRPF

526. SHRI HANUMAN PRASAD, INSPECTOR /GD, 183 BN, PULWAMA (J&K), CRPF

527. SHRI SOHAN SINGH, INSPECTOR /GD, ISA, MOUNT ABU (RAJASTHAN) CRPF

528. SHRI CHUNI LAL HEMBRAM, INSPECTOR /GD, 156 BN, DHALIGAON, ASSAM, CRPF

529. SHRI SHANKAR DEB BARMA, INSPECTOR /GD, 10 BN, BARPETA, ASSAM, CRPF

530. SHRI BIR SEN CHAUDHARY, INSPECTOR /GD, 47 BN, KOILWAR, ARA, BIHAR, CRPF

531. SHRI MAHABIR SINGH, INSPECTOR /GD, 166 BN, NEW PCR CAMP SIDHAR, JAMMU, CRPF

532. SHRI PRAFULA KUMAR DALAI, INSPECTOR /GD, GC, BHUBANESWAR, ODISHA, CRPF

533. SHRI KAMDEO SINGH, INSPECTOR /GD, GC, RANCHI (JHARKHAND) CRPF

534. SHRI BIPUL KUMAR SHOW, INSPECTOR /GD, 156 BN, DHALIGAON, ASSAM, CRPF

535. SHRI ASHOK KUMAR, SUB INSPECTOR/GD, 152 BN, ITI COMPLEX SHASTRI NAGAR, GOALPARA (ASSAM), CRPF

536. SHRI RAMESH CHAND, SUB INSPECTOR /GD, 243 BN, MAYUR VIHAR, PHASE-3, NEW DELHI, CRPF

537. SHRI RAGHUBIR SINGH, SUB INSPECTOR /GD, 156 BN, DHALIGOAN, ASSAM, CRPF

538. SHRI OM PRAKASH MISHRA, SUB INSPECTOR /GD, RANGE HQR LUCKNOW, CRPF

539. SHRI CHANDRA MANI PRASAD PANDEY, SUB INSPECTOR /GD, 165 BN, PHUNDRI, BHAIRAMGARH, BIJAPUR, (CHHATTISGARH), CRPF

540. SHRI PIAR SINGH, SUB INSPECTOR /GD, 174 BN, CHAIBASA, JHARKHAND, CRPF

541. SHRI SHAMSHER SINGH, SUB INSPECTOR /GD, GC, NEW DELHI, CRPF

542. SHRI YASHVIR SINGH, SUB INSPECTOR/GD, GC, GWALIOR, MADHYA PRADESH, CRPF

543. SHRI KRISHNAMURTHY R, SUB INSPECTOR/GD, 195 BN, BARSUR, DANTEWADA, CHHATTISGARH, CRPF

544. SHRI MOHANA DASAN M, ASSISTANT SUB INSPECTOR /GD, 30 BN, CHARDUAR, SONITPUR (ASSAM), CRPF

545. SHRI GYAN PRAKASH SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR /GD, 24 BN, YATRI NIWAS, KULGAM, (J&K), CRPF

546. SHRI NARAYAN SWAMY GOWDA B.K., ASSISTANT SUB INSPECTOR /GD, 165 BN, PHUNDRI, BHAIRAMGARH, BIJAPUR (CHHATTISGARH), CRPF

547. SHRI ASFAQUE AHMED KHAN, CONSTABLE/GD, GC, AGARTALA, TRIPURA, CRPF

548. SHRI SAMESWAR SAIKIA, CONSTABLE /GD, GC-II, AJMER (RAJASTHAN) CRPF

549. SMT. BHAWANA THAPA, INSPECTOR/GD (MAHILA), 135 (MAHILA) BN, GANDHINAGAR (GUJARAT), CRPF

550. SHRI K ANIL KUMAR, SUB INSPECTOR/RO, TIRIL ASHRAM, DHRUWA, RANCHI, (JHARKHAND), CRPF

551. SHRI MAHARAJ SINGH, INSPECTOR/ARMR, CWS-I, RAMPUR (UTTAR PRADESH), CRPF

552. SHRI KRISHNA RAM, HEAD CONSTABLE/CARPENTER, GC, HIRANAGAR, (J&K) CRPF

553. SHRI P KARUNAKARAN, INSPECTOR /MT, GC, AVADI (TAMIL NADU) CRPF

554. SHRI MANASA RAM, INSPECTOR /MT, GC, SRINAGAR (J&K), CRPF

555. SHRI RAJ KUMAR, CONSTABLE /KS, RTC, SRINAGR (J&K), CRPF

556. SHRI SANATAN PATRA, CONSTABLE /WC, 156 BN, DHALIGAON (ASSAM), CRPF

557. SHRI CHANDRASHEKHAR MORESHWAR KOTANGLE, CONSTABLE/SK, 213 (MAHILA) BN, NAGPUR (MAHARASHTRA) CRPF

558. SHRI KUNDAN LAL, SUB INSPECTOR/BAND, GC, JAMMU, CRPF

559. SHRI VISHAL ANAND, DIG (GD), SHQ (LIKABALI), LOWER SIANG (ARUNACHAL PRADESH), ITBP

560. SHRI VIR VERT NEGI, COMDT (GD), BLOCK-II, CGO COMPLEX, NEW DELHI, ITBP

561. SHRI PIYUSH PUSHKAR, COMDT (GD), 23RD BN, POST OFFICE- SEEMADWAR, DEHRADUN (UTTRAKHAND), ITBP

562. DR. PRASHANT MISHRA, CMO/SG, BASE HOSPITAL, TIGRI CAMP, NEW DELHI, ITBP

563. SHRI DEVENDRA CHAND, SM (PH), NORTH WEST HQ, POST OFFICE-56 APO, CHOGLAMSAR, LEH (UT), ITBP

564. SHRI LAXMAN SINGH, INSP (GD), 14TH BN, JAJARDEWAL, PITHORAGARH, ITBP

565. SHRI THAKUR SINGH, INSP (GD), 2ND BN, POST OFFICE-BABELI, KULLU (HIMACHAL PRADESH) ITBP

566. SHRI BIPAN SINGH, INSPECTOR (GD), 30TH BN, POST OFFICE- KARTARPUR, JALANDHAR (PUNJAB), ITBP

567. SHRI ASHWANI KUMAR, INSP (GD), BLOCK-II, CGO COMPLEX, NEW DELHI, ITBP

568. SHRI SURAJ THAPA, INSP (CM), ITANAGARH (ARUNACHAL PRADESH) ITBP

569. SHRI BALBIR SINGH, INSPECTOR (TELECOM), SHQ (SHIMLA), TARADEVI (HIMACHAL PRADESH), ITBP

570. SHRI RAJENDRA SINGH, ASI (GD), MPSD, MOHANBARI, DIBRUGARH (ASSAM), ITBP

571. SHRI ANIL KUMAR, SECOND IN COMMAND, 13 SRG, MANESAR, GURUGRAM, HARYANA, NSG

572. SHRI MAKESH SHARMA, RANGER-I/GD, 12 SRG, MANESAR, GURUGRAM, HARYANA, NSG

573. SHRI DHANAJI SHIVAJI NIKAM, ASSISTANT COMMANDER-I (GD), REGIONAL HUB, MILIND NAGAR, ANDHERI (EAST), MUMBAI, NSG

574. SHRI NITYA NAND, RANGER-I (GD), REGIONAL HUB, GANDHINAGAR, SRP GODA CAMP, MEGHANI NAGAR, AHMEDABAD, GUJARAT, NSG

575. SHRI ABHISHEK PATHAK, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, STR HQRS, LUCKNOW (UP), SSB

576. SHRI JITENDRA DEV VASHISHT, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, SHQ, LAKHIMPUR KHERI, SSB

577. SHRI DHARNI DHAR JHA, SUPERINTENDING ENGINEER, FHQ R.K PURAM, NEW DELHI, SSB

578. DR. CHANDRA KUMAR DAS, DEPUTY INSPECTOR GENERAL (MEDICAL), COMPOSITE HOSPITAL, SALONIBARI, SSB

579. SHRI SUDHANSHU KUMAR, DEPUTY INSPECTOR GENERAL (JAG), FHQ, R.K PURAM, NEW DELHI, SSB

580. DR. URMILA GARI (TOPPO), COMMANDANT (MEDICAL), 26 BN RANCHI, SSB

581. SHRI TAKA PIYASANG, NAIK (GD), 73 BN, SEIN THUK (AP), SSB

582. SHRI LAISHRAM ROCKET SINGH, INSPECTOR (GD), 37 BN, MANGALDOI, ASSAM, SSB

583. SHRI LONGJAM ANGOUMACHA SINGH, INSPECTOR (GD), 37 BN, MANGALDOI, ASSAM, SSB

584. SHRI SIBA PRASAD BARUAH, CONSTABLE (COOK), 20 BN, SITAMARHI (BIHAR), SSB

585. SHRI RAJ PAUL, CONSTABLE (WASHER MAN), 48 BN, JAYNAGAR, MADHUBANI, BIHAR, SSB

586. SHRI SONAL MOHAN AGNIHOTRI, DEPUTY DIRECTOR, IB HQRS., NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

587. SHRI P KARUNAKARAN, DEPUTY DIRECTOR, IB HQRS., NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

588. SHRI N GNANASAMBANDAN, DEPUTY DIRECTOR, SIB IMPHAL, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

589. SHRI SANTHOSH KUMAR CN, ADDITIONAL DEPUTY DIRECTOR/NP, IB HQRS., NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

590. SHRI AVINASH CHANDRA TRIPATHI, JOINT DEPUTY DIRECTOR/EXE, IB HQRS., NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

591. SHRI PANKAJ PRASOON, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, IB HQRS., NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

592. MS. KUM KUM SEN, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, SIB KOLKATA, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

593. SHRI RAJESH KUMAR RAI, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, IB HQRS., NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

594. SHRI THANGSING SOIMINTHANG SIMTE, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, SIB IMPHAL, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

595. SHRI ANTHONY RAJESH GOMES, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, EZRTC KOLKATA, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

596. SHRI JUDHISTHIRA BEHERA, JOINT DEPUTY DIRECTOR/EXE, SIB VIJAYAWADA, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

597. SHRI LAL CHAND, ASSISTANT DIRECTOR (SO), IB HQRS., NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

598. SHRI M SHUNMUGA SUNDARAM, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER /EXE, SIB MUMBAI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

599. SHRI ASHISH DUBEY, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER/EXE, SIB BHOPAL, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

600. SHRI SANDEEP KUMAR VERMA, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER /EXE, IB HQRS., NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

601. SHRI AKHILESH KUMAR, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER/TECH, IB HQRS., NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

602. SHRI SAROJ KUMAR SAHOO, SECTION OFFICER, IB HQRS., NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

603. SHRI AJAI KUMAR JHA, PRIVATE SECRETARY, SIB PATNA, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

604. SHRI SURESH KUMAR K, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-I/EXE, SIB THIRUVANANTHAPURAM, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

605. SHRI MUKESH KUMAR, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-I/EXE, SIB JAIPUR, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

606. SHRI GOURI LAL, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-I/EXE, SIB JAMMU, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

607. SHRI MANOJ KUMAR K, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-I/TECH, IB HQRS., NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

608. SHRI AJAY KUMAR SHARMA, ASSITANT SECTION OFFICER, IB HQRS., NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

609. SHRI UMESH CHANDRA SHARMA, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-II/EXE, SIB MEERUT, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

610. SHRI SIDDARAJA C, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-II/EXE, SIB BENGALURU, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

611. SHRI NETAR SINGH, JUNIOR INTELLIGENCE OFFICER-II/EXE, SIB DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

612. MS. GAGANDEEP GAMBHIR, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, AC-II, NEW DELHI, CBI

613. SHRI PRAVIN MANDLOI, SUPERINTENDENT OF POLICE, SU, NEW DELHI, CBI

614. SHRI KAUSHAL KISHORE SINGH, ADDL. SUPERINTENDENT OF POLICE, EOB, RANCHI (JHARKHAND), CBI

615. SHRI JAGRUP SINGH, DY. SUPERINTENDENT OF POLICE, ACB, CHENNAI, CBI

616. SHRI DARVIN K J, DY. SUPERINTENDENT OF POLICE, EOB, CHENNAI, CBI

617. SHRI BIKASH CHANDRA CHOURASIA, DY. SUPERINTENDENT OF POLICE, EO-II, NEW DELHI, CBI

618. SHRI JAVED AKHTAR ALI, DY. SUPERINTENDENT OF POLICE, ACB, GHAZIABAD, CBI

619. SHRI KUMAR ABHISHEK, DY. SUPERINTENDENT OF POLICE, SU, NEW DELHI, CBI

620. SHRI MANOJ KUMAR, DY. SUPERINTENDENT OF POLICE, POLICY DIVISION, NEW DELHI, CBI

621. SHRI GIRISH SONI, DY. SUPERINTENDENT OF POLICE, ACB, PUNE, CBI

622. SHRI JAGADEV SINGH YADAV, DY. SUPERINTENDENT OF POLICE, ACB, JAIPUR, CBI

623. SHRI MUKESH KUMAR, DY. SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI ACADEMY, GHAZIABAD (UP), CBI

624. SHRI TEJVIR SINGH, INSPECTOR OF POLICE, CBI ACADEMY, GHAZIABAD (UP), CBI

625. SHRI MUNNA KUMAR SINGH, INSPECTOR OF POLICE, BSFB, NEW DELHI, CBI

626. SHRI GANESH SHANKER, INSPECTOR OF POLICE, ACB, LUCKNOW, CBI

627. SHRI JAHAR LAL NAYEK, HEAD CONSTABLE, ACB, KOLKATA, CBI

628. SHRI ECHIKKAMANDANATH VARGESE PAULOSE, HEAD CONSTABLE, ACB, BANGALORE, CBI

629. SHRI JAGDISH CHOUDHARY, HEAD CONSTABLE, SCB, PATNA, CBI

630. SHRI BIJOY BARUA, HEAD CONSTABLE, STB, NEW DELHI, CBI

631. SHRI DEBDUTTA MUKHERJEE, HEAD CONSTABLE, SCB, KOLKATA, CBI

632. SHRI SATISH KUMAR, CONSTABLE, ACB, CHANDIGARH, CBI

633. SHRI ANUP MATHEWS, OFFICE SUPERINTENDENT, AC-I, NEW DELHI, CBI

634. SHRI KHOKAN BHATTACHARJEE, STENO GRADE-I, SU, KOLKATA, CBI

635. SHRI RAJ MOHAN CHAND, SR. PUBLIC PROSECUTOR, AC-VI/SIT, NEW DELHI, CBI

636. SHRI ANAND KUMAR, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL, DWARKA, NEW DELHI, SPG

637. SHRI ANOOP SINGH BISHT, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL, DWARKA, NEW DELHI, SPG

638. SHRI ARVIND KUMAR SOLANKI, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL, DWARKA, NEW DELHI, SPG

639. SHRI RAMPHAL SHARMA, SECURITY ASSISTANT, DWARKA, NEW DELHI, SPG

640. SHRI NUTAN SINGH, ASSISTANT DIRECTOR, MAHIPALPUR, BPR&D

641. SHRI DASHRATH KUMAR GAUR, ASSISTANT DIRECTOR, MAHIPALPUR, BPR&D

642. SHRI ANKIT GARG, DEPUTY DIRECTOR GENERAL, JANPATH BHAWAN, NEW DELHI, MINISTRY OF CIVIL AVIATION

643. SHRI RAJKUMAR, DISPATCH RIDER, JANPATH BHAWAN, NEW DELHI, MINISTRY OF CIVIL AVIATION

644. SHRI RAKESH CHANDRA SHUKLA, ZONAL DIRECTOR, NEWTOWN, AA-III, KOLKATA, NCB

645. SHRI RAKESH KUMAR CHAWLA, JOINT ASSISTANT DIRECTOR, NH-48, MAHIPALPUR, NEW DELHI, NCRB

646. DR. KAMEI LALJIKPOW RONGMEI, CHIEF MEDICAL OFFICER (SG), DOIMUKH, PAPUM PARE, ARUNACHAL PRADESH, NDRF

647. SHRI HITENDER PAL SINGH KANDARI, COMDT, PATGAON, GUWAHATI, ASSAM, NDRF

648. SHRI RAJINDER SINGH, INSPECTOR (TRAINING), UMSAW UMIAM MEGHALAYA, NEPA

649. SHRI MAHINDER SINGH GILL, DSP, GPO COMPLEX, INA, NEW DELHI, NHRC

650. SMT. K.B. VANDANA, DIG, HYDERABAD, NIA

651. SHRI ASHOKAN C M, ASI, KOCHI, NIA

652. SHRI DALBIR SINGH, ASI, IMPHAL, NIA

653. SHRI AJIT KUMAR SINGH, ASSISTANT COMMANDANT, SHIVARAMPALLY, HYDERABAD, SVP NPA

654. SHRI PANKAJ GANGWAR, INSPECTOR GENERAL CUM-PRINCIPAL CHIEF SECURITY COMMISSINER, ECOR, RPF

655. SHRI DEVARAYI SRINIVASA RAO, AC, 7BN/RPSF MAULA-ALI HYDERABAD, RPF

656. SHRI JAMJER KUMAR, AC, 15 BN RPSF, UDHAMPUR, (J&K), RPF

657. SHRI N. SRINIVAS RAO, SI, SECR, SETTLEMENT POST BSP (CG), RPF

658. SHRI VIVEK MOHAN, SI, NR, UDHAMPUR POST, RPF

659. SHRI RAJENDRAN J, SI, SR, PROSECUTION BRANCH/THYCAUD, RPF

660. SHRI PRAFULLA BHALERAO, HC, WR, POST-HYDERABAD, RPF

661. SHRI DIWAKAR SHUKLA, ASI, NER, IG/RPF OFFICE, RPF

662. SHRI PRAVEEN SINGH, INSPECTOR, 6BN/RPSF/DELHI, RPF

663. SHRI YAWAR HUSSAIN, SI, 15 BN/RPSF, UDHAMPUR, RPF

664. SHRI NILESH KUMAR, ASI, ECR, SECURITY CONTROL DANAPUR, RPF

665. SHRI VIJAY KUMAR, INSPECTOR, 6 BN/RPSF DELHI, RPF

666. SHRI SAJI AUGUSTINE, ASI, SR, RPF OUT POST POLLACHI, RPF

667. SHRI SHRI RAM SAHU, CT/COOK, 2 BN RPSF GORAKHPUR, RPF

668. SHRI CHHABURAO SAKHARJI DHAVALE, ASI/DRIVER/GR-1, CR, RPF POST PUNE, RPF

2. These awards are made under rule 4(ii) of the rule governing the grant of Police Medal for Meritorious Service.

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 72-Pres/2023—The President is pleased to award the President's Police Medal for Distinguished Service on the occasion of the Republic Day, 2023 to the under mentioned officers:—

1. SHRI ATUL SINGH, ADDL. DIRECTOR GENERAL OF POLICE, GUNTUR, ANDHRA PRADESH

2. SHRI SANGAM VENKATA RAO, RESERVE SUB INSPECTOR, 6TH BN., APSP MANGALAGIRI, ANDHRA PRADESH

3. SHRI PRAMOD KUMAR MISHRA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, PHQ ITANAGAR, ARUNACHAL PRADESH

4. SHRI KANGKAN JYOTI SAIKIA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, SOUTH RANGE SILCHAR, ASSAM

5. SHRI VINAY KUMAR SHARMA, SUB DIVISIONAL POLICE OFFICER, NEEMCHAK BATHANI GAYA, BIHAR

6. SHRI BINAY KRISHNA, INSPECTOR, EOU, PATNA, BIHAR

7. SHRI VIVEKANAND, ADDL. DIRECTOR GENERAL OF POLICE, ANO/SIB/CAF/STF, PHQ, NAWA RAIPUR, CHHATTISGARH

8. SHRI PREM NATH, JOINT COMMISSIONER OF POLICE/TECH, PROJECT IMPLEMENTATION & CYPAD, NCT DELHI

9. MS. SUNITA SHARMA, ASSTT. COMMISSIONER OF POLICE, POLICE HEADQUARTER, NCT DELHI

10. SHRI JASPAL KARAM SINGH, DIRECTOR GENERAL OF POLICE, PANAJI, GOA

11. SHRI VISHRAM UMAKANT BORKAR, SUPERINTENDENT OF POLICE, RAJ BHAWAN, GOA

12. SHRI ANUPAM SINGH GAHLAUT, ADDL. DIRECTOR GENERAL OF POLICE, CID (INTELLIGENCE). GANDIHINAGAR, GUJARAT
13. SHRI KANUBHAI KISHORBHAI PATEL, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ATS, AHMEDABAD, GUJARAT
14. SHRI AMITABH SINGH DHILLON, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, PHQ, PANCHKULA, HARYANA
15. SMT. SATWANT ATWAL TRIVEDI, ADDL. DIRECTOR GENERAL OF POLICE (SVACB), SHIMLA, HIMACHAL PRADESH
16. SHRI DANESH RANA, ADDL. DIRECTOR GENERAL OF POLICE (COORDINATION), PHQ, JAMMU & KASHMIR
17. SHRI VIJAY KUMAR, ADDL. DIRECTOR GENERAL OF POLICE, KASHMIR ZONE, SRINAGAR, JAMMU & KASHMIR
18. SHRI NAVIN KUMAR LAKRA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, RANCHI, JHARKHAND
19. SHRI K V SHARATH CHANDRA, ADDL. DIRECTOR GENERAL OF POLICE, BENGALURU, KARNATAKA
20. SHRI AMOSE MAMMEN, SUPERINTENDENT, STATE SPECIAL BRANCH, THRISSUR RANGE, KERALA
21. SHRI DINESH CHAND SAGAR, ADDL. DIRECTOR GENERAL OF POLICE, SHAHDOL ZONE, MADHYA PRADESH
22. SHRI ALOK RANJAN, ADDL. DIRECTOR GENERAL, PROVISIONING, PHQ, BHOPAL, MADHYA PRADESH
23. SHRI SANJAY TIWARY, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, LAW & ORDER, PHQ, BHOPAL, MADHYA PRADESH
24. SHRI RAM SIYA BAGHEL, CONSTABLE, 2ND BN, SAF, GWALIOR, MADHYA PRADESH
25. SHRI DEVEN TRIPURARI BHARTI, ADDL. DIRECTOR GENERAL OF POLICE, STATE SECURITY CO-OPERATION, MUMBAI, MAHARASHTRA
26. SHRI ANUP KUMAR SINGH, ADDL. DIRECTOR GENERAL OF POLICE, MUMBAI, MAHARASHTRA
27. SHRI SAMBHAJI NARAYAN DESHMUKH, SENIOR INTELLIGENCE OFFICER (POLICE SUB INSPECTOR), MUMBAI, MAHARASHTRA
28. SHRI DEEPAK DHANAJI JADHAV, POLICE SUB INSPECTOR, THANE, MAHARASHTRA
29. SMT. ACHIN HAOKIP, INSPECTOR GENERAL OF POLICE (AP-II), IMPHAL WEST, MANIPUR
30. SHRI LAIMAYUM AMARNATH SHARMA, SUB DIVISIONAL POLICE OFFICER, IMPHAL EAST, MANIPUR
31. SHRI PRODENSON SANGMA, HAVILDAR, 1ST MLP BN, MAWIONG, MEGHALAYA
32. SHRI R. VANLALDUATA, DSP/ ASSISTANT COMMANDANT, 1ST BN, MAP, MIZORAM
33. SHRI ETSSIMONGO NGULLIE, DEPUTY INSPECTOR GENERAL (RANGE), MOKOKCHUNG, NAGALAND
34. SHRI DHIRENDRA SAMBHAJI KUTEY, SPECIAL SECRETARY TO CHIEF MINISTER, ODISHA
35. SHRI PRAHALLAD KUMAR ROUT, CONSTABLE, VIGILANCE DIRECTORATE, ODISHA
36. SHRI GOLLAPALLI NAGESWARA RAO, ADDL. DIRECTOR GENERAL OF POLICE (PROV), CHANDIGARH, PUNJAB
37. SHRI MOHNISH CHAWLA, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, AMRITSAR, PUNJAB
38. SHRI OPINDERJIT SINGH GHUMAN, SENIOR SUPERINTENDENT OF POLICE, SRI MUKATSAR SAHIB, PUNJAB
39. SHRI BHIM SAIN SHARMA, INSPECTOR, JAIPUR, RAJASTHAN
40. SHRI BRIJESH KUMAR NIGAM, HEAD CONSTABLE, JAIPUR, RAJASTHAN
41. SMT. P. C. THENMOZHI, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, CRIME BRANCH, CHENNAI, TAMIL NADU

42. SHRI V. PONRAMU, ADDL. SUPERINTENDENT OF POLICE, CYBER CRIME WING, CHENGALPATTU, TAMIL NADU
43. SHRI P. RAVISEKARAN, ADDL. SUPERINTENDENT OF POLICE, ARIYALUR, TAMIL NADU
44. DR. ANIL KUMAR, ADDL. DIRECTOR GENERAL OF POLICE, HYDERABAD, TELANGANA
45. SHRI BRUNGI RAMAKRISHNA, ADDL. COMMANDANT, TSSP 12TH BATTALION, TELANGANA
46. SHRI SAURABH TRIPATHI, ADDL. DIRECTOR GENERAL OF POLICE (LAW & ODER), PHQ, TRIPURA
47. SHRI RAJA SRIVASTAVA, ADDL. DIRECTOR GENERAL OF POLICE, KARMIK DGP HQRS, LUCKNOW, UTTAR PRADESH
48. DR. NAMALA RAVINDER, ADDL. DIRECTOR GENERAL OF POLICE, GENERAL STAFF OFFICER TO DGP, LUCKNOW, UTTAR PRADESH
49. SHRI NAVEEN ARORA, ADDL. DIRECTOR GENERAL OF POLICE, ATS, LUCKNOW, UTTAR PRADESH
50. SHRI MOHIT AGARWAL, ADDL. DIRECTOR GENERAL OF POLICE, TECHNICAL SERVICES, LUCKNOW, UTTAR PRADESH
51. SHRI VINAY KUMAR, HEAD CONSTABLE CIVIL POLICE, COMMISIONARATE VARANSI, UTTAR PRADESH
52. SHRI V MURUGESAN, ADDL. DIRECTOR GENERAL OF POLICE (LAW & ORDER), DEHRADUN, UTTARAKHAND
53. SHRI JAWED SHAMIM, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, LAW & ORDER, KOLKATA, WEST BENGAL
54. SHRI SHIBA PRASAD MUKHERJEE, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE (ARMED BRANCH), STATE POLICE ACADEMY, BARRACKPORE, WEST BENGAL
55. SMT. SITA DEVI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CPS, WOMEN AND CHILD SUPPORT UT, SECTOR-17, UNIT, CHANDIGARH
56. SHRI SASEENDRAN M, COMMANDANT, HAPPY VALLEY, SHILLONG, ASSAM RIFLES
57. SHRI JATINDER SINGH OBEROI, INSPECTOR GENERAL, BSF ACADEMY, TEKANPUR, BSF
58. SHRI KULDEEP KUMAR GULIA, INSPECTOR GENERAL, CSWT, INDORE, BSF
59. DR. SHEKHAR JAISWAL, INSPECTOR GENERAL (MED/MS), CH. PATGAON, GUWAHATI, BSF
60. SHRI EDWIN JOHN BENNET, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, SHQ, TRIVANDRUM, BSF
61. SHRI DEEPAK CHATURVEDI, DIG/ADDL CLO, FHQ, NEW DELHI, BSF
62. MRS. SHIKHA GUPTA, INSPECTOR GENERAL, HQ NEW DELHI, CISF
63. SHRI PUSHKAR SINGH RAWAT, ASSISTANT COMMANDANT, RCFL, MUMBAI, CISF
64. SHRI PULIN MITRA, ASSISTANT SUB INSPECTOR /EXE, IOC, GUWAHATI, CISF
65. MS CHARU SINHA, INSPECTOR GENERAL, SRINAGAR SECTOR, BREIN NISHAT, SRINAGAR, J&K, CRPF
66. SHRI AJAY KUMAR YADAV, INSPECTOR GENERAL, HQ, NEW DELHI, CRPF
67. DR. BHASKAR RAY, DEPUTY INSPECTOR GENERAL (MEDICAL), SEMBO, RANCHI, CRPF
68. SHRI RAKESH SINGH JOON, COMMANDANT, 25TH BN, ARMED POLICE COMPLEX, UPPER HUMAMA, BUDGAM, CRPF
69. SHRI MERUGU RAVINDER REDDY, ASSISTANT SUB INSPECTOR /GD, 2ND SIGNAL BN, HYDERABAD, CRPF
70. SHRI SANDEEP KHOSLA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL (GD), SHQ, LEH, LADAKH (UT), ITBP
71. SHRI DHARAMPAL SINGH RAWAT, COMMANDANT/GD, 20TH BN, AALO, WEST SIANG, ITBP
72. SHRI BISHAN SINGH, INSPECTOR (GD), 8TH BN, GAUCHAR, CHAMOLI, ITBP
73. SHRI MADAN LAL, ASSISTANT COMMANDANT (MINISTRIAL), SHQ, JALPAIGURI, SSB
74. SHRI VINODAN K.N., INSPECTOR (MINISTRIAL), FHQ, R.K. PURAM, NEW DELHI, SSB
75. SHRI JANARDAN SINGH, JOINT DIRECTOR, IB HQRS., NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

76. SHRI RAJESH SUBARNO, JOINT DIRECTOR, SIB BHUBANESWAR, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

77. SHRI OMENDRA NATH BHASKAR, JOINT DIRECTOR, IB HQRS., NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

78. SHRI DAL CHAND SINGH OLAK, JOINT DEPUTY DIRECTOR/EXE, IB HQRS., NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

79. SHRI MANOJ KUMAR JHA, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, SIB PATNA, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

80. SHRI SANDEEP MAMGAIN, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, IB HQRS., NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

81. SHRI RAJEEV ANANTRAO WANKHEDE, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, SIB AHMEDABAD, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

82. SHRI ASHOK KUMAR LIDHU, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-I/EXE, IB HQRS., NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

83. SHRI VIPLAV KUMAR CHOUDHRY, JOINT DIRECTOR, SPECIAL CRIME ZONE, NEW DELHI, CBI

84. SHRI SHARAD AGARWAL, JOINT DIRECTOR, SPECIAL TASK ZONE, NEW DELHI, CBI

85. SHRI SATYA NARAYAN JAT, ADDL. SUPERINTENDENT OF POLICE, ACB, 1ST TILAK MARG, JAIPUR, CBI

86. SHRI M. THANGLIAN MANG, ADDL. SUPERINTENDENT OF POLICE, SEPCIAL CRIME-1, NEW DELHI, CBI

87. SHRI ADU RAM, HEAD CONSTABLE, SU, NEW DELHI, CBI

88. SHRI GOUTAM CHANDRA DAS, HEAD CONSTABLE, ACB, BHUBNESWAR, CBI

89. SHRI SANJAY KUMAR SINGH, DEPUTY DIRECTOR GENERAL, (OPERATION, ENFORCEMANT & COORDINATION) SECTOR-1, R.K. PURAM, NEW DELHI, NCB

90. SHRI DHAN RAM SINGH, SUPERINTENDENT OF POLICE, KOLKATA, NATIONAL INVESTIGATION AGENCY

91. SHRI NAVIN KUMAR SINGH, DIRECTOR GENERAL, NATIONAL CRITICAL INFORMATION INFRASTRUCTURE PROTECTION CENTRE, BLOCK-III, OLD JNU CAMPUS, NEW DELHI, NTRO

92. SHRI N MADHUSUDHANA REDDY, JOINT DIRECTOR, HYDERABAD, SVP NPA

93. SHRI RAJA RAM, INSPECTOR GENERAL CUM- PRINCIPAL CHIEF SECURITY COMMISSIONER, SECUNDERABAD, RAILWAY PROTECTION FORCE

2. These awards are made under rule 4(ii) of the rule governing the grant of President's Police Medal for Distinguished Service.

S.M. SAMI
Under Secretary

MINISTRY OF TEXTILES

New Delhi-110011, the 23rd June 2023

RESOLUTION

Subject: Reconstitution of Hindi Salahakar Samiti of Ministry of Textiles.

No. E.-11011/1/2019-Hindi—Ministry of Textiles, Government of India has decided to reconstitute Hindi Salahakar Samiti of the Ministry of Textiles in supersession of its resolutions No. E-11011/1/2014-Hindi dated 12th March, 2015, 7th September, 2016 and 9th March, 2018. Its composition, functions etc. will be as under:—

	Minister of Textiles	Chairman
	Minister of State for Textiles	Vice-Chairman
	Non-Official Members	
	Nominated by Parliamentary Committee on Official Language	
1.	Smt. Kanta Kardam, Member of Parliament (Rajya Sabha)	Member
2.	Ms. Saroj Pandey, Member of Parliament (Rajya Sabha)	Member

	Nominated by Ministry of Parliamentary Affairs	
3.	Smt. Shardaben Anilbhai Patel, Member of Parliament (Lok Sabha)	Member
4.	Shri Shankar Lalwani, Member of Parliament (Lok Sabha)	Member
5.	Dr. Ashok Bajpai, Member of Parliament (Rajya Sabha)	Member
6.	Smt. Jaya Bachchan, Member of Parliament (Rajya Sabha)	Member
	Nominated by Deptt.Of Official Language	
7.	Shri Dinesh Gaur	Member
8.	Shri Baban Ghosh	Member
9.	Shri Raju Gowda	Member
	Nomitated by Rastrabhasha Prachar Samiti ,Wardha	
10.	Shri Mahesh Banshidhar Agrawal	Member
	Nominated by Kendriya Hindi Sachivalaya Parishad	
11.	Shri Suresh Tiwari	Member
	Nominated by Minister of Textiles	
12.	Shri Prashant Kumar Singh	Member
13.	Shri Dharmendra Tripathi	Member
14.	Shri Manraj Gurjar	Member
15.	Shri Nikhil Yadav	Member
	Official Members (Department of Official Language)	
16.	Secy., Deptt.of Official Language and Hindi Advisor to the Govt.of India.	Member
17.	Joint Secy.,Deptt.of Official Language	Member
	(Ministry of Textiles)	
18.	Secretary(Textiles)	Member
19.	AS&FA, Ministry of Textiles,	Member
20.	Development Commissioner(Handloom),New Delhi	Member
21.	Development Commissioner(Handicraft),New Delhi	Member
22.	Textile Commissioner, O/O Textile Commissioner, Mumbai	Member
23.	Jute Commissioner, O/O Jute Commissioner, Kolkata	Member
24.	Chairman-cum-Managing Director, NTC, New Delhi	Member
25.	Chairman-cum-Managing Director, British India Corporation, Kanpur	Member
26.	Member Secretary, Central Silk Board, Bangalore	Member
27.	Chairman-cum-Managing Director, Cotton Corporation of India, Mumbai	Member
28.	Chairman-cum-Managing Director, Handicraft & Handloom Export Corporation, New Delhi.	Member
29.	Managing Director, Central Cottage Industries Corporation, New Delhi.	Member
30.	Chairman-cum-Managing Director, Jute Corporation of India Ltd., Kolkata.	Member
31.	Managing Director, National Handloom Development Corporation, Greater Noida -201306 U.P.	Member
32.	Director General, National Institute of Fashion Technology, New Delhi.	Member
33.	Executive Director, Central Wool Development Board, Jodhpur.	Member
34.	Secretary, Textile Committee, Mumbai.	Member
35.	Secretary, National Jute Board, Kolkata	Member
36.	Director, Sardar Vallabhbhai Patel International School of Textiles and Management, Coimbatore	Member
37.	Economic Adviser (Incharge of O.L) Ministry of Textiles	Member Secretary

(II) Functions of the Committee

The functions of the Samiti will be to render advice in regard to the implementation of the provisions relating to Official Language contained in the constitution, Official Language Act and Rules, and policy decisions of the Kendriya Hindi Samiti (Under Chairmanship of Hon'ble Prime Minister) and instructions issued by the Ministry of Home Affairs (Department of Official Language) relating to official language and also in regard to the progressive use of Hindi in the Ministry.

(III) TENURE

1. The tenure of the Samiti will be ordinarily for 3 years from the date of its constitution.
2. If a person is nominated as Member in the middle of the term, he will hold the office for the residual term of the Samiti.
3. In special circumstances, the tenure of the Samiti may be curtailed or enhanced by the Ministry.
4. Member of Parliament who are the members of Committee shall cease to be members as soon as they cease to be Member of Parliament.
5. Ex-officio member of the Samiti shall continue as member as long as they hold office by virtue of which they are member of the Samiti.

(IV) General

(1) Headquarters of the Samiti will be at New Delhi but it may hold its meetings at any other station also.

(2) The Non-Official Members will be paid Travelling Allowance and Daily Allowance for attending meetings of the Samiti as per the guidelines contained in the Department of Official Language' s O.M. No. II/22034/04/86- OL (A-2) dated 22nd January, 1987 as amended from time to time.

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated, all members of the committee to all State Governments and Union Territory Administrations, President's Secretariat, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Ministry of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, NITI Ayog, Comptroller and Auditor General of India, A.G.C.R and all Ministries and Departments of Government of India.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information & upload on the website of the ministry.

GAURAV KUMAR
Economic Adviser

MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE

New Delhi, the 26th June 2023

Subject-: Constitution of Regional Offices and their Sub-offices of the Ministry of Environment, Forest and Climate Change.

No. 1-5/2013-ROHQ—In continuation of this Ministry's Notification dated 13.08.2020, it has been decided with the approval of the competent authority to disintegrate Integrated Regional Offices and constitute 11 (eleven) Regional Offices (ROs) of Ministry of Environment, Forest and Climate Change (MoEF&CC) namely, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Lucknow, Shillong, Chandigarh, Chennai, Dehradun, Nagpur, Ranchi and Gandhinagar with 9 Sub-offices at Kolkata (under RO, Bhubaneswar), Hyderabad & Vijayawada (under RO, Chennai), Shimla & Jammu (under RO, Chandigarh), Guwahati (under RO, Shillong), Raipur (under RO Nagpur), Patna (under RO, Ranchi) and Jaipur (under RO, Gandhinagar) considering the requirements to deal with the mandates assigned to the Regional Offices, as per table given below:—

Sl. No.	Headquarter of the Regional Office	States and UTs under jurisdiction of RO and its Sub-office
1	Bangalore	Karnataka, Kerala, Goa and Lakshadweep
2	Bhopal	Madhya Pradesh
3	Bhubaneswar	Orissa
	Sub-office at Kolkata	West Bengal and Sikkim
4	Chennai	Tamil Nadu, Puducherry and Andaman & Nicobar Islands
	Sub-office at Hyderabad	Telangana
	Sub-office at Vijayawada	Andhra Pradesh

Sl. No.	Headquarter of the Regional Office	States and UTs under jurisdiction of RO and its Sub-office
5	Chandigarh	Chandigarh, Haryana and Punjab,
	Sub-office at Shimla	Himachal Pradesh
	Sub-office at Jammu	Jammu & Kashmir and Ladakh
6	Dehradun	Uttarakhand
7	Lucknow	Uttar Pradesh and Delhi
8	Nagpur	Maharashtra
	Sub-office at Raipur	Chhattisgarh
9	Ranchi	Jharkhand
	Sub-office at Patna	Bihar
10	Shillong	Manipur, Meghalaya, Mizoram and Tripura
	Sub-office at Guwahati	Assam, Nagaland and Arunachal Pradesh
11	Gandhinagar	Gujarat, Dadra & Nagar Haveli and Daman & Diu
	Sub-office at Jaipur	Rajasthan

2. It has also been decided that integration of different offices namely, National Tiger Conservation Authority (NTCA), Wildlife Crime Control Bureau (WCCB), Central Zoo Authority (CZA) and Forest Survey of India (FSI) with Regional Offices is hereby done away with and will be functioning as earlier before the integration vide notification dated 13.08.2020. The details relating to sanctioned strength of 11 ROs with 9 sub-offices is annexed as Annexure-I. The head of each of the ROs will be called Deputy Director General of Forests (Central), Regional Office, MoEF&CC.

3. Each of the above mentioned 11 Regional Office (RO) shall work as a regional unit of the MoEF&CC in achieving the outcomes related to the mandate of this Ministry enumerated in the Resolution No. 4-7/2012-ROHQ dated 08.01.2014. The Sub-office of ROs will assist the concerned ROs as per mandate defined in the said Resolution. The Regional Offices shall function as per Forest (Conservation) Rules as applicable. However, monitoring, examination and processing of proposals of diversion of forest lands, site inspection, conducting Fortnightly Review Coordination Meetings (FRCMs), assisting user agencies for facilitating in filing the proposals and solving bottlenecks therein shall be executed by the Sub-office of concerned ROs or as specified by this Ministry from time to time. Scientists posted in Sub-offices of ROs and Regional Offices shall report to the Head of concerned Regional Offices, respectively.

4. A new Regional Office is proposed at Gandhinagar and the process of its creation and posting of manpower will be taken up separately as per extant regulations of Government of India. Till the formal proposal of RO Gandhinagar is sanctioned (as proposed in Annexure-I) and approval given by the Department of Expenditure, the prevailing staff posted at Jaipur and Gandhinagar will be continued with available resources and manpower or as decided by this Ministry in this regard. Further, the disbursement of salary and other expenditure for RO Gandhinagar and Sub-office at Jaipur will be continued as being done earlier from RO Bhopal and RO Lucknow respectively till further orders. Sub-offices are being carved out from their parent ROs without any financial burden and creation of posts and utilizing the exisiting resources and infrastructures.

5. All the Scientists and other staff posted in Sub-offices will continue to report to the concerned DDGF (Central) who will also be their reporting officer for all matters related to administrative/ establishment and technical issues.

6. The budget under the scheme will also be re-allocated only to the Regional Offices in line with the proposed constitution of Regional Offices. The budget and expenditure will be controlled by the respective Regional Offices.

7. Consequent upon approval of Department of Expenditure for restructuring of Technical (Forestry) Cadre of MoEF&CC, the total sanctioned strength of the cadre has been made from 49 to 40. Staffing of the posts in Regional Offices including Sub-offices is as per Annexure-I, reflecting total number of sanctioned posts to 311 in Regional Offices, excluding ROHQ/Ministry, as compared to 319 in Resolution No. 4-7/2012-ROHQ dated 08.01.2014. The sanctioned strength of ROHQ/Ministry shall remain same as mentioned in Resolution No. 4-7/2012-ROHQ dated 08.01.2014.

7. Necessary action will be initiated by NIC for creation of flow on Parivesh Portal according to the new jurisdiction as per the Notification.

8. IFS Division of the Ministry will initiate necessary action and will issue orders for re-staffing and work allocation of IFS officers in light of creation of Sub-offices under Regional Offices.

9. The incumbents/officers posted in discontinued IROs will continue to daw salary from Regional Offices to which their jurisdiction has been shifted till any further orders. Since the extant Recruitment Rules (RRs) in respect of posts of PPS, PS, PA, Steno Gr 'D', JHT, Section Officer, Assistant, UDC, LDC, MTS, SCD were framed/amended post notification of resolution dated 08.01.2014, these RRs shall be amended in light of this Notification to make the unified administrative control of posts on all India level basis and the posts may also be transferred from one office to another as and when required with the approval of competent authority.

This issues with the approval of the Competent Authority Dy. No. 136776 dated 20.06.2023.

RAMESH KUMAR PANDEY
Inspector General of Forests

Annexure-I

Details of sanctioned strength at Regional Office, Bangalore				
Sl. No.	Name of the Post	Level in the Pay Matrix	Pay Level	Bangalore
1	2	3	4	5
1	Deputy Director General of Forests (C)	Rs. 182200-224100	15	1
2	Deputy Inspector General of Forests (C)	Rs. 131100-216600	13A	2
3	Assistant Inspector General of Forests (Central)	Rs. 123100-215900	13	1
4	Scientist 'F'	Rs. 131100-216600	13A	1
5	Scientist 'D'	Rs. 78800-209200	12	2
6	Scientist 'C'	Rs. 67700-208700	11	1
7	Asstt. Commissioner (Forestry)	Rs. 67700-208700	11	1
8	Principal Private Secretary (PPS) to DDGF (C)	Rs. 67700-208700	11	1
9	Private Secretary (Sr. P.A.)	Rs. 44900-142400	7	1
10	Section Officer *	Rs. 44900-142400	7	2
11	Research Officer Grade-II (Env.)	Rs. 44900-142400	7	1
12	Technical Officer Grade-II (Forestry)	Rs. 44900-142400	7	1
13	Assistant	Rs. 35400-112400	6	2
14	Research Assistant (Env.)	Rs. 35400-112400	6	1
15	Personal Assistant/Stenographer Grade-C	Rs. 35400-112400	6	2
16	Stenographer Grade 'D'	Rs. 25500-81100	4	3
17	Junior Translator	Rs. 35400-112400	6	1
18	Upper Division Clerk	Rs. 25500-81100	4	2
19	Lower Division Clerk	Rs. 19900-63200	2	3
20	Staff Car Driver	Rs. 19900-63200	2	2
21	Multi-Tasking Staff	Rs. 18000-56900	1	4
Total				35

* One post of Section Officer shall be transferred from RO Dehradun after 16.08.2023 till further orders.

Details of sanctioned strength at Regional Office, Bhopal				
Sl. No.	Name of the Post	Level in the Pay Matrix	Pay Level	Bhopal
1	2	3	4	5
1	Deputy Director General of Forests (C)	Rs. 182200-224100	15	1
2	Deputy Inspector General of Forests (C)	Rs. 131100-216600	13A	1
3	Assistant Inspector General of Forests (Central)	Rs. 123100-215900	13	1
4	Scientist 'F'	Rs. 131100-216600	13A	1
5	Scientist 'D'	Rs. 78800-209200	12	2

6	Scientist 'C'	Rs. 67700-208700	11	1
7	Principal Private Secretary (PPS) to DDGF (C)	Rs. 67700-208700	11	1
8	Private Secretary (Sr. P.A.)	Rs. 44900-142400	7	3
9	Section Officer	Rs. 44900-142400	7	1
10	Research Officer Grade-II (Env.)	Rs. 44900-142400	7	1
11	Technical Officer Grade-II (Forestry)	Rs. 44900-142400	7	1
12	Assistant	Rs. 35400-112400	6	2
13	Research Assistant (Env.)	Rs. 35400-112400	6	1
14	Stenographer Grade 'D'	Rs. 25500-81100	4	3
15	Junior Translator	Rs. 35400-112400	6	1
16	Upper Division Clerk	Rs. 25500-81100	4	2
17	Lower Division Clerk	Rs. 19900-63200	2	3
18	Staff Car Driver	Rs. 19900-63200	2	2
19	Multi-Tasking Staff	Rs. 18000-56900	1	4
Total				32

Details of sanctioned strength at Regional Office, Bhubaneswar				
Sl. No.	Name of the Post	Level in the Pay Matrix	Pay Level	Bhubanesar
1	2	3	4	5
1	Deputy Director General of Forests (C)	Rs. 182200-224100	15	1
2	Deputy Inspector General of Forests (C)	Rs. 131100-216600	13A	2
3	Assistant Inspector General of Forests (Central)	Rs. 123100-215900	13	1
4	Scientist 'F'	Rs. 131100-216600	13A	1
5	Scientist 'D'	Rs. 78800-209200	12	2
6	Scientist 'C'	Rs. 67700-208700	11	1
7	Principal Private Secretary (PPS) to DDGF (C)	Rs. 67700-208700	11	1
8	Asstt. Commissioner (Forestry)	Rs. 67700-208700	11	1
9	Private Secretary (Sr. P.A.)	Rs. 44900-142400	7	1
10	Section Officer	Rs. 44900-142400	7	1
11	Research Officer Grade-II (Env.)	Rs. 44900-142400	7	1
12	Technical Officer Grade-II (Forestry)	Rs. 44900-142400	7	1
13	Assistant	Rs. 35400-112400	6	2
14	Research Assistant (Env.)	Rs. 35400-112400	6	1
15	Personal Assistant/ Stenographer Grade-C	Rs. 35400-112400	6	1
16	Stenographer Grade 'D'	Rs. 25500-81100	4	3
17	Junior Translator	Rs. 35400-112400	6	1
18	Upper Division Clerk	Rs. 25500-81100	4	2
19	Lower Division Clerk	Rs. 19900-63200	2	3
20	Staff Car Driver	Rs. 19900-63200	2	2
21	Multi-Tasking Staff	Rs. 18000-56900	1	4
Total				33

Staff at Sub Office Kolkata within the sanctioned strength of RO Bhubaneswar

Sl. No.	Name of the Post	Level in the Pay Matrix	Pay Level	No. of Posts
1	Deputy Inspector General of Forests (C)	Rs. 131100-216600	13A	1
2	Scientist 'D'	Rs. 78800-209200	12	1
3	Technical Officer Grade-II (Forestry)	Rs. 44900-142400	7	1
4	Stenographer Grade 'D'	Rs. 25500-81100	4	1
5	Lower Division Clerk	Rs. 19900-63200	2	1
			TOTAL	5

Details of sanctioned strength at Regional Office, Chandigarh				
Sl. No.	Name of the Post	Level in the Pay Matrix	Pay Level	Chandigarh
1	2	3	4	5
1	Deputy Director General of Forests (C)	Rs. 182200-224100	15	1
2	Deputy Inspector General of Forests (C)	Rs. 131100-216600	13A	3
3	Assistant Inspector General of Forests (Central)	Rs. 123100-215900	13	0
4	Scientist 'F'	Rs. 131100-216600	13A	1
5	Scientist 'D'	Rs. 78800-209200	12	2
6	Scientist 'C'	Rs. 67700-208700	11	1
7	Asstt. Commissioner (Forestry)	Rs. 67700-208700	11	1
8	Principal Private Secretary (PPS) to DDGF (C)	Rs. 67700-208700	11	1
9	Technical Officer Grade-I (Forestry)	Rs. 47600-151100	8	1
10	Private Secretary (Sr. P.A.)	Rs. 44900-142400	7	1
11	Section Officer	Rs. 44900-142400	7	1
12	Research Officer Grade-II (Env.)	Rs. 44900-142400	7	1
13	Assistant	Rs. 35400-112400	6	2
14	Research Assistant (Env.)	Rs. 35400-112400	6	1
15	Research Investigator (Forestry)	Rs. 35400-112400	6	1
16	Personal Assistant/Stenographer Grade-C	Rs. 35400-112400	6	1
17	Stenographer Grade 'D'	Rs. 25500-81100	4	3
18	Junior Translator	Rs. 35400-112400	6	1
19	Upper Division Clerk	Rs. 25500-81100	4	2
20	Lower Division Clerk	Rs. 19900-63200	2	3
21	Staff Car Driver	Rs. 19900-63200	2	1
22	Multi-Tasking Staff	Rs. 18000-56900	1	3
Total				32

Staff at Sub Office Shimla within the sanctioned strength of RO Chandigarh

Sl. No.	Name of the Post	Level in the Pay Matrix	Pay Level	No. of Posts
1	Deputy Inspector General of Forests (C)	Rs. 131100-216600	13A	1
2	Scientist 'D'	Rs. 78800-209200	12	1
3	Technical Officer Grade-I (Forestry)	Rs. 47600-151100	8	1
4	Stenographer Grade 'D'	Rs. 25500-81100	4	1
5	Lower Division Clerk	Rs. 19900-63200	2	1
			TOTAL	5

Staff at Sub Office Jammu within the sanctioned strength of RO Chandigarh

Sl. No.	Name of the Post	Level in the Pay Matrix	Pay Level	No. of Posts
1	Deputy Inspector General of Forests (C)	Rs. 131100-216600	13A	1
2	Scientist 'D'	Rs. 78800-209200	12	1
3	Research Investigator (Forestry)	Rs. 35400-112400	6	1
4	Stenographer Grade 'D'	Rs. 25500-81100	4	1
5	Lower Division Clerk	Rs. 19900-63200	2	1
			TOTAL	5

Details of sanctioned strength at Regional Office, Chennai				
Sl. No.	Name of the Post	Level in the Pay Matrix	Pay Level	Chennai
1	2	3	4	5
1	Deputy Director General of Forests (C)	Rs. 182200-224100	15	1
2	Deputy Inspector General of Forests (C)	Rs. 131100-216600	13A	2
3	Assistant Inspector General of Forests (Central)	Rs. 123100-215900	13	1
4	Scientist 'F'	Rs. 131100-216600	13A	2
5	Scientist 'D'	Rs. 78800-209200	12	3
6	Scientist 'C'	Rs. 67700-208700	11	1
7	Principal Private Secretary (PPS) to DDGF (C)	Rs. 67700-208700	11	1
8	Private Secretary (Sr. P.A.)	Rs. 44900-142400	7	1
9	Section Officer	Rs. 44900-142400	7	1
10	Research Officer Grade-II (Env.)	Rs. 44900-142400	7	1
11	Technical Officer Grade-I (Forestry)	Rs. 47600-151100	8	1
12	Technical Officer Grade-II (Forestry)	Rs. 44900-142400	7	2
13	Assistant	Rs. 35400-112400	6	2
14	Research Assistant (Env.)	Rs. 35400-112400	6	1
15	Stenographer Grade 'D'	Rs. 25500-81100	4	3
16	Junior Translator	Rs. 35400-112400	6	1
17	Upper Division Clerk	Rs. 25500-81100	4	1
18	Lower Division Clerk	Rs. 19900-63200	2	2
19	Staff Car Driver	Rs. 19900-63200	2	2
20	Multi-Tasking Staff	Rs. 18000-56900	1	3
Total				32

Staff at Sub Office Hyderabad within the sanctioned strength of RO Chennai

Sl. No.	Name of the Post	Level in the Pay Matrix	Pay Level	No. of Posts
1	Deputy Inspector General of Forests (C)	Rs. 131100-216600	13A	1
2	Scientist 'F'	Rs. 131100-216600	13A	1
3	Technical Officer Grade-I (Forestry)	Rs. 47600-151100	8	1
4	Private Secretary	Rs. 44900-142400	7	1
5	Lower Division Clerk	Rs. 19900-63200	2	1
			TOTAL	5

Staff at Sub Office Vijayawada within the sanctioned strength of RO Chennai

Sl. No.	Name of the Post	Level in the Pay Matrix	Pay Level	No. of Posts
1	Asstt. Inspector General of Forests (C)	Rs. 123100-215900	13	1
2	Scientist 'D'	Rs. 78800-209200	12	1
3	Technical Officer Grade-II (Forestry)	Rs. 44900-142400	7	1
4	Upper Division Clerk	Rs. 25500-81100	4	1
5	Stenographer Grade 'D'	Rs. 25500-81100	4	1
			TOTAL	5

Details of sanctioned strength at Regional Office, Dehradun				
Sl. No.	Name of the Post	Level in the Pay Matrix	Pay Level	Dehradun
1	2	3	4	5
1	Deputy Director General of Forests (C)	Rs. 182200-224100	15	1
2	Deputy Inspector General of Forests (C)	Rs. 131100-216600	13A	2
3	Assistant Inspector General of Forests (Central)	Rs. 123100-215900	13	1
4	Scientist 'F'	Rs. 131100-216600	13A	0
5	Scientist 'D'	Rs. 78800-209200	12	1
6	Scientist 'C'	Rs. 67700-208700	11	1
7	Principal Private Secretary (PPS) to DDGF (C)	Rs. 67700-208700	11	1
8	Section Officer *	Rs. 44900-142400	7	1
9	Research Officer Grade-II (Env.)	Rs. 44900-142400	7	1
10	Technical Officer Grade-I (Forestry)	Rs. 47600-151100	8	1
11	Technical Officer Grade-II (Forestry)	Rs. 44900-142400	7	1
12	Assistant	Rs. 35400-112400	6	1
13	Research Assistant (Env.)	Rs. 35400-112400	6	1
14	Stenographer Grade 'D'	Rs. 25500-81100	4	3
15	Junior Translator	Rs. 35400-112400	6	1
16	Upper Division Clerk	Rs. 25500-81100	4	1
17	Lower Division Clerk	Rs. 19900-63200	2	2
18	Staff Car Driver	Rs. 19900-63200	2	2
19	Multi-Tasking Staff	Rs. 18000-56900	1	3
Total				25

* The post of Section Officer in IRO Dehradun is till 16.08.2023. Thereafter, this post shall be transferred to RO Bangalore till further orders.

Details of sanctioned strength at Regional Office, Lucknow				
Sl. No.	Name of the Post	Level in the Pay Matrix	Pay Level	Lucknow
1	2	3	4	5
1	Deputy Director General of Forests (C)	Rs. 182200-224100	15	1
2	Deputy Inspector General of Forests (C)	Rs. 131100-216600	13A	2

3	Assistant Inspector General of Forests (Central)	Rs. 123100-215900	13	1
4	Scientist 'F'	Rs. 131100-216600	13A	1
5	Scientist 'D'	Rs. 78800-209200	12	2
6	Scientist 'C'	Rs. 67700-208700	11	1
7	Principal Private Secretary (PPS) to DDGF (C)	Rs. 67700-208700	11	1
8	Private Secretary (Sr. P.A.)	Rs. 44900-142400	7	1
9	Section Officer	Rs. 44900-142400	7	1
10	Research Officer Grade-II (Env.)	Rs. 44900-142400	7	1
11	Technical Officer Grade-II (Forestry)	Rs. 44900-142400	7	1
12	Assistant	Rs. 35400-112400	6	2
13	Research Assistant (Env.)	Rs. 35400-112400	6	1
14	Research Investigator (Forestry)	Rs. 35400-112400	6	1
15	Personal Assistant/Stenographer Grade-C	Rs. 35400-112400	6	1
16	Stenographer Grade 'D'	Rs. 25500-81100	4	3
17	Junior Translator	Rs. 35400-112400	6	1
18	Upper Division Clerk	Rs. 25500-81100	4	2
19	Lower Division Clerk	Rs. 19900-63200	2	3
20	Staff Car Driver	Rs. 19900-63200	2	2
21	Multi-Tasking Staff	Rs. 18000-56900	1	4
Total				33

Details of sanctioned strength at Regional Office Nagpur				
Sl. No.	Name of the Post	Level in the Pay Matrix	Pay Level	Nagpur
1	2	3	4	5
1	Deputy Director General of Forests (C)	Rs. 182200-224100	15	1
2	Deputy Inspector General of Forests (C)	Rs. 131100-216600	13A	2
3	Assistant Inspector General of Forests (Central)	Rs. 123100-215900	13	1
4	Scientist 'F'	Rs. 131100-216600	13A	1
5	Scientist 'D'	Rs. 78800-209200	12	2
6	Scientist 'C'	Rs. 67700-208700	11	1
7	Principal Private Secretary (PPS) to DDGF (C)	Rs. 67700-208700	11	1
8	Section Officer	Rs. 44900-142400	7	1
9	Research Officer Grade-II (Env.)	Rs. 44900-142400	7	1
10	Technical Officer Grade-I (Forestry)	Rs. 47600-151100	8	1
11	Technical Officer Grade-II (Forestry)	Rs. 44900-142400	7	1
12	Assistant	Rs. 35400-112400	6	2
13	Research Assistant (Env.)	Rs. 35400-112400	6	1
14	Stenographer Grade 'D'	Rs. 25500-81100	4	3

15	Junior Translator	Rs. 35400-112400	6	1
16	Upper Division Clerk	Rs. 25500-81100	4	1
17	Lower Division Clerk	Rs. 19900-63200	2	2
18	Staff Car Driver	Rs. 19900-63200	2	2
19	Multi-Tasking Staff	Rs. 18000-56900	1	3
Total				28

Staff at Sub Office Raipur within the sanctioned strength of RO Nagpur

Sl. No.	Name of the Post	Level in the Pay Matrix	Pay Level	No. of Post
1	Deputy Inspector General of Forests (C)	Rs. 131100-216600	13A	1
2	Scientist 'C'	Rs. 67700-208700	11	1
3	Technical Officer Grade-II (Forestry)	Rs. 44900-142400	7	1
4	Assistant	Rs. 35400-112400	6	1
5	Stenographer Grade 'D'	Rs. 25500-81100	4	1
			TOTAL	5

Details of sanctioned strength at Regional Office, Ranchi

Sl. No.	Name of the Post	Level in the Pay Matrix	Pay Level	Ranchi
1	2	3	4	5
1	Deputy Director General of Forests (C)	Rs. 182200-224100	15	1
2	Deputy Inspector General of Forests (C)	Rs. 131100-216600	13A	2
3	Assistant Inspector General of Forests (Central)	Rs. 123100-215900	13	1
4	Scientist 'F'	Rs. 131100-216600	13A	1
5	Scientist 'D'	Rs. 78800-209200	12	2
6	Scientist 'C'	Rs. 67700-208700	11	1
7	Principal Private Secretary (PPS) to DDGF (C)	Rs. 67700-208700	11	1
8	Private Secretary (Sr. P.A.)	Rs. 44900-142400	7	1
9	Research Officer Grade-II (Env.)	Rs. 44900-142400	7	1
10	Technical Officer Grade-II (Forestry)	Rs. 44900-142400	7	1
11	Assistant	Rs. 35400-112400	6	2
12	Research Assistant (Env.)	Rs. 35400-112400	6	1
13	Research Investigator (Forestry)	Rs. 35400-112400	6	1
14	Stenographer Grade 'D'	Rs. 25500-81100	4	3
15	Junior Translator	Rs. 35400-112400	6	1
16	Upper Division Clerk	Rs. 25500-81100	4	1
17	Lower Division Clerk	Rs. 19900-63200	2	2
18	Staff Car Driver	Rs. 19900-63200	2	2
19	Multi-Tasking Staff	Rs. 18000-56900	1	3
Total				28

Staff at Sub Office Patna within the sanctioned strength of RO Ranchi

Sl. No.	Name of the Post	Level in the Pay Matrix	Pay Level	No. of Post
1	Deputy Inspector General of Forests (C)	Rs. 131100-216600	13A	1

2	Scientist 'D'	Rs. 78800-209200	12	1
3	Technical Officer Grade-II (Forestry)	Rs. 44900-142400	7	1
4	Stenographer Grade 'D'	Rs. 25500-81100	4	1
			TOTAL	4

Details of sanctioned strength for Regional Office, Shillong				
Sl. No	Name of the Post	Level in the Pay Matrix	Pay Level	Shillong
1	2	3	4	5
1	Deputy Director General of Forests (C)	Rs. 182200-224100	15	1
2	Deputy Inspector General of Forests (C)	Rs. 131100-216600	13A	2
3	Assistant Inspector General of Forests (Central)	Rs. 123100-215900	13	1
4	Scientist 'F'	Rs. 131100-216600	13A	1
5	Scientist 'D'	Rs. 78800-209200	12	3
6	Scientist 'C'	Rs. 67700-208700	11	1
7	Principal Private Secretary (PPS) to DDGF (C)	Rs. 67700-208700	11	1
8	Private Secretary (Sr. P.A.)	Rs. 44900-142400	7	1
9	Section Officer	Rs. 44900-142400	7	2
10	Research Officer Grade-II (Env.)	Rs. 44900-142400	7	1
11	Technical Officer Grade-I (Forestry)	Rs. 47600-151100	8	1
12	Technical Officer Grade-II (Forestry)	Rs. 44900-142400	7	1
13	Assistant	Rs. 35400-112400	6	2
14	Research Assistant (Env.)	Rs. 35400-112400	6	1
15	Stenographer Grade 'D'	Rs. 25500-81100	4	3
16	Junior Translator	Rs. 35400-112400	6	1
17	Upper Division Clerk	Rs. 25500-81100	4	1
18	Lower Division Clerk	Rs. 19900-63200	2	3
19	Staff Car Driver	Rs. 19900-63200	2	3
20	Multi-Tasking Staff	Rs. 18000-56900	1	4
		Total		34

Staff at Sub Office Guwahati within the sanctioned strength of RO Shilong

Sl. No.	Name of the Post	Level in the Pay Matrix	Pay Level	No. of Post
1	Deputy Inspector General of Forests (C)	Rs. 131100-216600	13A	1
2	Scientist 'D'	Rs. 78800-209200	12	2
3	Research Officer Grade-II (Env.)	Rs. 44900-142400	7	1
4	Stenographer Grade 'D'	Rs. 25500-81100	4	1
5	Lower Division Clerk	Rs. 19900-63200	2	1
			TOTAL	6

Proposed details of sanctioned strength for Regional Office, Gandhinagar				
Sl. No	Name of the Post	Level in the Pay Matrix	Pay Level	Gandhinagar
1	2	3	4	5
1	Deputy Director General of Forests (C)	Rs. 182200-224100	15	1

2	Deputy Inspector General of Forests (C)	Rs. 131100-216600	13A	1
3	Assistant Inspector General of Forests (Central)	Rs. 123100-215900	13	2
4	Scientist 'F'	Rs. 131100-216600	13A	1
5	Dy. Commissioner (Forestry)	Rs. 78800-209200	12	1
6	Scientist 'D'	Rs. 78800-209200	12	2
7	Scientist 'C'	Rs. 67700-208700	11	1
8	Principal Private Secretary (PPS) to DDGF (C)	Rs. 67700-208700	11	1
9	Private Secretary (Sr. P.A.)	Rs. 44900-142400	7	1
10	Section Officer	Rs. 44900-142400	7	1
11	Research Officer Grade-II (Env.)	Rs. 44900-142400	7	1
12	Technical Officer Grade-I (Forestry)	Rs. 47600-151100	8	1
13	Technical Officer Grade-II (Forestry)	Rs. 44900-142400	7	1
14	Assistant	Rs. 35400-112400	6	2
15	Research Assistant (Env.)	Rs. 35400-112400	6	1
16	Personal Assistant/Stenographer Grade-C	Rs. 35400-112400	6	1
17	Stenographer Grade 'D'	Rs. 25500-81100	4	2
18	Junior Hindi Translator	Rs. 35400-112400	6	1
19	Upper Division Clerk	Rs. 25500-81100	4	1
20	Lower Division Clerk	Rs. 19900-63200	2	2
21	Staff Car Driver	Rs. 19900-63200	2	2
22	Multi-Tasking Staff	Rs. 18000-56900	1	3
Total				30

*Proposal for creation of 30 posts for RO, Gandhinagar will be taken up in consultation with DoE, MoF

Staff at Sub Office Jaipur within the sanctioned strength of RO Gandhinagar

Sl. No.	Name of the Post	Level in the Pay Matrix	Pay Level	No. of Post
1	Deputy Inspector General of Forests (C)	Rs. 131100-216600	13A	1
2	Scientist 'D'	Rs. 78800-209200	12	1
3	Technical Officer Grade-I (Forestry)	Rs. 47600-151100	8	1
4	Stenographer Grade 'D'	Rs. 25500-81100	4	1
5	Lower Division Clerk	Rs. 19900-63200	2	1
			TOTAL	5

महाप्रबंधक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली–110002 द्वारा अपलोड एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली–110054 द्वारा ई–प्रकाशित़
UPLOADED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD, NEW DELHI-110002
AND E-PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054

Kshitiz Mohan Digitally signed by Kshitiz Mohan Date: 2023.07.01 12:09:30 +05'30'